

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं०  
No. 2

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 10, 1982/आषाढ़ 19, 1904  
NEW DELHI, SATURDAY, JULY 10, 1982/ASAD:IA 19, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I) PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)  
केन्द्रीय अधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम  
जिसमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc of a general character) issued by the Ministries  
of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other  
than the Administrations of Union Territories)

योजना मंत्रालय  
(सांख्यिकी विभाग)

नई दिल्ली, 28 जून, 1982

सं० का० नि० 592--संविधान की धारा 309 के परन्तुक्त द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति "यदिद्वारा केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन  
(औद्योगिक सांख्यिकी कक्ष) (श्रेणी-1 पद) भर्ती नियम, 1972 में संशोधन करने हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:-

- (1) ये नियम केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (औद्योगिक सांख्यिकी कक्ष) (श्रेणी-1 पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1982 कहें जायें।
  - (2) ये नियम भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।
2. केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (औद्योगिक सांख्यिकी कक्ष) (श्रेणी-1 पद) भर्ती (संशोधन) नियम 1972 में—  
(क) शब्द एवं अक्षर "श्रेणी-1" जहाँ भी आते हैं के स्थान पर शब्द "क" प्रतिस्थापित किया जाएगा।  
(ख) अनुसूची के लिए निम्नलिखित अनुसूची प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात्:-

### अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	प्रचरण पद अथवा अपचरण पद	सोधी भर्ती वाले व्यक्ति-यों के लिए आयु	क्या केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के अधीन जोड़े गए पदों की सेवा ग्राह्य है।	सोधी भर्ती यात्रों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	6A	7
उप निदेशक प्रशासन	1	गवर्नर के द्वारा संशोधन 'क' राजस्वित	1300-50-1600 रु०	प्रमाण पत्र	100 नहीं होता	100 नहीं होता	100 नहीं होता

क्या सीधे अर्जी वाले परीक्षा की व्यक्तियों के लिए अवधि, यदि निर्धारित आयु कोई हो तथा शैक्षिक अर्हताएं परीक्षण किए जाने वाले व्यक्तियों के संबंध में भी लागू होगी	क्या अर्जी पत्रों में सीधे अर्जी सेवा या पदोन्नति से अवधि प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण से तथा विभिन्न पदों/स्थानों द्वारा अर्जी की जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा की गयी अर्जी के मामले में जिन श्रेष्ठों से पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किए जाने हैं	यदि विभागीय पदोन्नति समिति है तो उसका गठन क्या है	किस परिस्थितियों में अर्जी करते समय सं लोक सेवा आयोग परामर्श लेना होगा
--	---	--	---	--

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	पदोन्नति से, जिसके न होने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण से।	पदोन्नति : केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (औद्योगिक सांख्यिकीय सेवा) के (गैर केन्द्रीय मन्त्रालय सेवा) के अनुभाग अधिकारी जिन की श्रेष्ठ में 8 वर्ष की नियमित सेवा हो। प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण : केन्द्रीय सरकार के अधीन सर्वस्य पदों पर 700—1300 रु० के वेतनमान के पद पर 5 वर्ष का अनुभव या समकक्ष या 650—1200 रु० के वेतनमान वाले पद पर 8 वर्ष का अनुभव तथा प्रशासन, स्थापना और लेखा कार्य का अनुभव हो। (प्रतिनियुक्ति की अवधि तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।)	1. वर्ग 'क' विभागीय पदोन्नति समिति (पदोन्नति पर विचार करने के लिए) जिसमें निम्नलिखित हैं :— 1. अध्यक्ष/सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग— अध्यक्ष 2. महानिदेशक अपर सचिव, के० सा० संगठन—सदस्य 3. उप-सचिव, सांख्यिकी विभाग—सदस्य 2. वर्ग, 'क' विभागीय पदोन्नति समिति (स्थायीकरण पर विचार करने के लिए) जिसमें निम्नलिखित हैं :— क. सचिव, सांख्यिकी विभाग— अध्यक्ष ग. महानिदेशक/अपर सचिव केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन—सदस्य ग. उप सचिव, सांख्यिकीय विभाग—सदस्य टिप्पणी : स्थायीकरण से संबंधित विभागीय पदोन्नति समिति की कार्यवाही संघ लोक सेवा आयोग को अनुमोदन के लिए भेजी जाएगी। यदि फिर भी संघ लोक सेवा आयोग के द्वारा इसका अनुमोदन नहीं किया जाता है, विभागीय पदोन्नति समिति की एक नई बैठक बुलाई जाएगी जिसकी अध्यक्षता, अध्यक्ष या सदस्य संघ लोक सेवा आयोग करेगा।	प्रत्येक अवसर पर चयन करने के लिए संघ लोक सेवा आयोग का परामर्श लेना होगा संघ लोक सेवा आयोग का परामर्श उस समय भी आवश्यक होगा जब इन नियमों में कोई संशोधन करना हो/छूट देनी हो।

(प्रतिनियुक्ति की अवधि 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।)

(नब टिप्पणी:— मूल नियम दिनांक 13-1-73 के सामान्य संबंधित नियम 17 के अधिन प्रकाशित किए गए)

2, निगम सामान्य सार्वजनिक नियम 940 दिनांक 2-8-1975 के अधिन संशोधित किए गए (अधिसूचना संख्या ए- 12018/2/72-स्था०-2 दिनांक 14/27 फरवरी 1975,)

[फा० सं० ए-12018/2/80-स्था० 2]

बी०डी० आहूजा, उप सचिव

## MINISTRY OF PLANNING

(Department of Statistics)

New Delhi, the 28th June, 1982

G.S.R. 592.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Statistical Organisation (Industrial Statistics Wing) (Class I post) Recruitment Rules, 1972, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Statistical Organisation (Industrial Statistics Wing) (Class I post) Recruitment (Amendment) Rules, 1982.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Statistical Organisation (Industrial Statistics Wing) (Class I post) Recruitment Rules, 1972—

(a) for the word and letter “Class I” wherever they occur; the word and letter “Group A” shall be substituted;

(b) for the Schedule, the following Schedule shall be substituted, namely:—

## SCHEDULE

Name of Posts	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection post or non-Selection Post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	6a	7
Deputy Director (Administration)	1 (One)	General Central Service Group 'A' Gazetted	Rs. 1200-50-1600	Selection	Not applicable	Not applicable	Not applicable

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation, if any	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt by promotion/ deputation/transfer, grades from which promotion deputation transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P. S.C. is to be consulted in making rectt.
8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	By promotion, failing which by transfer on deputation	Promotion Section Officers (Non-Central Secretariat Service) of the Central Statistical Organisation (Industrial Statistics Wing) with 8 years' regular service in the grade. Transfer on deputation : Officers under the Central Government holding analogous posts or with 5 years service in posts in the scale of Rs. 700-1300 or equivalent or with 8 years' service in posts in the scale of Rs. 650-1200 or equivalent and having experience of administration, establishment and accounts work. (Period of deputation shall not exceed 3 years).	1. Group 'A' DPC (for considering promotion) consisting of: (i) Chairman/Member, Union Public Service Commission—Chairman. (ii) Director General/Additional Secretary, C.S.O.—Member. (iii) Deputy Secretary, Deptt. of Statistics—Member. 2. Group 'A' D.P.C. for considering (confirmation) consisting of: (i) Secretary, Department of Statistics—Chairman. (ii) Director General/Additional Secretary Central Statistical Organisation—Member. (iii) Deputy Secretary, Deptt of Statistics—Member.	Selection on each occasion shall be made in consultation with the U.P.S.C. Consultation with the U.P. S.C. also necessary while amending/relaxing any of the provisions of these rules.

## MINISTRY OF PLANNING

## (Department of Statistics)

New Delhi, the 28th June, 1982

**G.S.R. 592.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Statistical Organisation (Industrial Statistics Wing) (Class I post) Recruitment Rules, 1972, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Statistical Organisation (Industrial Statistics Wing) (Class I post) Recruitment (Amendment) Rules, 1982.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Statistical Organisation (Industrial Statistics Wing) (Class I post) Recruitment Rules, 1972—

(a) for the word and letter “Class I” wherever they occur; the word and letter “Group A” shall be substituted;

(b) for the Schedule, the following Schedule shall be substituted, namely:—

## SCHEDULE

Name of Posts	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection post or non-Selection Post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	6a	7
Deputy Director (Administration)	1 (One)	General Central Service Group ‘A’ Gazetted	Rs. 1200-50-1600	Selection	Not applicable	Not applicable	Not applicable

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation, if any	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt by promotion/ deputation/transfer, grades from which promotion deputation transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P. S.C. is to be consulted in making rectt.
8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	By promotion, failing which by transfer on deputation	Promotion Section Officers (Non-Central Secretariat Service) of the Central Statistical Organisation (Industrial Statistics Wing) with 8 years’ regular service in the grade. Transfer on deputation : Officers under the Central Government holding analogous posts or with 5 years service in posts in the scale of Rs. 700-1300 or equivalent or with 8 years’ service in posts in the scale of Rs. 650-1200 or equivalent and having experience of administration, establishment and accounts work. (Period of deputation shall not exceed 3 years).	1. Group ‘A’ DPC (for considering promotion) consisting of: (i) Chairman/Member, Union Public Service Commission—Chairman. (ii) Director General/Additional Secretary, C.S.O.—Member. (iii) Deputy Secretary, Deptt. of Statistics—Member. 2. Group ‘A’ D.P.C. for considering (confirmation) consisting of: (i) Secretary, Department of Statistics—Chairman. (ii) Director General/Additional Secretary Central Statistical Organisation—Member. (iii) Deputy Secretary, Deptt of Statistics—Member.	Selection on each occasion shall be made in consultation with the U.P.S. C. Consultation with the U.P. S.C. also necessary while amending/relaxing any of the provisions of these rules.

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है, उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा,

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और, ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5 शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6 व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाले गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

#### अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बैतनमान	चयन पद या अभ्ययन पद	या सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए पदों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन), नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
-----------	----------------	----------	---------	---------------------	--	---	---

1	2	3	4	5	6	6क	7
अनुसूची अति-द्वारा (१ पद-जित)	2 (1982)	संशोधन केन्द्रीय सेवा समूह "ख" राज्य-राजपत्रित के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	650-30-740-35-810-४००-35-880-40-1000 ६००-४०-1200 रुपये	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिक्षा की अवधि, यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण या विनायीय प्रोन्नति अर्हताओं की दशा में उनकी संरचना जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	प्रोन्नति	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार के अधीन ऐसे अधिकारी (क) जो सदृश पद धारण किए हुए हैं या (ख) जिन्होंने 550-900 रु० के बैतनमान या समतुल्य बैतनमान वाले पदों पर 3 वर्ष सेवा की है, या (ग) जिन्होंने 425-700-800 रु० के या समतुल्य बैतनमान वाले पदों पर 8 वर्ष सेवा की है; और	लागू नहीं होता	इस पद पर नियुक्ति के लिए किसी अधिकारी का चयन करने समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक नहीं है।

8	9	10	11	12	13
			(1) जो प्रत्यक्ष कर विधि या संबद्ध प्रक्रिया में अनुभव रखते हैं। (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)		

[फा० सं० अ-12018/1/80-प्रशासन-1]

जी० ए० मेहरा, अवर सचिव

**MINISTRY OF FINANCE**

New Delhi, the 24th June, 1982

**G.S.R. 594.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Ministry of Finance (Department of Revenue) (Central Board of Direct Taxes) Section Officer (Excluded) and Assistant (Technical) Class II Recruitment Rules, 1965, so far as it relates to the post of "Section Officer (Excluded)", except as respect things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of Recruitment to the post of Section Officer (Excluded) in the Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), namely :—

1. Short title and Commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of Finance (Department of Revenue) Section Officer (Excluded, Central Board of Direct Taxes) Recruitment Rules, 1982.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in column 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and

other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person :—

- who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, and the Scheduled Tribes and other special categories in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

**SCHEDULE**

Name of post	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection post or non-selection Post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	6a	7
Section Officer (Excluded)	2(1982)*	General Central Service Group 'B' Gazetted	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable
	*Subject to variation dependent on workload.						

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation, if any	Method of rectt. by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P. S.C. is to be consulted in making rectt.
9	10	11	12	13	14
Not applicable	Not applicable	By transfer on deputation	Transfer on deputation (i) Officers under the Central Government:— (a) holding analogous posts; or (b) with 3 years service in posts in the scale of Rs. 550-900 or equivalent or (c) with 8 years service in posts in the scale of Rs. 425-700-800 or equivalent; and (ii) possessing experience in direct taxes laws and connected procedures: (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Not applicable	Consultation with the U.P. S.C. not necessary while selecting an officer for appointment to the post.

[F. No. A.12018/1/80-AD. I]

G.S. MEHRA, Under Secy.

## (आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 18 जून, 1982

सा. का. नि. 595.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति इस अधिसूचना द्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंक नोट प्रेस देवास अर्धसैनिक श्रेणी के पद) भर्ती नियमावली, खण्ड 1975 को और आगे संशोधित करने के लिए, निम्नलिखित नियम बनाते हैं:—

1. (1) इन नियमों को वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंक नोट प्रेस देवास, अर्धसैनिक श्रेणी के पद) भर्ती (संशोधन) नियमावली, 1982 कहा जाएगा।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंक नोट प्रेस, देवास अर्धसैनिक श्रेणी के पद) भर्ती नियमावली, 1975 में नियम 4 को निम्नलिखित नियम द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।

“भर्ती का तरीका, आयु सीमा और अर्हता आदि:—

(1) उपर्युक्त पदों पर भर्ती का तरीका, आयु सीमा, अर्हता और तत्संबंधी अन्य विषय वह होंगे जैसे कि उपर्युक्त की अनुसूची के कालम 6 से 14 तक विनिर्दिष्ट हैं।

(2) आयु सीमा का निश्चय करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में (अवस्थान और निकोबार तथा लक्षद्वीप से भिन्न) उम्मीदवारों से प्रार्थनापत्र की प्राप्ति की तारीख होगी। उन मामलों में जहाँ नियुक्तियों रोजगार केन्द्र के माध्यम से की जाती हों, निर्णायक तारीख वह अन्तिम तारीख होगी जब तक रोजगार केन्द्रों को नाम भेजने के लिए कहा गया हो।

(3) दि प्रचरण के किसी चरण में नियुक्ति करने वाले अधिकारी की यह राय हो कि इन जानियों के लिए आरक्षण पदों के भरणे के लिए इन समुदायों से उपयुक्त अनुभव सम्पन्न

उम्मीदवारों के मिलने की संभावना नहीं है तो नियुक्ति करने वाले अधिकारी के विवेक पर सीधी भर्ती के लिए विनिर्दिष्ट अनुभव संबंधी अर्हताएं अनुसूचित जानियों या अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के मामले में शिथिलनीय होंगी।”

पाद टिप्पणी: भारत के राजपत्र की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 235, दिनांक 21-2-1976, भाग 11, खण्ड 3(i), पृष्ठ 433 से 454 तक प्रकाशित मुख्य नियम देखिए। जो बाद में निम्नलिखित द्वारा संशोधित किए गए:—

1. अधिसूचना संख्या	सा.का.नि.9	1028	दिनांक	17-7-76
2. अधिसूचना संख्या	—नवैव—	1665	”	27-11-76
3. अधिसूचना संख्या	—नवैव—	395	”	25-3-78
4. अधिसूचना संख्या	—नवैव—	1284	”	28-10-78
5. अधिसूचना संख्या	—नवैव—	1424	”	2-12-78
6. अधिसूचना संख्या	—नवैव—	75	”	20-1-79
7. अधिसूचना संख्या	—नवैव—	143	”	27-1-79
8. अधिसूचना संख्या	—नवैव—	1207	”	29-9-79
9. अधिसूचना संख्या	—नवैव—	1233	”	6-10-79
10. अधिसूचना संख्या	—नवैव—	570	”	16-4-80
11. अधिसूचना संख्या	—नवैव—	610	”	7-6-80
12. अधिसूचना संख्या	—नवैव—	611	”	7-6-80
13. अधिसूचना संख्या	—नवैव—	349	”	4-4-81
14. अधिसूचना संख्या	—नवैव—	350	”	4-4-81
15. अधिसूचना संख्या	—नवैव—	1051	”	5-12-81

[सं. 2/2/81-बी. एन. पी.]

सी. जी. पथरोज, अव. सचिव

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 18th June, 1982

**G.S.R. 595.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs

(Bank Note Press, Dewas, Unclassified Industrial Cadre Posts) Recruitment Rules, 1975, namely:—

1. (1) These rules may be called the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Bank Note Press, Dewas, Unclassified Industrial Cadre Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1982.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. For rule 4 of the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Bank Note Press, Dewas, Unclassified Industrial Cadre Posts) Recruitment Rules, 1975, the following rule shall be substituted, namely:—

“4. Method of recruitment, age limit, qualification, etc.—

(1) Method of recruitment to the said posts, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 6 to 14 of the Schedule aforesaid.

(2) The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of the applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). In case the appointments are made through the Employment Exchange, the crucial date will be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.

(3) The qualification regarding experience specified for direct recruitment is relaxable at the discretion of the appointing authority in the case of candi-

dates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, if at any stage of selection the appointing authority is of the opinion that sufficient number of candidates belonging to these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the posts reserved for them.”

Footnote.—The principal rules published vide Notification No. G. S. R. 235 dated 21st February, 1976, Gazette of India, Part II, Section 3(i), pp. 433 to 454.

Subsequently amended by—

1. Notification No. GSR 1028	dt. 17-7-76
2. Notification No. GSR 1665	dt. 27-11-76
3. Notification No. GSR 395	dt. 25-3-78
4. Notification No. GSR 1284	dt. 28-10-78
5. Notification No. GSR 1424	dt. 2-12-78
6. Notification No. GSR 75	dt. 20-1-79
7. Notification No. GSR 143	dt. 27-1-79
8. Notification No. GSR 1207	dt. 29-9-79
9. Notification No. GSR 1233	dt. 6-10-79
10. Notification No. GSR 570	dt. 16-4-80
11. Notification No. GSR 610	dt. 7-6-80
12. Notification No. GSR 611	dt. 7-6-80
13. Notification No. GSR 349	dt. 4-4-81
14. Notification No. GSR 350	dt. 4-4-81
15. Notification No. GSR 1051	dt. 5-12-81

[No. F. 2/2/80-BNP]

C. G. PATHROSE, Under Secy.

### स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 25 जून 1982

सां०का०नि० 596.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए राष्ट्रपति एतद्वारा जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पॉडिचेरी में समाज विज्ञानी के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हेतु अध्यातः—

#### 1. संश्लिप्त शीर्षक और प्रारम्भ :

- इन नियमों का नाम जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पॉडिचेरी (समाज विज्ञानी) भर्ती नियम 1982 है।
- ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि को प्रवृत्त होंगे।

#### 2. संख्या, वर्गीकरण तथा वेतनमान :

पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण तथा वेतनमान वही होंगे जैसा कि अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में निदिष्ट है।

#### 3. भर्ती की विधि, आयुसीमा, अर्हताएं आदि :

उक्त पदों पर भर्ती की विधि, आयुसीमा, अर्हताएं तथा अन्य बातें वहीं होंगी जैसे कि उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 14 में निदिष्ट हैं।

#### 4. अनर्हता : कोई व्यक्ति

- जो किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह करता/करती है अथवा विवाह की संविदा करता/करती है जिसका कि पति या जिसकी पत्नी जीवित हो; अथवा
- जो व्यक्ति एक पति/एक पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति के साथ विवाह करता/करती है अथवा विवाह की संविदा करता/करती है, सेवा में नियुक्त होने का पात्र नहीं होगा।

परन्तु केन्द्रीय सरकार यह समाधान होने पर कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के दूसरे पक्षकार पर लागू होने वाली स्त्रीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है, और ऐसा करने के अन्य आधार हैं, किसी भी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

#### 5. छूट देने की शक्ति :

जहाँ केन्द्रीय सरकार का यह विश्वास हो कि छूट देना आवश्यक या उचित है वहाँ संघ लोक सेवा आयोग के पथमर्ग से और लिखित कारणों के आधार पर आदेश द्वारा किसी श्रेणी या वर्ग से संबंधित व्यक्तियों को इन नियमों से किसी उपबन्ध से छूट दे सकती है।

#### 6. व्याप्ति :

इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिये जिन आरक्षणों और अन्य रियायतों की व्यवस्था करना अपेक्षित है, उन पर इन नियमों की किसी बात का प्रभाव नहीं पड़ेगा।

## अनुसूची

पदों का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पर प्रस्तावित गैर चयन पर	सोश्रे ५.ती वाले उम्मीदवारों के लिए आयु सीमा	क्या सेवा में जोड़े गए वर्षों का लाभ केन्द्रिय निधि-कीय सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अंतर्गत मान्य होगा।	सोश्रे ५.ती वाले उम्मीदवारों से अपेक्षित शैक्षिक तथा अन्य योग्यताएं
-------------	----------------	----------	---------	------------------------------	--	---	---

1	2	3	4	5	6	6क	7
समाज विज्ञानी	*1 (1982) *कार्य- भार के अनुसार इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।	सामान्य केन्द्रिय सेवा ग्रुप "क" राजपत्रित अधिपिक वर्गीय	700-40-900- ध.री.-40-1100- 50-1300 रु०	लागू नहीं होता	35 वर्ष से अधिक नहीं (केन्द्रिय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार सरकारी कर्मचारियों के लिए 3 वर्ष तक शिथिलनीय) नोट— आयु सीमा प्रब-धारित करने की निगमित तारीख भारत के उम्मीद-वारों से आश्चर्य-पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि होगी (अंशमान और निकोबार तथा लक्षद्वीप के उम्मीदवारों को छोड़कर)	नहीं	प्रावश्यक : 1. किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय की डिग्री या समकक्ष योग्यता। 2. किसी मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय या संस्था से समाज सेवा या समाज कल्याण या सामाजिक कार्य या समाज विज्ञान या सामाजिक मनो-विज्ञान या मानवविज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री या डिप्लोमा अथवा समकक्ष योग्यता। किसी आयुविज्ञान संस्था या अनुसंधान केंद्र में मानव विज्ञान अथवा मेडिकल सोशल अथवा सामुदायिक स्वास्थ्य अनुसंधान की योजना बनाने, संगठित करने और चलाने के किसी उत्तरदायी पद पर 5 वर्षों का अनुभव।

## शैक्षणिक :

1. किसी मान्यता-प्राप्त विश्व-विद्यालय से संबद्ध विषय में डाक्टरेट की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता।
2. अनुसंधान रीति-विज्ञान में प्रशिक्षण।
3. तमिल का कार्यसाधक ज्ञान।

नोट 1 : गुप्तचित् उम्मीदवारों के मामले में संघ लोक सेवा आयोग के विवेक पर अर्हताएं शिथिलनीय हैं।

नोट 2: अनुसूचित जाति और जनजाति के उम्मीद-वारों के मामले में संघ लोक सेवा आयोग के विवेक पर अनु-सूचि अर्हताएं शिथि-

1	2	3	4	5	6	6A	7
							लनीय है यदि चयन की किसी अवस्था में संघ लोक सेवा आयोग का यह विचार हो कि इन उम्मीदवारों के लिए आरक्षण रिक्त पदों को भरने के लिए इन जातियों के अपेक्षित अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।
नया सीधी भर्ती के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आयु तथा योग्यताएं पदोन्नति वाले उम्मीदवारों पर भी लागू होंगी	परिबीजा अवधि यदि कोई हो।	भर्ती की विधि सीधी भर्ती या पदोन्नति द्वारा अथवा प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न विधियों से भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिफल।	यदि पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण द्वारा भर्ती होती तो वे श्रेष्ठ जिनमें पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाता है।	यदि विभागीय पदोन्नति समिति है तो उसकी संरचना क्या है।			वे परिस्थितियाँ जिनमें भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग का परामर्श लिया जाता है।
8	9	10	11	12	13		
लागू नहीं होता	2 वर्ष	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा ऐसा न होने पर सीधे भर्ती द्वारा।	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण/केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य सरकारों के अधीन ऐसे अधिकाधिकारी जो (क) (i) समान पद पर हों, अथवा (ii) 650-1200 रु० अथवा समकक्ष वेतनमान के पद पर तीन वर्ष की सेवा पूरी कर चुके हों; अथवा (iii) 550-900 रु० अथवा समकक्ष वेतनमान के पद पाँच वर्ष की सेवा पूरी कर चुके हों; और (ख) कालम 8 में सीधी भर्ती के लिए निर्धारित शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव रखते हों। (साधारणतया प्रतिनियुक्ति की अवधि 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।	बने "क" विभागीय पदोन्नति समिति (पुष्टि के विचार हेतु) : 1. संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय —अध्यक्ष 2. उपसहाय निदेशक—सदस्य 3. निदेशक, प्रशासन और संरक्षकता —सदस्य नोट : पुष्टि पर विचार करने संबंधी विभागीय पदोन्नति समिति का कार्य वृत्त आयोग को अनुमोदन के लिए भेजा जायेगा। यदि, आयोग इसका अनुमोदन नहीं करता तो संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या इसके किसी सदस्य की अध्यक्षता में विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक नए निरे से बुलाई जायेगी।	सीधी भर्ती करने समय और किसी अधिकारी को प्रतिनियुक्त के लिए चुनने समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श लेना जरूरी है।		

[पत्र सं० जेड-28015/28/80-एच.ई. (पी.जी.)]

एस० पी० असीन, डैस्क अधिकारी

## MINISTRY OF HEALTH &amp; FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 25th June, 1982

**G.S.R. 596.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution the President hereby makes the following rules regulating the method of re-

cruitment to the post of Social Scientist in the Jawaharlal Institute of Post Graduate Medical Education and Research, Pondicherry, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Jawaharlal Institute of Post Graduate Medical Education and Research, Pondicherry (Social Scientist) Recruitment Rules, 1982.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualification etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications, and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the said schedule.

4. Disqualification.—No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

#### SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	8
Social Scientist	1* (1982) *Subject to variation dependent on work-load	General Central Service Group 'A' Gazetted Non-Ministerial	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300	Not applicable	Not exceeding 35 years (Relaxable for Government Servants by 5 years in accordance with the instructions issued by the Central Government.) Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	No	Essential : (i) Degree of a recognised university or equivalent. (ii) Post-graduate Degree or Diploma in Social Service or Social Welfare or Social Work or Sociology or Social Psychology or Anthropology of a recognised University or institution or equivalent. (iii) 5 years' experience in a responsible capacity in planning, organising and conducting Anthropological or Medical Social or Community Health Research in a Medical Institution or Research Centre. Desirable: (i) Doctorate Degree in the relevant subject from recognised University or equivalent. (ii) Training in research methodology. (iii) Working knowledge of Tamil. Note: 1: Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Ser-

8

vice Commission in case of candidates otherwise well qualified.

Note: 2: The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation if any.	Method of rectt. whether by direct rectt. or promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making rectt.
9	10	11	12	13	14
Not applicable	2 years	By transfer on deputation falling which by direct recruitment.	Transfer on Deputation Officers under the Central Government or State Governments— (a)(i) holding analogous posts; or (ii) with three years' Service in posts in the scale of Rs. 650-1200 or equivalent; or (iii) with five years service in posts in the scale of Rs. 550-900 or equivalent; and (b) possessing the educational qualifications and experience prescribed for direct recruits under column 8. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Group 'A' Departmental Promotion Committee : (for considering confirmation).  1. Joint Secretary Ministry of Health & Family Welfare—Chairman 2. Deputy Director General—Member 3. Director, Administration & Vigilance—Member  Note: The proceeding of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the Union Public Service Commission for approval. If, however, these are not approved by the Union Public Service Commission, a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.	Consultation with the U.P.S.C. necessary while making direct recruitment and selecting an officer for appointment on deputation.

## कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 26 जून, 1982

सं०क०वि० 597.- राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कृषि विमानन निदेशालय (विद्युत इंजीनियर) शर्ती नियम, 1972 और कृषि विमानन निदेशालय (विद्युत इंजीनियर) शर्ती संशोधन नियम, 1974 को उन बातों के सिवाय अधिकांत करने हुए जिन्हें ऐसे अधिष्ठाण के पूर्व किया गया है या करने का लोप किया गया है. कृषि विमानन निदेशालय में उन मुख्य इंजीनियर (इलेक्ट्रॉनिक्स और संयंत्र) के पद पर शर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम "कृषि विमानन निदेशालय उपा मुख्य इंजीनियर (इलेक्ट्रॉनिक्स और संयंत्र) शर्ती नियम, 1982" है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और बेतनमान :—उक्त पद/पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उसका बेतनमान वे होंगे, जो इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. शर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अन्य अर्हताएं आदि :— उक्त पद पर शर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं और उनसे संबंधित अन्य बातों वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं : वह व्यक्ति—

(क) जिसमें ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसमें अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती।

5. शिथिल करने की शक्ति : जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, धरा वह, उसके लिए जो कारण हैं लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी बर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकती।

6. व्याप्ति : इन नियमों की कोई भी बात ऐसे श्रारक्षणों, आयु सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बेतनमान	उक्त पद अधिकाधिक पद	सीधे शर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सेवा में जोड़े गये शर्ती का कार्यवाही केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं	सीधे शर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	6क	7
उपा मुख्य इंजीनियर (इलेक्ट्रॉनिक्स और संयंत्र)	एक	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "क" राजपत्रित	1500-60-1800 रु०	लागू नहीं होता	45 वर्ष से अधिक नहीं (अन्य कारी सेवाओं के लिए शिथिल की जा सकती है) टिप्पण: आयु सीमा अध्यापन करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अध्यापियों से (उनमें सिविल और अंशमान और निर्यात और तथा लक्ष्य से रहते हैं) आवेदन	नहीं	आवश्यक : (1) किसी माध्यम-प्राप्त संस्थान से विद्युत या इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरी में डिप्लोमा या किसी माध्यम-प्राप्त विश्वविद्यालय से भौतिक विज्ञान या गणित विषयों सहित विज्ञान में उपाधि या समतुल्य

1	2	3	4	5	6	6A	7
					प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी।		<p>(2) निम्नलिखित समूहों में वायुयान अनुरक्षण इंजीनियर/वायुयान रेडियो अनुरक्षण इंजीनियर में प्रभुत्वः—</p> <p>समूह "क"—प्रवर्ग क और ख की अनुरक्षण प्रभुत्व वायुयान रेडियो जिसके अंतर्गत वायुवाहित रेडियो संचार और विक-चालन उपस्कर आ जाएं।</p> <p>समूह "ख"—प्रवर्ग भ की अनुरक्षण वायुयान इंजीनियर प्रभुत्व जिसके अंतर्गत विद्युत उपस्कर और इंजन ज्वलन साधन आ जाएं।</p> <p>समूह "ग"—प्रवर्ग भ वायुयान अनुरक्षण इंजीनियर प्रभुत्व जिसके अंतर्गत यंत्र को चालित और विद्युत-चालित वायुयान और इंजन उपकरण आ जाएं।</p> <p>(3) संचार/विकचालन उपस्कर या वायुयान विद्युत/ज्वलन उपस्कर या वायुयान यांत्रिक विद्युत उपकरणों अनुरक्षण और उन्हें प्रोद्धार करने का 10 वर्ष का अनुभव</p> <p>टिप्पण : (1) अर्हताएं अथवा प्रभुत्वित प्रभुत्वियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं।</p> <p>टिप्पण : (2) अनुभव संबंधी अर्हताएं संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार प्रभुत्वित जातियों अथवा अनु-सूचित जन जातियों के अभ्यर्थियों के मामले में उस दशा में शिथिल की जा सकती हैं जबकि चरन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग का यह दाय है कि इनके लिए</p>

1	2	3	4	5	6	6क	7
							<p>आरक्षित रिक्तियों को भर्ने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले इन समुदायों के अश्वर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।</p> <p>वांछनीय : किसी विमान संगठन में तकनीकी प्रशासन या इलेक्ट्रॉनिकी या विद्युत या उपकरण सम्बन्धित कर्मशाला में कार्य करने का अनुभव हो।</p>

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रो-प्रावि की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिष्कार की अवधि, यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती किए जाने वाले कि यों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में श्रेणियां। जनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण विमा जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसके संरचना	भर्ती करने में किस परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
--	------------------------------	---	--	---	---

8	9	10	11	12	13
आयु - नहीं शैक्षिक अर्हताएं -- हां	वो वर्ष	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसके अंतर्गत अस्वावधि संविदा भी है) द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	प्रोन्नति: (प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण) जिसके अंतर्गत अस्वावधि संविदा भी है (क) (1) भारतीय वायु सेना की वैमानिक इंजिनियरी (इलेक्ट्रॉनिकी) शाखा के ऐसे फ्लाइट सेफ्टी नेट या स्ववाहन सीजर जिन्हें वायुयान विद्युत और संयंत्र उपकरण या रेडियो उपकरणों के दुरुक्षण और उसके प्रोन्नति/स्थानान्तरण करने का 10 वर्ष का अनुभव हो। (2) स्तम्भ 7(2) में उल्लिखित तीनों समूहों में से किसी एक में 11/2 वर्ष के भीतर वायुयान दुरुक्षण इंजिनियर/वायुयान/रेडियो दुरुक्षण में अनुभूति प्राप्त करने वाली और उसी समूह में दूसरी अनुभूति उसके पश्चात् एक वर्ष के भीतर प्राप्त करना होगी।	पुष्टि पर विचार के लिए समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित होंगे अर्थात् :- 1. संयुक्त सचिव (निवेश) --- अश्वर्थ 2. संयुक्त सचिव (प्र०) --- सदस्य 3. निवेशक (पी पी) --- सदस्य 4. निवेशक (कृषि विमानन) --- सदस्य 5. संयुक्त आयुक्त (वीपी एफ) --- सदस्य टिप्पण : पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियों संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजे जाएंगे किन्तु यदि आयोग इनका अनुमोदन नहीं	अथवा प्रत्येक दशक पर संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा। इन नियमों के किन्हीं उपबंधों की संशोधित शिपिल करते समय आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

8

9

10

11

12

13

(ख) केन्द्रीय/राज्य सरकारों/लोक उद्योगों/अर्द्ध सरकारी स्थापना या कानूनी संघटनाओं में मध्यम पद धारण करने वाले अधिकारी या ऐसे अधिकारी जिन्होंने 1100-1600 या सम-तुल्य वेतनमान वाले पदों में 5 वर्ष सेवा की है और जो स्तम्भ 7 में संशोधित नहीं किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए बिहित शैक्षिक अर्हताएं रखते हैं।

(ग) ऐमा विभागीय उपरेड रेडियों इंजिनियर जिन्होंने उक्त श्रेणी में नियमित आधार पर 5 वर्ष सेवा की है और जो स्तम्भ 7 में संशोधित नहीं किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए (1) और (2) से बिहित शैक्षिक अर्हताएं रखता है, पर विचार किया जाएगा और यदि पद पर नियुक्त के लिए उनका अध्यापन किया जाता है तो उस पद का प्रोत्तति द्वारा भरा गया समझा जाएगा। (प्रतिनियुक्ति/संबंधी का अवधि सामान्यतः 4 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।

[सं० 2-29/75-रे००० एम०]

# MINISTRY OF AGRICULTURE

(Dept. of Agri. & Cooperation)

New Delhi, the 26th June, 1982

**G.S.R. 597.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Directorate of Agricultural Aviation (Electrical Engineer), Recruitment Rules, 1972, and the Directorate of Agricultural Aviation (Electrical Engineer) Recruitment (Amendment) Rules, 1974 except in respect of things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Deputy Chief Engineer (Electronics and Instruments), in the Directorate of Agricultural Aviation, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Directorate of Agricultural Aviation, Deputy Chief Engineer (Electronics and Instruments) Recruitment Rules, 1982.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications

and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

## 4. Disqualification.—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules, shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of Post	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection post or non-Selection Post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	6a	7
Deputy Chief Engineer (Electronics and Instruments).	1	General Central Service Group 'A' Gazetted.	Rs. 1500-60-1800	Not applicable	Not exceeding 45 years (Relaxable for Government servants). Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	No.	Essential. (i) Diploma in Electrical or Electronics Engineering of a recognised Institution. OR degree in Science with Physics or Mathematics as a elective subject of a recognised University or equivalent. (ii) Aircraft Maintenance Engineer/Aircraft Radio Maintenance Engineer licence in any one of the undermentioned groups:— Group 'A'—Aircraft Radio Maintenance Engineer licences in category A&B to cover Airborne Radio Communication and Navigation equipment. Group 'B'—Aircraft Maintenance Engineer Licences in Category 'X' to cover Electrical equipment and Engine Ignition Apparatus Group 'C'—Aircraft Maintenance Engineer licences in category 'X' to cover Mechanically and Electrically operated aircraft and Engine Instruments. (iii) 10 years' experience in maintenance and overhaul of communication/Navigation equipment or aircraft Electrical/Ignition equipment or Aircraft mechanical Electrical Instruments. Note 1: Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified. Note 2 : The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candi-

1	2	3	4	5	6	7
						<p>dates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.</p> <p>Desirable : Experience in Technical Administration of Electronics or Electrical or Instrument Repairer Workshop in an aviation Organisation.</p>

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation, if any.	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making rectt.
8	9	10	11	12	13
Age : No. Educational Qualifications : Yes	2 years	By promotion/transfer on deputation (including short-term contract) failing which by direct recruitment.	<p>Promotion/transfer on deputation (including short-term Contract):—</p> <p>(a)(i) Flt. Lt. or Sqn. Ldr. of aeronautical Engineering (Electronics) Branch of IAF with 10 years experience in maintenance and overhaul of Aircraft electrical and instruments or radio equipment.</p> <p>(ii) Must acquire Aircraft Maintenance Engineer/Aircraft Radio Maintenance Engineer licence in any one of the three groups mentioned in column 7 (ii) within 1½ years and second licence of the same group within 1 year thereafter.</p> <p>(b) Officers under the Central/State Governments/ Public Undertakings/Semi Government/Autonomous or Statutory Organisations holding analogous posts or with 5 years service in posts in the scale of Rs. 1100-1600 or equivalent and possessing the educational qualifications laid down for direct</p>	<p>Group 'A' Departmental Promotion Committee (for considering Confirmation) consisting of:</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. Jt. Secy.—Chairman (inputs).</li> <li>2. Jt. Secy.—Member (Admn.)</li> <li>3. Director (PP)—Member</li> <li>4. Director—Member Agricultural Aviation.</li> <li>5. Jt. Commissioner (CBF)—Member.</li> </ol> <p>Note:—The proceeding of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the commission for approval. If, however, these are not approved by the the Commission, a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the UPSC. shall be held.</p>	<p>Selection on each occasion shall be made in consultation with UPSC. Consultation with the commission also necessary while amending/relaxing any of the provisions of the rules.</p>

8	9	10	11	12	13
			recruits under column 7. (c) The Departmental Senior Radio Engineer with 5 years' regular service in the grade and possessing essential qualifications (i) and (ii) prescribed for direct recruitment in column 7 shall be considered and in case he is selected for appointment to the post the same shall be deemed to have been filled by promotion. (Period of deputation/contract shall ordinarily not exceed 4 years).		

[No. 2-29/72-PPS]

सा० का० नि० 598.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वनस्पति रक्षण संगरोध तथा संचयन निदेशालय, फरीदाबाद में निदेशक, केंद्रीय कीटनाशी प्रयोगशाला के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं ; अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वनस्पति रक्षण संगरोध तथा संचयन निदेशालय निदेशक केंद्रीय कीटनाशी प्रयोगशाला भर्ती नियम, 1982 है। (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे, जो इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अन्य अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं :—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केंद्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुमोदित है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति :—जहां केंद्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, आयु सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केंद्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की वर्गीकरण संख्या	वेतनमान	अथवा पद अथवा अथवा पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का काल या केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुवैय है या नहीं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षणिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
	* 1					
निदेशक (केंद्रीय कीट-नाशी प्रयोगशाला)	(1981) साधारण केन्द्रीय *कार्य- सेवा समूह "क" भार के राजपत्रित आधार पर- वर्तन किया जा सकता है।	2000-125/2 2250६०	लागू नहीं होता	अधिमानीत : 50 वर्ष से कम टिप्पण : आयु सीमा अवधारित करने लिए निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अंदमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी।	नहीं	आवश्यक : (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कीट विज्ञान / सूक्ष्म कृषि विज्ञान/ पादप रोग विज्ञान / रसायन विज्ञान (कार्बनिक) या जीव रसायन विज्ञान में डाक्टरेट की उपाधि (2) पादप रक्षण कार्य का पर्यवेक्षीय हेतिसिमत में 14 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव (जिसमें अनुसंधान कार्य का पर्याप्त अनुभव सम्मिलित है) जिसमें से 5 वर्ष की अनुभव पीढ़कनाशी के रजिस्ट्रीकरण और पीढ़कनाशी विधान के प्रवर्तन के क्षेत्र में होना चाहिए। टिप्पण : 1 अर्हताएं अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार सिविल की जा सकती हैं। 2. अनुभव संबंधी अर्हताएं संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों के मामलों में उस दशा में सिविल की जा सकती हैं, जब कि अथवा के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय हो कि उनके लिए आरक्षित पदों पर भर्ती के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले

1	2	3	4	5	6	7
						इन समुदायों के अध्यक्षीय पर्याप्त संख्या में उपबन्ध नहीं हो सकेंगे। नांछनीय : (1) कीटनाशी प्रयोगशाला की चलाने की पर्याप्त प्रशासकीय अनुभव और अनुसंधान कार्य का अनुभव। (2) कीटनाशी की क्षमालिटी और रक्षण से संबंधित परियोजनाओं की योजना संगठन और समन्वय करने के कार्य का अनु- भव।

सीधे भर्ती किए परीक्षा की जाने वाले व्यक्तियों अध्यापक, यदि कोई के लिए विहित आयु हो, और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की वषा में लागू होगी या नहीं	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती किए जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की वषा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति / स्थानांतरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा	
8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा (जिसके अंतर्गत अल्पाविधि संविदा भी है)	प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण (जिसके अंतर्गत अल्पाविधि संविदा भी है) केंद्रीय / राज्य सरकारों / लोक उपक्रमों / अर्द्ध सरकारी स्वायत्त या कानूनी संगठनों/ कृषि विश्वविद्यालयों / मान्यता प्राप्त अनुसंधान संस्थाओं या परिषदों के ऐसे अधिकारियों— (क) (1) सपुत्र पद धारण किए हुए हैं, या (2) जिन्होंने 1800-2000 रु० के या समतुल्य वेतनमान वाले पद पर 2 वर्ष सेवा की है। (3) 1500-1800/2000 रु० के या समतुल्य वेतन मान वाले पद पर 5 वर्ष सेवा की है; और (ख) जिनके पास स्तंभ 7 में सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव हैं (प्रतिनियुक्ति/संविदा की अवधि 5 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	(पुष्टि पर विचार करने के लिए) समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना 1. संयुक्त सचिव (च० र० तथा सं०) कृषि विभाग अध्यक्ष 2. संयुक्त सचिव (प्रशासन) कृषि विभाग— सदस्य 3. वनस्पति रक्षण सहायकार, वनस्पति रक्षण संगरोध तथा संयोजन निदेशात्मक —सदस्य टिप्पण : पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियां आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी (किन्तु यदि आयोग इनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी)	चयन प्रत्येक अवसर पर संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा।

[सं० 13-7/77-पीपीएस]

पी०के० तेजनी निदेशक, वनस्पति रक्षा

**G.S.R. 598.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Director, Central Insecticides Laboratory in the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage, Faridabad, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage, Director, Central Insecticides Laboratory, Recruitment Rules, 1982.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post;

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

#### SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non selection post	Age limit for direct recruits	whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	6a	7
Director (CIL)	1 (1981) Subject to variation dependent on workload.	General Central Service group (A) Gazetted.	Rs. 2000-125/2 2250	N.A.	Preferably below 50 years Note : the crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep).	No	Essential : (i) Doctorate Degree in Entomology/Nematology/Plant Pathology/Chemistry (Organic) or Bio-Chemistry from a recognised University or equivalent. (ii) 14 year's practical experience in a supervisory capacity of plant protection work (including adequate experience of research) out of which 5 years experience should be in the field of registration of pesticides and enforcement of pesticides legislation. Note 1: Qualifications are relaxable at the discretion of the UPSC in case of candidates otherwise well qualified. Note 2 : The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the U.P.S.C. in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and

1	2	3	4	5	6	7
						Scheduled Tribes if, at any stage of selection the U.P.S.C. is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.
						Desirable :
						(i) Adequate administrative experience of running an insecticide Laboratory and research experience.
						(ii) Experience of planning, organising and co-ordination projects relating to quality and safety of pesticides.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion / deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists what is its compositions	Circumstances in which the U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
N.A.	2 years	By direct recruitment failing which by transfer on deputation (including short-term contract)	Transfer on deputation (including short-term contract; Officers under the Central/State Govts./Public Undertaking Semi Govt., Autonomous or Statutory Organisations/ Agricultural Universities/ recognised Research Institutions or Councils. (a)(i) holding analogous posts ; OR (ii) with 2 years service in the posts in the scale of Rs. 1800-2000 or equivalent; OR (iii) with 5 years service in post in the scale of Rs. 1500-1800/2000 or equivalent; and (b) possessing the educational qualifications & experience prescribed for direct recruits under Col. 7. (Period of deputation/contract shall not exceed 5 years).	Group 'A' D.P.C. (for considering confirmation) 1. Joint Secretary (PP&S) D/o Agriculture —Chairman 2. Joint Secretary (Admn) D/o Agriculture —Member. 3. Plant Protection Adviser to the Govt. of India Dte. of PPQ&S —Member. Note : The proceedings of the DPC relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If however these are not approved by the Commission a fresh meeting of the DP.C. to be presided over by the Chairman or a member of the UPSC shall be held.	Selection on each occasion shall be made in consultation with U.P.S.C.

नई दिल्ली, 23 जून, 1982

सा० का० वि० 599—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कृषि मंत्रालय (तकनीकी अराजपत्रित समूह "ख" और समूह "ग" पद भर्ती) नियम, 1959 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :

- 1 (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कृषि मंत्रालय (तकनीकी अराजपत्रित समूह "ख" और समूह "ग" पद भर्ती) (संशोधन) नियम, 1982 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. कृषि मंत्रालय (तकनीकी अराजपत्रित समूह "ख" और "ग" पद भर्ती) नियम, 1959 की अनुसूची में "समूह ग अराजपत्रित पद" शीर्ष के नीचे मख 64 तथा उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित मखें और प्रविष्टियाँ अंतःस्थापित की जाएंगी अर्थात्:-

1	2	3	4	5	6	7
65 प्रचालक (फोटो प्रतिलिपि यंत्र)	1* साधारण कार्य भार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केंद्रीय सेवा समूह "ग" अराजपत्रित प्रतिलिपिकर्मीय	260-6-326 200-8-35000	अभ्यन	25 वर्ष** (केंद्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों, आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए शिथिल करके 35 वर्ष तक की जा सकती है)।	(1) मैट्रिक या समतुल्य (2) विभिन्न फोटो प्रतिलिपि यंत्रों के प्रचालन और अनुरक्षण में प्रशिक्षण प्राप्त होना चाहिए (3) फोटोस्टेट काफी तैयार करने का एक वर्ष का अनुभव होना चाहिए
				**स्तम्भ 6 में वर्णित आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों में (उनसे भिन्न जो अख्यान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में रहते हैं। आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी। ऐसे पदों की बाबत जिन पर भर्ती रोजगार कार्यालय के माध्यम से की जाती है, आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख वह तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालय से नाम सेजने के लिए कहा गया है।		

8	9	10	11	12	13
नहीं	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर सीसी भर्ती द्वारा	ऐसे कनिष्ठ गैस्टेटर अपरेटर्स में से, जिन्होंने उस श्रेणी में 3 वर्ष नियमित सेवा की है और ऐसे वफतारियों जमा-वारों (जिनके अंतर्गत सयन श्रेणी वफतारी / जमावार भी हैं) में से जिन्होंने उस श्रेणी में 6 वर्ष नियमित सेवा की है और जो पद पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के दृष्टिकोण से, प्रोन्नति द्वारा उनके पास कम से कम मिजिल स्टैम्ब पास की प्रवृत्त होगी चाहिए और उन्हें फोटो प्रतिलिपि यंत्र के प्रचालन और अनुरक्षण में प्रवीणता प्राप्त होनी चाहिए।	1. प्रशासन भारसाधक उपसचिव / निदेशक —अध्यक्ष 2. अवर सचिव (प्र०) —सदस्य 3. अवर सचिव जो अनुसूचित जाति, अनुसूचित जातजाति का प्रतिनिधित्व करता हो —सदस्य 4. बाहरी विभाग से अवर सचिव — सदस्य	लागू नहीं होता

1	2	3	4	5	6	7
68 नक्शानवीस (पी०पी०एम०सेल)	1*	साधारण केंद्रीय सेवा समूह "ग" पराजप- वित्त अलिपिकवर्गीय	425-15-500- द०रो०-15-560- 20-700 रु०	लागू नहीं होता	25 वर्ष** (केंद्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों और अनुदेशों के अनुसार निर्धारित करके 35 वर्ष तक की जा सकती है)।	आवश्यक : नक्शानवीस (सिविल में डिप्लोमा और 3 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव या आई० टी० आई० से राष्ट्रीय व्यवसाय प्रमाण पत्र राष्ट्रीय शिक्षा और 5 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव वांछनीय : जल प्रबंध, जल निकास और भू संरक्षण इंजीनियरी से संबंधित रेखाचित्र तैयार करने का अनुभव।

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	1 प्रशासन भारमात्रक का उपसचिव/निदेशक—अध्यक्ष 2. अवर मन्त्रि (प्रशासन) —सदस्य 3. अवर मन्त्रि, जो अनुसूचित जाति अनु- सूचित जनजाति का प्रतिनिधित्व करता हो —सदस्य 4 बाहरी विभाग से अवर मन्त्रि—सदस्य *कार्यभार के आधार परिवर्तन किया जा है। **स्तम्भ 6 में वर्णित आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अंशमान और निको- बार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी। ऐसे पदों की बाबत जिन पर भर्ती रोजगार कार्यालय के माध्यम से की जाती है, आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख वह तारीख होगी, जिस तारीख तक रोजगार कार्यालय से नाम भेजने के लिए कहा गया है।	लागू नहीं होता।

[सं० 12023 (25) / 80 -ई 4]

मरोज एस० कपूर, अवर मन्त्रि

New Delhi, the 23rd June 1982

**G.S.R. 599.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution the President hereby makes the following rules further to amend the Ministry of Agriculture (Recruitment to Technical Non-gazetted Group 'B' and 'C' posts) Rules, 1959 namely :—

1.(1) These rules may be called the Ministry of Agriculture (Recruitment to Technical Non-Gazetted Group 'B' and 'C' posts) (Amendment) Rules 1982.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Ministry of Agriculture (Recruitment to Technical non-gazetted Group 'B' and 'C' posts) Rules, 1959 in the Schedule, under the heading "Group 'C' Non-gazetted Posts after item 64 and the entries relating thereto the following items and entries shall be inserted namely :—

1	2	3	4	5	6	7
Operator (Photo Copying Machine)	1*	General Central Services Group Non-gazetted Non-Ministerial	Rs. 260-6-326-EB-8-350	Non-select- ion	25 Yrs. @ (Relaxable for Govt. servants upto 35 yrs in accordance with the instructions or orders issued by the Central Govt.	(i) Matriculation or equivalent. (ii) Should have undergone training in the operation and upkeep of different photo-copying machines. (iii) One year's experience in developing photo-stat copies.
8	9	10	11	12	13	
No	2 years	By promotion failing which by direct recruitment	By promotion from Junior Geotemer Operator with 3 years regular service in the grade and Daftries/Jamadars (including Selection Grade Daftries/Jamadars) with six years regular service in the grade and willing to be considered for the post. They should possess minimum qualifications of Middle Standard Pass and also have proficiency in operating and maintaining Photo Copying Machine.	1. Deputy Secretary/Director in charge of the Administration—Chairman 2. Under Secretary (Admin)—Member. 3. Under Secretary representing SC/ST—Member 4. Under Secretary from outside Department—Member	Not applicable	

\*Subject to variation dependent on workload.

@ "The crucial date for determining the age limit mentioned in Col. 6 of the Recruitment Rules will in each case be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep)

In respect of posts, the appointments to which are made through the Employment Exchanges, the crucial date for determining the age limit will, in each case, be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names;

1	2	3	4	5	6	7
66 Draftsman (PPM Cell)	1*	General Central Services Group 'C' Non-gazetted Non-Ministerial	Rs. 425-1-500-EB-15-560-20-700/-	Not applicable.	25 yrs @ (Relaxable for Govt. servants up to 35 yrs in accordance with instructions or orders issued by Central Govt.	Essential Diploma in Draftsmanship (Civil) with 3 years practical experience; OR National Trade Certificate/National Apprenticeship from I.T.I. with 5 years practical experience. Desirable : Experience in preparation of drawing related to water management drainage and soil Conservation engineering.
8	9	10	11	12	13	
Not applicable.	2 years	Direct recruitment.	Not applicable.	1. Deputy Secretary/Director in charge of Administration—Chairman 2. Under Secretary (Admin.—Member. 3. Under Secretary representing SC/ST—Member 4. Under Secretary from outside Department —Member.	Not applicable.	

\*Subject to variation dependent on work-load.

@The crucial date for determining the age limit mentioned in Col. 6 of the Recruitment Rules will in each case be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).

In respect of posts the appointments to which are made through the Employment Exchanges the crucial date for determining the age limit will in each case, be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.

[No. 12023 (25)/80-E. IV]

SAROJ S. KAPOOR, Under Secy.

#### (खाद्य विभाग)

मई दिल्ली, 22 जून, 1982

सा. का. नि. 600—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और खाद्य विभाग (समूह "ख" पद) भर्ती नियम, 1969 को जहाँ उनका सम्यक् अनुसंधान सहायक के पद से है, उन बातों के सिवाय अधिकान्त करते हुए जिन्हें ऐसे अधिकरण से पूर्व किया गया है या करने का सोच किया गया है, (इपि संभालय खाद्य विभाग में अनुसंधान सहायक (कार्य अध्ययन) के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं। अर्थात्:-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य विभाग, अनुसंधान सहायक (कार्य अध्ययन) भर्ती नियम, 1982 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:- उक्त पदों की संख्या, उसका / उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे, जो इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अर्हताएं:- उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं: वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है।

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा,

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुश्रेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आशय हैं तो यह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति :- जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वह वहां, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी जगह या प्रबंध के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

#### अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	संश्लेष भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	संश्लेष भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
अनुसंधान सहायक (कार्य अध्ययन)	बो	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'ख' अराजप-जिन अ.ला.पंकवर्गीय	550-25-750- ब० री० 30- 900ह०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

संश्लेष भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के अन्वेष, यदि कोई लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं	प्रतिस्पर्धा के अन्वेष, यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती संघे होंगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण द्वारा भर्ती किए जाने वाली रिक्तियों की प्रति-शतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विधायी प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किए गए परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा	केन्द्रीय सरकार के कृषि मंत्रालय, खाद्य विभाग के अधिकारी जिनके न हो सकने पर केन्द्रीय सरकार के अन्य मंत्रालयों/विभागों के ऐसे अधिकारी जिनके पास	लागू नहीं होता	इन नियमों के किन्हीं उपबंधों को संशोधित/शिथिल करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।
			(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय की उपाधि या इसके समतुल्य,		

8

9

10

11

12

13

(ii) जिन्होंने 425-800/425-700 रु० के या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर 5 वर्ष नियमित सेवा की है।

(iii) जिन्होंने सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान से आध्यात्मिक प्रबंध सेवा पाठ्यक्रम या किसी अन्य माध्यमता प्राप्त संस्था से उसके तुल्य कोई प्रशिक्षण सफलता पूर्वक प्राप्त किया है या उसका पात्र है।

स्पष्टीकरण : यदि किसी ऐसे अभिकारी का जिसने उपर्युक्त पाठ्यक्रम प्राप्त नहीं किया है, चयन कर लिया जाता है तो उससे उपर्युक्त पाठ्यक्रम यथा शीघ्र पूरा करने की अपेक्षा की जाएगी, और उसका उस पद पर प्रतिधारण हम शर्त के अधीन होगा कि वह उक्त पाठ्यक्रम अपनी नियुक्ति से एक वर्ष की अवधि के भीतर सफलतापूर्वक पूरा करे।

(प्रतिनियुक्ति की अवधि साक्षात्मान्यतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।)

[का० सं० ए-12013/1/82 -ई II]

प्रेम नाथ, सचिव

## (Department of Food)

New Delhi, the 22nd June, 1982

**G.S.R. 600.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, and in supersession of the Department of Food (Group 'B' posts) Recruitment Rules, 1969 in so far as they relate to the post of Research Assistant and except things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Research Assistant (Work Study) in the Ministry of Agriculture, Department of Food, namely :—

1. (1) Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Department of Food, Research Assistant (Work Study) Recruitment Rules, 1982.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the posts, their classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed thereto.

3. Method of recruitment, age limit, and other qualifications.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualifications.—No person,

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government, may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of posts or persons.

## SCHEDULE

Name of the post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post of non-selection post.	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Research Assistant (Work Study)	Two	General Central Service, Group 'B' Non gazetted Non-Ministerial	Rs. 550-25-750-EB-30-900	Not applicable.	Not applicable.	Not applicable.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by transfer on deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by each method	In case of recruitment by promotion, deputation/ transfer, grades from which promotion/ deputation/ transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances under which the Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
8	9	10	11	12	13

Not applicable	Not applicable	By transfer on deputation	Officers of the Central Government in the Ministry of Agriculture, Department of Food and Civil Supplies, and other Ministries/Departments of the Central Govt. who shall have; (i) a degree of a recognised University or its equivalent; (ii) rendered at least 5 years regular service in posts in the scale of Rs. 425-800/425-700 or equivalent, and (iii) Completed successfully, or be eligible to undergo the basic Management services Course of the Institute of Secretariat Training and Management or a comparable training in any other recognised institutions. Explanation: If an officer, who has not already undergone the said course is selected, he shall be required to undergo the said course at the earliest and his continued retention in the post shall be subject to the condition that he complete the said course successfully within one year of the date of his appointment. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years)	Not applicable.	The UPSC shall be consulted while amending or relaxing any of the provisions of these rules.
----------------	----------------	---------------------------	--	-----------------	--

## ग्रामीण विकास मंत्रालय

नई दिल्ली, 22 जून, 1982

सा० का० नि० 60—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और विपणन और निरीक्षण निदेशालय (उप कार्यालयों में निम्नश्रेणी लिपिक) भर्ती नियम, 1972 को उन बातों के सिवाय अधिकृत करते हुए जिन्हें ऐसे अधिकरण के पूर्व किया गया है या करने का लोप किया गया है, विपणन और निरीक्षण निदेशालय ग्रामीण विकास मंत्रालय के उपकार्यालयों में निम्नश्रेणी लिपिक के पदों पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम विपणन और निरीक्षण निदेशालय (उप कार्यालयों में निम्नश्रेणी लिपिक) भर्ती नियम 1982 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवण होंगे।

2. पद-संख्या, वर्गीकरण, और वेतनमान :— उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपावद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अन्य शर्तें आदि :— उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, शर्तें और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं : वह व्यक्ति —

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुरूप है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों की बाजत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :— इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, आयु सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी ; जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रधनों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद्धति या अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए व्यक्तियों के पदों का अन्य शर्तें	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य शर्तें
1	2	3	4	5	6	7	8
निम्नश्रेणी लिपिक	140	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" अराजपत्रित लिपिकवर्गीय	260-6-290-80 रो-6-326-8- 366-80-रो-8- 390-10-40080	लागू नहीं होता	25 वर्ष से अधिक नहीं। (सरकारी सेवकों के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार शिथिल करके 35 वर्ष तक की जा सकती है ) टिप्पण :—आयु सीमा प्रवर्धित करने के लिए निष्पादित,	फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुशेष है या नहीं	1. मैट्रिक या समतुल्य शर्तें 2. अंग्रेजी में 30 शब्द प्रति-मिनट या हिन्दी में 25 शब्द प्रति मिनट रकण की न्यूनतम गति परन्तु यह कि (क) टंकन में उक्त शर्तें नहीं रखने बाधा व्यक्त भी इस शर्त के अधीन नियुक्ति किया जा सकता है कि वह वेतनमान में स्थायीयत होने या

6	8
<p>तारीख, भारत में रहने वाले अन्य-धियों से (उनसे भिन्न जो अन्यमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्ष-द्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी।</p> <p>टिप्पण-2 ऐसे पदों की बाबत जिन पर नियुक्ति रोजगार कार्यालय के माध्यम से की जाती है, प्रायः-सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख वह तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालय से नाम भेजने के लिए कहा गया है।</p>	<p>पुष्ट किए जाने का तब तक पाव नहीं होगा जब तक कि वह अपेक्षित गति प्राप्त नहीं कर लेता है।</p> <p>(ख) शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति जो अन्यथा लिपिकवर्गीय पद धारण करने के लिए अर्हता है, किन्तु टेकन में उक्त अर्हता नहीं रखता है उस शर्त के अधीन नियुक्त किया जा सकता है कि विकलांग व्यक्तियों के लिए विशेष रोजगार कार्यालय से संबद्ध शिक्षा बोर्ड और जहाँ बोर्ड नहीं है वहाँ सिविल सर्जन यह प्रमाणित कर दे कि उक्त विकलांग व्यक्ति टेकन करने के योग्य नहीं है।</p>

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए यह कोई भी सिद्धि प्रायः और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की वषा में लागू होगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण द्वारा भर्ती किए जाने वाली रिक्तियों की प्रतियोगिता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किस परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।
---	--	---	---	--

9	10	11	12	13	14
लागू नहीं होता	बो वर्ष	<p>(क) 90 % सीधी भर्ती द्वारा भरी जाएगी।</p> <p>(ख) 10 % रिक्तियाँ विपणन और निरीक्षण निदेशालय के उपकार्यालयों के समूह "ब" कर्मचारियों में से जो मैट्रिक पास हैं या समतुल्य अर्हता रखते हैं और जिन्होंने समूह "घ" पद पर पांच वर्ष नियमित सेवा की है, निम्नलिखित शर्तों से भरी जाएगी :—</p> <p>(1) 5 % रिक्तियाँ उन समूह 'ब' कर्मचारियों में से जो ज्येष्ठता की विहित सीमा में हैं, ज्येष्ठता तथा उपयुक्तता के आधार पर भरी जाएगी।</p> <p>(2) 5 % रिक्तियाँ विपणन और निरीक्षण निदेशालय द्वारा इस प्रयोजन के लिए की गई अर्हक परीक्षा के आधार पर भरी जाएगी।</p>	लागू नहीं होगा	<p>समूह "ब" विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित होंगे —</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. संयुक्त कृषि विपणन सलाहकार शाखा मुद्रालय, नागपुर — अध्यक्ष</li> <li>2. प्रयोगशाला निदेशक, — सदस्य</li> <li>3. उपनिदेशक (प्रशासन) — सदस्य</li> <li>4. बाहर के कार्यालय का एक समूह "क" अधिकारी — सदस्य</li> </ol>	लागू नहीं होता

9	10	11	12	13	14
		परन्तु यह कि यदि खण्ड (ख) (ii) के अधीन उपलब्ध रिक्तियों की संख्या से अधिक ऐसे कर्मचारी उक्त परीक्षा में अर्हता प्राप्त कर लेते हैं तो कर्मचारियों की ऐसी अधिक संख्या पर पश्चात् वर्ती वर्षों में होने वाली रिक्तियों को भरने के लिए विचार किया जाएगा इस प्रकार कि पूर्ववर्ती परीक्षा में अर्हता प्राप्त करने वाले कर्मचारियों पर पश्चात्वर्ती परीक्षा में अर्हता प्राप्त करने वाले कर्मचारियों से पूर्व विचार किया जाता है। परन्तु यह और कि यदि पर्याप्त संख्या में व्यक्ति उपलब्ध नहीं होते तो रिक्तियाँ उसी रीति से भरी जाएंगी जैसा कि खंड (क) में विहित है। टिप्पण 1. परीक्षा के लिए पात्रता की अधिकतम आयु सीमा 50 वर्ष होगी। (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों के लिए 55 वर्ष) टिप्पण 2. आयु सीमा अथवा- रित करने के लिए विनायक तारीख यथास्थिति वर्ष के पहले आधे भाग या दूसरे आधे भाग में ली गई परीक्षा के अनुसार 1 जनवरी या 1 अगस्त होगी।			

[सं. फा० 1-5/81-ए० एम०]

राम सिंह, प्रवर सचिव

## MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT

New Delhi, the 22nd June, 1982

**G.S.R. 601.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Directorate of Marketing and Inspection (Lower Division Clerk in sub-offices) Recruitment Rules, 1972 except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Lower Division Clerk in Sub-offices of the Directorate of Marketing and Inspection, Ministry of Rural Reconstruction, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Directorate of Marketing and Inspection (Lower Division Clerk in Sub-offices) Recruitment Rules, 1982.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post, shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect of any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons, in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under Rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	8
Lower Division Clerk	140*	General Central Service Group 'C', Non-Gazetted, Ministerial	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.	Not applicable	Not exceeding 25 years (Relaxable up to 35 years for Government servants in accordance with the instructions or orders issued by Centre Government) Note 1: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). Note 2: In case of appointment made through the Employment Exchanges the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.	Not applicable	1. Matriculation or equivalent qualifications. 2. Minimum speed of 30 w.p.m. in English or 25 w.p.m. in Hindi Type writing, provided that,— (a) a person not possessing the said qualifications in Typewriting may be appointed subject to the condition that he shall not be eligible for drawing increments in the pay scale or for Quasi-Permanency or for confirmation in the grade till he acquires the requisite speed. (b) a physically handicapped person who is otherwise qualified to hold a clerical post, but does not possess the said qualification in typewriting may be appointed subject to the condition that the Medical Board attached to the Special Employment Exchange for handicapped or, where there is no such Board, the Civil Surgeon certifies that the said handicapped person is not in a fit condition to be able to
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer, and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion / deputation/transfer, grades from which promotion/ deputation/transfer to be made		If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition		Circumstance under which in Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
9	10	11	12		13		14
Not applicable	Two years	(a) 90% shall be filled by direct recruitment; (b) 10% of vacancies shall be filled from amongst Group 'D' employees belonging to subordinate offices of the Dte. of Marketing and Inspection who are	Not applicable		Group 'C' Departmental Promotion Committee consisting of— 1. Joint Agricultural Marketing Adviser, Branch Head Office, Nagpur —Chairman 2. Director of Laboratories—Member. 3. Deputy Director (Admn.)—Members.		Not applicable.

9	10	11	12	13	14
		<p>Matriculates or possess equivalent qualifications and have rendered five years' regular service in Group 'D' post in the following manner:</p> <p>(i) 5% of the vacancies may be filled on the basis of seniority-cum-fitness from amongst those Group D employees who are within the range of seniority prescribed.</p> <p>(ii) 5% of the vacancies may be filled on the basis of a qualifying examination held by the Directorate of Marketing and Inspection for this purpose :</p> <p>Provided that if more of such employees than the number of vacancies available under clause b (ii) qualify at the said examination, such excess number of employees shall be considered for filling the vacancies arising in the subsequent years so that the employees qualifying at an earlier examination are considered before those who qualify at a later examination:</p> <p>Provided further that if sufficient number of persons do not become available, the vacancies shall be filled in the same manner as prescribed in clause (a).</p> <p>Note 1 : The maximum age limit for eligibility for the examination shall be 50 years (55 years for the Scheduled Castes/the Scheduled Tribes employees)</p> <p>Note 2: The crucial date for determining the age limit shall be 1st of January or 1st of August accordingly as the examination is held in first half or the second half of the year, as the case may be.</p>		<p>4. A 'Group A' Officer of an Outside Office--member.</p>	

## ग्रामीण विकास मंत्रालय

नई दिल्ली, 26 जून, 1982

सा० का० वि० 602.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ग्रामीण विकास मंत्रालय तकनीकी सहायक (ग्राम उद्धार) के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1 संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम ग्रामीण विकास मंत्रालय, तकनीकी सहायक (ग्राम उद्धार) भर्ती नियम, 1982 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपावृत्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अन्य अर्हताएं आदि :— उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 में विनिर्दिष्ट है।

निरहताएं :— बहु व्यक्ति,—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों का कोई भी भाग ऐसे धारकों, आयु सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निष्कासे गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	यदि पद अथवा अधिवेतन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
तकनीकी सहायक (ग्राम उद्धार)	*(एक) साधारण कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" (अलिपिक-वर्गीय)	425-15-500- दोरी -15-560- 20-7000४०	लागू नहीं होता	(18—25 वर्ष) सरकारी सेवाओं के लिए पांच वर्ष तक शिथिल की जा सकती है। आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अन्दमान और निकोबार द्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियम की गई अंतिम तारीख होगी।	आवश्यक : अर्थशास्त्र, कृषि अर्थशास्त्र, साम्य अर्थशास्त्र या वाणिज्य में स्नातक की उपाधि वैधतीय : सांख्यिकीय पद्धति का ज्ञान और ग्रामीण विकास कार्य का अनुभव।

सीधे भर्ती किए जाने परीक्षा की अवधि भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण यदि विभागीय प्रोन्नति भर्ती करने में कितने व्यक्तियों के लिए यदि कोई हो या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां समिति है तो उसकी संरचना परिस्थितियों में संघ विहित आयु और स्थानान्तरण द्वारा भर्ती किए जाने जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्था- लोक सेवा आयोग में पौष्टिक अर्हताएं बानी रिक्तियों की प्रति- नान्तरण किया जाएगा। परामर्श किया जाएगा प्रोन्नति की दशा में शानता लागू होगी या नहीं

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा जिसके न हो सकते पर स्थानान्तरण/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा	स्थानान्तरण/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण केन्द्रीय सरकार में सर्वप्रथम पद धारण करने वाले व्यक्ति या प्रार्थीन विकास मंत्रालय में ऐसे व्यक्ति जो सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित अर्हताएं/अनुभव रखते हैं। (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी)	1. प्रशासन का भार- साधक उप सचिव / निदेशक —अध्यक्ष 2. उस प्रभाग का जिसमें पद है अवर सचिव या समतुल्य प्राप्ति का एक तकनीकी अधिकारी— —सदस्य 3. हफ्ता विभाग में समूह "ग" वर्गों का भार - साधक अवर सचिव — —सदस्य टिप्पण : यदि उक्त सदस्यों में से कोई भी अनु० जा०/ अनु० जनजाति का नहीं है तो अध्यक्ष विभाग के अनु० जा०/ अनु० जनजाति के समुचित प्राप्ति के किसी अधिकारी को सदस्य के रूप में नामनिर्देशित कर सकता है।	लागू नहीं होता

[सं० ए-12018/23/80-स्या० I]

इन्दर नाथ, अवर सचिव

## MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT

New Delhi, the 26th June, 1982

G.S.R. 602.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Technical Assistant (Rural Credit) in the Ministry of Rural Development, namely :—

1. Short title and commencement : (i) These rules may be called the Ministry of Rural Development, Technical Assistant (Rural Credit), Recruitment Rules, 1982.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post classification and scale of pay : The number of the said post its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment age limit other qualifications etc : The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualification : No person,—

(a) Who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to the said post : provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax : Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving : Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or Non-selection post	Age limit for direct recruitment	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Technical Assistant (Rural Credit)	One (Subject to variation dependent on work load)	General Central Service Gr. 'C' (Non-Gazetted) Non-Ministerial	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700	Not Applicable	18-25 years (Relaxable for Govt. servants upto 5 years. The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications for candidates in India (other than those in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep)	Essential: Bachelor's degree in Economics, Agricultural Economics, Rural Economics or Commerce. Desirable: Knowledge of Statistical matters and experience in rural development work
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer, and percentage of the vacancies to be filled by various method	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists what is its compositions	Circumstances under which the Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	2 years	By direct recruitment, failing which by transfer/transfer on deputation.	Transfer/Transfer on deputation: Persons holding analogous posts in the Central Govt. or those in the Ministry of Rural Development, having qualifications/experience, prescribed for direct recruits. (Period of deputation shall be ordinarily not exceeding three years)	1. Dy. Secy./Dir. incharge of Admn.—Chairman 2. Under Secy. or a Tech. Officer of the equivalent rank of the Division in which the post is located—Member 3. US incharge of Gr. 'C' posts in the Deptt. of Agriculture—Member 4. Us (A)—Member Note : If none of the above members belongs to SC/ST, the Chairman may nominate an officer of an appropriate rank of Deptt. belonging to SC/ST, as Member.	Not applicable	

[No. A-12018/23/80-Estt. I]  
INDAR NATH, Under Secy.

## सिवाई मंत्रालय

नई दिल्ली, 24 जून, 1982

सा० का० वि० 603.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय भूगर्भ जल बोर्ड, सिवाई मंत्रालय सहायक (हेल्पर) के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सिवाई मंत्रालय, केंद्रीय भूगर्भ जल बोर्ड, सहायक (हेल्पर), भर्ती नियम, 1982 है।  
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे, जो इससे/इन नियमों से उपायय अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं।
3. भर्ती की पद्धति, आयुसीमा और अन्य अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 में विनिर्दिष्ट हैं।

## 4. निरर्हताएं: वह व्यक्ति :—

- (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
- (ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू केंद्रीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इन नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती।

5. शिथिल करने की शक्ति :—जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकती।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अन्य पद अथवा अभ्यन्त पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	6क	7
सहायक (हेल्पर) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	*753	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ब" अराजपत्रित	196-3-220- ब०रो०-3-232 50	लागू नहीं होता	18—25 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिये, केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किये अनुदेशों और आदेशों के अनुसार शिथिल की जा सकती है। आयु सीमा अवधारित करने के निर्णायक तारीख प्रत्येक मामले में यह तारीख होगी जिस तक रोज-गार कार्यालय से नाम भेजने के लिये कहा गया है।	नहीं	आवश्यक : मिडिल (8वीं स्तर उत्तीर्ण कम से कम एक वर्ष का प्रकीर्ण यांत्रिक कार्य को करने का अनुभव वांछनीय : मैट्रिकुलेट या मोटर गाड़ी प्रक्षेप बीजल मैकेनिक्स आई०टी०आई० का व्यवसाय प्रमाणपत्र

सोधे भर्ती किये जाने वाले परीक्षा की भर्ती की पद्धति, सीधी भर्ती प्रोत्साहित/प्रतिनियुक्ति/स्था- यदि कोई विषयाधीन भर्ती करने में किन व्यक्तियों के लिए विहित आयु और अधि यदि द्वारा या परान्वति द्वारा या नान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में प्रोत्साहित समिति है तो परिस्थितियों में संघ शैक्षिक अहंता/परोत्साहित की दशा कोई हो। प्रतिनियुक्ति/स्थातान्तरण द्वारा वे श्रेणियां जिनसे परान्वति/ उसकी संरचना लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा में लागू होंगी या नहीं तथा विभिन्न पदों से प्रतिनियुक्ति/स्थातान्तरण किया जायगा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिष्ठान।

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	दो वर्ष	सोधे भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	(i) अधीक्षक इंजीनियर —अध्यक्ष (ii) कार्यपालक इंजीनियर ज्येष्ठ जल विज्ञान (केन्द्रीय सरकार के किसी अल्प कार्यालय से सम्बद्ध) —सदस्य (iii) कार्यपालक इंजीनियर/ ज्येष्ठ जल विज्ञानी (अनु-सूचित जाति/ अनुसूचित जन जाति से सम्बद्ध) —सदस्य ज्येष्ठ प्रशासनिक अधि-कारी, केन्द्रीय भू-गर्भ जल बोर्ड—सदस्य	लागू नहीं होता

[सं० 23-1/82 एम आई (ए)]

ए० नटराजन, उप सचिव

## MINISTRY OF IRRIGATION

New Delhi, the 24th June, 1982

**G.S.R. 603.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Helper in the Central Ground Water Board, Ministry of Irrigation, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of the Irrigation, Central Ground Water Board (Helper) Recruitment Rules, 1982.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualification, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

## 4. Disqualifications.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of post	Number of post*	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under Rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualification required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	8
Helper *Subject to variation dependent on workload.	*753	General Central Service Group 'D' Non-Gazetted	Rs. 196-3-220-EB-3-232	Not applicable	18-25 years (relaxable upto 35 years for Government Servants in accordance with the instructions and orders issued by the Central Government. The crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchanges the asked to submit the names.	No	Essential: Middle passed (8th Standard) At least one year's experience of handling miscellaneous mechanical jobs. Desirable: Matriculate or I.T.I. Trade certificate in automobile or diesel Mechanic.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitments whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances under which the Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
9	10	11	12	13	14
Not Applicable	2 years	Direct recruitment	Not applicable	(i) Superintending Engineer —Chairman (ii) Executive Engineer/ Senior Hydrologist —Member (belonging to Scheduled Caste/Scheduled Tribe) (iii) Executive Engineer/ Senior Hydrologist —Member (belonging to any other Central Government Office) (iv) Senior Administrative Officer, Central Ground Water Board —Member	Not applicable

## पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 8 जून, 1982

सा० का० नि० 604---संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्वारा नागर विमानन विभाग के अनुसंधान और विकास निदेशालय में प्रारूपकार (कलाकार) (समूह "ग" पद) पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने के लिए निम्न निश्चितनियम बनाते हैं, अर्थात् :---

1. संक्षिप्त शीर्षक और लागू होना:--(1) इस नियमों को अनुसन्धान और विकास निदेशालय, नागर विमानन विभाग (प्रारूपकार) कलाकार (समूह "ग" पद) भर्ती नियमावली, 1982 कहा जाएगा।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. पदों की संख्या, वर्गीकरण और बेतनमान:--उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनसे सम्बद्ध बेतनमान वही होंगे जो इन नियमों में उपाखण्ड अनुसूची के खाना 2 और 4 में दिए गए हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि:--उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे सम्बद्ध अन्य मामले वही होंगे जो उपरोक्त अनुसूची के खाना 5 से 13 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. अर्हताएं:--कोई भी ऐसा व्यक्ति--

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया है जिसका पति/पत्नी जीवित है, या

(ख) जिसने अपनी पत्नी/पति के जीवित होते हुए भी किसी अन्य व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध कर लिया है,

उपरोक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

किन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो कि ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्ष पर लागू स्त्रीय विधि के अर्धीन ऐसा विवाह अनुमत्य है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो किसी भी ऐसे व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

5. छूट देने की शक्ति:--यदि केन्द्रीय सरकार की राय में ऐसा करना आवश्यक या समीचीन हो तो वह उन कारणों को ध्यान में रखते हुए आदेश द्वारा किसी वर्ग या श्रेणी के व्यक्तियों के लिए इस नियमावली के उपखण्डों में से किसी को भी छूट दे सकती है।

6. अर्थवाद:--यह नियमावली अनुसूचित जातियों अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष श्रेणियों के व्यक्तियों के लिए दिए जाने वाले भारलक्षण तथा अन्य रियायतों के बारे में समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों को प्रभावित नहीं करेगी।

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की वर्गीकरण सं०	बेतनमान	चयन पद है या अचयन पद	सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा	क्या केन्द्रीय सार्वजनिक सेवा (पेंशन) नियमावली 1972 के नियम 30 के अन्तर्गत सेवा के अतिरिक्त वर्गों का लाभ प्राप्त होगा	सीधी भर्ती के लिए शैक्षिक तथा अन्य अर्हताएँ
1	2	3	4	5	6	7
प्रारूपकार (कलाकार)	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा (समूह "ग") 650-25-750 अराजपक्षित, अलि- पिकवर्गीय	र० 550-20- 650-25-750	गैर-चयन	21 से 30 वर्ष के बीच (सरकारी कर्मचारियों के लिए 35 वर्ष तक छूट) नोट : आयुसीमा निर्धारण के लिए भारत में उम्मीदवारों (अंशमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप को छोड़कर) से आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तारीख निम्नलिखित तारीख होगी। रोजगार कार्यालय के माध्यम से भर्ती के मामले में, आयुसीमा निर्धारण	नहीं अनिवार्य : 1. मैट्रिकुलेशन और समकक्ष योग्यता। (2) सरकार द्वारा माध्यता-प्राप्त किसी इंजीनियरी संस्थान का मैकेनिकल डिप्लोमा का प्रमाण-पत्र। (3) मैकेनिकल डिप्लोमा के रूप में तीन वर्ष का अनुभव जिसमें अनुशासनिक प्रदर्शनों के विस्तार और सेटअप की योग्यता और अनुभव अथवा लेखन की

1	2	3	4	5	6	6क	7
					के लिए रोजगार कार्य- लय द्वारा नाम भेजने की प्रतिम तारीख निर्णायक तारीख होगी	योग्यता और विभिन्न प्रकार माध्यमों में पोस्टर किसम के आरेखों के डिजाइन बनाने और उनके प्रकाशन की योग्यता शामिल हों।	
						बोध्यनीय : एक प्रतिरिक्त योग्यता के रूप में रेडियो सकिड ड्राइंग का ज्ञान।	

क्या सीधी अर्हता परीक्षा की बालों के लिए विभि- विष्ट आयु तथा शैक्षिक हो अर्हताएं पदोन्नति वाले व्यक्तियों पर भी लागू होती हैं	अर्हता की पद्धति, क्या सीधी अर्हता द्वारा या पदोन्नति द्वारा या प्रति- नियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिफल	पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा अर्हता के मामले में ऐसे ग्रेड जिन से पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थाना- ंतरण किया जाता अपेक्षित हो	यदि कोई विभागीय पदोन्नति समिति हो, तो उसका गठन क्या है	प्रत्येक प्रतिस्पर्धियों जिनके अंतर्गत अर्हता करते समय संबंध सेवा आयोग से परामर्श लेना अपेक्षित हो	
8	9	10	11	12	13
नहीं	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा, जिसके उपलब्ध न होने पर सीधी अर्हता द्वारा	पदोन्नति : कनिष्ठ इंजीनियर के ग्रेड में 8 वर्ष की नियमित सेवा	समूह "ग" विभागीय पदोन्नति समिति : (1) निदेशक अनुसंधान और विकास को छोड़- कर कोई एक निदेशक जिसे उपमहानिदेशक (I) द्वारा नामित किया गया हो -- अध्यक्ष (2) उपनिदेशक अनुसंधान और विकास/वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी -- सदस्य (3) सहायक निदेशक प्रशासन -- सदस्य	लागू नहीं होता

[सं० ए-12018/(1)/80-ई1(बी ई/एस एक एस)]

बी० जयचमरन, प्रवर सचिव

## MINISTRY OF TOURISM &amp; CIVIL AVIATION

New Delhi, the 8th June, 1982

G.S.R. 604.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Draftsman (Artist) (Group 'C' post) in the Research and Development Directorate, Civil Aviation Department, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Research and Development Directorate, Civil Aviation Department [Draftsman (Artist)] (Group 'C' post) Recruitment Rules, 1982.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age-limit, qualifications, etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

## 4. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules in respect of any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservation, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of years of Service admissible under rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required or direct recruits.
1	2	3	4	5	6	6a	7
Draftsman (Artist)	1	General Central Service (Group C), Non-gazetted Non-Ministerial	Rs. 550-20-650-25-750.	Non-selection	Between 21 and 30 years (Relaxable for Government servants upto 35 years). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). In case of recruitment through Employment Exchanges the crucial date for determining the age limit shall be last date upto which the Employment Exchanges are requested to furnish names.	No	Essential : 1. Matriculation or equivalent qualification. 2. Should possess certificate of Mechanical draftsmanship from a Government recognised Engineering Institute. 3. Three year's experience as Mechanical Draftsman including experience and ability in the layout and setup of Instructional diagrams including letter writing ability and exercise in design and production of poster type diagram in a variety of medium. Desirable : Knowledge of radio circuit drawing will be an additional qualification.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer, and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition.	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
---	------------------------------	--	---	--	--

8	9	10	11	12	13
No	2 years	By promotion failing which by direct recruitment.	Promotion : Junior Engineer with 5 years' regular service in the grade.	Group 'C' Departmental Promotion Committee; 1. A Director other than Director, Research and Development as nominated by Deputy Director General (I) ..... Chairman. 2. Deputy Director of Research and Development/Senior Scientific Officer.... Member. 3. Assistant Director of Administration ..... Member.	Not applicable.

[F. No. A. 12018/(i)/80-E. 1(VE/SFS)]

सा. का. नि. 605—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्वारा नागर विमानन विभाग, नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र (श्रेणी-III पद) अर्थात् नियमावली, 1974\* को संशोधित करते हुए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्:—

(1) इन नियमों को नागर विमानन विभाग, नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र (श्रेणी-III पद) अर्थात् (संशोधन) नियमावली, 1982 कहा जाएगा।

2. ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

(2) नागर विमानन विभाग, नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र (श्रेणी III पद) अर्थात् नियमावली, 1974 में:—

(क) जहाँ कहीं शब्द "श्रेणी-III" आया हो, वहाँ शब्द 'श्रेणी-II' प्रतिस्थापित किया जाएगा।

(ख) प्राक्ककार (कलाकार) के पद से संबंधित अनुसूची में क्रम सं. 2 और उसके अन्तर्गत प्रविष्टियों को निकाल दिया जाएगा।

[का० सं०-ए० 12018/7/80-ई-1(बी० ई०)/एस०एफ०एस०]

बी० जयचन्द्रन, अवर सचिव

G.S.R. 605.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Civil Aviation Department, Civil Aviation Training Centre (Class III posts) Recruitment Rules, 1974,\* namely:—

1. (1) These rules may be called the Civil Aviation Department, Civil Aviation Training Centre (Class III posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1982.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Civil Aviation Department, Civil Aviation Training Centre (Class III posts) Recruitment Rules, 1974,—

(a) for the expression "Class III" wherever it occurs, the expression "Group 'C'" shall be substituted;

(b) in the Schedule, serial number 2 relating to the post of Draftsman (Artist) and the entries thereto shall be omitted.

[F. No. A. 12018/7/80-E.1(VE/SFS)]

V. JAYACHANDRAN, Under Secy.

\*ये मूल अर्थात् नियम भारत के राजपत्र में दिनांक 6 जून, 1974, पृष्ठ 1243 पर भा० का० नि० 565 द्वारा अधिसूचित किए गए थे।

\*The Principal Rules published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (i) dated the 8th June, 1974 as on G.S.R. 565 at page 1243.

## संचार संचालय

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 25 जून, 1982

सांका०नि० 606.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परम्पुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए संचार मंत्रालय डाक-तार बोर्ड के अधीन ज्येष्ठ विजय अधिकारी, विजय अधिकारी और संपर्क अधिकारी के पदों पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ: (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम डाक-तार विभाग (ज्येष्ठ विजय अधिकारी, विजय अधिकारी और संपर्क अधिकारी) भर्ती नियम, 1982 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना : ये नियम इससे उपाजड़ अनुसूची में विनिर्दिष्ट पदों की लागू होंगे।

3. पद संख्या वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे, जो इन नियमों से उपाजड़ अनुसूची के स्तर 2 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अन्य शर्तें आदि : उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, शर्तें और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तर 5 से 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

5. निरर्हताएँ: वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है।

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के पर्यन्त छूट दे सकेगी।

6. शिथिल करने की शक्ति: जहाँ केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इस नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

7. व्याप्ति: इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, आयु सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अन्य पद अथवा प्रचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सेवा में जोड़े गए पदों का फायदा केन्द्रीय सि-बिल सेवा (पेंशन नियम 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं)	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य शर्तें
1	2	3	4	5	6	7	8
ज्येष्ठ विजय अधिकारी	2* 1902 *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह (क) राजपत्रित, असि-पिक वर्गीय	1100-50-1600	लागू नहीं होता	40 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी सेवाओं के लिए 5 वर्ष तक शिथिल की जा सकती है। टिप्पण : आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख प्रत्येक	नहीं	आवश्यक :— (i) किसी माध्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से उपाधि या समतुल्य। (ii) किसी सरकारी पद-सरकारी संगठन या किसी

1	2	3	4	5	6	7	8
	किया जा सकता है।				मामले में, भारत में रहने वाले अभ्याषियों से (उनसे भिन्न हो अन्दमान व निकोबार द्वीपसूत्र तथा लक्षद्वीप में रहते हैं) आबेदम प्राप्त करने के लिए नियुक्ति की गई अंतिम तारीख होगी।		व्याप्तिसाप्त प्राद्वेट समुत्पान में पर्यवेक्षीय हैसियत में बाणिज्यिक प्रचार संबंधी कार्य का 7 वर्ष का अनुभव है। टिप्पणी:—1. ग्रहंताएं अभ्यक्षा सुप्रहृति अभ्याषियों के मामले में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है। टिप्पणी:—2. अनुभव संबंधी ग्रहंता (ग्रहंताएं) संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्याषियों के मामले में उस दिशा में शिथिल की जा सकती है (है) जब कि धन के किसी प्रकार पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय है कि इनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले इन संस्थाओं के अभ्याषियों पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे। बांछनीय किसी मान्यता प्राप्त संस्था से विज्ञापन/जन संपर्क/पत्रकारिता डिप्लोमा या समतुल्य।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक ग्रहंताएं प्रोद्यति की दशा में लागू होगी या नहीं।	परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोद्यति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्वामान्तरण द्वारा भर्ती किए जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोद्यति/प्रतिनियुक्ति/स्वामान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोद्यति/प्रतिनियुक्ति/स्वामान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोद्यति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में, कितनी परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
---	------------------------------	--	---	---	--

9	10	11	12	13	14
लागू नहीं होता	दो वर्ष	(i) 50 प्रतिशत प्रोद्यति/प्रतिनियुक्ति पर स्वामान्तरण द्वारा (ii) 50 प्रतिशत प्रतिनियुक्ति पर स्वामान्तरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	प्रोद्यति/प्रतिनियुक्ति पर स्वामान्तरण (i) केन्द्रीय सरकार के अधीन ऐसे अधिकारी, जो (ii) (क) समुदाय पत्रधारण किए हुए हैं; या (ख) जिन्होंने 700-1300 रु० के या समतुल्य वेतन-	समूह (क) बि० प्रो० सं० पुष्टि के लिए विभागीय प्रोद्यति समिति में निम्नलिखित होंगे : भवस्य (प्रशासन) अध्यक्ष सदस्य बाक परिचालन सदस्य —उप महानिदेशक (कार्मिक) सदस्य	सीधे भर्ती करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

9	10	11	12	13	14
			मान वाले पदों पर 5 वर्ष सेवा की है, या	टिप्पण : पुष्टि से संबंधित- विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियाँ संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी। किन्तु यदि संघ लोक सेवा आयोग इन का अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक के संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।	
		(क) जिन्होंने 650-12000 के या समतुल्य वेतन-मान वाले पदों पर 8 वर्ष सेवा की है ; और			
		(1) जिनके पास सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए स्तर 7 के नीचे निहित शैक्षिक अर्हताएं, अनुभव आदि हैं।			
		(2) ऐसे विभागीय विषय अधिकारी पर भी विचार किया जाएगा जिसने उस श्रेणी में 8 वर्ष नियमित सेवा की है और यदि उसका नियुक्ति के लिए चयन कर लिया जाता है तो उस पद को प्रोन्नति द्वारा भरा गया माना जाएगा।			
		(प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी )			

1	2	3	4	5	6	7	8
2. विषय अधि- कारी	1* (1982) *कार्य- भाग के आधार पर परिव- र्तन किया जा सकता है	साधारण केंद्रीय सेवा समूह "ख" राजपत्रित अलि- पिक वर्गीय	650-30-740 35-810-40- 1000-40-10 40-12000 00	लागू नहीं होता	30 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शि- थिल की जा सकती है। टिप्पण: आयु सी- मा अवधारित करने के लिए निर्णायक ता- रीख प्रत्येक मामले में भारत में रहने वाले अभ्याथियों से (उन अलग को अस्मान और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में रहने हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी।	आवश्यक (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से उपाधि या समतुल्य। (ii) किसी सरकारी अथवा सरकारी संग- ठन या किसी व्यापारिक प्राइवेट समुदाय में पर्यवेक्षीय हैमियन में वाणिज्यिक प्रचार संबंधी कार्य का 3 वर्ष का अनुभव। टिप्पण: 1. अर्हताएं, अन्यथा सुअहित अभ्याथियों के मामले में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है। टिप्पण: 2. अनुभव संबंधी अर्हता (और) अवस्थाएं संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के अभ्याथियों के मामले में उन दशा में शिथिल की जा सकती है (है) जब कि चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आ- योग की यह राय है कि इनके लिए आगमित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले इन समुदायों के अभ्याथी पर्याप्त संख्या में उप- लब्ध नहीं हो सकेंगे। वांछनीय : किसी मान्यताप्राप्त संस्था से शिक्षा/जन संपर्क/पत्रकारिता में डिप्लोमा समतुल्य	

9	10	11	12	13	14
लागू नहीं होता	दो वर्ष	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधे भर्ती द्वारा।	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केंद्रीय सरकार के अधीन ऐसे अधिकारी— (i) (क) जो सदस्य पद धारण किए हुए या (ख) जिन्होंने 550-900 रु० के या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर 3 वर्ष सेवा की है ; (ग) जिन्होंने 425-700 रु० के या समतुल्य वेतन मान वाले पदों पर 8 वर्ष सेवा की है; और (ii) जिनके पास सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए स्तंभ 7 के नीचे निहित शैक्षिक अर्हता, अनुभव आदि है। (प्रतिनियुक्ति की अवधि समान्यतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।)	समूह "ख" वि० प्रो० स० : पुष्टि पर विचार करने के लिए विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित होंगे। सदस्य (प्रशासन)—अध्यक्ष सदस्य (डाक परिचालन)—सदस्य निबंधक (वाणिज्यिक प्रचार) और जन संपर्क—सदस्य टिप्पण : पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियां, संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी। किन्तु, यदि संघ लोक सेवा आयोग इन का अनुमोदन नहीं करता है तो, विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।	सीधे भर्ती करने समय संघ लोक सेवा आयोग में परामर्श किया जाएगा।

1	2	3	4	5	6	7	8
3. संपर्क अधिकारी	1*	साधारण केंद्रीय कार्य समूह "ख" राज-भार के पत्रित अलिपिक आध्वर वर्गीय पर प-रिचालन किया जा सकता है	650-30-740 35-810 ५०० रु० 35-880- १०-1000 ५० १०-40-1200 रु०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

9	10	11	12	13	14
प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा।	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार के अधीन ऐसे अधिकारी—	समूह "ख" वि० प्रो० सं० पुष्टि पर विचार करने के लिए विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित होंगे।	इस पद पर नियुक्ति के लिए खर्च करने समय संघ लोक सेवा आयोग ने परामर्शकरता आवश्यक नहीं है।		
	(क) (i) जो सदस्य पद धारण किए हुए हैं ; या	सदस्य (प्रशासन) — अध्यक्ष उन महानिदेशक (कार्मिक) —सदस्य निदेशक (सी०पी०) गण्ड पी० आर०) —सदस्य			
	(ii) जिन्होंने 550-900 रु० के या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर 3 वर्ष सेवा की है ; या				
	(iii) जिन्होंने 425-700 रु० के या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर 8 वर्ष सेवा की है ; और	टिप्पण : पुष्टि से संबंधित विभागीय समिति की कार्यवाहियां, संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी। किन्तु, यदि संघ लोक सेवा आयोग इनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।			
	(ख) जिनके पास निम्नलिखित शैक्षिक अर्हताएं, अनुभव आदि हैं :—				
	(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की उपाधि या समतुल्य ;				
	(ii) संपर्क जनसंपर्क कार्य में तीन वर्ष का अनुभव।				
	(प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)				

[सं० ए० 12018/1/80-एस० पी० जी०]

बी० एस० राव, सहायक महानिदेशक (एस० जी० पी०)

## MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P &amp; T Board)

New Delhi, the 25th June, 1982

**G.S.R. 606.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article, 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Senior Sales Officer, Sales Officer and Liaison Officer under the Posts and Telegraphs Board, Ministry of Communications, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Posts and Telegraphs Department (Senior Sales Officer, Sales Officer and Liaison Officer) Recruitment Rules, 1982.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in the Schedule annexed to these rules.

3. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of posts, their classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said posts shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid.

5. Disqualification.—No person.

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation in the age limit and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories in accordance with the order issued by the Central Government from time to time in this regard.

### SCHEDULE

Recruitment rules for Senior Sales Officer, Sales Officer and Liaison Officer in Ministry of Communications (P & T Board).

Name of post	No. of Post	Classification	Scale of Pay	Whether Selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the CCS (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	8
Senior Sales Officer.	2* (1982) *Subject to variation dependent on work-load.	General Central Service Group 'A' Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 1100-50-1600.	Not Applicable	Not exceeding 40 years. (Relaxable upto 5 years for Government servants). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	No.	Essential: (i) Degree of a recognised University or equivalent. (ii) 7 years' experience in a supervisory capacity or work relating to commercial publicity in a Government, Semi-Government Organisation or a private concern of repute. Note 1: Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified. Note 2: The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and the Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.  Desirable:  Diploma in Advertisement/Public Relations Journalism from a recognised Institution or equivalent.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which UPSC to be consulted in making rectt.
---	----------------------------	---	--	---	--

9	10	11	12	13	14
No. (Senior Sales Officer)	2 years.	(i) 50 per cent by promotion/transfer on deputation. (ii) 50 per cent by transfer on deputation failing which by direct recruitment.	Promotion/transfer on deputation: (1) Officers under the Central Government: (i) (a) holding analogous posts; or (b) with 5 years' service in posts in the scale of Rs. 700-1300 or equivalent; or (c) with 8 years' service in posts in the scale of Rs. 650-1200 or equivalent; and (ii) possessing the educational qualification, experience, etc. prescribed for direct recruits under column 7. (2) The Departmental Sales Officer with 8 years regular service in the grade will also be considered and in case he is selected for appointment to the post, the same shall be deemed to have been filled by promotion. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Group 'A' D.P.C.: The Departmental Promotion Committee for confirmation will consist of Member(A) —Chairman, Member (PO) —Member. Deputy Director General (P) —Member.  Note: The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Union Public Service Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.	Selection on each occasion shall be made in consultation with the Union Public Service Commission.

1	2	3	4	5	6	7	8
Sales Officer.	1* (1982) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service Group 'B' Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.	Not Applicable.	Not exceeding 30 years (Relaxable upto 5 years for Government servants). Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	No.	Essential: (i) Degree of a recognised University or equivalent (ii) 3 years' experience in a supervisory capacity of work relating to commercial publicity in a Government, Semi-Government organisation or a private concern of repute. Note 1: Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified. Note 2: The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candi-

1	2	3	4	5	6	7	8
							dates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.
							Desirable:
							Diploma in Advertisement/ Public Relations/Journalism from a recognised Institute or equivalent.

9	10	11	12	13	14
Not applicable.	2 years.	By transfer on deputation failing which by direct recruitment.	Transfer on Deputation: Officers under the Central Government: (i) (a) holding analogous posts; or (b) with 3 years' service in posts in the scale of Rs. 550-900 or equivalent; or (c) with 8 years' service in posts in the scale of Rs. 425-700 or equivalent; and (ii) possessing the educational qualification, experience etc. prescribed for direct recruits under Column 7. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Group 'B' DPC: The Departmental Promotion Committee for confirmation will consist of: Member (A)—Chairman. Member (PO)—Member. Director (CP&PR)—Member. Note: The Proceedings of the Departmental promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the Union Public Service Commission for approval. If, however, these are not approved by the Union Public Service Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee, to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.	Union Public Service Commission shall be consulted while making direct recruitment.

1	2	3	4	5	6	7	8
Liaison Officer	1* (1982) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Group 'B' Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.	Not Applicable.	Not applicable.	Not applicable.	Not applicable.

9	10	11	12	13	14
Not applicable.	Not applicable.	By transfer on deputation.	Transfer on Deputation: Officers under the Central Government:	Group 'B' DPC: The Departmental Promotion Committee for confirmation will consist of:	Consultation with the Union Public Service Commission not necessary while making selection for appointment to the post.
			(a) (i) holding analogous posts; or	Member(A) -Chairman. Dy. Director-General (P)- Member. Director (CP&PR) —Member.	
			(ii) with 3 years' service in posts in the scale of Rs. 550-900 or equivalent; or	Note: The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the Union Public Service Commission for approval. If, however, these are not approved by the Union Public Service Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.	
			(iii) with 8 years' service in posts in the scale of Rs. 425-700 or equivalent; and		
			(b) possessing the following educational qualification, experience, etc.		
			(i) Degree of a recognised university or equivalent.		
			(ii) 3 years' experience in Liaison public relation work.		
			(Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).		

[No. A. 12018/1/80-SPG]

V.S. RAO, Asstt. Director General

## अम संशालय

(आम सुरक्षा महाविशालय)

धनबाद, 17 मई, 1982

सां०का०नि० 607.—मुख्य खान निरीक्षक, कोयला खान विनियम, 1957 के विनियम 2 के खण्ड (23) और विनियम 173 के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, निम्न सारणी के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट फर्म द्वारा विनिर्मित उक्त सारणी के स्तंभ (1) में विनिर्दिष्ट विस्फोटक को सभी प्रथम स्तर वाले गैसीय कोयला खानों में उपयोग के लिए उपयुक्त अनुज्ञान विस्फोटक के रूप में और उक्त अनुज्ञान विस्फोटक के लिए उक्त सारणी के स्तंभ (3) में यथा विनिर्दिष्ट अनुज्ञेय अधिकतम भारण भी अधिसूचित करने हैं।

## सारणी

विस्फोटक का नाम	फर्म का नाम	अनुज्ञेय अधिकतम प्रभार विलेयी गुणिका	एक सुराज में
(1)	(2)	(3)	
प्रकरण नं० 1	आइडेमेन्स कारखाना	800 ग्राम	
(कोड नं० पी०-1-	भारत सरकार		
(पाउडर)/नं० 1/	रक्षा मंत्रालय		
79/सी० आर०	भंडारा बाया नागपुर		
	(एम. एस०)		

[मक्र्या 14(3)/80-सामान्य/6435]

एस० शंकरन, मुख्य खान निरीक्षक

## MINISTRY OF LABOUR

(Directorate General of Mines Safety)

Dhanbad, the 17th May, 1982

G.S.R. 607.—In pursuance of clause (23) of Regulation 2 and clause (d) of Regulation 173 of the Coal Mines Regulations, 1957 the Chief Inspector of Mines hereby notifies the explosive specified in column (1) of the Table below manufactured by the firm specified in column (2) of the said Table to be permitted explosive suitable for use in all gassy coal mines/seams of first degree and further lays down the permissible maximum charge as specified in column (3) of the said Table for the said permitted explosive.

## TABLE

Name of Explosive	Name of firm	Permissible maximum charge in any shot hole
(1)	(2)	(3)
PRACHAND No. 1 (Code No. P-1 = (Powder) No. 1/79/CR)	Ordnance Factory Govt. of India Ministry of Defence, Bhandara Via-Nagpur (MS)	800 gms.

[No. 14(3)/80-Genl./6435]

S. SANKARAN, Chief Inspector of Mines

## नौवहन और परिवहन संशालय

## (नौवहन पक्ष)

## (वाणिज्य नौवहन)

नई दिल्ली, 15 जून, 1982

सां०का०नि० 608.—अधिनियम की धारा 435 की उपधारा (2) के खण्ड (ट) और धारा 457 के साथ पठित उसकी धारा 288 की उप-धारा (1) तथा उप-धारा (2) के खण्ड (फ), (ख), (ग), (घ), (ङ), (च), (छ), (ज), (झ), (ञ) और (इ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारतीय वाणिज्य परिवहन (प्राण रक्षा साधित) नियम, 1956 को अधिकांश करने हुए, उन कानून नियमों का निम्नलिखित प्राप्ति, जो केन्द्रीय सरकार बनाना चाहती है, जैसा कि धारा 288 की उप-धारा (1) द्वारा अपेक्षित है, उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है कि उनके उनसे प्रभावित होने की सम्भावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्राप्ति पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पंचाशीस दिन के पश्चात विचार किया जाएगा।

ऊपर विनिर्दिष्ट अधिनियम के पूर्व उक्त नियमों के प्राप्ति की बाधक जो आक्षेप या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

## प्राप्ति नियम

1. संक्षिप्त नाम, प्रारम्भ और लागू होना:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वाणिज्य पोत परिवहन (प्राण रक्षा साधित) नियम, 1982 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

(3) ये.....

(क) सभी समुद्रगामी भारतीय पोतों और सभी समुद्रगामी भारतीय पाल जलयानों, जिनके अन्तर्गत नौदल के वाणिज्य साधनों से युक्त मत्स्य जलयान और मत्स्यताकाण्ड है और

(ख) सभी समुद्रगामी पोतों और समुद्रगामी पाल जलयानों, जिनके अन्तर्गत मत्स्य जलयान और मत्स्य नौकाएँ हैं, से भिन्न उन पोतों, जलयानों और नौकाएँ जिन पर जब वे भारत में किसी पत्तन या स्थान पर हों या भारतीय कोलांग होंगे समुद्री सीमा के भीतर हों, भारतीय ध्वज है;

परन्तु ये नियम किसी पोत या पाल जलयान जिसके अन्तर्गत कोई मत्स्य जलयान या मत्स्य नौका है, को जब वह भारत में किसी पत्तन पर या स्थान पर या भारत के राज्य क्षेत्रीय समुद्र में होने के कारण उस पर लागू नहीं होंगे यदि वह किसी ऐसे पत्तन पर या स्थान पर नहीं होता या खराब मौसम या किसी अन्य परिस्थितियों के कारण के सिवाय यथास्थिति, पोत, पाल, जलयान, मत्स्य जलयान या मत्स्य नौका का, न तो कप्तान, डिप्टी कप्तान और न स्वामी, न चार्टरकर्ता, यदि कोई हो, रोक सकते या पहले से ही रोकने का प्रयत्न करने।

2 परिभाषाएँ:— इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) "अधिनियम" से वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) अभिप्रेत है;

(ख) "अनुमोदित" के केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित अभिप्रेत है;

(ग) "उपवहन साधित" से रक्षा बोया या रक्षा आक्रेष से भिन्न प्रयोजन उपकरण अभिप्रेत है जो व्यक्तियों की विनिर्दिष्ट संख्या को, जो जल में हूँ सहायता देने के लिए डिजाइन किया गया है और ऐसे बना हो कि वह अपने आकार और गुण धर्म का प्रतिधारित करे:

(घ) "प्रमाण-पत्र प्राप्त रक्षा नाविक" से, कर्मचारी का कोई ऐसा मध्यम अभिप्रेत है जिसके पास, रक्षा नाविक (अर्हताएं और प्रमाण-पत्र नियम, 1963 द्वारा दिया हुआ दस्तावेज का प्रमाण-पत्र है;

(ङ) "वर्ग 'ग' नौका" से वह नौका अभिप्रेत है जो पहली अनुसूची के उपबन्धों का अनुपालन करती है;

(च) "साफ मौसम" से अभिप्रेत है—

(1) अरब सागर में 1 मिनट में 31 मई तक का मौसम; और

(2) बंगाल की खाड़ी में 1 दिसम्बर से 30 अप्रैल तक का मौसम;

(छ) "खराब मौसम" से अभिप्रेत है—

(1) अरब सागर में 1 जून से 31 अगस्त तक का मौसम; और

(2) बंगाल की खाड़ी में 1 मई से 30 नवम्बर तक का मौसम;

(ज) "स्फूर्ति योग्य बचाव-तराफ" से अभिप्रेत है कोई बचाव-तराफ जो दूसरी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं का अनुपालन करता है;

(झ) "अन्तर्राष्ट्रीय जल यात्रा" का वही अर्थ है जो अधिनियम में;

(ञ) "अवसरण साधित" से कोई साधित अभिप्रेत है जो तीसरी अनुसूची की अपेक्षाओं का अनुपालन करता है;

(ट) रजिस्ट्रीकृत पोत के सम्बन्ध में "लम्बाई" से रजिस्ट्रीकृत लम्बाई अभिप्रेत है और अरजिस्ट्रीकृत पोत के सम्बन्ध में अभिप्रेत है माप के अन्तर्गत हिस्से से कुवास के शीर्ष के पिछले तरफ तक या यदि मुकान को लेने के लिए कुवास नहीं लगा है तो मुकान दण्ड के भागों की तरफ से उस स्थान तक जहाँ मुकान खोखु में बाहर जाता है, तक की लम्बाई अभिप्रेत है;

(ठ) "रक्षा नौका" से, ऐसी नौका अभिप्रेत है जो चौथी अनुसूची की अपेक्षाओं का अनुपालन करती है;

(ड) "बचाव-तराफ" से ऐसा बचाव-तराफ अभिप्रेत है जो दूसरी अनुसूची की अपेक्षाओं का अनुपालन करता है;

(ढ) "यंत्र-चालित रक्षा नौका" से ऐसी नौका अभिप्रेत है जो नियम 46 के उपबन्धों का अनुपालन करती है;

(ण) "मोटर रक्षा नौका" से ऐसी रक्षा नौका अभिप्रेत है जो नियम 45 की अपेक्षाओं का अनुपालन करती है;

(त) इन नियमों के सम्बन्ध से "व्यक्ति" से एक शब्द से उपर की आयु का कोई भी व्यक्ति अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत पोत के मॉडल और अधिकारी है;

(थ) "अज्ञान्य बचाव-तराफ" से ऐसा बचाव-तराफ अभिप्रेत है जो दूसरी अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं का अनुपालन करता है;

(द) "अनुसूची" से इन नियमों की अनुसूची अभिप्रेत है;

(ध) "लघु अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र यात्रा" से ऐसी अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र यात्रा अभिप्रेत है जिसके दौरान पोत किसी भी समय पत्तन या उस स्थान में जहाँ यात्री और बर्मादित सुरक्षा पूर्वक रुक जा सकते थे, 200 समुद्री मील से अधिक दूर नहीं है और जो किसी देश के, जहाँ के समुद्र यात्रा प्रारम्भ होती है, गत विश्राम, पत्तन और अन्तिम शान्त्य पत्तन के बीच 600 समुद्री मील से अधिक दूर नहीं है।

3. पोतों का वर्गीकरण—इस नियमों के प्रयोजन के लिए पोत निम्न-लिखित वर्गों में रखे जाएंगे, अर्थात्—

(क) यात्री पोत

वर्ग 1—वर्ग 3 के पोतों में भिन्न अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र-यात्राओं में लगे हुए यात्री पोत।

वर्ग 2—वर्ग 4 के पोतों में भिन्न लघु अन्तर्राष्ट्रीय समुद्री यात्राओं में लगे हुए यात्री पोत।

वर्ग 3—अन्तर्राष्ट्रीय समुद्री-यात्राओं में लगे हुए विशेष व्यापार यात्री पोत।

वर्ग 4—लघु अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र यात्राओं में लगे हुए विशेष व्यापार यात्री पोत।

वर्ग 5—अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र यात्राओं से भिन्न समुद्र-यात्राओं में लगे हुए विशेष व्यापार यात्री पोत (वर्ग 6 और वर्ग 7 के पोतों में भिन्न)।

वर्ग 6—तट व्यापार में समुद्र-यात्राओं पर लगे हुए विशेष व्यापार यात्री पोत, जिनके दौरान वे निकटतम भूमि से 20 मील से अधिक दूर नहीं जाते हैं।

परन्तु ऐसे पोतों का केवल इस कारण वर्ग 6 के पोत होना समाप्त नहीं हो जाएगा कि वे अपनी समुद्र-यात्रा के दौरान कच्छ, बाम्बे या मन्थार की खाड़ी पार करते हैं।

वर्ग 7—भारतीय पतनों के मध्य माफ मौसम में समुद्र यात्राओं में लगे हुए विशेष व्यापार यात्री पोत, जिनके दौरान वे निकटतम भूमि से 5 मील से अधिक दूर नहीं जाते हैं।

(ख) यात्री पोतों से भिन्न पोत

वर्ग 8—अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र-यात्राओं में लगे हुए स्थीर पोत

वर्ग 9—ऐसी समुद्र-यात्राओं में लगे हुए स्थीर पोत (वर्ग 10 के पोतों से भिन्न) जो अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र-यात्राओं नहीं हैं।

वर्ग 10—भारत के तट व्यापार में लगे हुए स्थीर पोत (वर्ग 9 के पोतों से भिन्न) जिसके दौरान वे निकटतम भूमि से 20 मील से अधिक दूर नहीं जाते हैं।

परन्तु ऐसे पोतों का केवल इस कारण वर्ग 10 के पोत होना समाप्त नहीं हो जाएगा कि वे अपनी समुद्र-यात्रा के दौरान कच्छ, बाम्बे या मन्थार की खाड़ी पार करते हैं।

वर्ग 11—भारतीय पतनों के मध्य माफ मौसम के दौरान ऐसी समुद्र-यात्राओं में लगे हुए स्थीर पोत जिनके दौरान वे निकटतम भूमि से 5 समुद्री मील से अधिक दूर नहीं जाते हैं।

वर्ग 12—टग, टैंडर, जांच लाइटर, ड्रेजर, बजरा और हापर जो समुद्र में जाते हैं।

वर्ग 13—वर्ग 14 के पोतों में भिन्न मत्स्य जलयान,

वर्ग 14—पाल जलयान जिनके अन्तर्गत पाल मत्स्य नौकाएं हैं।

वर्ग 15—क्रीडा नौकाएं।

4. वर्ग 1 के पोत—(1) यह नियम वर्ग 1 के पोतों को लागू होगा।

(2) वर्ग 1 का हर पोत—

(क) पोत की प्रत्येक ओर रक्षा नौकाओं की ऐसी संख्या बहुत करेगा जिनकी कुल धारिता उन व्यक्तियों की कुल संख्या के बराबर हो, जिन्हें पोत बहुत करने के लिए प्रमाणित है, स्थान देने के लिए पर्याप्त हो; या

(ग) रक्षा नौकाओं और जवाब तराफों की ऐसी संख्या बहुत करेगा जिनकी कुल धारिता व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिन्हें पोत बहुत करने के लिए प्रमाणित है, स्थान देने के लिए पर्याप्त हो।

परन्तु पोत की प्रत्येक ओर बहुत की जा रही रक्षा नौकाएं, उस संख्या से कभी भी कम नहीं होगी जो व्यक्तियों की कुल संख्या के, जिससे पोत बहुत करने के लिए प्रमाणित है, 37-1/2 प्रतिशत स्थान देने के लिए आवश्यक है।

परन्तु उन पोत की दशा में जिसकी कील 26 मई, 1965 के पहले रखी गई थी, इस खण्ड के उपबन्ध केवल तभी लागू होंगे जब व्यक्तियों की संख्या, जिस पोत बहुत करने के लिए प्रमाणित है, इस कारण नहीं बढ़ा दी गई है कि बोर्ड पर पथराव बचाव तराफों की संख्या, ऐसी बड़ी हुई संख्या के लिए पर्याप्त है।

(3) (क) हर पोत पर, जब वह समुद्र में है, तब उप-नियम (2) के अधीन अपेक्षित दो रक्षा नौकाएं, पोत की प्रत्येक ओर एक-एक आपात में तत्काल प्रयोग के लिए तैयार रखी जाएंगी।

(ख) खण्ड (क) में निर्दिष्ट दोनों रक्षा नौकाओं में से कोई भी लम्बाई में 8.5 मीटर से अधिक नहीं होगी, किन्तु वे मोटर रक्षा नौकाएं या रक्षा नौकाएं हो सकती हैं, और उप-नियम (4) के अनुपालन के प्रयोजन के लिए उनकी गणना की जा सकेगी।

(ग) नियम 60 के उप-नियम (13) के उपबन्धों के होते हुए भी इन रक्षा नौकाओं में स्केटों या प्रायः उपयुक्त साधनों का भरा होना अपेक्षित नहीं होगा।

(4) हर पोत अपनी प्रत्येक ओर कम से कम एक मीटर रक्षा नौका बहुत करेगा। परन्तु किसी ऐसे पोत से, जो 30 से अधिक व्यक्तियों को बहुत करने के लिए प्रमाणित है, केवल एक ही ऐसी मोटर रक्षा नौका बहुत करने की अपेक्षा की जाएगी।

(5) (क) हर पोत में, जो 1500 या उससे अधिक व्यक्तियों को बहुत करने के लिए प्रमाणित है, उप-नियम (4) के अनुपालन में बहुत की जा रही प्रत्येक मोटर रक्षा नौका में नियम 56 के उप-नियम (1) में विनिर्दिष्ट उपस्कर की व्यवस्था होगी।

(ख) हर पोत में जो 199 से अधिक किन्तु 1500 से कम व्यक्तियों को बहुत करने के लिए प्रमाणित है, उप-नियम (4) के अनुसार बहुत की जा रही मोटर रक्षा नौकाओं में से कम से कम एक नियम 56 के उप-नियम (1) में विनिर्दिष्ट उपस्कर की व्यवस्था होगी।

(ग) इस नियम के अनुसार में बहुत की जा रही प्रत्येक मोटर रक्षा नौका में, नियम 56 के उप-नियम (2) में निर्दिष्ट सर्वसाइट की व्यवस्था होगी।

(6) हर पोत जो अपनी प्रत्येक ओर उप-नियम (5) के खण्ड (क) के अधीन यथा-अपेक्षित उपस्कर से लगी मोटर रक्षा नौका बहुत नहीं करता है, एक मुबाह्य रेडियों उपस्कर भी बहुत करेगा जो नियम 65 के उपबन्धों का अनुपालन करेगा।

(2) इस नियम के अनुपालन में बहुत की जा रही प्रत्येक रक्षा नौका की लम्बाई 7.3 मीटर से कम नहीं होगी।

(8) हर पोत में प्रत्येक रक्षा नौका डेविटों के पृथक सेट से संलग्न होगी जो गुनिश प्रकार का होगा सिवाए इस बात के कि उन रक्षा नौकाओं के प्रचालन के लिए इनका भार 2300 किलोग्राम से अधिक नहीं है, उनकी अवतरण स्थिति में सक्रिय-डेविट लगे होंगे।

(9) (क) उप-नियम (2) के खण्ड (ख) के अनुसरण में बहुत किए जा रहे बचाव तरापी अवतरण साधनों से युक्त होंगे।

(ख) पोत की प्रत्येक ओर कम से कम ऐसा एक साधित होगा और प्रत्येक ओर लगे हुए साधितों की संख्या में एक से अधिक का अंतर कभी नहीं होगा।

(10) हर पोत ऐसे बचाव-तरापी बहुत करेगा जो ऐसे अवतरण साधितों युक्त नहीं हो सकेगा जिनमें, उन व्यक्तियों की कुल संख्या के 25 प्रतिशत को स्थान देने के लिए जिसे पोत बहुत करने के लिए प्रमाणित है, उस संख्या के 3 प्रतिशत के लिए उत्पन्न साधित सहित पर्याप्त धारिता हो:

परन्तु—

(क) यदि उप-नियम (2) के खण्ड (ख) के अनुसार बचाव तरापी भी बहुत किए जाते हैं तो पोत द्वारा बहुत किए गए सभी बचाव, तरापी, उप-नियम (9) के अनुसरण में पोत पर लगे हुए अवतरण साधितों द्वारा अवतरित होने योग्य होंगे; और

(ख) वह पोत जो 0.33 या उससे कम के प्रतिभाग का गुणक रखता है, बचने में केवल, व्यक्तियों की कुल संख्या के, जिसे यह बहुत करने के लिए प्रमाणित है, 25 प्रतिशत के लिए उत्पन्न साधित बहुत कर सकेगा।

(2) (क) हर पोत निम्नलिखित सारणी के अनुसार, रक्षा बोयों की न्यूनतम संख्या बहुत करेगा:—

#### सारणी

पोत की लम्बाई मीटर में	बहुत किए जाने के लिए अपेक्षित रक्षा बोयों की न्यूनतम संख्या
61 मीटर से कम	-8
61 मीटर और उससे अधिक किन्तु 122 मीटर से कम	-12
122 मीटर और उससे अधिक किन्तु 183 मीटर से कम	-18
183 मीटर और उससे अधिक किन्तु 244 मीटर से कम	-24
244 मीटर और उससे अधिक	-30

(ख) इस प्रकार बहुत किए जा रहे रक्षा बोयों की कुल संख्या के कम से कम प्रारंभ में, जो छः से कम नहीं होंगे, स्व-प्रज्वलन बतियों की व्यवस्था होगी;

(ग) कम से कम दो रक्षा बोयों में, जिसमें स्व-प्रज्वलन बतियों की व्यवस्था है, कम से कम 4 मिनट से टिकने वाले स्पष्ट

दृश्यमान बर्ण के रक्षा स्वतः सक्रिय धूम संकेतों की व्यवस्था होगी और वे रक्षा बोयों जिनमें धूम संकेतों का इस प्रकार की व्यवस्था है, नौचालन पुल से गाँव मुख होने में समर्थ होंगे।

(घ) पोत की प्रत्येक ओर कम से कम एक रक्षा बोयों में, लम्बाई में कम से कम 27.5 मीटर की उत्पन्न रक्षा रस्सी की व्यवस्था होगी।

12(क) हर पोत—

(1) यथास्थिति, हर व्यक्ति के लिए या व्यक्तियों की कुल संख्या के लिए जिसे पोत बहुत करने के लिए प्रमाणित है, इनमें जो भी अधिक है, पाँचवी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुसार एक रक्षा जाकेट बहुत करेगा; और

(2) व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम दस प्रतिशत के लिए, जिसे पोत बहुत करने के लिए प्रमाणित है, पाँचवी अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहुत करेगा।

(ख) हर पोत, खण्ड (क) के अनुपालन में बहुत की जा रही रक्षा जाकेटों के प्रतिरिक्त, व्यक्तियों की उस संख्या के कम से कम पाँच प्रतिशत के लिए, जिसे यह बहुत करने के लिए प्रमाणित है, पाँचवी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में रक्षा जाकेट भी बहुत करेगा और ऐसी रक्षा जाकेट डेक पर समुचित स्थान पर ठीक प्रकार से रखी जाएगी जो सहज दृश्य रूप से चिह्नित होगा।

(13) हर पोत एक अनुमोदित रस्सी प्रक्षेपण साधित बहुत करेगा। 5. वर्ग 2 के पोत—(1) यह नियम वर्ग 2 के पोतों को लागू होगा।

(2) (क) हर पोत में, उसकी लम्बाई के अनुसार छठी अनुसूची में उपबन्धित सारणी के स्तम्भ (क) में निर्दिष्ट डेविटों के सेटों की न्यूनतम संख्या लगी होगी:

(ख) जहाँ केन्द्रीय सरकार का इस प्रकार समाधान हो जाता है, वहाँ वह पोत पर डेविट के सेटों की कम संख्या की व्यवस्था करने की अनुमति देगी परन्तु फिर भी डेविट के सेटों की संख्या छठी अनुसूची के स्तम्भ (ख) में निर्दिष्ट न्यूनतम संख्या से कभी कम नहीं होगी:

परन्तु किसी भी पोत में डेविटों के सेटों की उस संख्या का लगा होना अपेक्षित नहीं है जो व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिसे बहुत करने के लिए पोत प्रमाणित है, स्थान देने के लिए अपेक्षित रक्षा नौकाओं की संख्या से अधिक है।

(3) डेविटों के हर सेट से एक रक्षा नौका संलग्न होगी और उप-नियम (8) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए इस प्रकार संलग्न रक्षा नौकाओं में, छठी अनुसूची में उपबन्धित सारणी के स्तम्भ ग में निर्दिष्ट कम से कम धारिता की या उस धारिता की जो व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिसे पोत बहुत करने के लिए प्रमाणित है, यदि परवर्ती धारिता कम हो, स्थान देने के लिए व्यवस्था होगी।

(4) (क) हर पोत पर जब वह समुद्र में है तब उपनियम (3) के अधीन अपेक्षित दो रक्षा नौकाएँ, पोत की प्रत्येक ओर एक-एक आपात में तत्काल प्रयोग के लिए तैयार रखी जाएंगी।

(ख) खण्ड (क) में निर्दिष्ट दोनों रक्षा नौकाओं में से कोई भी लम्बाई में 8.5 मीटर से अधिक नहीं होगी किन्तु वे मोटर रक्षा नौकाएँ या रक्षा नौकाएँ हो सकती हैं और उपनियम (5) के अनुपालन के प्रयोजन के लिए उनकी गणना की जा सकेगी।

(ग) नियम 60 के उपनियम (13) के उपबंधों के होने हुए भी, इस रक्षा नौकाओं में स्केटों या अन्य उपयुक्त साधनों का लगा होना अपेक्षित नहीं होगा।

(5) हर पोत अपनी प्रत्येक ओर कम से कम एक मोटर रक्षा नौका बहन करेगा :

परन्तु किसी ऐसे पोत से जो 30 से अधिक व्यक्तियों को बहन करने के लिए प्रमाणित है, केवल एक ऐसी मोटर रक्षा नौका बहन करने की अपेक्षा की जाएगी।

(6) उपनियम (7) और (8) के उपबंधों के अधीन रहते हुए, जब उपनियम (3) के अनुपालन में बहन की जा रही रक्षा नौकाओं में, उन व्यक्तियों की कुल संख्या के लिए, जिन्हें पोत बहन करने के लिए प्रमाणित है, स्थान नहीं है तो ऐसे स्थान देने की कमी की पूर्ति के लिए डेविटों के प्रतिरिक्त सेट, जिनमें प्रत्येक में रक्षा नौका संलग्न हो, लगे होंगे।

(7) यदि केन्द्रीय सरकार की राय में वातावरण की अधिकता के कारण ऐसा अपेक्षित है तो वह, किसी पोत को, जो अधिनियम की धारा 284 के अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार उपबिभाषित है, उपनियम (3) के अनुपालन में उस पोत पर रक्षा नौकाओं की व्यवस्थित धारिता से आधिक्य में व्यक्तियों को बहन करने के लिए अनुज्ञा दे सकेगी।

परन्तु—

(क) जब ऐसे किसी पोत को केन्द्रीय सरकार द्वारा, भारत में किसी पत्तन या स्थान से अन्तर्राष्ट्रीय समूह यात्रा पर जो 600 मील से अधिक किन्तु 1200 मील से अधिक नहीं है, भारत में गत विश्राम पत्तन या स्थान से बाहर अन्तिम गंतव्य पत्तन या स्थान तक समुद्र में जाने के लिए अनुज्ञा दी जाती है तो वह पोत के फलक पर स्थित व्यक्तियों के कम से कम पचहत्तर प्रतिशत को स्थान देने के लिए डेविटों से संलग्न रक्षा नौकाएं बहन करेगा;

(ख) सभी दशाओं में बहन किए जाने वाले बचाव तरापों की संख्या इतनी होगी जिससे यह सुनिश्चित हो जाए कि बचाव तरापों के साथ रक्षा नौकाओं की कुल संख्या, व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिसे पोत बहन करने के लिए प्रमाणित है, बहन करने के लिए अनुज्ञात है, स्थान देने के लिए पर्याप्त होगा; और

(ग) यदि ऐसे किसी पोत में दो कक्ष वाले मानक के प्रविभाग की निरंतर व्यवस्था नहीं हो सकती है, तो वह, उन व्यक्तियों के बस प्रतिशत को, जिन्हें यह बहन करने के लिए प्रमाणित है, या अनुज्ञात है स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तरापे बहन करेगा, ऐसे बचाव तरापे उनके प्रतिरिक्त होंगे जिसकी व्यवस्था इस परस्तु के खण्ड (ख) के या उपनियम (8) के परस्तु के खण्ड (ख) के, और उपनियम 12 के अनुपालन में व्यवस्था किया जाता अपेक्षित है।

(8) जहां केन्द्रीय सरकार को समाधानप्रद रूप से यह वशित कर दिया जाता है कि लघु अन्तर्राष्ट्रीय समुद्रयात्रा पर लगे हुए किसी पोत में, रक्षा नौकाओं की संख्या कम किए बिना उपनियम (7) के अनुसरण में बहन किए जाने के लिए अपेक्षित बचाव तरापों का समाधान-प्रद रूप से भरा जाना असाध्य है वहां केन्द्रीय सरकार, उपनियम (2) के अधीन लगाए जाने के लिए अपेक्षित डेविटों के सेटों की संख्या

और उपनियम (3) के अधीन डेविटों के संलग्न किए जाने के लिए अपेक्षित रक्षा नौकाओं की संख्या को कम करने के लिए, अनुज्ञा दे सकेगी : परन्तु—

(क) उस पोत की दशा में जिसकी लंबाई 58.5 मीटर से अधिक है बहन किए जाने के लिए रक्षा नौकाओं की संख्या कभी भी चार से कम नहीं होगी, जिनमें से दो दो पोत की प्रत्येक ओर होंगी और उन पोत की दशा में जिसकी लंबाई 58.5 मीटर से कम है बहन किए जाने के लिए रक्षा नौकाओं की संख्या कभी भी दो से कम नहीं होगी जिनमें से एक-एक पोत की प्रत्येक ओर बहन की जाएगी।

(ख) सभी दशाओं में रक्षा नौकाओं और बचाव तरापों की संख्या सदैव उन व्यक्तियों की कुल संख्या को जिसे पोत बहन करने के लिए प्रमाणित या अनुज्ञात है, स्थान देने के लिए पर्याप्त होगी, और

(ग) उस पोत की दशा में, जिसमें बहन की जा रही रक्षा नौकाओं की कुल धारिता छोटी अनुसूची में उपबिहित सारणी के स्तंभ ग में निर्दिष्ट धारिता से कम है नियम 61 के उपनियम (2) में निर्दिष्ट साधनों द्वारा प्रवर्तण किए जाने योग्य प्रतिरिक्त बचाव तरापों की व्यवस्था की जाएगी।

(घ) इस प्रकार व्यवस्थित बचाव तरापों की संख्या इतनी होगी जिससे यह सुनिश्चित हो जाए कि बचाव तरापों की कुल धारिता कम से कम, रक्षा नौकाओं की कुल धन धारिता और छोटी अनुसूची के स्तंभ ग में निर्दिष्ट धन धारिता के अन्तर को 10 से विभाजित करने से प्राप्त संख्या के बराबर है। यह इस शर्त के अधीन रहने हुए है कि—

(1) ऐसे प्रतिरिक्त बचाव तरापे, कम से कम 40 व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त होंगे।

(2) पोत की प्रत्येक ओर कम से कम एक प्रवर्तण साधन की व्यवस्था है, और

(3) पोत की प्रत्येक ओर लगे हुए प्रवर्तण साधनों की संख्या का अंतर एक से अधिक नहीं है।

(9) हर पोत में इस नियम के अनुपालन में बहन की जा रही रक्षा नौकाएं लंबाई में 7.3 मीटर से कम नहीं होंगी।

(10) हर पोत में इस नियम के अनुपालन में बहन किए जाने के लिए अपेक्षित डेविट गुणत्व प्रकार के होंगे सिवाए इसके कि रक्षा नौकाओं के प्रचालन के लिए जिनका भार 2300 किलोग्राम से अधिक नहीं है, उनकी प्रवर्तण स्थिति में फीफिंग डेविट लगाए जा सकेंगे।

(11) हर पोत जो अपनी प्रत्येक ओर एक मोटर रक्षा नौका जिसमें नियम 56 के उपनियम (1) में निर्दिष्ट उपस्कर की व्यवस्था है, बहन नहीं करता, वह एक सहाय्य रेडियो उपस्कर बहन करेगा जो नियम 65 के उपबंधों का अनुपालन करेगा :

परन्तु यदि किसी पोत के बारे में केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाता है कि समुद्र यात्रा की अवधि ऐसी है कि सहाय्य रेडियो उपस्कर को ले जाना आवश्यक है तो वह इस नियम की अपेक्षाओं से अभिमुक्त की अनुज्ञा दे सकेगी।

(12) हर पोत, उपनियम (7) और (8) के अनुसरण में बहन किए जा रहे किसी बचाव तरापों के प्रतिरिक्त और बचाव तरापे बहन करेगा जो उन व्यक्तियों की कुल संख्या के बस प्रतिशत को स्थान देने के लिए, जिनके लिए पोत में रक्षा नौका स्थान की व्यवस्था है, पर्याप्त है।

(13) हर पोत, उन व्यक्तियों की कुल संख्या के पांच प्रतिशत को जिन्हें पोत बहन करने के लिए प्रमाणित है, संभालने के लिए पर्याप्त उत्प्लवन साधन बहन करेगा।

(14) (क) हर पोत निम्नलिखित सारणी के अनुसार अध्वारित रक्षा बोयों की कम से कम संख्या बहन करेगा -

सारणी

पोत की लंबाई मीटर में	बहन किए जाने के लिए अपेक्षित रक्षा बोयों की न्यूनतम संख्या
61 मीटर से कम	8
61 मीटर और उससे अधिक किन्तु 122 मीटर से कम	12
122 मीटर और उससे अधिक किन्तु 183 मीटर से कम	18
183 मीटर और उससे अधिक किन्तु 244 मीटर से कम	24
244 मीटर और उससे अधिक	30

(ख) इस प्रकार बहन की जा रही रक्षा बोयों की कुल संख्या के कम से कम में जो बह छह से कम नहीं होंगे, वहां स्वप्रज्वलन क्षतियों की व्यवस्था होगी।

(ग) कम से कम दो रक्षा बोयों में, जिनमें स्वप्रज्वलन क्षतियों की व्यवस्था है, कम से कम 15 मिनट टिकने वाले स्पष्ट दृश्यमान वर्ण के कुशल स्वतः सक्रिय धूम्र संकेतों की भी व्यवस्था होगी और रक्षा बोयों जिनमें धूम्र संकेतों की इस प्रकार की व्यवस्था है, नौचालन पूल से सीधे मुक्त होने में समर्थ होंगे।

(घ) पोत की प्रत्येक ओर कम से कम एक रक्षा बोयों में, लम्बाई में कम से कम 27.5 मीटर की उत्प्लवन रक्षा रस्ती की व्यवस्था होगी।

(15) (क) हर पोत -

(1) फलक पर के यथास्थिति, हर व्यक्ति के लिए या व्यक्तियों की उस संख्या के लिए जिसे पोत बहन करने के लिए प्रमाणित है, इसमें जो भी अधिक है, पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा; और

(2) व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम दस प्रतिशत के लिए, जिसे पोत बहन करने के लिए प्रमाणित है, पांचवीं अनुसूची के भाग की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा।

(ख) हर पोत, खण्ड (क) के अनुपालन में बहन की जा रही रक्षा जाकेटों के प्रतिरिक्त, व्यक्तियों की उस संख्या के कम से कम पांच प्रतिशत के लिए जिसे पोत बहन करने के लिए प्रमाणित है, पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में रक्षा जाकेट भी बहन करेगा, और ऐसी रक्षा जाकेट डेक पर समचित स्थान पर ठीक प्रकार से रखी जाएंगी जो सहजदृश्य रूप से चिह्नित होगी।

(16) हर एक पोत एक अनुमोदित रस्ती प्रक्षेपण साधन बहन करेगा।

6. बर्ग 3 के पोत - (1) यह नियम बर्ग 3 के पोतों को लागू होगा।

(2) बर्ग 3 का हर पोत -

(क) पोत की प्रत्येक ओर रक्षा नौकाओं की ऐसी संख्या बहन करेगा जिनकी कुल भारिता, उन व्यक्तियों की कुल संख्या के आधे को, जिन्हें पोत बहन करने के लिए प्रमाणित है, स्थान देने के लिए पर्याप्त हो, या

(ख) रक्षा नौकाओं और अचाव तरापीं की ऐसी संख्या बहन करेगा जिनकी कुल भारिता व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिन्हें पोत बहन करने के लिए प्रमाणित है, स्थान देने के लिए पर्याप्त होगी।

परन्तु पोत की प्रत्येक ओर बहन की जा रही नौकाएं, जो व्यक्तियों की कुल संख्या के, जिन्हें पोत बहन करने के लिए प्रमाणित है, 35 प्रतिशत की आवश्यक स्थान देने के लिए, कमी भी कम नहीं होगी।

(3) (क) हर पोत पर जब वह मनुष्य में है तब इस नियम के उपनियम (2) के अधीन अपेक्षित दो रक्षा नौकाएं पोत की प्रत्येक ओर एक-एक, आपात में तत्काल प्रयोग के लिए तैयार रखी जाएंगी।

(ख) खण्ड (क) में निविष्ट रक्षा नौकाओं में से कोई भी लंबाई में 8.5 मीटर से अधिक नहीं होगी किन्तु वे मोटर रक्षा नौकाएं हो सकेंगी और उपनियम (4) के अनुपालन के प्रयोजन के लिए उनकी गणना की जा सकेगी।

(ग) नियम 60 के उपनियम (13) के उपबंधों के होते हुए भी, इन रक्षा नौकाओं में स्केटों या अन्य उपयुक्त साधनों का लगा होना अपेक्षित नहीं होगा।

(4) हर पोत अपनी प्रत्येक ओर कम से कम एक मोटर रक्षा नौका बहन करेगा;

परन्तु किसी ऐसे पोत से, जो 30 से अधिक व्यक्तियों को बहन करने के लिए प्रमाणित है, केवल एक ही ऐसी मोटर रक्षा नौका बहन करने की अपेक्षा की जाएगी।

(5) (क) हर पोत में, जो 1500 या उससे अधिक व्यक्तियों को बहन करने के लिए प्रमाणित है, उपनियम (4) के अनुपालन में बहन की हुई प्रत्येक मोटर रक्षा नौका में नियम 56 के उपनियम (1) में निविष्ट उपस्कर होंगे।

(ख) हर पोत में, जो 199 से अधिक किन्तु 1500 से कम व्यक्तियों को बहन करने के लिए प्रमाणित है, उपनियम (4) के अनुपालन में बहन की जा रही मोटर रक्षा नौकाओं में से कम से कम एक में नियम 56 के उपनियम (1) में निविष्ट उपस्कर की व्यवस्था होगी।

(ग) किसी पोत के फलक पर, जिसकी कील 26 मई, 1965 को या उसके पश्चात् रखी गई थी, हर मोटर रक्षा नौका में जो इस नियम के अनुपालन में बहन की जा रही है, नियम 56 के उपनियम (2) में निविष्ट उपस्कर की व्यवस्था होगी।

(6) हर पोत जो अपनी प्रत्येक ओर उपनियम (5) की खण्ड (क) के अधीन यथा अपेक्षित मोटर रक्षा नौका बहन नहीं करता है, एक मुद्राहृत रेडियो उपस्कर भी बहन करेगा जो नियम 65 के उपबंधों का अनुपालन करेगा।

(7) इस नियम के अनुपालन में बहून की जा रही प्रत्येक रक्षा नौका की लंबाई 7.3 मीटर से कम नहीं होगी।

(8) हर पोत में प्रत्येक रक्षा नौका डेविटों के पृथक सेट से संलग्न होंगे जो मुख्य प्रकार का होगा, सिवाए इसके कि, यथास्थिति, उन रक्षा नौकाओं या नौकाओं के प्रचालन के लिए जिनका भार 2300 किलोग्राम से अधिक नहीं है, उनकी अवतरण स्थिति में लफिंग डेविट लगे होंगे।

(9) हर पोत पर्याप्त धारिता के बचाव तरापे या उत्प्लवन माधित्र वहन करेगा जिनमें उन व्यक्तियों की कुल संख्या के 25 प्रतिशत को स्थान देने के लिए, जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है:

परन्तु इस नियम के अधीन किसी पोत में वहन किए जा रहे बचाव तरापे जो व्यक्तियों की कुल संख्या के, जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, कम से कम दस प्रतिशत को स्थान देने के लिए पर्याप्त हो।

(10) (क) हर एक पोत, निम्नलिखित सारणी के अनुसार रक्षा बलों की कम से कम संख्या वहन करेगा:

#### सारणी

पोत की लंबाई मीटर में	वहन किए जाने के लिए अपेक्षित रक्षा बलों की न्यूनतम संख्या
61 मीटर से कम	8
61 मीटर और उससे अधिक किन्तु 122 मीटर से कम	12
122 मीटर और उससे अधिक किन्तु 183 मीटर से कम	18
183 मीटर और उससे अधिक किन्तु 244 मीटर से कम	24
244 मीटर और उससे अधिक	30

(ख) इस प्रकार वहन किए जा रहे रक्षा बलों की कुल संख्या के कम से कम आधे में, जो छह से कम नहीं होंगे कुशल स्व-प्रचालन बलियों की व्यवस्था होगी।

(ग) कम से कम दो रक्षा बलों में, जिनमें स्व-प्रचालन बलियों की व्यवस्था है कम से कम 15 मिनट टिकने वाले स्पष्ट दृश्यमान वर्ण के ध्वज उत्थान करने में समर्थ वक्ष स्वतः सज्जिध ध्वज संकेतों की भी व्यवस्था होगी वे रक्षा बलय, और जिनमें ध्वज संकेतों की इस प्रकार व्यवस्था होगी नौचालन कक्ष से शीघ्र संपर्क होने में समर्थ होंगे।

(घ) पोत की प्रत्येक और कम से कम एक रक्षा बल में, लंबाई में कम से कम 27.5 मीटर की उत्प्लवन रक्षा रस्ती की व्यवस्था होगी।

(11) (क) हर पोत—

(1) फलक पर के यथास्थिति, हर व्यक्ति के लिए या व्यक्तियों की कुल संख्या के लिए जिन्हें पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, इनमें जो भी अधिक है, पांचवी अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा; और

(2) व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम दस प्रतिशत के लिए, जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, पांचवी अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

(ख) हर पोत, खण्ड (क) के अनुपालन में वहन की जा रही रक्षा जाकेटों के अनिवार्य, व्यक्तियों की उम संख्या के कम से कम पांच प्रतिशत के लिए जिसे वह वहन करने के लिए प्रमाणित है, पांचवी अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में रक्षा जाकेट भी वहन करेगा, और ऐसी रक्षा जाकेट डेक पर अनुसूचित स्थान पर ठीक प्रकार से रखी जाएगी जो सहजदृश्य रूप से चिह्नित होगा।

(12) हर पोत एक अनुमोदित रस्ती प्रक्षेपण साधित्र वहन करेगा।

7. बर्ग 4 के पोत—(1) यह नियम बर्ग 4 के पोतों को लागू होगा।

(2) (क) हर पोत में, उनकी लम्बाई के अनुसार छठी अनुसूची में उपबर्णित सारणी के स्तंभ (क) में विनिर्दिष्ट डेविटों के सेटों की न्यूनतम संख्या लगी होगी।

(ख) जहां केन्द्रीय सरकार का इस प्रकार समाधान हो जाता है वहां वह पोत पर डेविटों के सेटों की कम संख्या की व्यवस्था करने के लिए अनुज्ञा देगी परन्तु फिर भी डेविटों के सेटों की संख्या छठी अनुसूची के स्तंभ (ख) में विनिर्दिष्ट न्यूनतम संख्या से कभी भी कम नहीं होगी:

परन्तु किसी भी पोत में, डेविटों के सेटों की उम संख्या का लगा होना अपेक्षित नहीं है जो व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिन्हें पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, स्थान देने के लिए अपेक्षित रक्षा नौकाओं की संख्या से अधिक है।

(3) डेविटों के हर ऐसे सेट से एक रक्षा नौका संलग्न होगी और इस प्रकार संलग्न रक्षा नौकाओं में छठी अनुसूची में उपबर्णित सारणी के स्तंभ ग में विनिर्दिष्ट कम से कम धारिता की या उस धारिता की जो व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिन्हें पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, यदि परवर्ती धारिता कम हो, स्थान देने के लिए व्यवस्था होगी।

(4) (क) हर पोत पर, जब समुद्र में है तब उपनियम (3) के अधीन अपेक्षित दो रक्षा नौकाएं पोत के प्रत्येक और एक-एक, आपात में तत्काल प्रयोग के लिए तैयार रखी जाएगी।

(ख) खण्ड (क) में विनिर्दिष्ट दोनों रक्षा नौकाओं में से कोई भी लंबाई में 8.5 मीटर से अधिक नहीं होगी, किन्तु मीटर रक्षा नौकाएं या रक्षा नौकाएं हो सकती, और उपनियम (3) के अनुपालन के प्रयोजन के लिए उनकी गणना की जा सकती।

(ग) नियम 60 के उपनियम (19) के उपबन्धों के होते हुए भी, इन रक्षा नौकाओं में स्केटों या अन्य उपयुक्त माधित्रों का लगा होना अपेक्षित नहीं होगी।

(5) हर पोत कम से कम एक मोटर रक्षा नौका वहन करेगा।

(6) जहां उपनियम (3) के अनुपालन में वहन की जा रही रक्षा नौकाओं में पोत पर व्यक्तियों की कुल संख्या के लिए स्थान नहीं है वहां उपयुक्त रूप से रखे हुए बचाव तरापों की इस प्रकार व्यवस्था की जाएगी कि रक्षा नौकाओं और बचाव तरापों पर स्थान के लिए की गई व्यवस्था पोत पर के सभी व्यक्तियों के लिए पर्याप्त हो।

(7) उपनियम (6) में किसी बात के होने हुए भी, बर्तन 4 का कोई पोत रक्षा नौका की धारिता से अधिक व्यक्तियों को नहीं ले जाएगा जब तक कि केन्द्रीय सरकार सुसंगत समय पर यातायात की मात्रा के लिए न दें।

(7) जहाँ उपनियम (7) के उपबन्धों के अधीन पोत की रक्षा नौका की धारिता से अधिक व्यक्तियों को ले जाने के लिए अनुज्ञा दी जाती है और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाता है कि रक्षा नौकाओं को कम किए बिना उस पोत में उपनियम (6) के अनुसार बहन किए जाने वाले बचाव तराफों का रखना असाध्य है तो वह उस पोत में ले जाए जाने वाले रक्षा नौकाओं की संख्या को कम करने की अनुज्ञा दे सकेगी। परन्तु -

(1) उस पोत की दशा में जिसकी लंबाई 58 मीटर या उससे अधिक है, बहन किए जाने के लिए रक्षा नौकाओं की संख्या कभी भी चार से कम नहीं होगी, जिसमें से दो-दो पोत की प्रत्येक और होगी और उस पोत की दशा में जिसकी लंबाई 58 मीटर से कम है बहन किए जाने के लिए रक्षा नौकाओं की संख्या कभी भी दो से कम नहीं होगी जिनमें से एक एक पोत के प्रत्येक और बहन की जाएगी ;

(2) रक्षा नौकाओं और बचाव तराफों की संख्या, सदैव पोत पर कुल व्यक्तियों की संख्या को स्थान देने के लिए पर्याप्त होगी ;

(3) जहाँ रक्षा नौकाओं में छठी अनुसूची में उपबन्धित सारणी के स्तम्भ ग में अपेक्षित धारिता नहीं है वह उस कमी को पूर करने के लिए व्यवस्थित बचाव तराफें नियम 61 में निविष्ट व्यक्तियों द्वारा, जहाँ तक साध्य हो बिनरण योग्य होंगे।

(9) यदि केन्द्रीय सरकार की राय में यातायात की अधिकता के कारण ऐसा अपेक्षित है, तो वह किसी पोत को भारत में किसी पत्तन या स्थान से अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र यात्रा पर जो 600 मील से अधिक नहीं है, भारत में गम विश्राम पत्तन या स्थान से भारत के बाहर गमन गन्तव्य पत्तन या स्थान तक समुद्र में जाने के लिए अनुज्ञा दे सकेगी :

परन्तु यह तब जब -

(1) पोतकर्मक पर के व्यक्तियों के कम से कम 20 प्रतिशत को स्थान देने वाली डेविटों से संलग्न रक्षा नौकाएं बहन करती हैं; और

(2) फलक पर बहन की जा रही रक्षा नौकाओं और बचाव तराफों की संख्या, व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिन्हें पोत बहन करने के लिए प्रमाणित या अनुज्ञात है स्थान देने के लिए पर्याप्त है।

(10) हर पोत में, इस नियम के अनुपालन में बहन की जा रही रक्षा नौकाओं की लम्बाई 2.3 मीटर से कम नहीं होगी।

(11) हर पोत में, इस नियम के अनुपालन में बहन किए जाने के लिए अपेक्षित डेविट मुख्य प्रकार के होंगे, सिवाए इस बात के कि उन रक्षा नौकाओं या नौकाओं के प्रचालन के लिए जिनका भार 2350 किलोग्राम से अधिक नहीं है, उनकी अवतरण स्थिति में लफिंग डेविट लगाए जा सकेंगे।

(12) उपनियम (5) के अनुसरण में बहन की जा रही हर मोटर रक्षा नौका एक सुबाह्य रेडियो उपस्कर बहन करेगी जो नियम 15 के उपबन्धों का अनुपालन करेगा :

परन्तु यदि किसी पोत या पोतों के किसी बर्तन के बारे में केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाता है कि समुद्र यात्रा की अवधि ऐसी है कि सुबाह्य रेडियो उपस्कर को ले जाना आवश्यक है, तो वह इस उपनियम की अपेक्षाओं से अभिव्यक्ति की अनुज्ञा दे सकेगी।

(13) हर पोत, यथास्थिति, उपनियम (6) या उपनियम (9) के अधीन बहन की जा रही रक्षा नौकाओं और बचाव तराफों के अतिरिक्त बचाव तराफें या उत्प्लवन साधित बहन करेगा जो उन व्यक्तियों की कुल संख्या के बम प्रतिशत को स्थान देने के लिए, जिन्हें पोत बहन करने के लिए प्रमाणित है, पर्याप्त है :

परन्तु पोत में इस उपनियम के अधीन बहन किए जा रहे बचाव तराफों की संख्या कभी भी उससे कम नहीं होगी जो व्यक्तियों की कुल संख्या के पांच प्रतिशत को स्थान देने के लिए जिन्हें पोत बहन करने के लिए प्रमाणित है, अपेक्षित है।

(14) (क) हर पोत निम्न लिखित सारणी के अनुसार रक्षा बोयों को कम से कम संख्या बहन करेगा :—

#### सारणी

पोत की लंबाई मीटर में	बहन किए जाने के लिए अपेक्षित रक्षा बोयों की ग्यूनतम संख्या
61 मीटर से कम	8
61 मीटर और उससे अधिक किन्तु 122 मीटर से कम	12
122 मीटर और उससे अधिक किन्तु 183 मीटर से कम	18
183 मीटर और उससे अधिक किन्तु 244 मीटर से कम	24
244 मीटर और उससे अधिक	30

(ख) इस प्रकार बहन किए जा रहे रक्षा बोयों की कुल संख्या से कम से कम आधे में, जो छह से कम नहीं होंगे, दक्ष स्वप्रज्वलन बतियों की व्यवस्था होगी।

(ग) कम से कम दो रक्षा बोयों में स्वप्रज्वलन बतियों की व्यवस्था है, कम से कम 15 मिनट टिकने वाले स्पष्ट वृक्षमान बर्तन के धूम उत्पन्न करने में समर्थ दक्ष स्वतः सक्रिय धूम संकेत की भी व्यवस्था होगी और वे रक्षा बोयों जिनमें धूम संकेतों की इस प्रकार व्यवस्था हो, नौचालन पुल से सीधे मुक्त होने में समर्थ होंगे।

(घ) पोत की प्रत्येक और कम से कम एक रक्षा बोयों में, लम्बाई में कम से कम 27.5 मीटर की उत्प्लवन रक्षा रस्ती की व्यवस्था होगी।

(15) (क) हर पोत --

(1) फलक पर के, यथा स्थिति, हर व्यक्ति के लिए या व्यक्तियों की उस संख्या के लिए जिसे पोत बहन करने के लिए प्रमाणित है, उनमें जो भी अधिक है, पांचवीं अनुसूची के प्राग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा ; और

(2) व्यक्तियों को कुल संख्या के कम से कम दस प्रतिशत के लिए, जिसे पोत बहन करने के लिए प्रमाणित है, पांचवीं अनुसूची के प्राग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा।

(ख) हर पोत, खण्ड (क) के अनुपालन में वहन की जा रही रक्षा जाकेटों के प्रतिरिक्त, व्यक्तियों की उस संख्या के कम से कम पांच प्रतिशत के लिए जिसे बढ़ाव करने के लिए प्रमाणित है, पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में, रक्षा जाकेट भी बढ़ाने करेगा और ऐसी रक्षा जाकेट डेक पर समुचित स्थान पर ठीक प्रकार से रखी जाएंगी जो सहजदृश्य रूप से चिह्नित होगा।

(16) हर पोत एक अनुमोदित रस्सी संश्लेषण साधित्र वहन करेगा।

8. बर्ग 5 के पोत — (1) यह नियम बर्ग 5 के पोतों को लागू होगा।

(2) (क) हर पोत में, उसकी लम्बाई के अनुसार छठी अनुसूची में उपबर्णित सारणी के स्तम्भ क में विनिर्दिष्ट डेविटों के सेटों की न्यूनतम संख्या लगी होगी।

(ख) जहाँ केन्द्रीय सरकार का इस प्रकार समाधान हो जाता है वहाँ वह पोत पर डेविटों के सेटों की कम संख्या की व्यवस्था करने के लिए अनुज्ञा देगी परन्तु फिर भी डेविटों के सेटों की संख्या छठी अनुसूची के स्तम्भ ख में विनिर्दिष्ट न्यूनतम संख्या से कभी भी कम नहीं होगी।

परन्तु किसी भी पोत में डेविटों के सेटों की उस संख्या का लगा होना अपेक्षित नहीं है जो व्यक्तियों की कुल संख्या को जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, स्थान देने के लिए अपेक्षित रक्षा नौकाओं की संख्या से अधिक है।

(3) डेविटों के हर ऐसे सेट से एक रक्षा नौका संलग्न होगी और इस प्रकार संलग्न रक्षा नौकाओं में छठी अनुसूची में उपबर्णित सारणी के स्तम्भ ग में विनिर्दिष्ट कम से कम धारिता की या उस धारिता की जो व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, यदि परवर्ती धारिता कम हो, स्थान देने के लिए व्यवस्था होगी।

(4) हर पोत कम से कम एक मोटर रक्षा नौका वहन करेगा।

(5) उपनियम (3) के अनुसरण में वहन की जा रही रक्षा नौकाओं के साथ-साथ ऐसी प्रतिरिक्त रक्षा नौकाएं और बचाव तरापे या उत्खनन साधित्र वहन किया जाएगा जो व्यक्तियों की कुल संख्या के लिए जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, पर्याप्त होगा।

परन्तु रक्षा नौकाएं, व्यक्तियों की कुल संख्या के 25 प्रतिशत से अधिक को स्थान देने के लिए जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, वहन की जाएगी।

(6) इस नियम के अनुसार वहन की जा रही रक्षा नौकाएं जहाँ युक्ति-युक्त और साथ ही, लम्बाई में 7.3 मीटर से कम नहीं होगी।

(7) इस नियम के अनुपालन में लगाए जाने के लिए अपेक्षित डेविट मुख्य प्रकार के होंगे सिवाय इस बात के कि उन रक्षा नौकाओं या नौकाओं के प्रचालन के लिए जिनका भार 2300 किलोग्राम से अधिक नहीं है, उनके अवतरण स्थिति में लॉफिंग डेविट लगाए जा सकेंगे।

(8) उपनियम (4) के अनुसरण में वहन की जा रही हर मोटर रक्षा नौका एक सुराक्षित रेडियो उपस्कर वहन करेगी जो नियम 65 के उपबंधों का अनुपालन करेगा।

(9) (क) हर पोत निम्नलिखित सारणी के अनुसार बोयों की कम से कम संख्या वहन करेगा :—

#### सारणी

पोत की लम्बाई मीटर में	वहन किए जाने के लिए अपेक्षित रक्षा बोयों की न्यूनतम संख्या
61 मीटर से कम	8
61 मीटर और उससे अधिक किन्तु 122 मीटर से कम	12
122 मीटर और उससे अधिक किन्तु 183 मीटर से कम	18
183 मीटर और उससे अधिक किन्तु 244 मीटर से कम	24
244 मीटर और उससे अधिक	30

(ख) इस प्रकार वहन किए जा रहे रक्षा बोयों की कुल संख्या के कम से कम धाघे में, जो छह से कम नहीं होंगे, वक्ष स्वप्रचालन बलियों की व्यवस्था होगी।

(ग) पोत की प्रत्येक ओर कम से कम एक रक्षा बोये में, लम्बाई में कम से कम 27.5 मीटर की उत्खनन रक्षा रस्सी की व्यवस्था होगी।

(10) (7) हर पोत—

(1) कलक पर के, यथास्थिति, हर व्यक्ति के लिए, या व्यक्तियों की उस संख्या के लिए जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, उनमें जो भी अधिक है, पांचवीं अनुसूची के भाग -1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा ; और

(2) व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम दस प्रतिशत के लिए, जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, पांचवीं अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

(ख) हर पोत, खण्ड (क) के अनुपालन में वहन की जा रही रक्षा जाकेटों के प्रतिरिक्त, व्यक्तियों की उस संख्या के कम से कम पांच प्रतिशत के लिए जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में रक्षा जाकेट भी वहन करेगा और ऐसी रक्षा जाकेट डेक पर समुचित स्थान पर ठीक प्रकार से रखी जाएंगी जो सहजदृश्य रूप से चिह्नित होगा।

(11) हर पोत एक अनुमोदित रस्सी संश्लेषण साधित्र वहन करेगा।

9. बर्ग 2 के पोत — (1) यह नियम बर्ग 6 के पोतों को लागू होगा।

(2) (क) हर पोत में उसकी लम्बाई के अनुसार छठी अनुसूची में उपबर्णित सारणी के स्तम्भ 'क' में विनिर्दिष्ट डेविटों के सेटों की न्यूनतम संख्या लगी होगी।

(ख) जहाँ केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाता है वहाँ वह पोत पर डेविटों के सेटों की कम संख्या की व्यवस्था करने के लिए अनुज्ञा देगी परन्तु फिर भी डेविटों के सेटों की संख्या छठी अनुसूची के स्तम्भ 'ख' में विनिर्दिष्ट न्यूनतम से कभी भी कम नहीं होगी।

परन्तु किसी भी पोत में डेविटों के सेटों की उस संख्या का लगा होना अपेक्षित नहीं है जो व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिसे पोत वहन

करने के लिए, प्रमाणित है, स्थान देने के लिए अपेक्षित रखा नौकाओं की संख्या से अधिक है।

- (3) डेबिटों के हर ऐसे सेट से एक रखा नौका संलग्न होगी और इस प्रकार संलग्न रखा नौकाओं में छोटी अनुसूची में उपबणित सारणी के स्तम्भ ग में विनिर्दिष्ट कम से कम धारिता की या उस धारिता की जो व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, यदि परवर्ती धारिता कम हो, स्थान देने के लिए व्यवस्था होगी।
- (4) हर पोत कम से कम एक मोटर रखा नौका वहन करेगा।
- (5) हर पोत में इस नियम के अनुपालन में वहन की जा रही रखा नौकाएं लम्बाई में 7.3 मीटर से कम नहीं होंगी।
- (6) जहां उप-नियम (3) के अनुपालन में वहन की जा रही रखा नौकाओं में पोत पर व्यक्तियों की कुल संख्या के लिए स्थान नहीं है वहां उपयुक्त रूप से रखे हुए बचाव तरापों की इस प्रकार व्यवस्था की जाएगी कि रखा नौकाओं और बचाव तरापों पर स्थान के लिए, की गई व्यवस्था पोत पर के सभी व्यक्तियों के लिए पर्याप्त हो।

परन्तु रखा नौकाओं में स्थान उससे कम नहीं होगा जो व्यक्तियों की कुल संख्या के 25 प्रतिशत से अधिक को स्थान देने के लिए, जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, अपेक्षित है।

- (7) उपनियम (4) के अनुसरण में वहन की जा रही हर मोटर रखा नौका एक सुबाह्य रेडियो उपस्कर वहन करेगी जो नियम 65 के उपबन्धों का अनुपालन करेगा।

परन्तु यदि किसी पोत के बारे में केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाता है कि समुद्र यात्रा की अवधि ऐसी है कि सुबाह्य रेडियो उपस्कर को ले जाना अनावश्यक है, तो वह इस नियम की अपेक्षाओं से अभिमुखित की अनुज्ञा दे सकेगी।

- (8) हर पोत में, इस नियम के अनुपालन में वहन किए जाने के लिए अपेक्षित डेबिट गुणत्व प्रकार का होगा सिवाय इसके कि रखा नौकाओं के प्रचालन के लिए जिनका भार 2300 किलो-ग्राम से अधिक नहीं है, उनकी अवतरण स्थिति में लफिंग डेबिट लगे होंगे।

- (9) (क) हर पोत निम्नलिखित सारणी के अनुसार बोयों की कम से कम संख्या वहन करेगा —

सारणी

पोत की लंबाई मीटर में	वहन किए जाने के लिए अपेक्षित रखा बोयों की न्यूनतम संख्या
61 मीटर से कम	8
61 मीटर और उससे अधिक किन्तु 122 मीटर से कम	12
122 मीटर और उससे अधिक किन्तु 183 मीटर से कम	18
183 मीटर और उससे अधिक किन्तु 244 मीटर से कम	24
244 मीटर और उससे अधिक	30

- (ख) इस प्रकार वहन किए जा रहे रखा बोयों की कुल संख्या के कम से कम आधे में, जो छह से कम नहीं होंगे, दस स्वप्रचालन बलियों की व्यवस्था होगी।

- (10) हर पोत —

- (1) फलक पर के, यथास्थिति हर व्यक्ति के लिए या व्यक्तियों की उस संख्या के लिए जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, उनमें जो भी अधिक है, पांचवी अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रखा जकेट वहन करेगा; और
- (2) व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम बस प्रतिशत के लिए, जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, पांचवी अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रखा जकेट वहन करेगा।

- (11) हर पोत एक अनुमोचित रस्सी प्रक्षेपण साधन वहन करेगा।

10. बर्ग 7 के पोत — (1) यह नियम बर्ग 7 के पोतों को लागू होगा।

- (2) (क) हर पोत में, उसकी लम्बाई छोटी अनुसूची में उपबणित सारणी के स्तम्भ क में विनिर्दिष्ट डेबिटों के सेटों की न्यूनतम संख्या लगी होगी।

(ख) जहां केन्द्रीय सरकार का इस प्रकार समाधान हो जाता है, वहां वह हर पोत पर डेबिटों के सेटों की कम संख्या की व्यवस्था करने के लिए अनुज्ञा देगी परन्तु फिर भी डेबिटों के सेटों की संख्या छोटी अनुसूची के स्तम्भ 'ख' में विनिर्दिष्ट न्यूनतम संख्या से कभी कम नहीं होगा।

परन्तु किसी भी पोत में डेबिटों के सेटों की उस संख्या का लगा होना अपेक्षित नहीं है जो व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, स्थान देने के लिए अपेक्षित रखा नौकाओं की संख्या से अधिक है।

- (3) डेबिटों के हर ऐसे सेट से एक रखा नौका संलग्न होगी और इस प्रकार संलग्न रखा नौकाओं में, छोटी अनुसूची में उपबणित सारणी के स्तम्भ 'ग' में विनिर्दिष्ट कम से कम धारिता की या उस धारिता की जो व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, यदि परवर्ती धारिता कम हो, स्थान देने के लिए व्यवस्था होगी।
- (4) जहां उपनियम (3) के अनुपालन में वहन की जा रही रखा नौकाओं में पोत पर व्यक्तियों की कुल संख्या के लिए स्थान नहीं है वहां प्रतिरक्षा बचाव तरापे या उत्खनन साधन वहन किया जाएगा ताकि रखा नौकाओं, बचाव तरापों और उत्खनन साधन पर स्थान के लिए की गई व्यवस्था, पोत पर के सभी व्यक्तियों के लिए जिनमें पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, पर्याप्त हों।

- (5) हर पोत में, इस नियम के अनुपालन में वहन की जा रही रखा नौकाएं, जहां युक्तियुक्त और साध्य हो, लम्बाई में 6 मीटर से कम नहीं होंगी।

- (6) हर पोत में इस नियम के अनुपालन में वहन किए जाने के लिए अपेक्षित डेबिट गुणत्व प्रकार के होंगे सिवाय इस बात के कि रखा नौकाओं के प्रचालन के लिए जिनका भार 2300 किलोग्राम से अधिक नहीं है, उनकी अवतरण स्थिति में लफिंग डेबिट लगे होंगे।

- (7) (क) हर पोत कम से कम 8 रखा बोयों को वहन करेगा।

(ख) इस प्रकार वहन किए जा रहे रखा बोयों की कुल संख्या के कम से कम आधे में वहां स्वप्रचालन बलियों की व्यवस्था होगी।

## (8) हर पोत —

(1) फलक पर के, यथास्थिति, हर व्यक्ति के लिए या व्यक्तियों की उस संख्या के लिए जिसे पोत बहन करने के लिए प्रमाणित है, उनमें जो भी अधिक है, पांचवी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जकेट बहन करेगा; और

(2) व्यक्तियों की कुल संख्या कम से कम दस प्रतिशत के लिए, जिसे पोत बहन करने के लिए प्रमाणित है, पांचवी अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जकेट बहन करेगा।

(9) हर पोत एक अनुमोदित रस्सी प्रक्षेपण साधित्र बहन करेगा।

(11) (कुल 500 टन से कम) वर्ग 8 के पोत : (1) यह नियम, वर्ग 8 के पोतों को जो 500 टन से कम के पोत हैं, लागू होगा।

## (2) हर पोत—

(क) पोत की प्रत्येक और डेविटों से संलग्न एक या अधिक रक्षा नौकाएं बहन करेगा, जिसकी कुल धारिता पोत पर सभी व्यक्तियों की स्थान देने के लिए पर्याप्त हो; या

(ख) रक्षा नौका या डेविटों से संलग्न वर्ग 'ग' नौका बहन करेगा जो पोत की एक और से जल में अवतरित की जा सके और कम से कम दो बचाव तरापे बहन करेगा जिनकी कुल धारिता फलक पर के व्यक्तियों की संख्या के दुगुने को स्थान देने के लिए पर्याप्त हो।

(3) हर ऐसे पोत में प्रत्येक रक्षा नौका या वर्ग 'ग' नौका डेविटों के पृथक सेट से संलग्न होगी जो मुख्य प्रकार की या लफिंग प्रकार की होगी।

(4) हर ऐसा पोत कम से कम चार रक्षा बोय बहन करेगा जिनके कम से कम आध में बख स्व प्रज्वलन बतियों की व्यवस्था होगी।

(5) हर ऐसे पोत में नियम 65 की अपेक्षाओं के अनुपालन में मुबाह्य रेडियो उपस्कर की व्यवस्था होगी।

परन्तु केन्द्रीय सरकार, यदि उसका समाधान हो जाता है कि समुद्र यात्रा की अवधि ऐसी है कि मुबाह्य रेडियो उपस्कर को ले जाना अत्युक्ति-युक्त या अनावश्यक है, तो वह किसी पोत को इस नियम की अपेक्षाओं से छूट दे सकेगी।

(6) हर ऐसे पोत में अनुमोदित प्रक्षेपण साधित्र की व्यवस्था होगी।

## (7) हर पोत —

(1) फलक पर हर व्यक्ति के लिए पांचवी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जकेट बहन करेगा; और

(2) पोत पर बालक के लिए पांचवी अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जकेट बहन करेगा।

12. तेल-पोतों से भिन्न कुल 500 टन या उससे अधिक किन्तु कुल (1600 टन से कम) वर्ग, 8 के पोत : (1) यह नियम वर्ग 8 के पोतों को जो तेल पोतों से भिन्न हैं और जो कुल 500 टन या उससे अधिक किन्तु कुल 1600 टन से कम के पोत हैं, लागू होगा।

## (2) हर ऐसा पोत —

(1) फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पोत की प्रत्येक और पर्याप्त कुल धारिता के डेविटों से संलग्न एक या अधिक रक्षा नौकाएं बहन करेगा; या

(2) (क) डेविटों से संलग्न या अवतरण यंत्र से अवस्थित और नौका पीछे माने के साधनों में उपरिष्ठा मोटर नावित वर्ग ग नौका और पोत के प्रत्येक और पोत पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तरापे बहन करेगा; और

(ख) पोत पर व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम आधे को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तरापे बहन करेगा।

परन्तु ऐसे पोत की दशा में जो निम्नवर्ती पड़ोसी देशों के बीच, समुद्र यात्राओं पर लगा हो, केन्द्रीय सरकार, यदि उसका समाधान हो जाता है कि समुद्र यात्रा की अवधि ऐसी है कि बचाव तरापों का अतिरिक्त बहन अत्युक्ति-युक्त या अनावश्यक है, तो वह ऐसे पोत को इस उपनियम की अपेक्षाओं के अनुपालन से छूट दे सकेगी।

(3) जहाँ किसी पोत में आरोहण डेक से जल तक की दूरी 4.5 मीटर से अधिक है, वहाँ उपनियम (2) के खण्ड (क) (2) के अनुसार ऐसे पोत द्वारा बहन किए गए बचाव तरापों का अतिरिक्त अवतरण साधित्र द्वारा अवतरित होंगे और उन पोत के प्रत्येक और कम से कम एक अवतरण साधित्र की व्यवस्था होगी।

(4) हर पोत में प्रत्येक और एक रक्षा नौका या वर्ग 'ग' नौका, पृथक डेविटों के सेट से संलग्न होगी जो मुख्य प्रकार के होंगे, सिवाए इसके कि यथास्थिति, रक्षा नौकाओं के प्रचालन के लिए या ऐसी नौकाओं के प्रचालन के लिए, जिनका भार 2300 किलोग्राम से अधिक नहीं है; उनकी अवतरण स्थिति में लफिंग डेविट लगाए जाएंगे।

(5) हर पोत कम से कम आठ रक्षा बोय बहन करेगा जिनमें दश स्वप्रज्वलन बतियों की व्यवस्था होगी।

(6) हर ऐसा पोत पर नियम 65 की अपेक्षाओं के अनुपालन में मुबाह्य रेडियो साधित्र की व्यवस्था होगी।

परन्तु यदि किसी पोत के बारे में केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाता है कि समुद्र-यात्रा की अवधि ऐसी है कि मुबाह्य रेडियो उपस्कर को ले जाना अत्युक्ति-युक्त या अनावश्यक है, तो वह किसी पोत को इस नियम की अपेक्षाओं से छूट दे सकेगी।

(7) हर ऐसा पोत एक अनुमोदित रस्सी प्रक्षेपण साधित्र बहन करेगा।

## (8) हर पोत—

(1) पोत के फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जकेट बहन करेगा; और

(2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवी अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जकेट बहन करेगा।

13. (तेल-पोतों से भिन्न कुल 1600 टन या उससे अधिक) वर्ग 8 के पोत—(1) यह नियम तेल पोतों से भिन्न कुल 1600 टन या उससे अधिक के वर्ग 8 के पोतों को लागू होगा।

(2) हर ऐसा पोत, अपनी प्रत्येक और पोत पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता की एक या उससे अधिक रक्षा नौकाएं बहन करेगा।

(3) हर ऐसे पोत, में, उपनियम (2) के अनुपालन में बहन की जा रही रक्षा नौकाएं संवाई में 7.3 मीटर से कम नहीं होंगी।

- (4) हर ऐसे पोत में उपनियम (2) के अनुसरण में बहन की जा रही रक्षा नौकाएं मोटर रक्षा नौका होंगी।
- (5) हर ऐसे पोत में उपनियम (2) के अनुसरण में बहन की जा रही प्रत्येक रक्षा नौका पृथक डेविटों के सेट से संलग्न होंगी जो मुख्य प्रकार के होंगे, सिवाए इसके कि उन रक्षा नौकाओं के प्रचालन के लिए जिसका भार 2300 किलोग्राम से अधिक नहीं है, उनकी अवतरण स्थिति में लफिंग प्रकार के डेविट लगाए जाएंगे।
- (6) (क) हर ऐसा पोत उन पर के व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम आधे स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तरापे बहन करेगा।
- (ख) लंबाई में 150 मीटर या उससे अधिक के पोतों में, जिसमें पोत मध्य अधिसंरचना नहीं है, खण्ड (क) के उपबंध अनुसरण में बहन किए जा रहे बचाव तरापों के प्रतिरिक्त एक बचाव तरापा बहन होगा जिसमें कम से कम छः व्यक्तियों को स्थान दिया जा सकेगा। ऐसा बचाव तरापा जितना युक्तियुक्त और साध्य हो, आगे नौभारित होगा,
- (7) हर ऐसा पोत कम से कम 8 रक्षा बाधे बहन करेगा, जिनके आधे में स्वप्रचालन बतियों की व्यवस्था होगी।
- (8) हर ऐसे पोत में एक अनुमोदित रस्सी प्रक्षेपण साधित की व्यवस्था होगी।
- (9) हर ऐसे पोत पर नियम 65 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक सुवाह्य रेडियो साधित बहन करेगा।
- (10) (क) हर ऐसा पोत—
- (1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा, और
- (2) फलक पर के हर बायक के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा।
14. (कुल 500 टन या उससे अधिक के तेलपोत किन्तु कुल 1600 टन से कम) वर्ग 8 के पोत—(1) यह नियम कुल 500 टन या उससे अधिक किन्तु 1600 टन से कम के वर्ग 8 के पोतों को जो तेलपोत हैं, लागू होगा।
- (2) नियम 12 के उपबंध, कुल 500 टन या उससे अधिक के तेलपोतों को उसी प्रकार लागू होंगे जिन प्रकार से कुल 500 टन या उससे अधिक किन्तु कुल 1600 टन से कम तेलपोतों से भिन्न वर्ग 8 के पोतों को लागू होते हैं।
15. (कुल 1600 टन या उस से अधिक किन्तु कुल 3000 टन कम के तेल पोत) वर्ग 8 के पोत—(1) यह नियम कुल 1600 टन या उससे अधिक किन्तु कुल 3000 टन से कम के वर्ग 8 के पोतों को, जो तेलपोत हैं, लागू होगा।
- (2) नियम 13 के उपबंध, कुल 1600 टन या उससे अधिक कुल 3000 टन से कम के तेलपोतों को उसी प्रकार लागू होंगे जिन प्रकार के कुल 1600 टन के तेलपोतों से भिन्न वर्ग 8 के पोतों को लागू होते हैं, सिवाए इसके कि नियम 13 के उपनियम (2) के अनुसरण में दो रक्षा नौकाएं मोटर रक्षा नौकाएं होंगी जो तेलपोत की प्रत्येक और एक एक बहन की जाएंगी।

16. (कुल 30000 टन या उससे अधिक के तेलपोत) वर्ग 8 के पोत—(1) यह नियम कुल 30000 टन या उससे अधिक के वर्ग 8 के पोतों को, जो तेलपोत हैं, लागू होगा।

(2) हर ऐसा तेलपोत, पोत पर के व्यक्तियों की कुल संख्या को स्थान देने के लिए अपनी प्रत्येक और पर्याप्त कुल धारिता को कम से कम दो रक्षा नौकाएं बहन करेगा।

(3) हर ऐसे तेलपोत में उपनियम (2) के अनुसरण में व्यवस्थित दो रक्षा नौकाएं पीछे की और दो पोतमध्य में बहन होंगी, सिवाए इसके कि उन तेलपोतों में जिनमें पोतमध्य अधिसंरचना नहीं है, सभी रक्षा नौकाएं पीछे की जाएंगी।

परन्तु बिना किसी पोतमध्य अधिसंरचना के किसी तेल पोत की दशा में केन्द्रीय सरकार यदि उसका समाधान ही जाता है कि पीछे की और बार रक्षा नौकाएं बहन करना साध्य है, निम्नलिखित शर्तों के अधीन केवल दो रक्षा-नौकाएं, प्रत्येक और एक पीछे की और बहन करने की अनुज्ञा देगी, अर्थात्:—

(1) इस उपबंध के अनुसरण में बहन की जा रही रक्षा नौका लंबाई में 8.5 मीटर से अधिक नहीं होंगी;

(2) प्रत्येक रक्षा नौका यथासाध्य आगे को नौभारित होगी और कम से कम इतने आगे हो कि रक्षा-नौका का पिछला छोर, रक्षा-नौका की लंबाई में डेढ़गुने से अत्यन्त तक नौदकों के आगे हो;

(3) हर रक्षा नौका, समुद्र सतह के इतनी समीप नौभारित होगी, जितनी सुरक्षित और साध्य हो;

(4) उपनियम (7) के अधीन बहन किए जा रहे बचाव तरापों के प्रतिरिक्त पोत पर के व्यक्तियों की संख्या के कम से कम आधे को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तरापे।

(4) उपनियम (3) के परन्तुक में जैसा अन्यथा उपबंधित है उनके सिवाई उपनियम (2) के अनुसरण में किसी ऐसे तेल पोत पर बहन की जा रही हर रक्षा-नौका लंबाई में 7.3 मीटर से कम की नहीं होगी।

(5) उपनियम (2) के अनुसरण में किसी ऐसे तेलपोत पर बहन जा रही हर रक्षा-नौका मुख्य प्रकार के डेविटों के पृथक सेट से संलग्न होगी।

(6) उप नियम (2) के अनुसरण में किसी ऐसे तेलपोत पर बहन की जा रही दो रक्षा-नौकाएं मोटर रक्षा नौकाएं होंगी जो तेलपोत के प्रत्येक और तब बहन होगी।

(7) (क) हर ऐसा तेलपोत, फलक पर के व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम आधे को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तरापे बहन करेगा।

(ख) (1) बिना पोत मध्य अधिसंरचना के लंबाई में 150 मीटर या उससे अधिक के तेलपोतों में खण्ड (क) के उपबंध के अनुसरण में बहन किए जा रहे बचाव तरापों के प्रतिरिक्त एक बचाव तरापा बहन किया जाएगा, जो कम से कम छः व्यक्तियों को स्थान देने के लिए समर्थ होगा।

(2) ऐसा बचाव तरापा उतने आगे नौभारित होगा जितना युक्तियुक्त और साध्य हो।

(8) हर ऐसा तेलपोत कम से कम आठ रक्षा बाधे बहन करेगा जिसके आधे में दस स्व प्रचालन बतियों की व्यवस्था होगी।

(9) हर ऐसे तेलपोत में नियम 65 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक सुबाह्य रेडियो उपस्कर की व्यवस्था होगी।

(10) हर ऐसे तेल-पोत में अनुमोदिन रस्सी प्रक्षेपण साधित्र की व्यवस्था होगी।

(11) हर ऐसा तेल पोत—

(1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा; और

(2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

17. बर्ग 9 के पोत—(1)—यह नियम कुल 500 टन से कम के बर्ग 9 के पोतों को लागू होगा।

(2) हर ऐसा पोत—

(1) फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के डेबिटों से संलग्न एक या उससे अधिक रक्षा नौकाएँ वहन करेगा; या

(2) डेबिटों से संलग्न अवतरण साधित्र से व्यवस्थित और नौका वापस लेने की व्यवस्था वाली एक मोटर नौविन बर्ग 'ग' नौका वहन करेगा।

(3) (क) हर ऐसा पोत उस के फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तरापे वहन करेगा इसके अतिरिक्त वह उस पर के व्यक्तियों के आधे को स्थान देने के लिए पर्याप्त बचाव तरापे वहन करेगा:

परन्तु निकट पड़ोसी देशों के मध्य समुद्र यात्राओं में लग किसी पोत की दशा में केन्द्रीय सरकार, यदि उसका समाधान हो जाता है कि समुद्र यात्रा की दशाएँ ऐसी हैं कि अतिरिक्त बचाव तरापों का वहन करना अनुचितयुक्त या अनावश्यक है, तो वह ऐसे पोत को इस उपनियम के अधीन अतिरिक्त बचाव तरापों को वहन करने के छूट दे सकती।

(ख) जब (क) के अनुसरण में बहुत कम या रहे बचाव-तरापे इस प्रकारतैभरित होंगे कि वे पोत के दोनों ओर से जल में आसानी से अन्तर्गत हो सकें।

(4) हर ऐसा पोत कम से कम बार रक्षा बोये वहन करेगा जिसके आधे में दक्ष स्वप्रचालन बस्तियों की व्यवस्था होगी।

(5) हर ऐसा पोत एक अनुमोदिन रस्सी प्रक्षेपण साधित्र वहन करेगा।

(6) हर पोत—

(1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

(2) पोत पर के हर बालक के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा-जाकेट वहन करेगा।

18 (कुल 500 टन या उससे अधिक किन्तु कुल 1600 टन से कम के बर्ग 9 के पोत) 1—(1) यह नियम कुल 500 टन या उससे अधिक किन्तु कुल 1600 टन से कम के, बर्ग 9 के पोतों को लागू होगा।

(2) हर ऐसा पोत—

(क) (1) फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता डेबिटों से संलग्न एक या उससे अधिक रक्षा नौकाएँ अपनी प्रत्येक ओर वहन करेगा; या

(2) डेबिटों से संलग्न या अवतरण साधित्र से व्यवस्थित और नौका पीछे लाने की व्यवस्था वाली एक मोटर नौज नौविन बर्ग 'ग' नौका वहन करेगा; और पोत पर सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तरापे प्रत्येक ओर वहन करेगा; और

(ख) फलक पर के व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम आधे को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तरापे वहन करेगा:

परन्तु निकट पड़ोसी देशों के मध्य समुद्र यात्राओं में लगे किसी पोत की दशा में केन्द्रीय सरकार, यदि उसका समाधान हो जाता है कि समुद्र यात्रा की दशाएँ ऐसी हैं कि बचाव तरापों का वहन करना अनुचितयुक्त या अनावश्यक है, तो वह ऐसे पोत को इस छूट की अपेक्षाओं के अनुपालन करने से छूट दे सकती।

(3) हर ऐसा पोत घाट रक्षा बोये वहन करेगा, जिसके आधे में दक्ष स्वप्रचालन बस्तियों की व्यवस्था होगी।

(4) हर ऐसा पोत नियम 65 की अपेक्षा के अनुपालन में एक सुबाह्य रेडियो उपस्कर वहन करेगा:

परन्तु केन्द्रीय सरकार, यदि उसका समाधान हो जाता है कि समुद्र यात्रा की अवधि ऐसी है कि सुबाह्य रेडियो उपस्कर का ले जाना अनुचितयुक्त या अनावश्यक है, तो वह किसी पोत को इस उपनियम की अपेक्षा से छूट दे सकती।

(5) हर ऐसा पोत अनुमोदिन रस्सी प्रक्षेपण साधित्र वहन करेगा।

(6) हर ऐसा पोत—

(1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा; और

(2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

19. (कुल 1600 टन या उससे अधिक) बर्ग 9 के पोत—(1) यह नियम कुल 1600 टन या उससे अधिक के बर्ग 9 के पोतों को लागू होगा।

(2) नियम 13 के उपबन्ध 1600 टन और उससे अधिक के बर्ग 9 के पोतों को उसी प्रकार लागू होंगे जिस प्रकार वे 1600 टन और उससे अधिक के बर्ग 8 के पोतों को लागू होते हैं।

20. बर्ग 10 के पोत—(1) यह नियम लंबाई में 25 मीटर से कम के बर्ग 10 के पोतों को लागू होगा।

(2) हर ऐसा पोत—

(क) फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता की बर्ग ग नौका वहन करेगा; या

(ख) फलक के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तरापे वहन करेगा, या

- (ग) फलक पर को सभी व्यक्तियों को सहारा देने के लिए तरणब्रेका बहुत करेगा।
- (3) उपनियम (2) के अनुसरण में बहुत किए जा रहे हुर वर्ग ग नौका, बचावतरापा या तरण साधित्र इस प्रकार नौमरित होंगे कि वे पोत की दोनों ओर से जल में आसानी से अन्तरित हो सकें।
- (4) हुर ऐसा पोत कम से कम दो रखा बांधे बहुत करेगा जिसमें से एक पर स्व-प्रज्वलन बलियों की व्यवस्था होगी।
- (5) हुर ऐसा पोत—
- (1) फलक पर के हुर व्यक्ति के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रखा जाकेट बहुत करेगा; और
  - (2) फलक पर के हुर बालक के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रखा जाकेट बहुत करेगा।
21. (लंबाई में 25 मीटर या उससे अधिक किन्तु 35 मीटर से कम के पोत) वर्ग 10 के पोत—(1) यह नियम लंबाई में 25 मीटर या उससे अधिक किन्तु 35 मीटर से कम के वर्ग 10 के पोतों को लागू होगा।
- (2) हुर ऐसे पोत पर वर्ग ग नौका इस प्रकार नौमरित होगी कि वह पोत की दोनों ओर से जल में आसानी से अन्तरित हो सके।
- (3) हुर ऐसा पोत, फलक पर के सभी व्यक्तियों को, यथास्थिति, स्थान देने के लिए या सहारा देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तरापी या तरण साधित्र या दोनों का एक संयोजन बहुत करेगा।
- (4) उपनियम (3) के अनुसरण में बहुत किए जा रहे बचाव तरापी और तरण साधित्र इस प्रकार नौमरित होंगे कि वे पोत के दोनों ओर से जल में आसानी से अन्तरित हो सकें।
- (5) ऐसा हुर पोत कम से कम चार रखा बोई बहुत करेगा जिसके प्राधे में वस स्व-प्रज्वलन बलियों की व्यवस्था होगी।
- (6) हुर ऐसा पोत—
- (1) फलक पर के हुर व्यक्ति के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रखा जाकेट बहुत करेगा; और
  - (2) फलक पर के हुर बालक के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रखा जाकेट बहुत करेगा।
22. (लंबाई में 35 मीटर या उससे अधिक किन्तु 45 मीटर से कम के पोत) वर्ग 10 के पोत—(1) यह नियम लंबाई में 31 मीटर या उससे अधिक किन्तु 45 मीटर से कम के वर्ग 10 के पोतों को लागू होगा।
- (2) हुर ऐसा पोत फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के डेविटों से संलग्न एक या उससे अधिक वर्ग ग नौका बहुत करेगा।
- (3) हुर ऐसा पोत फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचावतरापी या तरण साधित्र बहुत करेगा।
- (4) उपनियम (2) और (3) के अनुसरण में बहुत की जा रही वर्ग ग नौकाएँ, बचावतरापी और तरण साधित्र इस प्रकार नौमरित होंगी कि वह पोत की दोनों ओर से जल में आसानी से अन्तरित किया जा सके।
- (5) हुर ऐसा पोत कम से कम चार रखा बोई बहुत करेगा जिसके प्राधे में वस स्व-प्रज्वलन बलियों की व्यवस्था होगी।
- (6) हुर ऐसा पोत—
- (1) फलक पर के हुर व्यक्ति के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रखा जाकेट बहुत करेगा; और
  - (2) फलक पर के हुर बालक के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रखा जाकेट बहुत करेगा।
- (7) हुर ऐसे पोत पर एक अनुमोदित रस्ती प्रक्षेपण साधित्र की व्यवस्था होगी।
23. (लंबाई में 45 मीटर या उससे अधिक किन्तु कुल 1600 टन से कम के पोत) वर्ग 10 के पोत—(1) यह नियम लंबाई में 45 मीटर या उससे अधिक कुल 1600 टन से कम के वर्ग 10 के पोतों को लागू होगा।
- (2) हुर ऐसा पोत—
- (क) फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता की एक या अधिक रखा नौकाएँ और फलक पर सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचावतरापी बहुत करेगा; या
  - (ख) डेविटों से संलग्न वर्ग ग नौका और कम से कम दो बचावतरापी, फलक पर के व्यक्तियों से दुगने को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के एक साथ नौका और बचावतरापी बहुत करेगा।
- (3) उपनियम (2) के अनुसरण में बहुत किए जा रहे बचाव तरापी इस प्रकार नौमरित होंगे कि वे पोत की दोनों ओर से जल में आसानी से अन्तरित हो सकें।
- (4) हुर ऐसा पोत कम से कम चार रखा बोई बहुत करेगा जिसके प्राधे पर स्व-प्रज्वलन बलियों की व्यवस्था होगी।
- (5) हुर पोत—
- (1) फलक पर के हुर व्यक्ति के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रखा जाकेट बहुत करेगा; और
  - (2) फलक पर के हुर बालक के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रखा जाकेट बहुत करेगा।
- (6) हुर ऐसे पोत पर अनुमोदित रस्ती प्रक्षेपण साधित्र की व्यवस्था होगी।
24. (1600 टन या उससे अधिक के पोत) वर्ग 10 के पोत—
- (1) यह नियम कुल 1600 टन या उससे अधिक वर्ग 10 के पोतों को लागू होगा।
- (2) नियम 18 के उपबंध कुल 1600 टन या उससे अधिक के वर्ग 10 के पोतों को उसी प्रकार लागू होंगे जैसे वे कुल 500 टन या उससे अधिक किन्तु कुल 1600 टन से कम के वर्ग 9 के पोतों को लागू होते हैं।
25. वर्ग 11 के पोत—(1) यह नियम लंबाई में 25 मीटर से कम के वर्ग 11 के पोतों को लागू होगा।

## (2) हर ऐसा पोत—

फलक पर के सभी व्यक्तियों को, यथास्थिति, स्थान देने के लिए या सहारा देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता को एक वर्ग ग नौका; या बचावतरापे, या तरण साधित्र वहन करेगा।

(3) उपनियम (2) के अनुसरण में वहन की जा रही वर्ग ग नौका, बचावतरापे या तरण साधित्र इस प्रकार नौभरित होगा कि वह तोप की दोनों ओर से जल में अन्तरित हो सके।

(4) हर ऐसा पोत कम से कम दो रक्षा बोये वहन करेगा जिनमें से एक पर दस स्व-प्रज्वलन बत्ती की व्यवस्था होगी।

## (5) हर ऐसा पोत—

(1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा; और

(2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

26. (संबाई में 25 मीटर या उससे अधिक किन्तु 35 मीटर से कम के पोत) वर्ग 11 के पोत—(1) यह नियम, संबाई में 25 मीटर या उससे अधिक किन्तु 35 मीटर से कम के वर्ग 11 के पोतों को लागू होगा।

## (2) हर ऐसा पोत—

(1) एक वर्ग ग नौका वहन करेगा; और

(2) फलक पर के सभी व्यक्तियों को, यथास्थिति, स्थान देने के लिए या सहारा देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचावतरापे या तरण साधित्र वहन करेगा।

(3) उपनियम (2) के अनुसरण में वहन की जा रही वर्ग ग नौका, बचावतरापे और तरण साधित्र इस प्रकार नौभरित होगा कि वह पोत की दोनों ओर से जल में आसानी से अन्तरित हो सके।

(4) हर ऐसा पोत कम से कम चार रक्षा बोये वहन करेगा जिनके भाड़े में दस स्व-प्रज्वलन बत्तियों की व्यवस्था होगी।

## (5) हर ऐसा पोत—

(1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा; और

(2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

27. (संबाई में 35 मीटर या उससे अधिक किन्तु 45 मीटर से कम के पोत) वर्ग 11 के पोत—(1) यह नियम, संबाई में 35 मीटर या उससे अधिक किन्तु 45 मीटर से कम के वर्ग 11 के पोतों को लागू होगा।

## (2) हर ऐसा पोत :—

(1) फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के डेविटों से संलग्न एक या उससे अधिक वर्ग ग नौकाएं वहन करेगा; और

(2) फलक पर के सभी व्यक्तियों को, यथास्थिति, स्थान देने के लिए या सहारा देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचावतरापे या तरण साधित्र वहन करेगा।

(3) उपनियम (2) के अनुसरण में वहन की जा रही वर्ग ग नौकाएं बचावतरापे और तरण साधित्र इस प्रकार नौभरित होंगे कि वे पोत की दोनों ओर से जल में आसानी से अन्तरित हो सके।

## (4) हर ऐसा पोत—

(1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा; और

(2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

28. (संबाई में 45 मीटर या उससे अधिक किन्तु कुल 1600 टन से कम के पोत) वर्ग 11 के पोत :—(1) यह नियम, संबाई में 45 मीटर या उससे अधिक किन्तु कुल 1600 टन से कम के वर्ग 11 के पोतों को लागू होगा।

## (2) हर ऐसा पोत—

(1) फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता की डेविटों से संलग्न एक या उससे अधिक वर्ग ग नौकाएं वहन करेगा; और

(2) फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचावतरापे वहन करेगा।

(3) उपनियम (2) के अनुसरण में वहन की जा रही वर्ग ग नौकाएं और बचावतरापे इस प्रकार नौभरित होंगे कि वे पोत की दोनों ओर से जल में आसानी से अन्तरित हो सके।

(4) हर ऐसा पोत कम से कम चार रक्षा बोये वहन करेगा जिनके भाड़े में दस स्व-प्रज्वलन बत्तियों की व्यवस्था होगी।

## (5) हर ऐसा पोत—

(1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा; और

(2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

29. (कुल 1600 टन या उससे अधिक के पोत) वर्ग 11 के पोत :—(1) यह नियम कुल 1600 टन या उससे अधिक के वर्ग 11 के पोतों को लागू होगा।

(2) नियम 1 के उपबंध कुल 1600 टन या उससे अधिक के वर्ग 11 के पोतों को उसी प्रकार लागू होंगे जैसे वे कुल 500 टन या उससे अधिक किन्तु कुल 1600 टन से कम के वर्ग 11 के पोतों को लागू होते हैं।

30. वर्ग 12 के पोत :—(1) यह नियम तटीय समुद्र यात्राओं में लगे वर्ग 12 के पोतों को लागू होगा।

(2) नियम 20 से 24 के उपबंध, जिनमें वे दोनों नियम सम्मिलित हैं, तटीय समुद्र यात्राओं में लगे वर्ग 12 के पोतों को

उसी प्रकार लागू होंगे जिस प्रकार वे वर्ग 10 के पोतों को लागू होते हैं ।

31. (कुल 500 टन से कम के पोत) वर्ग 12 के पोत—(1) यह नियम समुद्र में समीप की दूरी तक जाने वाले कुल 500 टन से कम के वर्ग 12 के पोतों को लागू होगा ।

(2) हर पोत, फलक पर के सभी व्यक्तियों को, यथास्थिति, स्थान देने या सहारा देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता की एक वर्ग ग नौका या एक या उससे अधिक के बचावतरापे या तरण साधित्र वहन करेगा ।

(3) उपनियम (2) के अनुसरण में वहन किए जा रहे बचाव तरापे और तरण साधित्र इस प्रकार नौभरित होंगे जिससे वह पोत की दोनों ओर से जल में आसानी से अन्तरित हो सके ।

(4) हर ऐसा पोत कम से कम चार रक्षा बोये वहन करेगा जिनके आधे में दक्ष स्व-प्रज्वलन बस्तियों की व्यवस्था होगी ।

(5) हर ऐसा पोत—

(1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा ; और

(2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा ।

32. (कुल 500 टन और उससे अधिक के पोत) वर्ग 12 के पोत—(1) यह नियम समुद्र में समीप की दूरी तक जाने वाले कुल 500 टन और उससे अधिक के वर्ग 12 के पोतों को लागू होगा ।

(2) हर ऐसा पोत एक रक्षा नौका या एक वर्ग ग नौका वहन करेगा जो पोत की दोनों ओर से जल में आसानी से अवतरण हो सके ।

(3) हर ऐसा पोत, फलक पर के सभी व्यक्तियों को, यथास्थिति, स्थान देने या सहारा देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचावतरापे या तरण साधित्र वहन करेगा ।

(4) उपनियम (3) के अनुसरण में वहन किए जा रहे बचाव-तरापे और तरण साधित्र इस प्रकार नौभरित होंगे कि वे पोत की दोनों ओर से जल में अन्तरित हो सकें ।

(5) हर ऐसा पोत कम से कम चार रक्षा बोये वहन करेगा जिनके आधे में दक्ष स्व-प्रज्वलन बस्तियों की व्यवस्था होगी ।

(6) हर ऐसा पोत—

(क) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा ; और

(ख) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-2 के अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा ।

33. वर्ग 13 के पोत—(1) यह नियम, लंबाई में 25 मीटर से कम के वर्ग 13 के पोतों को लागू होगा ।

(2) हर ऐसा पोत—

फलक पर के सभी व्यक्तियों को, यथास्थिति, स्थान देने या सहारा देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता की—

(1) एक वर्ग ग नौका ; या

(2) बचावतरापे ; या

(3) तरण साधित्र,

वहन करेगा ;

परन्तु केन्द्रीय सरकार, यदि उसका समाधान हो जाता है पोत को लंबाई, प्रकार या आकार ऐसा है कि इस उपनियम के उपबंधों का अनुपालन करना असाध्य है, तो वह किसी अन्य प्रकार का प्राण रक्षा साधित्र उतनी मात्रा में वहन करने की अनुमति दे सकेगी जो वह इस उपनियम में विहित मात्रा में बदले में विनिविष्ट करे ।

(3) उपनियम (2) के अनुसरण में वहन की जा रही वर्ग ग नौका, बचावतरापे या तरण साधित्र इस प्रकार नौभरित होगा कि वह पोत की दोनों ओर से जल में आसानी से अन्तरित हो सके ।

(4) हर ऐसा पोत कम से कम दो रक्षा बोये वहन करेगा जिनमें से, एक में दक्ष स्व-प्रज्वलन बस्तियों की व्यवस्था होगी ।

(5) हर ऐसा पोत—

(1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा ; और

(2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा ।

34. (लंबाई में 25 मीटर या उससे अधिक किन्तु 35 मीटर से कम के पोत) वर्ग 13 के पोत—(1) यह नियम, लंबाई में 25 मीटर या उससे अधिक किन्तु 35 मीटर से कम के वर्ग 13 के पोतों को लागू होगा ।

(2) हर ऐसा पोत—

फलक पर के सभी व्यक्तियों को, यथास्थिति, स्थान देने या सहारा देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता की—

(1) एक वर्ग ग नौका ; या

(2) बचावतरापे ; या

(3) तरण साधित्र,

वहन करेगा ।

(3) उपनियम (2) के अनुसरण में वहन की जा रही वर्ग ग नौका, बचावतरापे और तरण साधित्र इस प्रकार नौभरित होंगे कि वे पोत की दोनों ओर से जल में आसानी से अन्तरित हो सकें ।

(4) हर ऐसा पोत कम से कम चार रक्षा बोये वहन करेगा जिनके आधे में दक्ष स्व-प्रज्वलन बस्तियों की व्यवस्था होगी ।

(5) हर ऐसा पोत—

(1) फलक पर हर व्यक्ति के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा ; और

(2) फलक पर हर बालक के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा ।

35. (लंबाई में 35 मीटर या उससे अधिक किन्तु 45 मीटर से कम के पोत) वर्ग 13 के पोत—(1) यह नियम लंबाई में 35 मीटर या उससे अधिक किन्तु 45 मीटर से कम के वर्ग 13 के पोतों को लागू होगा ।

(2) हर ऐसा पोत, फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता की बेधियों से संलग्न रक्षा नौका या वर्ग ग नौका वहन करेगा ।

(3) हर ऐसा पोत, फलक पर के सभी व्यक्तियों को, यथास्थिति, स्थान देने या सहारा देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचावतरापे या तरण साधित्र बहन करेगा।

(4) उपनियम (2) और (3) के अनुसरण में बहन की जा रही रक्षा नौका, बर्ग 1 नौका, बचावतरापे और तरण साधित्र इस प्रकार नौभरित होंगे कि वे पोत की दोनों ओर से जल में आसानी से अन्तरित हो सकें।

(5) हर ऐसा पोत कम से कम चार रक्षा बोये बहन करेगा, जिनके आधे में दक्ष स्व-प्रज्वलन बलियों की व्यवस्था होगी।

(6) हर ऐसा पोत—

- (1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा; और
- (2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा।

36. (लंबाई में 45 मीटर या उससे अधिक किन्तु 75 मीटर से कम के पोत) बर्ग 13 के पोत :—(1) यह नियम, लंबाई में 45 मीटर या उससे अधिक किन्तु 75 मीटर से कम के बर्ग 13 के पोतों को लागू होगा।

(2) हर ऐसा पोत—

- (1) फलक पर के व्यक्तियों के कुल संख्या के आधे को स्थान देने के लिए पोत की प्रत्येक ओर उचित से संलग्न पर्याप्त कुल धारिता की एक या उससे अधिक रक्षा नौकाएं बहन करेगा; और
  - (2) फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचावतरापे बहन करेगा।
- (3) हर ऐसा पोत कम से कम चार रक्षा बोये बहन करेगा जिनके आधे पर स्व-प्रज्वलन बलियों की व्यवस्था होगी।

(4) हर ऐसा पोत—

- (1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा; और
- (2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा।

(5) हर ऐसे पोत में एक अनुमोचित रस्ती प्रक्षेपण साधित्र की व्यवस्था होगी।

(6) हर ऐसे पोत में नियम 65 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक सुबाह्य रेडियो उपस्कर की व्यवस्था होगी।

37. (लंबाई में 75 मीटर या उससे अधिक के पोत) बर्ग 13 के पोत—(1) यह नियम, लंबाई में 75 मीटर या उससे अधिक के बर्ग 13 के पोतों को लागू होगा।

(2) नियम 36 के उपबंध लंबाई में 75 मीटर या उससे अधिक के बर्ग 13 को उसी प्रकार लागू होंगे जैसे वे बर्ग में 45 मीटर या उससे अधिक किन्तु 75 मीटर से कम के बर्ग 13 के पोतों को लागू होते हैं, सिवाय इससे कि लंबाई में 75 मीटर या उससे अधिक के किसी पोत के फलक पर बहन की जा रही रक्षा नौकाओं में से एक मीटर रक्षा नौका होगी।

38. बर्ग 14 के पोत—(1) यह नियम, लंबाई में 25 मीटर से कम के बर्ग 14 के पोतों को लागू होगा।

(2) हर ऐसा पोत फलक पर के सभी व्यक्तियों को, यथास्थिति, स्थान देने या सहारा देने के लिए अकेले ही या संयुक्त रूप से पर्याप्त कुल धारिता की एक नौका या बचावतरापे या तरण साधित्र बहन करेगा।

(3) हर ऐसा पोत कम से कम दो रक्षा बोये बहन करेगा जिनमें एक पर दक्ष स्व-प्रज्वलन बली की व्यवस्था होगी।

(4) हर ऐसा पोत—

- (1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा; और
- (2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा।

39. (लंबाई में 25 मीटर या उससे अधिक किन्तु 45 मीटर से कम के पोत) बर्ग 14 के पोत—(1) यह नियम, लंबाई में 45 मीटर या उससे अधिक किन्तु 45 मीटर से कम के बर्ग 14 के पोतों को लागू होगा।

(2) हर ऐसा पोत फलक पर के सभी व्यक्तियों को, यथास्थिति, स्थान देने या सहारा देने के लिए अकेले ही या संयुक्त रूप से पर्याप्त कुल धारिता की एक नौका या बचावतरापे या तरण साधित्र बहन करेगा।

(3) हर ऐसा पोत कम से कम चार रक्षा बोये बहन करेगा जिनके आधे में दक्ष स्व-प्रज्वलन बलियों की व्यवस्था होगी।

(4) हर ऐसा पोत—

- (1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा; और
- (2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा।

40. (लंबाई में 45 मीटर या उससे अधिक के पोत) बर्ग 14 के पोत :—(1) यह नियम, लंबाई में 45 मीटर या उससे अधिक के बर्ग 14 के पोतों को लागू होगा।

(2) हर ऐसा पोत फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता की एक या उससे अधिक बर्ग 1 नौकाएं बहन करेगा।

(3) उपनियम (2) के अनुसरण में बहन की जा रही बर्ग 1 नौकाएं इस प्रकार नौभरित होंगी कि वे जल में आसानी से अवतरण हो सकें।

(4) हर ऐसा पोत—

- (1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा; और
- (2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग-2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट बहन करेगा।

41. बर्ग 15 के पीत :—(1) यह नियम, जंबाई में 35 मीटर से कम के बर्ग 15 के पीतों को लागू होगा।

(2) हर ऐसा पीत, फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचावतरापे या तरण साधित्र वहन करेगा।

(3) हर ऐसा पीत कम से कम दो रक्षा बोये वहन करेगा जिनमें से एक में रक्षा एवं प्रज्वलन बत्ती की व्यवस्था होगी।

(4) हर ऐसा पीत—

(1) फलक पर के हर व्यक्ति के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा और

(2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

42. (जंबाई में 25 मीटर या उससे अधिक के पीत) बर्ग 14 के पीत :—(1) यह नियम जंबाई में 25 मीटर या उससे अधिक के बर्ग 14 के पीतों को लागू होगा।

(2) हर ऐसा पीत, फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता की एक या उससे अधिक बर्ग ग नौकाएं वहन करेगा।

(3) हर ऐसा पीत, फलक पर के सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचावतरापे या तरण साधित्र वहन करेगा।

(4) उपनियम (2) और (3) के अनुसरण में वहन की जा रही बर्ग ग नौकाएं, बचावतरापे या तरणसाधित्र इस प्रकार नौभारित होंगे कि वह पीत की येनी और से जल में घासानी से अंतरित या अवसरित हो सके।

(5) हर ऐसा पीत कम से कम चार रक्षा बोये वहन करेगा जिनके प्राधे में कक्ष स्वप्रज्वलन बत्तियों की व्यवस्था होगी।

(6) हर ऐसा पीत—

(1) फलक पर के सभी व्यक्तियों के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा, और

(2) फलक पर के हर बालक के लिए पांचवीं अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

43. रक्षा नौकाओं के लिए साधारण अपेक्षाएं :—इन नियमों के अनुसरण में पीत में वहन की जा रही सभी रक्षा नौकाएं भीपी अनुसूची में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करेगी।

44. रक्षानीकाओं की वहन धारिता :—(1) (क) उपनियम (2) (3), (4) और (5) के उपबंधों के अधीन रहते हुए, उन व्यक्तियों की संख्या जिन्हें स्थान देने के लिए रक्षानीका ठीक समझी जाएगी वह होगी जो '5' सूत्र द्वारा प्राप्त सबसे बड़ी संख्या पूर्णक के बराबर हो जहां '5' सातवीं अनुसूची के उपबंधों के अनुसार अवधारित घनमीटरों में रक्षा नौका जब धारिता है और 10 प्रत्येक व्यक्ति के लिए घनमीटर में आयतन है जो 7.3 मीटर लंबी या उससे अधिक की रक्षानीका के लिए 0.283 और 4.9 मीटर लंबी या उससे अधिक रक्षानीकाओं को वषा में 0.396 होगा।

(ख) रक्षानीकाओं की मध्यवर्ती लंबाईयों के लिए 10 का मान अस्तर्शन द्वारा अवधारित किया जाएगा।

(2) व्यक्तियों की वह संख्या जिसे स्थान देने के लिए रक्षानीका ठीक समझी गई है, रक्षा जाकेट पहले हुए उन व्यक्त व्यक्तियों की संख्या से अधिक नहीं होगी, जिन के लिए बैठने का समुचित स्थान इस प्रकार व्यवस्थित है कि व्यक्ति जब बैठ हों, वे चप्पुओं के प्रयोग या अन्य मौबन उपस्कर के प्रचालन में किसी प्रकार बाधा न डालें।

(3) कोई भी रक्षानीका 150 से अधिक व्यक्तियों को स्थान देने के लिए ठीक नहीं समझी जाएगी।

(4) मोटर रक्षा नौका से भिन्न कोई भी रक्षा नौका 100 से अधिक व्यक्तियों को स्थान देने के लिए ठीक नहीं समझी जाएगी।

(5) मोटर रक्षा नौका या यंत्रनोदित रक्षानीका से भिन्न कोई भी रक्षानीका 60 से अधिक व्यक्तियों को स्थान देने के लिए ठीक नहीं समझी जाएगी।

45. मोटर रक्षा नौकाएं :—हर मोटर रक्षा नौका सातवीं अनुसूची की अपेक्षाओं का अनुपालन करने के अतिरिक्त निम्नलिखित अपेक्षाओं का भी अनुपालन करेगी।

(क) इसमें संपीड़न जसन लगा होगा और ऐसा इंजन और इसके उपसाधन घाटकों अनुसूची की अपेक्षाओं का अनुपालन करेगी और इस प्रकार बनाए रखे जाएंगे कि सभी समय पर उपयोग में लाए जा सकें।

(ख) इसमें खड्ड (घ) और खड्ड (ङ) में विनिर्दिष्ट गति पर 24 घंटे लगातार प्रचालन के लिए पर्याप्त ईंधन की व्यवस्था होगी।

(ग) यह पीछे जाने में समर्थ होगी।

(घ) यदि यह ऐसी रक्षा नौका है जिसकी नियम 4 के उपनियम (4), नियम 5 के उपनियम (5), नियम 6 के उपनियम (4), नियम 13 के उपनियम (4) के अनुसार व्यवस्था की गई है तो जब नियम 15 के उपनियम (2) या नियम 16 के उपनियम (6) के फलस्वरूप उनका विस्तार तेलपोतों पर किया गया है तो जब इसमें व्यक्तियों की पूरी संख्या हो और उपस्कर लदे हों तो यह 6 समुद्री प्रति घंटे की गति से शांत जल में घाने जाने में समर्थ होगी।

(ङ) यदि यह ऐसी मोटर रक्षा नौका है जिसकी खड्ड (घ) में विनिर्दिष्ट नियमों से भिन्न किसी अन्य नियम के अनुसार व्यवस्था की गई है तो यह व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर के साथ 4 समुद्री मील की गति से शांत जल में घाने जाने में समर्थ होगी।

46. यंत्र नोदित रक्षा नौकाएं :—यंत्र नोदित रक्षा नौकाओं में भीपी अनुसूची की अपेक्षाओं का अनुपालन करने के अतिरिक्त ऐसी मशीनरी लगी हुई होगी जो नवीं अनुसूची की अपेक्षाओं का अनुपालन करेगी।

47. बर्ग ग नौकाएं :—बर्ग ग नौकाएं पहली अनुसूची की अपेक्षाओं का अनुपालन करेगी।

48. बचाव तरापे :—(1) बचाव तरापे दूसरी अनुसूची के भाग 1 या भाग 2 की अपेक्षाओं का अनुपालन करेगी।

(2) दूसरी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में बचाव तरापों का केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित किसी सर्विसिंग स्टेशनों पर ऐसे अंतरालों पर जो 12 मास से अधिक होंगे, जो सर्वेक्षण किया जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाता है कि ऐसे बचाव तरावों का 12 भाग के अन्तराल पर सर्वेक्षण करना असाध्य है तो वह उस अन्तराल का 3 भाग से अधिक के लिए विस्तार करने की अनुज्ञा दे सकेगी।

49 उत्प्लवन साधितः—(1) उत्प्लवन साधित बसवीं अनुसूची की अपेक्षा का अनुपालन करेगा।

(2) व्यक्तियों की वह संख्या जिसे सहारा देने के लिए उत्प्लवन साधित समझा जाएगा—

(क) उस अधिकतम पूर्णांक के, जो लोहे की किलोग्राम संख्या को जिसे उपकरण प्रलवण जल में अपनी पकड़ रस्सियों से सहारा देने में समर्थ है, 14.5 से भाग करने द्वारा प्राप्त हो, या

(ख) उस अधिकतम पूर्णांक संख्या के, जो उसके परिमाण को 30.5 द्वारा सेन्टीमीटरों में भाग करने से प्राप्त हो, इसमें से जो भी कम हो, बराबर होगी।

50 रक्षा नौकाओं, बर्ग ग नौकाओं, बचावतरावों और उत्प्लवन साधित का चिह्निकन—(1) (क) किसी रक्षा नौका या किसी बर्ग ग नौका की विभाज्य और व्यक्तियों की संख्या जिसे स्थान देने के लिए वह ठीक समझी गई है, इस पर स्पष्ट स्थायी अक्षरों में चिह्निकित की जाएगी।

(ख) पोत की रजिस्ट्री का पत्तन और पोत का नाम जिससे रक्षा नौका या बर्ग ग नौका संबंधित है, ऐसी रक्षा नौका या बर्ग ग नौका के भाषे के दोनों ओर चिह्निकित किया जाएगा।

(2) (क) व्यक्तियों की वह संख्या, जिसे दूसरी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में बचाव तराव स्थान देने के लिए ठीक समझा गया है, बचाव तरावे पर और बसवों के धैले या अन्य आधार पर जिसमें बचाव तराव, जब वह प्रयोग में नहीं हैं, रखा जाता है, स्पष्ट स्थायी अक्षरों में चिह्निकित की जाएगी।

(ख) ऐसे हर बचाव तरावे पर, क्रम संख्या विनिर्माता का नाम और विनिर्माण का वर्ष भी होगा।

(3) हर बचाव तरावे पर जो दूसरी अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं का अनुपालन करता है उस पोत का जिसमें वह बहन किया जाता है नाम और रजिस्ट्री पत्तन और व्यक्तियों की वह संख्या जिसे स्थान देने के लिए रह ठीक समझा गया है, चिह्निकित किया जाएगा।

(4) व्यक्तियों की वह संख्या, जिसे सहारा देने के लिए उत्प्लवन साधित ठीक है, उस पर स्पष्ट स्थायी अक्षरों में चिह्निकित की जाएगी।

51. रक्षा बोयेः—रक्षा बोये ग्यारवीं अनुसूची की अपेक्षाओं का अनुपालन करेंगे।

52. रक्षा बोया बतियां, धूम्र संकेत और रस्सियांः—(1) इन नियमों के अनुसार बहन किए जा रहे रक्षा बोयों में नियम 4 के उपनियम (11), नियम 5 के उपनियम (14), नियम 6 के उपनियम (10), नियम 7 के उपनियम (14), नियम 8 के उपनियम (9), नियम 9 के उपनियम (9), नियम 10 के उपनियम (7), नियम 11 के उपनियम (4), नियम 12 के उपनियम (5), नियम 13 के उपनियम (7), नियम 16 के उपनियम (8), नियम 17 के उपनियम (4), नियम 18 के उपनियम (3), नियम 20 के उपनियम (4), नियम 21 के उपनियम (5), नियम 22 के उपनियम (5), नियम 23 के उपनियम (4), नियम 25 के उपनियम (4), नियम 26 के

उपनियम (4), नियम 27 के उपनियम (4), नियम 28 के उपनियम (4), नियम 31 के उपनियम (4), नियम 32 के उपनियम (5), नियम 33 के उपनियम (4), नियम 34 के उपनियम (4), नियम 35 के उपनियम (5), नियम 36 के उपनियम (3), नियम 38 के उपनियम (3), नियम 36 के उपनियम (3), नियम 38 के उपनियम (3), नियम 39 के उपनियम (3), नियम 40 के उपनियम (4) और नियम 42 के उपनियम (5) में विनिर्दिष्ट मापमानों पर स्वप्रज्वलन बतियां होंगी।

(2) (क) स्वप्रज्वलन बतियों बुझे बिना जल में रहने में समर्थ होंगी।

(ख) वे 45 मिनट से अग्यून समय तक जलने में समर्थ होंगी और उपरि गोलाघों की सभी विभाज्यों में 2 केन्द्रल से अग्यून दीप्ति की होंगी।

(3) तेल पोतों में बहन किए जा रहे रक्षा बोयों से संलग्न स्वप्रज्वलन बतियों विद्युत बैटरी की होंगी।

(4) (क) हर पोत में, जिसकी लम्बाई 25 मीटर से कम है और जो बर्ग 10 से 15 का पोत नहीं है, पोत की प्रत्येक ओर एक रक्षा बोये से कम से कम 27.5 मीटर लम्बी उत्प्लवन रस्सी संलग्न होगी।

(ख) 25 मीटर से कम लम्बी हर बर्ग 10 के 15 के पोत में, पोत की प्रत्येक ओर एक रक्षा बोये से कम से कम 18 मीटर लम्बी उत्प्लवन रस्सी संलग्न होगी।

(ग) इस उपनियम के अनुपालन में रक्षा बोये में जिनसे रस्सियां संलग्न हैं, स्वप्रज्वलन बत्ती संलग्न नहीं होंगी।

(5) बर्ग 10, 11, 12, 13, 14 या 15 के पोत से भिन्न हर एक पोत में उपनियम (1) के उपबंधों के अनुसार स्वप्रज्वलन बत्ती से व्यवस्थित दो से अग्यून रक्षा बोयों में कम से कम 15 मिनट के स्पष्ट दृश्यमान वर्ण के धूम उत्पन्न करने में समर्थ स्वतः सक्रिय धूम संकेतों की व्यवस्था होगी।

(6) (क) इन नियमों के अनुसार स्वप्रज्वलन बत्ती और स्वतः सक्रिय धूम संकेतों से व्यवस्थित रक्षा बोयों, नौबालन कक्ष की प्रत्येक ओर, यदि कोई हो, बहन किए जायेंगे और इस प्रकार लगे होंगे कि शीघ्र निमूक्त होने में समर्थ हों।

(ख) जब (क) में जहां निविष्ट प्रत्येक रक्षा बोया या उस स्थिति में अग्यून रक्षा बोया जहां स्वप्रज्वलन बत्ती की निमूक्त ऐसे रक्षा बोये के भार पर निर्भर करती है, 4-3 किलोग्राम से कम भार का नहीं होगा।

53. रस्सी प्रक्षेपण साधितः—हर एक रस्सी प्रक्षेपण साधित बार-हवीं अनुसूची की अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा।

54. रक्षा नौकाओं और बर्ग ग नौकाओं के लिए उपस्कारः—

(1) उपनियम (2), (3) और (4) के उपबंधों के अधीन रहते हुए हर रक्षा नौका का उपस्कार निम्नलिखित प्रकार का होगा—

(क) हकहरी बैठक वाले उत्प्लवन कर्म चप्पू, अतिरिक्त उत्प्लवन चप्पू और एक उत्प्लवन कर्म चप्पू, मध्यवर्ती का डेढ़ सेट, डोरी या जंजीर द्वारा रक्षा नौका से संलग्न, एक नौका हुक;

(ख) डोरी या जंजीर द्वारा रक्षा नौका से संलग्न प्रत्येक प्लग छिद्र के लिए दो प्लग (उनके सिवाय जहां समुचित स्व-चापित बाल्व लगे हों) एक उलीचक और दो बाहिदियां,

- (ग) रक्षा नौका में मलमल एक मुककन और एक पतवार;
- (घ) रक्षा नौका में बाहर चारों ओर झूलवाली रक्षा रस्सी, कील नितल या कील फिट्टियों के रूप में साधन ऐसा पकड़ रस्सियों सहित जो कील के नीचे परेज में सुरक्षित हो, यदि नौका उलट जाए तो व्यक्ति उसे पकड़ कर रक्षा नौका के साथ चिमट सकते हैं;
- (ङ) इस रूप में स्पष्ट रूप से चिह्नीकृत एक लाकर, जो उपस्कर छोटी मर्दों के नौभरण के लिए उपयुक्त हों;
- (च) दो कुल्हाड़ी, रक्षा नौका के प्रत्येक मिरे पर एक;
- (छ) एक लैम्प जिसमें 12 घण्टे के लिए पर्याप्त तेल हो;
- (ज) एक जलरोधी बक्म जिसमें वायु से सरलता से न बूझने वाली दो दियामिलाइयों के बक्म होंगे;
- (झ) मस्तूल जम्तेदार रस्सियों सहित नागरी रंग वाली पालों सहित जो पहिचान के प्रयोजन के लिए उस पोत के प्रथम और अंतिम अक्षर से चिह्नीकृत होगी जिसकी रक्षा नौका है;
- (ण) नेरहवी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुपालन में बितेकिल रखा हुआ एक कम्पास;
- (ट) नेरहवी अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक किरमिच लंगर;
- (3) पर्याप्त लंबाई और आकार के दो कर्षक रस्से जिनमें से एक रक्षा नौका के आगे मिल्ली गांठ से बंधा होगा ताकि यह निर्मुक्त हो सके और दूसरा रक्षा नौका के साथे पर दृढ़ता से बंधा होगा जो प्रयोग के लिए तैयार रखा जाएगा;
- (ड) एक पात्र जिसमें 4-5 लिटर शाक-मक्खी, मछली या जावन तेल हो। जल पर तेल के आसाम वितरण के लिए एक साधन की व्यवस्था होगी और वह इस प्रकार से व्यवस्थित होगा कि वह किरमिच लंगर से संलग्न हो सके;
- (ढ) नेरहवी अनुसूची के भाग 3 की अपेक्षाओं के अनुपालन में चार छतरी सकट राकेट सकेत और नेरहवी अनुसूची के भाग 4 के उपबधों के अनुपालन में छः हस्तधारित सकट सकेत;
- (ण) नेरहवी अनुसूची के भाग 5 की अपेक्षाओं के अनुपालन में दो उत्प्लवन धूम्र सकेत;
- (न) नेरहवी अनुसूची के भाग 6 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक प्राथमिक उपचार बक्म;
- (थ) मोर्स सकेतन के लिए उपयुक्त बैटरियों के अतिरिक्त सेट के साथ एक जल मह विद्युत टार्च और एक जल-मह आधान में एक अतिरिक्त बत्त;
- (द) एक दिवालो सकेतन दर्पण;
- (ध) टीन खोलने वाले में लगा हुआ एक जैक चाकू जो डोरी द्वारा रक्षा नौका में लगाया जाएगा;
- (न) दो छत्की उत्प्लवन बोफिया रस्सी;
- (प) नेरहवी अनुसूची के भाग 8 की अपेक्षाओं के अनुपालन में एक करवल गम्प;
- (फ) एक सीटी;
- (ब) एक बसी डोरी और छः कांटे
- (भ) स्पष्ट दृश्यमान वर्ण का एक ढक्कन जो खुले रहने में होने वाली क्षति से अधिभोगियों की रक्षा करने में समर्थ हो।
- (म) कन्वेंशन, 1960 के भाग 5 के विनियम 16 की अपेक्षा-नुसार बचाव सकेत मागणी की एक प्रति;
- (य) जल में व्यक्तियों को रक्षा नौका में चढ़ने के लिए समर्थ बनाने के साधन।
- (2) (क) किसी भी मोटर रक्षा नौका या यंत्र तोड़ित रक्षा नौका के लिए न तो मस्तूल या पाल और न चपुओं की आधे में अधिक संख्या को बहन करना अपेक्षित होगा।
- (ख) ऐसी हर रक्षा नौका दो नौका हुक बहन करेगी।
- (3) (क) हर मोटर रक्षा नौका, कम से कम तो सुबाह्य अग्नि शामक, जो तेल अग्नि को धुझाने के लिए उप-युक्त फेन या अन्य पदार्थ विमिश्रित करने में समर्थ हो बायू की पर्याप्त मात्रा रखने वाला एक पात्र और बालू के वितरण करने के लिए एक बेल्स बहन करेगा।
- (ख) ऐसा सुबाह्य अग्नि शामक इस प्रकार के होंगे जो क्षणिक पोत परिवहन (अग्नि साधित्र) नियम, 1969 की अपेक्षाओं का अनुपालन करते हों, निवाय इसके कि प्रत्येक शामक की धारिता 4-5 लिटर द्रव या इसके समतुल्य से अधिक नहीं होगी।
- (4) वर्ग 6, 10, 11 और 13 के पोतों में उपनियम (1) के खंड (अ), (द) और (ब) में विनिर्दिष्ट उपस्कर बहन करने की आवश्यकता नहीं है।
- (5) वर्ग 7, 11 और 12 के पोतों में उपनियम (1) के खंड (अ), (आ), (ड), (ण), फ म और म में विनिर्दिष्ट उपस्कर बहन करने की आवश्यकता नहीं है।
- (6) इन नियमों के अनुसरण में बहन की जा रही हर वर्ग ग नौका या रक्षा नौका जिसके बदन में वर्ग ग नौका बहन कर अनुज्ञा है, निम्नलिखित प्रकार से उपस्करयुक्त होगी:—
- (क) उत्प्लवन चपुओं की एकल संख्या और एक अति-रिक्त उत्प्लवन चपु परन्तु यह कि कभी भी तीन चपुओं से कम होंगे नौका से डोरी या जंजीर द्वारा संलग्न मध्यटकों का एक सेट और एक नौका हुक;
- (ख) डोरी या जंजीर द्वारा नौका संलग्न प्रत्येक प्लग छिद्र के लिए दो प्लग (सवाय वहां के जहां समुचित स्व-चालित बाल्व लगे हो) एक उर्वचिक और एक बाल्टी;
- (ग) नौका में संलग्न एक मुककन और एक पतवार;
- (घ) नौका के चारों ओर झूलवाली एक रस्सी रस्सा,
- (ङ) लाकर के रूप में स्पष्ट रूप से चिह्नीकृत एक लाकर, जो उपस्कर की छोटी मर्दों के नौभरण के लिए उपयुक्त हो;
- (च) पर्याप्त लंबाई और लाकर का एक कर्षक रस्सा नौका के आगे मिल्ली गांठ से बंधा होगा ताकि यह निर्मुक्त हो सके;
- (छ) नितल कील या कील पट्टी के रूप में ऐसे साधन, जो यदि नौका उलट जाए तो व्यक्तियों को नौका को पकड़ने के लिए समर्थ बनाएं;

(ज) मोर्स संकेतन के लिए उपयुक्त बैटरियों के प्रतिरक्षण सेट के साथ एक जलसह विद्युत टार्च और जलसह आधान में एक प्रतिरक्षण बल्ब; और

(झ) दो हल्की उत्पलन गोफिया रस्सियां ।

55. रक्षा नौकाओं के लिए राशन.—(1) हर रक्षा नौका में उन प्रत्येक व्यक्ति के लिए जिसे स्थान देने के लिए यह ठीक समझी गई है, कम से कम निम्नलिखित मापमान पर विनिर्दिष्ट राशन की व्यवस्था होगी—

(क) 450 ग्राम धातु

(ख) 450 ग्राम शर्करा; और

(ग) 450 ग्राम प्रथम क्वालिटी का मोठा किश हुआ संघनित दूध

परन्तु वर्ग 6, 7, 10, 11, 12, 13, 14 और 15 के पोत जो देशी व्यापार की सीमाओं से भागे नहीं बढ़ते हैं उन पर वहन की हुई किमी रक्षा नौका को यह नियम लागू नहीं होगा ।

(2) उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट सभी खाद्य पदार्थ उपयुक्त जलरोधी आधानों में पैक किए जाएंगे और उन पर अन्तर्वस्तुओं को उपस्थित करने वाले लेबल लगे होंगे ।

(3) (क) वर्ग 1 से वर्ग (8) जिसमें ये दोनों सम्मिलित हैं, के पोत में वहन की जा रही हर रक्षा नौका में प्रत्येक व्यक्ति के लिए जिसे यह स्थान देने के लिए ठीक समझी गई है, कम से कम 3 लिटर ताजा जल या प्रत्येक ऐसे व्यक्ति के लिए कम से कम 1 लिटर पेय जल की व्यवस्था करने में समर्थ सवण उपभारक यंत्र के साथ कम से कम दो लिटर ताजा जल की व्यवस्था होगी और प्रत्येक दाना में जल की कुल मात्रा जहाँ तक साध्य हो बढ़ा दी जाएगी ।

(ख) खंड (क) में विनिर्दिष्ट वर्गों के पोतों में वहन की जा रही हर वर्ग ग नौका में पर्याप्त मात्रा में जल की व्यवस्था होगी ।

(4) रक्षा नौका में जल उपयुक्त आधानों में रखा जाएगा और हर आधान में कम से कम एक डिपर की जो एक बोरी के द्वारा आधानों से संलग्न होगा और 25, 50 और 100 मिलीलिटर में अंशकित तीन अंगसह जल पीने के पात्रों की व्यवस्था होगी ।

परन्तु दो लिटर से अधिक धारिता के आधान डिपर की व्यवस्था अनिवार्य नहीं होगी ।

(5) उपनियम (4) में निर्दिष्ट आधानों में जल यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह पीने के लिए सदैव साफ और ठीक है, बार बार बदला जाएगा ।

56. कतिपय मोटर रक्षा नौकाओं के लिए विशेष उपस्कर.—(1) वर्ग 1 और वर्ग 3 के हर पोत में, नियम 4 के उपनियम (5) के खंड (क) या नियम 6 के उपनियम (5) के खंड (क) के अनुपालन में वहन की जा रही मोटर रक्षा नौकाओं में निम्नलिखित उपस्कर की व्यवस्था होगी, अर्थात् :—

(क) एक रेडियो उपस्कर जो रेडियो विनियम, अक्टोबर, 1959 का अनुपालन करेगा और उसके प्रतिरक्षित निम्नलिखित उपबंध भी उसको लागू होंगे, अर्थात् :—

(1) यह एक केबिन में प्रतिष्ठापित किया जाएगा जो उपस्कर और उसका प्रयोग करने वाले व्यक्ति, दोनों को जगह देने के लिए पर्याप्त बड़ा हो;

(2) व्यवस्था ऐसी होगी कि प्रेषित और रिसीवर के दक्षता पूर्ण प्रभावन में मोटर रक्षा नौका के इंजन की बाधा के कारण हानि नहीं होगी, चाहे बैटरीचार्ज हो या न हो; और

(3) किसी इंजन चालन मोटर या प्रज्वलन प्रणाली को शक्ति प्रदाय करने के लिए रेडियो बैटरी का प्रयोग नहीं किया जाएगा ।

(ख) मोटर रक्षा नौका के इंजन से लगा हुआ और रक्षा नौका सभी बैटरियों को पुन चार्ज करने में समर्थ एक आहनेमी ।

(2) (क) इस नियमों के अनुसरण के वहन की जा रही सर्व लाईट जिसमें कम से कम 80 वाट का एक लैंप, एक प्रभाव-पासी परावर्तक और शक्ति का स्त्रोत होगा जो, इसके वर्ण वाली 18 मीटर चौड़ाई रखने वाली वस्तु को प्रभावों प्रदीप्ति 183 मीटर की दूरी पर कुल छः घंटे की अवधि तक देगा ।  
(ख) सबलाईट लगातार कम से कम 3 घंटे तक कार्य करने में समर्थ होगी ।

57. रक्षा नौकाओं और वर्ग ग नौकाओं में उपस्कर और राशन की सुरक्षा :—(1) (क) किसी रक्षा नौका, वर्ग ग नौका या अन्य नौका में व्यवस्थित उपस्कर की सभी मर्दें, नौका हुक के सिवाय जो बचाव के प्रयोजन के लिए स्वतंत्र रखा जाएगा, रक्षा नौका या नौका के भीतर यथास्थित रूप से सुरक्षित होंगी ।

(ख) कोई भी रस्ती इस रीति से प्रयोग की जाएगी कि वह उपस्कर की सुरक्षा सुनिश्चित करे और उठाने वाले हुक यदि लगे हों तो उनमें बाधा न डाले या सुगम नौगेहन को न रोके ।

(ग) ऐसे उपस्कर की सभी मर्दें यथा संभव छोटी और भार में हल्की होंगी और उपयुक्त तथा संभनना से पैक की गई होंगी ।

(2) रक्षा नौका में व्यवस्थित सभी राशन जलरोधी टैंकों में नौभारित किया जाएगा जो रक्षा नौका से बृहता से बांधा जाएगा ।

(3) भोजन और जल के राशन वाले टैंकों पर "भोजन" या "जल" जो भी समुचित हो, सहजदृश्य रूप में चिह्नित किया जाएगा ।

58. बचाव तरापों के लिए उपस्कर और राशन.—(1) उपनियम (2) और (3) के उपबंधों के अधीन रहते हुए हर एक बचाव तरापे में निम्नलिखित उपस्कर और राशन की व्यवस्था होगी :—

(क) कम से कम 31 मीटर उत्पलन रस्सी से संलग्न एक उत्पलन बचाव कवायट;

(ख) (1) उन बचाव तरापों के लिए 12 से अधिक व्यक्तियों को स्थान देने के लिए ठीक है, एक जैक चाकू और एक उलीचक;

(2) उन बचाव तरापों के लिए जो 13 या उससे अधिक व्यक्तियों को स्थान देने के लिए ठीक हैं, दो जैक चाकू और दो उलीचक;

(ग) दो स्त्रंज;

(ख) दो किरमिच लंगर, एक स्थायी रूप से बचाव तरापे से संलग्न और एक प्रतिरक्षित रस्सी सहित;

(क) तो पैडल;

(ख) जब बचाव तरापा दूसरी अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं का अनुपालन नहीं करता है तब उत्प्लवन कक्षा में खेदों की मरम्मत करने में समर्थ करने वाला उपकरण;

(छ) जब बचाव तरापा दूसरी अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं का अनुपालन नहीं करता है तब एक पानी भरने वाला पंप या प्रीकमी;

(ज) नीचे विरापव दीत खोलने वाला;

(झ) तेरहवीं अनुसूची के भाग 3 की अपेक्षाओं का अनुपालन में एक प्राथमिक उपकरण उपकरण;

(ञ) 25, 50 और 100 मिलीमीटर में अंशांकित में एक जंग सह जल पानी का पात्र;

(ट) बेंटरियों के एक प्रतिरिक्त सेट के साथ मोस सकेलन के लिए उपयुक्त एक जल सह विद्युत टार्च और जल सह आधान में एक प्रतिरिक्त बल्ब;

(ठ) एक दिवालीक मिगमल बंधन और एक मिगमल सीटी;

(ड) तेरहवीं अनुसूची के भाग 3 की अपेक्षाओं के अनुपालन में दो छतरी संकट राकेट संकेत;

(ढ) तेरहवीं अनुसूची के भाग 4 की अपेक्षाओं के अनुपालन में छः हस्तधारित संकट संकेत;

(ण) एक बंसी डोरी और छः काटे;

(त) उस प्रत्येक व्यक्ति के लिए जिसे स्थान देने के लिए बचाव तरापा ठीक समझा गया है, प्रति 450 ग्राम भार का कम से कम 2200 कैलोरी उत्पन्न करने वाला, 340 ग्राम प्यास कम करने वाला उपयुक्त भोजन और 170 ग्राम जो शर्करा या समान रूप में उपयुक्त अन्य मिठाईयां।

(थ) उस प्रत्येक व्यक्ति के लिए जिसे स्थान देने के लिए बचाव तरापा ठीक समझा गया है, डेढ़ मीटर ताजा जल रखने वाला जल सह पात्र, जिसमें से प्रति व्यक्ति आधा लिटर ताजे जल की समान मात्रा उत्पन्न करने में समर्थ उपयुक्त पक्का धूपसारिक उपकरण द्वारा बरला जा सकेगा।

(द) प्रत्येक व्यक्ति के लिए जिसे स्थान देने के लिए बचाव तरापा ठीक समझा गया है छः जहाजी मतसी रोकने वाली टिकियां;

(ध) बचाव तरापा में कैसे बचें इस बाबत अपेक्षा और हिन्दी भाषाओं में मुद्रित अनुदेश;

(न) सुरक्षा कम्पेशन के भाग 5 के नियम 16 के अधीन अपेक्षित बचाव संकेत सारणी की एक प्रति।

(2) बर्ग 2 और 4 के पोतों में :

- (1) एक या अधिक बचाव तरापा जो ऐसे किसी पोत में बहन किए जा रहे बचाव तरापा की कुल संख्या के छठे भाग से कम न हों, उपनियम (1) के खंड (क) से (घ) (जिनमें से दोनों सम्मिलित हैं), (ट), (ड) और (न) में विनिर्दिष्ट उपस्कर और उमी उप-

नियम के खंड (ड) और (ड) में विनिर्दिष्ट उपस्कर के प्राध की व्यवस्था हो सकेगी।

(2) खंड (1) के अनुमान उपस्करयुक्त बचाव तरापा से निम्न बचाव तरापा में उपनियम (1) के खंड (क) से (छ) (जिनमें से दोनों सम्मिलित हैं) और (घ) और (न) में विनिर्दिष्ट उपस्कर की व्यवस्था होगी।

(3) बर्ग 5, 6, 7, 10, 11, 12, 13, 14 और 15 के पोतों में बचाव तरापा में किरमिच संगर के साथ जो बचाव तरापा में स्थायी रूप में संलग्न रहेगा, इस नियम के उपनियम (1) के खंड (क), (ख), (ग), (ड), (घ), (छ) (न), (ड) और (घ), (घ), (घ) (न) में विनिर्दिष्ट उपस्कर की व्यवस्था होगी।

59. प्राण रक्षा साधनों के भोभरण और आसन से संबंधित साधारण उपाबंध —(1) प्रत्येक रक्षा नौका, बर्ग ग नौका या अन्य नौका, बचाव तरापा और उत्प्लवन साधन की वस्तुओं के लिए ऐसी व्यवस्था होगी कि अन्य प्राण रक्षा साधनों के प्रचालन में बाधा या किसी प्रकार उनके शीघ्र आसन में या अवतरण स्टेशन और बर्ग 1, 2, 3, 4, और 8 के पोतों की दशा में जो अवतरण नहीं आलेगा।

(2) रक्षा नौकाएं, बर्ग ग नौकाएं या अन्य नौकाएं, बचाव तरापा और उत्प्लवन साधन इस प्रकार नौभारित होंगे कि वे सभी कम से कम संभव समय में सुरक्षा पूर्वक अवतरित किए जा सकें और बर्ग 1, 2, 3, 4, और 8 के पोतों की दशा में जो अवतरण साधनों के नीचे बचाव तरापा बहन करने हैं, समस्त अवतरण अवधि 30 मिनट से अधिक नहीं होगी।

60. रक्षा नौकाओं, बर्ग ग नौकाओं और अन्य नौकाओं का नौभरण और आसन —(1) उपनियम (2), (3) और (4) के उपबंधों के अधीन रहते हुए उस रक्षा नौका से भिन्न, जो बर्ग ग नौका या अन्य नौका के अनुकूल के रूप में बहन की गई है, डेविटों के एक सेट से संलग्न हुए रक्षा नौका इस प्रकार व्यवस्थित होगी कि नीचे की अनुकूल दशाओं में और दोनों और 15 डिग्री मुकाब होने पर भी, जब इन नियमों द्वारा अपेक्षित व्यक्तिओं की पूरी संख्या और उपस्कर से लदी हो तो यह जल में अवतरित की जा सके, निवाय इसके कि 45.7 मीटर से कम लंबाई वाले बर्ग 7 के पोतों में ऐसी रक्षा नौका इस प्रकार व्यवस्थित होगी कि पूर्वोक्त दशाओं में वे अपने अपेक्षित उपस्कर और कम से कम दो व्यक्तियों के अवतरण कार्यदल से लगे हों तो वे जल में अवतरित की जा सकें।

(2) कोई रक्षा नौका जो बर्ग ग नौका या अन्य नौका के अनुकूल के रूप में बहन की गई है और कोई बर्ग ग नौका या अन्य नौका जो यंत्र नियंत्रित एमल भुज डेविट में भिन्न डेविट या डेविटों के सेट से संलग्न है यह इस प्रकार व्यवस्थित होगी कि जब इन नियमों द्वारा अपेक्षित उपस्कर और दो व्यक्तियों के अवतरण फनीदन सफि जब पोत सीछा हो तो यह पोत को किसी

(3) यंत्र नियंत्रित मकल भुज डेविट से संलग्न हर रक्षा नीका, वर्ग ग नीका या अन्य नीका इन प्रकार व्यवस्थित होगी कि जब वह इन नियमों द्वारा अपेक्षित उपस्कर और दो व्यक्तियों के अवतरण कर्मिल से लदी हो और जब पोत सीधा हो तो उसकी एक ओर से या उस ओर से जिस ओर पोत 15 डिग्री झुका हो जन में अवतरण की जा सके, उन मछली पकड़ने वाले जलयानों की वशा के विचार में इन नियमों के अनुसार रक्षा नीका बहान करते हैं, रक्षा नीका इस प्रकार से व्यवस्थित होगी कि जब वह अपेक्षित उपस्कर और दो व्यक्तियों के अवतरण कर्मिल से लदी हो तो यह पोत की किसी ओर से या यदि पोत में झुकाव है तो उन ओर से जिस ओर पोत झुका हो जन में अवतरण की जा सके।

(4) नियम 11 के उपनियम (2) के खंड (ख), नियम 23 के उपनियम (1) के खंड (ख) और नियम 36 के उपनियम (2) के खंड (1) के अनुपालन में बहान की जा रही हर रक्षा नीका या ग नीका, यदि डेविट या डेविटो के सेट से संलग्न नहीं है, तो वह एक ऐसी युक्ति से संलग्न होगी जो प्रथमतः नीका के अवतरण के प्रयोजन के लिए व्यवस्थित होगी और जब पोत इन नियमों द्वारा अपेक्षित उपस्कर और दो व्यक्तियों के अवतरण कर्मिल से लदा हो तो पोत की एक ओर नीका की जल में अवतरण करने में समर्थ हो, और जब पोत सीधा हो या 15 डिग्री झुका हो तो ऐसी युक्ति रक्षा नीका या वर्ग ग नीका को पोत की उम ओर से जिस ओर वह झुका हो, जन में अवतरण करने में समर्थ हो।

(5) एक से अधिक रक्षा नीका, वर्ग ग नीका या अन्य नीका डेविटों के किसी सेट, डेविट या अवतरण के अन्य साधनों से संलग्न होंगी।

(6) रक्षा नीकाएँ केवल एक से अधिक डेक पर नौभरित की जा सकेंगी परन्तु यह तब जबकि ऊपर डेक पर नौभरित रक्षा नीकाओं को निचले डेक पर की रक्षा नीकाओं से उल्लान को रोकने के लिए समुचित उपाय किये जाएँ।

(7) (1) रक्षा नीकाएँ पोत के मंदार में नहीं रखी जाएँगी,

(2) रक्षा नीकाएँ आवास स्थल और सेवा स्थानों के यथार्थभव समीप होंगी,

(3) रक्षा नीकाएँ ऐसी स्थिति में स्थित होंगी कि मोड़क से निफासी और हल के पीछे के बाहर निकले हुए डाल्ट हिस्से का विशेष ध्यान रखते हुए सुरक्षित अवतरण सुनिश्चित कर सकें और यथा माध्य यह सुनिश्चित कर सकें कि वे पोत की सीधी ओर अवतरण हो न सके।

(8) पोत में डेविट पर्योचित रूप से रखे जाएँगी।

(9) इन नियमों के अनुसार व्यवस्थित डेविट विश्व, रस्से बराबी और अवतरण साधन जीवहवी अनुसूची की अपेक्षाओं का अनुपालन करेंगे।

(10) (क) निम्नलिखित वशाओं में डेविटों से संलग्न सभी रक्षा नीकाएँ, वर्ग ग नीकाएँ या अन्य नीकाएँ, तार-रस्सी और बिज से युक्त होंगी :—

(1) जब वे मुख्य डेविटों से संलग्न हों, या

(2) जब वे यंत्र नियंत्रित एकल भुज डेविटों से संलग्न हों, या

(3) जब वे वर्ग 1, 3, 4, 5, 8, और 9 के पोतों और लंबाई में 45 मीटर या उससे अधिक के वर्ग 13 के पोतों से लगी हों; या

(4) जब समुद्र में अवतरण की स्थिति में संलग्न रक्षा नीका, वर्ग ग नीका या अन्य नीका का भार 2300 किलोग्राम से अधिक हो :

परन्तु आपात रक्षा नीकाओं में भिन्न रक्षा नीकाओं की वशा में केन्द्रीय सरकार जहाँ उसका समाधान हो जाता है कि ऐसे रस्से पर्याप्त हैं, वहाँ वह बिजों से लगे हुए या अन्य विभिन्न अन्य प्रकार के रस्सों के लिए अनुज्ञा दे सकेगी।

(ख) हर पोत में, जिसमें रक्षा नीकाएँ, वर्ग ग नीकाएँ या अन्य नीकाएँ तार रस्से से युक्त हों तो ऐसे रस्सों के चालन के लिए बिजों की व्यवस्था की जाएगी।

(ग) नियम 4 के उपनियम (3), नियम 5 के उपनियम (4) और नियम 6 के उपनियम (4) के अनुपालन में बहान की जा रही आपात रक्षा नीकाएँ ऐसे बिजों से युक्त होंगी जो, जब रक्षा नीका इन बिजों द्वारा अपेक्षित उपस्कर और 1016 किलोग्राम के बराबर बिलरित भार से लदी हो तो उस प्रति मिनट 18 मीटर में अनुगत गति से पुनः प्राप्त करने में समर्थ हो।

(11) सभी रक्षा नीकाएँ, वर्ग ग नीकाएँ या अन्य नीकाएँ जो बिजों से युक्त हैं उनकी पुनः प्राप्ति के लिए प्रभावशाली हस्तक्षेप की व्यवस्था की जाएगी।

(12) जहाँ डेविट, शक्ति द्वारा रस्सों के कार्य द्वारा पुनः प्राप्त किए जाने हैं, वहाँ सुरक्षा युक्तियाँ लगी होंगी जो जब डेविट सोपान से कम से कम 10 सेंटीमीटर दूर हों तो यह सुनिश्चित करने के लिए के तार रस्सा या डेविट अतिप्रतिबलित नहीं हैं, शक्ति का स्वतः काट देगे।

(13) जब तक इन नियमों में अभिव्यक्त रूप से अन्यथा उपबंधित न हो 15 डिग्री के झुकाव पर रक्षा नीकाओं के अवतरण को सुकर बनाने के लिए किसी रक्षा नीका में, जो डेविटों के अर्धनौभरित की गई है सकेट या अन्य उपयुक्त साधनों की व्यवस्था होंगी, डेविट ऐसी माध्य के होंगे कि इन नियमों द्वारा अपेक्षित व्यक्तियों की पूर्ण संख्या और उपस्कर सहित रक्षा नीका जन में अवतरण की जा सके।

(14) पोत की दिशा के विरुद्ध पूर्ण रूप से लगी वशा में अवतरण होने में समर्थ होने के लिए अपेक्षित रक्षा नीकाओं की व्यक्तियों के सुरक्षित मौरोहण के लिए वहाँ धारण करने के लिए साधनों की व्यवस्था की जाएगी।

(15) (क) किसी पोत में जो उन पोत से भिन्न है जिसमें रक्षा नीका, वर्ग ग नीका या अन्य नीका यंत्र नियंत्रित एकल भुज डेविट से संलग्न है, डेविट तार रस्सा पाट से लगा होगा जो इस प्रकार स्थित होगा कि जब नीका अवतरण की स्थिति में हो तो पाट नीका की केन्द्रीय भाग के ऊपर यथा-माध्य निकट हो।

(ख) ऐसा तार रस्सा पाट कम से कम दो रक्षा रस्सियों से लगा होगा जो उच्चतम समुद्र गामी डूबाव और किसी ओर 15 डिग्री झुके हुए पोत से जल तक पहुँचने के लिए पर्याप्त लंबा होगा।

(16) (क) डेविटों से संलग्न रक्षा नीकाएँ, वर्ग ग नीकाएँ और अन्य नीकाएँ कार्य के लिए रस्सा तैयार रखेंगी और ऐसा रस्सा उच्चतम समुद्रगामी डूबाव और किसी ओर 15 डिग्री झुके हुए पोत से जल तक पहुँचने के लिए पर्याप्त लंबा होगा।

(ख) रक्षा नीकाओं, वर्ग ग नीकाओं और अन्य नीकाओं का रस्से से अलग करने के लिए साधनों की व्यवस्था की जाएगी।

(ग) जब पदहवी अनुसूची की अपेक्षाओं के अनुपालन में अलग करने वाला गियर नहीं लगा हुआ हो, तब स्लिंग हुक से संलग्न करने के लिए निचले रस्से में उपयुक्त छल्ला या लंबा योजक लगा होगा।

(घ) वे स्थान जहाँ रक्षा नौकाएँ, बर्ग ग नौकाएँ और नौकाएँ रस्से से लगी हों परज से ऊपर इतनी ऊँचाई पर हों जिनसे रक्षा नौकाओं वगैरह 'ग' नौकाओं और अन्य नौकाओं की जड़ से अवतरित करने समय उनका स्वायत्त सुनिश्चित हो जाए।

(17) (क) नियम 4 के उपनियम (4), नियम 5 के उपनियम (4), नियम 6 के उप-नियम (3) और नियम 7 के उप-नियम (4) के अनुपालन में बहुत की जा रही हर एक आपात रक्षा नौका में, जब प्रतिकूल मौसम की दशाओं में नौका समुद्र से पुनः प्राप्त की जाती है तो उसके उठाने की व्यवस्था से निश्चित रस्से के लगाव को मुकर बनाने वाले साधनों की व्यवस्था की जाएगी।

(ख) इस प्रयोजन के लिए, प्रत्येक डेविट के लिए पर्याप्त समर्थ और यथोचित लंबाई की एक कूप रस्सी की व्यवस्था की जाएगी और कूप रस्सी का एक निरा लिखने रस्से में और दूसरा निरा नौका पर उठाने वाला व्यवस्था में संलग्न होगा।

(ग) इसके अतिरिक्त निम्नलिखित रस्से का उठाने वाले ट्रक में सीधे संलग्न होने में समर्थ बनाने के लिए उठाने के पश्चात् नौका को ठीक स्थिति में बनाए रखने के लिए भी साधनों की व्यवस्था की जाएगी।

(18) किसी पोत में, जब कोई रक्षा नौका डेविटों के किसी सेट, डेविट या अवतरण के अन्य साधनों से जो ऐसे बर्ग के पोत के लिए जो इस नियमों में विनिर्दिष्ट नति की या झुकाव की दशाओं में इन नियमों द्वारा अपेक्षित व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से भारित होने पर नौका की जड़ में सुरक्षित रूप से अवतरित करने के लिए पर्याप्त रूप में समर्थ नहीं है, संलग्न है तब कोई बर्ग ग नौका या अन्य नौका डेविटों द्वारा सेट डेविट या अवतरण के अन्य साधनों से जो इन नियमों द्वारा अपेक्षित व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से लदी ऐसी बर्ग ग नौका या अन्य नौका के सुरक्षित रूप से अवतरित करने के लिए पर्याप्त रूप से समर्थ नहीं है, संलग्न है, तो डेविटों के ऐसे प्रत्येक सेट, डेविट या अवतरण के अन्य साधन खेत पृष्ठ भूमि पर रगी हुई 15.25 सेंटीमीटर चौड़ी लाप पट्टी से सहज दृश्य रूप से चिह्नान्तरित किए जाएंगे।

6. बचाव तरापी, उत्खनन साधन और रक्षा बोटों का नौभरण और आलन : (1) बचाव-तरापी और उत्खनन साधन इस प्रकार नौभरित होंगे कि वे नति की अनुकूल दशाओं में भी और किसी भी ओर 13 डिग्री झुकाव तक सुरक्षा पूर्वक जल में अवतरित किए जा सकें।

(2) (क) बर्ग 1 और बर्ग 2 के हर पोत में, जो नियम 4 के उपनियम (2) के खंड (ख) का नियम 5 के उपनियम (8) के परन्तुक की मद (ग) के अनुसार बचाव तरापी बहुत करता है, ऐसे बचाव तरापी के लिए तीसरी अनुसूची की अपेक्षा के अनुपालन में अवतरण साधन की व्यवस्था की जाएगी।

(ख) बर्ग 3 के हर पोत में, जो नियम 6 के उपनियम (2) के खंड (ख) के अनुसार बचाव तरापी बहुत करता है, ऐसे बचाव तरापी के लिए तीसरी अनुसूची की अपेक्षाओं के अनुपालन में अवतरण साधनों की इतनी संख्या में व्यवस्था की जाएगी जो केन्द्रीय सरकार ठीक समझे जो, जहां तक माध्य हो, पोत की प्रत्येक ओर समविभाजित होंगे; परन्तु पोत की प्रत्येक ओर कम से कम हर समय ऐसा एक साधन होगा।

(ग) हर बचाव तरापी अवतरण साधन इस प्रकार व्यवस्थित होगा कि नति की अनुकूल दशाओं में भी और किसी ओर 15 डिग्री झुकाव तक प्रत्येक बचाव तरापी को जो

ऐसे साधन के साथ प्रयोग के लिए डिजाइन किया गया है, व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से लदे होने पर अवतरित किया जा सके।

(घ) बचाव तरापी जिनके लिए अवतरण साधन की व्यवस्था की गई है, और ऐसे अवतरण साधन पोत के मजाल में नहीं रखे जायेंगे और इस प्रकार रखे जाएंगे कि नौक के निकासी और हल के पीछे के बाहर निकले हुए डालू हिस्से का विशेष ध्यान रखते हुए सुरक्षित अवतरण सुनिश्चित कर सकें, और यथामाध्य यह सुनिश्चित कर सकें कि पोत की सीधी ओर अवतरित हो सकें।

(ङ) बचाव तरापी, जिनके लिए अवतरण साधन की व्यवस्था की गई है, व्यक्तियों के सुरक्षित नौरोहण के लिए उनका बहा धारण करने की पोत की ओर जाने के लिए साधनों की व्यवस्था की जाएगी।

(3) रक्षा बोटों इस प्रकार नौभरित होंगे कि सभी व्यक्तियों की उन तक सरलता से पहुंच हो सके और इस प्रकार वे कि वे शांति में डीले छोड़े जा सकें।

(4) रक्षा बोट इस प्रकार नौभरित होंगे कि सभी व्यक्तियों की उन तक सरलता से पहुंच हो सके और उनकी स्थिति स्पष्ट रूप में और स्थायी रूप से उपदर्शित की जाएगी।

62. रक्षा नौकाओं और बर्ग 'ग' नौकाओं, अन्य नौकाओं और बचाव तरापी पर नौरोहण : (1) यह सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था की जाएगी कि रक्षा नौकाओं बर्ग ग नौकाओं, अन्य नौकाओं और बचाव तरापी में शांति से और ठीक प्रकार से नौरोहण करना संभव होवे।

(2) हर पोत में, जब उसका परिस्थान किया जाने वाला है, उस समय यात्रियों और कर्मियों को चेतावनी देने के लिए व्यवस्था की जाएगी।

(3) (क) (1) बर्ग 8, 9 और 10 के पोतों में, जब पोत की लंबाई 45 मीटर से अधिक है, जहां डेविट, रक्षा नौका को, जब वह व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से लदी हो जैसा कि इन नियमों द्वारा अपेक्षित है, अवतरित करने के लिए समर्थ है, वहां रक्षा नौका डेविटों के प्रत्येक सेट में एक सीढ़ी सीढ़ी बहुत की जाएगी।

(2) बर्ग 1, 2 और 6 के पोतों में भी ऐसी व्यवस्था होगी, सिवाय इसके कि ऐसे पोतों में केन्द्रीय सरकार ऐसी सीढ़ियों के बजाय उपयुक्त यांत्रिक युक्तियों की अनुज्ञा दे सकेगा परन्तु हर ऐसे पोत की प्रत्येक ओर कम से कम एक सीढ़ी होगी।

(ख) बर्ग 8, 9, 10, 11, 12, 13 और 14 के पोतों में जो एक बर्ग ग नौका या एक रक्षा नौका बहुत करते हैं, जो बहुत बड़े इन नियमों द्वारा अपेक्षित व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से लदी हो अवतरित होने में समर्थ नहीं हैं तो नौका में व्यक्तियों के नौरोहण के लिए यथोचित मा तों की व्यवस्था की जाएगी।

(ग) कुल 500 टन या उससे अधिक के बर्ग 1 से 10 और बर्ग 11 से 14 के पोतों में बचाव तरापी में जब वे जल में हों नौरोहण का सुचारु बनाने के लिए पर्याप्त शक्तियों की व्यवस्था की जाएगी, सिवाय इसके कि ऐसे पोतों में केन्द्रीय सरकार ऐसी कुछ या सभी शक्तियों के बजाय यथोचित यांत्रिक युक्तियों की अनुज्ञा दे सकेगा।

(घ) इस उपनियम के उपबंधों के अनुपालन में व्यवस्था सीढ़िया, उपनियम 62. बचाव तरापी और 15 डिग्री झुकाव हुए पोत

में जल रक्षा तक पहुंचने के लिए पर्याप्त लम्बाई की होगी।

- (1) हर पोत में, इतिर कक्ष में बाहर स्थित साधनों की व्यवस्था की जाएगी जिसमें नियत अवतरण स्थानों पर, इनमें वे भी सम्मिलित हैं, जो अवतरण साधनों के अधीन रक्षा नौकाओं और बचाव तरापों में जल के निस्सारणों का निवारण किया जा सके।

63. रक्षा नौकाओं और बचाव-तरापों में कर्मियों का नियम :- (1) बर्ग 1, 2, 3, 4 और 5 के पोतों में, प्रत्येक रक्षा नौका का प्रभारी एक डेक ऑफिसर या एक प्रमाणपत्रित रक्षा नाविक होगा और एक द्वितीय समावेश भी नामनिर्दिष्ट किया जाएगा। भारसाधक व्यक्ति, रक्षा नौका कर्मियों की एक सूची रखेगा और यह देखेगा कि उसके आदेशों के अधीन रहे गए व्यक्ति अपने विशिष्ट कर्तव्यों में परिचित हैं।

- (2) बर्ग 1 और 3 के पोतों में बचाव तरापों के चालन और प्रचालन में प्रशिक्षण एक व्यक्ति प्रत्येक बचाव तरापे में लगाया जाएगा।

- (3) (क) बर्ग 2 के पोतों में, जो अवतरण साधनों से युक्त बचाव तरापे बहन करते हैं, बचाव तरापे के चालन और प्रयोग में प्रशिक्षण दो व्यक्ति प्रत्येक अवतरण साधन के लिए लगाए जाएंगे।

- (ख) बर्ग 3, 4 और 5 के पोतों में, जो ऐसे बचाव तरापे बहन करते हैं जो अवतरण साधनों से युक्त नहीं हैं, और जो नियत अवतरण स्थान पर समुद्रों में मोड़रित किए जाते हैं, बचाव तरापों के चालन और प्रचालन में प्रशिक्षण एक व्यक्ति ऐसे प्रत्येक स्थान के लिए लगाया जाएगा।

- (4) बर्ग 1, 2, 3, 4 और 5 के पोतों में, रडियो उपस्कर और सर्वेलाइट उपस्कर के परिचालन में समर्थ एक व्यक्ति ऐसे उपस्कर को बहन करने वाली प्रत्येक रक्षा नौका में लगाया जाएगा।

- (5) हर पोत जिसमें मोटर नौकाएं बहन की जाती हैं, मोटर के परिचालन में समर्थ एक व्यक्ति प्रत्येक मोटर रक्षा नौका में लगाया जाएगा।

64. प्रमाणपत्रित रक्षा नाविक :- (1) बर्ग 1, 2, 3, 4 और 5 के हर पोत के कर्मियों में इन नियमों के अनुसार बहन की जा रही प्रत्येक रक्षा नौका के लिए प्रमाणपत्रित रक्षा नाविकों की संख्या भी सम्मिलित है, जो निम्नलिखित मापों में विनिर्दिष्ट संख्या से कम नहीं होगी।

#### सारणी

एक रक्षा नौका के लिए विहित व्यक्तियों की संख्या	अपेक्षित प्रमाणपत्रित रक्षा नाविकों की न्यूनतम सं०
41 व्यक्तियों से कम	2
41 व्यक्तियों और उससे अधिक किन्तु 62 व्यक्तियों से कम	3
62 व्यक्तियों और उससे अधिक किन्तु 86 व्यक्तियों से कम	4
86 व्यक्तियों और उससे अधिक	5

- (2) इस नियम में विहित व्यक्तियों की संख्या में व्यक्तियों की वह संख्या शामिल है, जिसे रक्षा नौका इन नियमों के अधीन स्थान देने के लिए ठीक समझी गई है।

65. सुबाह्य रेडियो उपस्कर :- (1) नियम 5 के उपनियम (11), नियम 6 के उपनियम (6), नियम 7 के उपनियम (12), नियम 8 के उपनियम (8), नियम 9 के उपनियम (7), नियम 11 के उपनियम (5), नियम 12 के उपनियम (6), नियम 13 के उपनियम (9), नियम 16 के उपनियम (9), नियम 18 के उपनियम (4) के अनुसार बहन किए जाने के लिए अपेक्षित सुबाह्य रेडियो उपस्कर, रेडियो विनियम, जिनका, 1959 की एसी अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा जो उसको लागू होती हैं और यथास्थित स्थान पर, आपात की दशा में रक्षा नौका और बचाव तरापों में रखने के लिए तैयार रखा जाएगा।

- (2) पोतों में जहाँ अधिरक्षकों और घर्षों का बिन्दुम ऐसा है जिसमें मुख्य प्रेषित और मोटा पर्याप्त रूप में घाते और पोछे पृथक होते हैं, ऐसा उपस्कर उस रक्षा नौकाओं या बचाव तरापों के समीप रखा जाएगा जो मुख्य प्रेषित से सर्वाधिक दूर हों।

66. विद्युत प्रचालित संकेत :- बर्ग 1, 2, 3, 4, और 5 के हर पोत में, पूरे पोत में मस्टर स्टेशनो पर पुल, से यात्रियों को बुलाने के लिए नियमित विद्युत प्रचालित संकेतों की व्यवस्था की जाएगी।

67. विद्युत प्रकाश :- (1) (क) बर्ग 1, 2, 3, 4, 5 और 6 के हर पोत में, पूरे पोत में और विशेषतः डक पर, जिससे रक्षा नौकाओं और बचाव तरापों को मोड़ोहन होता है, विद्युत प्रकाश प्रणाली की व्यवस्था की जाएगी।

- (ख) ऐसे हर पोत में, अवतरण गियर और रक्षा नौका और बचाव तरापा अवतरण साधनों जहाँ उनकी व्यवस्था की गई है और बचाव तरापों में जो अवतरण की तैयारी और प्रक्रिया के दौरान काम में आते हैं, विद्युत प्रकाश की और जल, जिसमें अवतरण साधनों से युक्त रक्षा नौकाएं और बचाव तरापे अवतरित किए जाते हैं, जब तक अवतरण की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती है उनमें प्रकाश के लिए भी और बचाव तरापों के, जिनके लिए अवतरण साधनों की व्यवस्था नहीं है, मोड़रण स्थान में प्रकाश के लिए व्यवस्था की जाएगी।

- (ग) प्रकाश, पोत के मुख्य विद्युत उत्पादक संयंत्र से प्रचालित किया जाएगा और इस प्रकार व्यवस्थित होगा कि यात्री पोतों के मॉनिंग में संबंधित अधिनियम की धारा 284 के अधीन बनाए गए नियमों के अधीन ऐसे पोतों के लिए व्यवस्था की जाने के लिए अपेक्षित शक्ति, शक्ति के आपात स्रोत से दी जा सकेगी।

- (2) बर्ग 1, 2, 3, 4, 5 और 6 के हर पोत से यात्रियों या कर्मियों को अधिधोग में हर मुख्य कक्ष से निर्गम द्वारा, पोत के मुख्य विद्युत संयंत्र से प्रचालित आपात विद्युत सेम से लगातार प्रकाशित किया जाएगा और यह इस प्रकार व्यवस्थित होगा कि यात्री पोतों के मॉनिंग से संबंधित अधिनियम की धारा 284 के अधीन बनाए गए नियमों के अधीन, ऐसे पोतों के लिए व्यवस्था की जाने के लिए अपेक्षित शक्ति, शक्ति के आपात स्रोत से दी जा सकेगी।

- (3) (क) कुल 500 टन या उससे अधिक के बर्ग 7 से 9 के हर पोत में, अवतरण गियर रक्षा नौकाओं और बचाव तरापों में जो अवतरण की तैयारी और प्रक्रिया के दौरान काम में आते हैं, विद्युत प्रकाश और जल जिसमें अवतरण साधनों से युक्त रक्षा नौकाएं और बचाव तरापे

अवतरित किए जाने हैं, जब तक अवतरण की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती है, उससे प्रकाश के लिए भी और बचाव तराफों में, जिनके लिए अवतरण माधित की व्यवस्था नहीं है, नौधरण स्थान से प्रकाश के लिए व्यवस्था की जाएगी।

(ख) कुल 1600 टन या उससे अधिक के वर्ग 8 से 10 के हर पोत में, गलियों सीढ़ियों और निर्गम द्वार के बिना प्रकाश के लिए ऐसी व्यवस्था होगी जिससे यह सुनिश्चित हो जाए कि पोत पर सभी व्यक्तियों की, रक्षा नौकाओं और बचाव तराफों के अवतरण स्टेशन और नौधरण स्थान तक पहुँचने में बाधा न हो।

(ग) खंड (क) और (ख) के अधीन अपेक्षित प्रकाश, पोत के मुख्य विद्युत उत्पादक संयंत्र से प्रचालित होगा और इसके अतिरिक्त—

(1) कुल 5000 टन या उससे अधिक के ऐसे हर पोत में, या उन पोतों की दशा में बाणिज्य पोत परिवहन (स्थिरा पोत मन्त्रिमण और सर्वेक्षण) नियम, 1974 के नियम 7 के उपनियम (1) के अधीन जिनकी वे नियम लागू होने हैं ऐसे प्रकाश के लिए व्यवस्थित विद्युत शक्ति के आपात स्रोत से प्रचालित होने में समर्थ होंगे।

(2) कुल 1600 टन से अधिक किन्तु कुल 5000 टन से कम के हर पोत में या उन पोतों की दशा में बाणिज्य पोत परिवहन (स्थिरा पोत मन्त्रिमण और सर्वेक्षण) नियम, 1974 के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन, जिनकी वे नियम लागू होते हैं, ऐसे प्रकाश के लिए व्यवस्थित विद्युत शक्ति के आपात स्रोत से प्रचालित होने में समर्थ होंगे।

(घ) कुल 500 टन या उससे अधिक किन्तु 1600 टन से कम के हर पोत में इस उपनियम के खंड (क) के अधीन अधीन अपेक्षित प्रकाश पोत के मुख्य विद्युत उत्पादक संयंत्र से प्रचालित होगा और, इसके अतिरिक्त ऐसे पोतों या उन पोतों की दशा में बाणिज्य पोत परिवहन (स्थिरा पोत मन्त्रिमण और सर्वेक्षण) नियम, 1974 के नियम 9 के उपनियम (1) के अधीन जिनकी वे नियम लागू होते हैं ऐसे प्रकाश के लिए व्यवस्थित विद्युत शक्ति के आपात स्रोत से प्रचालित होने में समर्थ होगा या यदि केन्द्रीय सरकार ऐसी अनुज्ञा देती है तो इस शर्त के अधीन कि प्रकाश परिपथ का सरलता से बिच्छेद किया जा सकता है और आरक्षित स्रोत, उन नियमों के अधीन अपेक्षित धारिता के कम हुए बिना अतिरिक्त भार या भारों का प्रवाह करने के लिए समर्थ है, तो रेडियो विनियम, जिनेवा 1995 के अधीन ऐसे पोतों के लिए व्यवस्थित विद्युत ऊर्जा के आरक्षित स्रोत से प्रचालित होगा।

(4) वर्ग 8, 9 और 10 के हर पोत में, जिसे उपनियम (3) लागू नहीं होता है, और वर्ग 8 के हर पोत में अवतरण की सैयारी और प्रक्रिया के दौरान अवतरण गियर और रक्षा नौकाओं या नौकाओं में विद्युत प्रकाश के लिए और बचाव तराफों के नौधरण स्थान में प्रकाश के लिए भी माधित की व्यवस्था की जाएगी।

68. पोत के संकट संकेत—(1) वर्ग 10 से 15 के पोतों के, जो लंबाई में 24 मीटर से कम हैं, सिवाय हर पोत, मोलहूकी अनुसूची के अपेक्षाओं के अनुपालन में कम से कम बारह छतरी संकट संकेत संकेत चलाकर करेंगे।

(2) लंबाई में 24 मीटर से अधिक के पोतों में छिद्र वर्ग 10 से 15 के पोत उपनियम (3) के अनुपालन में कम से कम छह लाल तारक संकट संकेत चलाकर करेंगे।

(3) इस नियम के अधीन अपेक्षित कोई भी लाल तारक संकेत 45.7 मीटर से अधिक ऊँचाई पर या साध-साध या पृथक् रूप से या दो अधिक लाल तारकों के उत्सर्जन में समर्थ होगा, और इन तारकों में से प्रत्येक 5 सेकेंड से अधिक 5000 कैडल शक्ति को व्युत्पन्न प्रदीपित में अनेका।

(4) सभी आग्निशी संकट संकेत रोधी आवाज में पैक किए जाएंगे और उन पर उनका प्रयोग उपदेशित करने के लिए स्पष्ट और अमिट रूप से अक्षर हवाले लगे होंगे।

69. सततव्यवस्था वस्तुएं और छूट—जहाँ इन नियमों द्वारा यह अपेक्षित हो कि कोई विशेष फिटिंग, सामग्री, माधित या उपकरण या उनका प्रकार, पोत में लगा या चलाया जाएगा या कि कोई विशेष व्यवस्था की जाएगी, बड़ा केन्द्रीय सरकार किसी अन्य फिटिंग, सामग्री माधित या उपकरण या उनके प्रकार जो पोत में फिट होते, चलाए जाते या किसी अन्य को जाने वाली व्यवस्था की अनुज्ञा जब वे सकेगी जब उसके परीक्षण के द्वारा उसका यह समाधान हो जाता है कि ऐसी अन्य फिटिंग, सामग्री, माधित या उपकरण या उनका प्रकार या व्यवस्था कम से कम उतनी प्रभावशाली है जितनी इन नियमों द्वारा अपेक्षित है।

(2) किसी पोत के स्वामी के आदेश पर यदि केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि उस पोत में इन नियमों द्वारा अपेक्षित डेबिटों के सेटों की संख्या का फिट किया जाना माध्य या सुकियुक्त नहीं है तो केन्द्रीय सरकार, ऐसी शर्तों के अधीन, यदि कोई हो, जिन्हें अधिरोपित करता वह ठीक समझे, उस पोत में डेबिटों के एक या अधिक सेट लगाने से छूट दे सकेगी : परन्तु वर्ग 2 और 4 के पोतों की दशा में फिट किए गए डेबिटों के सेटों की संख्या, नियम 5 के उपनियम (2) और (8) और नियम 7 के उपनियम (2) और (2) के अधीन छड़ी अनुसूची में उपरिष्ठित सागरी के समझ आ द्वारा अवधारित न्यूनतम संख्या से किसी भी रूप में कम नहीं होगी।

(3) यदि वर्ग 1 या 3 के किसी पोत को, जब वह भारत में किसी पत्तन या स्थान से समुद्र में जाता है, विनिश्चित विदेशी पत्तनों या स्थानों के बीच, अनुज्ञा यात्री संस्था के अनिवार्य किसी यात्री संस्था को चलाने के लिए अनुज्ञा दी जाती है तो केन्द्रीय सरकार, ऐसी शर्तों के अधीन जिन्हें अधिरोपित करना वह ठीक समझे, जहाँ तक ऐसे विनिश्चित पत्तनों या स्थानों के बीच समुद्र यात्री के भाग का संबंध है, नियम 4 के उपनियम (2) और (10) और नियम 6 के उपनियम (2) और (9) के उपबंधों के उपांतरण की अनुज्ञा दे सकेगी : परन्तु जहाँ ऐसे उपांतरणों की अनुज्ञा दी गई है वहाँ ऐसे बचाव तराफों के माध्य रक्षा नौकाओं की कुल संख्या के लिए, जो चलाने की गई है, व्यक्तियों की कुल संख्या के लिए, जिसे पोत चलाने के लिए प्रमाणित है, सदैव पर्याप्त होगी और इसके अतिरिक्त बचाव तराफों, व्यक्तियों को उस संख्या के बराबर प्रमाणित को पर्याप्त रूप से सहारा देने के लिए बहुत किये जाएंगे।

(4) केन्द्रीय सरकार किसी पोत को, जो प्रमाणित रूप से अन्तराष्ट्रीय समुद्र यात्रीओं पर नहीं लगा हो किन्तु जिसका प्रमाणार्थक परिस्थितियों में, इन नियमों की किसी अपेक्षा

य किसी एक अन्तरीपथ समुद्र यात्रा पर काम प्रारम्भ हो, फूट दे सकेगी।

परन्तु जब तक ऐसा पोल सुरक्षा संबंधी ऐसी अपेक्षाओं का अनुपालन नहीं करता है जो केन्द्रीय सरकार की राज्य में उस समुद्र यात्रा के लिए पर्याप्त है जो इस पोल के द्वारा की जाती है, तब तक कोई भी ऐसी फूट नहीं दी जाएगी।

- (5) यदि किसी पोल के लिए, इन नियमों के अधीन विहित न्यूनतम लम्बाई की रक्षा नौका या नौका का बहन करना असंभव और अयुक्तियुक्त है तो केन्द्रीय सरकार उस पोल में उससे छोटी रक्षा नौका या नौका के बहन किए जाने की अनुज्ञा दे सकेगी।

- (6) केन्द्रीय सरकार यदि उसका समाधान हो जाता है कि ऐसे पोल की दशा में अपेक्षा का अनुपालन असंभव या अयुक्तियुक्त है तो वह या तो प्रात्यनिक रूप में या ऐसी शर्तों के अधीन की वह ठीक समझे किसी पोल को जिसका कोल 26 मई, 1985 से पूर्व रखा गया था, इन नियमों की किसी अपेक्षा के लागू होने से फूट दे सकेगी।

पहली अनुसूची

[नियम 2 (क) और 47 देखिए]

बर्ग "ग" नौकाएं

1. हर एक बर्ग "ग" नौका दूध किनारों से क्षतिग्रस्त खूली नौका होगी।

2. बर्ग "ग" नौका ऐसे आकार और अनुपात की होगी कि जब वह व्यक्तियों की सबसे अधिक संख्या से, जिनके बैठने के लिए स्थान की व्यवस्था है और अपने पूर्ण उपस्कर से लदी है तो जवगामी होर में इसमें पर्याप्त स्थिरता और पर्याप्त की मोड़ी होगी।

3. बर्ग "ग" नौका की लम्बाई कम से कम :

- (क) उस पोल के लिए जिसकी लम्बाई 12 मीटर या उससे अधिक है किन्तु 24 मीटर से कम है, 4.3 मीटर होगी;
- (ख) उस पोल के लिए जिसकी लम्बाई 24 मीटर या उससे अधिक है किन्तु 35 मीटर से कम है, 4.9 मीटर होगी;
- (ग) उस पोल के लिए जिसकी लम्बाई 35 मीटर या उससे अधिक है किन्तु 44 मीटर से कम है, 5.2 मीटर होगी, और
- (घ) उस पोल के लिए जिसकी लम्बाई 44 मीटर या उससे अधिक है, 5.5 मीटर होगी।

4. बर्ग "ग" नौका में सभी आड़े तख्ते और बगल की सीटें यथा माध्य मोक्ष लगी होगी और तल फलक लगे होंगे।

5. बर्ग "ग" नौका का पिछला भाग बगलार होगा और उसके मध्य में उसकी लम्बाई के कम से कम पाँच प्रतिशत के बराबर औसत झुकाव होगा।

6. बर्ग "ग" नौका में आंतरिक उत्प्लवन साधन लगे होंगे जो इस प्रकार रखे होंगे कि प्रतिकूल मौसम की दशाओं में नौका के पूर्ण रूप से लदे होने पर स्थिरता सुनिश्चित करें।

7. बर्ग "ग" नौका के आंतरिक उत्प्लवन साधन या तो वायु-द्वारिका या मुद्ज धातु जो 1675 ग्राम प्रति वर्ग मीटर से कम नहीं होगी या अन्य सामान यथास्थित पदार्थ के होंगे।

8. लकड़ी की बर्ग "ग" नौका में आंतरिक उत्प्लवन साधन का कुल आयतन नौका की धनधारिता के कम से कम आठ प्रतिशत के बराबर होगा जो सीधे अनुसूची के पैरा 4 के अनुसार अवधारित किया जाएगा।

9. लकड़ी में बिना किसी सामग्री की बर्ग "ग" नौका की उत्प्लवनता उनी धनधारिता की लकड़ी की बर्ग "ग" नौका के लिए अपेक्षित उत्प्लवनता से कम नहीं होगी और आंतरिक उत्प्लवन साधन का आयतन अनुसूची बर्ग दिया जाएगा।

10. शान्तियों की वह न्यूनतम संख्या, जिनके बैठने की व्यवस्था किया बर्ग "ग" नौका में की जाएगी धन सीटों से नौका की धनधारिता को 2.65 से गुणा करने पर प्राप्त करने बड़ी संख्या के बराबर होगी।

दूसरी अनुसूची

[नियम 2 (क), (ख) और (घ), 48, 50 (2) और (3) 58 (1), (ब) और (छ) देखिए]

बचाव तराफों के लिए अपेक्षा

भाग—1

स्वीतिवीथ बचाव तराफे

1. इस भाग के पैरा 2 के अधिनियमों के अधीन रखे हुए, हर एक स्वीतिवीथ बचाव तराफा निम्नलिखित अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा—

- (क) बचाव तराफा इस प्रकार अभिविध होगा कि जब वह पूर्ण रूप से स्फीति हो और सब से ऊपरी बकन सहित प्लवमान हो तो वह जवगामी होने में स्थायी रहेगा;

- (ख) बचाव तराफा इस प्रकार अभिविध होगा कि यदि वह 18 मीटर की ऊँचाई से जल में गिराया जाए तो न तो बचाव तराफा और न इसके उपस्कर क्षतिग्रस्त हों। यदि बचाव तराफा किसी पोल पर जल से 18 मीटर से अधिक की ऊँचाई पर लौधरित किया जाता है, तो वह उस प्रकार का होगा जिसका कम से कम उस ऊँचाई से संतोषजनक रूप से पोल परीक्षण किया जा चुका है जिस ऊँचाई पर उसका लौधरण किया जाता है।

- (ग) (1) बचाव तराफे के सम्मिलित में, उच्च दृश्यमान बर्ग का बकन सम्मिलित होगा जो जब बचाव तराफा स्फीत हो तो स्थान पर लगाया जाएगा।

- (2) बकन, अनावरण से शक्ति के विरुद्ध अभिसंयोगों की रक्षा करने में समर्थ हो और बर्ग का लोह दृढ़ करने के लिए साधनों की व्यवस्था की जाएगी;

- (3) बकन के शीर्ष पर ऐसा लैम्प लगा होगा जो समुद्र सतह से अपनी उजाले प्राप्त करता हो और बचाव तराफा के अन्दर की एक जैसा ही लैम्प लगा होगा;

- (घ) (1) बचाव में कर्ब रखा जाएगा होगा और बकन के बरों और झूलवाली रस्सी लगी होगी;

- (2) बचाव तराफे के अन्दर बरों और जो एक रस्ता रस्सी लगी होगी;

- (ङ) बचाव तराफा यदि वह उजाले स्थिति में स्फीत होता है तो एक व्यक्ति द्वारा सखता से सोचा होने योग्य होगा;

- (च) बचाव तराफे में प्रत्येक मांग पर जल में के व्यक्तियों का फलक पर बहने में समर्थ बनने के लिए दल साजन लगे होंगे;

- (छ) (1) बचाव तराफा जमड़े के धीले या इस प्रकार सम्मिलित अथवा आधान में रखा जाएगा जो समुद्र में होने वाली दशाओं में कठोर टूट-फूट सहन करने में समर्थ हो;

- (2) जमड़े के नीचे या अन्य आधान में रखा हुआ बचाव तराफा सहज रूप से उत्सावक होगा।

(ज) बचाव तरापा की उत्पत्तिकला इस प्रकार व्यक्त की जाएगी कि यदि बचाव तरापा अतिप्रस्त हो जाए भाषा: स्फीत तब होती है तो पृथक् कर्षों के समासंख्या में विभाजन द्वारा, जिसका आधा व्यक्तियों की संख्या को, जिसे स्थान देने के लिए बचाव तरापा ठीक है, जब में से बाहर निकालने में सहाय्य देने में समर्थ हो या अन्य समान रूप से दक्ष साधन द्वारा यह सुनिश्चित हो जाए कि उत्पत्तिकला के लिए युक्तियुक्त गुंजायन है;

(झ) बचाव तरापा, उसके चमड़े के धौने या अन्य आधान और उसके उपस्कर का कुल भार 180 कि०ग्रा० से अधिक नहीं होगा;

(ञ) व्यक्तियों की यह संख्या जिसे स्थान देने के लिए बचाव तरापा ठीक समझा जाएगा—

(1) स्फीत होने पर मुख्य उत्पन्न तट्टों (जिनमें इस प्रयोजन के लिए न तो ढांटे और न आड़े तबते, यदि लगे हों तो, बड़ी आगे हैं) के घन डेसिमिटर में मापे हुए आयतन को 96 द्वारा विभाजित करने से प्राप्त सबसे बड़ी पूर्ण संख्या; या

(2) बचाव तरापा के फर्श (जिनमें इस प्रयोजन के लिए, आड़ा तबता या तबते, यदि लगे हों तो, आते हैं के वर्ग सेंटीमीटर में मापे हुए क्षेत्रफल को 3720 द्वारा विभाजित करने से प्राप्त सबसे बड़ी पूर्ण संख्या,

इन दोनों में से जो संख्या कम हो, उसके बराबर होगी;

(ट) बचाव तरापा का फर्श जनसङ्ख्या होगा और ठंडक से बचने के लिए या तो—

(1) एक या अधिक कक्ष द्वारा जिसे अधिभोग, यदि ऐसा चाहते हैं तो स्फीत कर सकते हैं या तो स्वतः स्फीत हो जाता है और जो अधिभोगियों द्वारा पनस्फीत किया जा सकता है और पुनः स्फीत किया जा सकता है; या

(2) जो अन्य समान रूप से दक्ष साधनों द्वारा, जो स्फीत होने पर निर्भर नहीं हैं;

पर्याप्त रूप से रोधी हो सकेगा;

(ठ) (1) बचाव तरापा ऐसी गैस से स्फीत किया जाएगा जो अधिभोगियों के लिए हानिकारक नहीं होगी और स्फीत या तो रस्ती के छींचने पर या किसी अन्य समान रूप से सरल और दक्ष पद्धति से स्वतः घटित होगी;

(2) ऐसे साधनों की व्यवस्था की जाएगी जिनसे, बचाव बनाए रखने के लिए हवा भरने का पम्प या धीकनी प्रयुक्त की जा सके;

(ड) बचाव तरापा अर्थांचित मामूरी और सन्निर्माण का होगा, और इस प्रकार सन्निमित होगा कि सभी समूही दशाओं में तिरत हुआ 30 दिन तक के खुले रहने के प्रभाव को सहने में समर्थ हो;

(ढ) हर बचाव तरापा जो अवतरण साधन के साथ प्रयोग के लिए डिजाइन किया गया है, जिस प्रयोजन के लिए वह आशयित है उसके लिए समुचित रूप से सन्निमित होगा और व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से लदे होने पर जल में सुरक्षापूर्वक अवतरित किए जाने के लिए पर्याप्त मजबूत होगा;

(ण) बचाव तरापा में इस पैरा के उप-पैरा (झ) के अनुसार संगणित छह व्यक्तियों से अनुप या पच्चीस व्यक्तियों से अधिका की बहुत भारिता होगी;

(त) बचाव तरापा, लगातार 66 सेंटीग्रेड से लेकर ऋण 30 सेंटीग्रेड के ताप पारस्पर में प्रचालन में समर्थ होगा;

(थ) बचाव तरापा में ऐसी व्यवस्था होगी जो उसके सरलता से अनुकरण की समर्थ बनाए;

(द) किसी पोत पर जिन पर मुवाह्य रेडियो उपस्कर की व्यवस्था की गई है, वहन किए जा रहे हर एक बचाव तरापा में प्रचालन की स्थिति में ऐसे उपस्कर के एरियल को स्थान देने के लिए व्यवस्था की जाएगी;

(ध) (1) बचाव तरापा इस प्रकार नौभारित किया जाएगा कि आपात की दशा में यह सस्ता उपलब्ध हो। यह इस प्रकार नौभारित किया जाएगा कि पोत के छवस होने की दशा में वह अपने नौभरण से अलग होकर स्वतन्त्र तैर सके, स्फीत हो सके और पोत में अलग हो सके;

(2) यदि उनका प्रयोग किया जाए तो रस्सियां ब्रह्मैतिक या समुल्लेख प्रकृति की अनुमोदित स्वतः निर्मित प्रणाली के साथ लगाई जाएगी;

(3) नियम 13 के उपनियम (6) के खण्ड (ख) द्वारा अपेक्षित बचाव तरापा मजबूती से बांधा जाएगा।

2. वर्ग 4 और 5 के पोतों में और कुल 500 टन से कम के या लम्बाई में 21 मीटर से कम के वर्ग 8 के पोतों में इस भाग के पैरा 1 के उप-पैरा (ख), (ग), (ट), (ण), (त) और (ध) की अपेक्षाओं में निम्नलिखित रूप से उपान्तरण हो सकेगा :—

(क) उक्त उप-पैरा (ख) में निर्दिष्ट 18 मीटर की लम्बाई डेक की ऊंचाई के समुल्लेख हो सकेगी, जिस पर बचाव तरापा पोत की निर्भर जल रेखा के ऊपर नौभारित किया जाता है किन्तु किसी भी दशा में 6 मीटर से कम नहीं होगी;

(ख) उक्त उप-पैरा (ग) में निर्दिष्ट वर्षा जल को इकट्ठा करने के लिए साधनों की व्यवस्था करना अपेक्षित नहीं होगा;

(ग) उक्त पैरा (ट) में बचाव तरापा के फर्श पर यथानिर्दिष्ट ठंडक के विरुद्ध रोधन प्रणाली का पालन करना अपेक्षित नहीं होगा;

(घ) उक्त उप-पैरा (ण) द्वारा अपेक्षित बचाव तरापा की स्थूलतम छह व्यक्तियों की दहन भारता चार व्यक्तियों की हो सकेगी, परन्तु ऐसे पोतों पर जिनके फलक पर व्यक्तियों की कुल संख्या छह से कम है केवल वही बचाव तरापा वहन किए जाएंगे जो छह व्यक्तियों से कम को स्थान देने के लिए ठीक समझे जाते हैं;

(ङ) उक्त उप-पैरा (त) में निर्दिष्ट ऋण 30 सेंटीग्रेड का ताप-क्रम ऋण 18 सेंटीग्रेड हो सकेगी।

(च) उक्त उप-पैरा (ध) में निर्दिष्ट अनुकरण रस्ती की व्यवस्था करना अपेक्षित नहीं होगा।

## भाग 2

### बड़ा बचाव तरापा

हर बड़ा बचाव तरापा निम्नलिखित अपेक्षाओं का पालन करेगा :—

(क) बचाव तरापा इस प्रकार सन्निमित होगा कि यदि वह उसके नौभारित होने की स्थिति से जल में गिराया जाए तो न तो बचाव तरापा और न उसके उपस्कर अतिप्रस्त हों;

(ख) कोई बचाव तरापा जो अवतरण साधन के साथ प्रयोग के लिए डिजाइन किया गया है, उस प्रयोजन के लिए, जिसके लिए वह आशयित है, समुचित रूप से सन्निमित होगा और व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से लदे होने पर जल

में सुरक्षापूर्वक भवतिरित किए जाने के लिए पर्याप्त मजबूत होगा ;

- (ग) बचाव तरापा इस प्रकार सन्निहित होगा कि इसके हवा बंद डिब्बे या उत्प्लावक सामग्री इसके किनारों के यथा संभव निकट रखी हो ;
- (घ) (1) बचाव तरापा का डेक क्षेत्र, बचाव तरापा के उस भाग में स्थित होगा जो उसके अधिभोगियों का संरक्षण करता है ;
- (2) डेक की प्रकृति ऐसी होगी जो यथासाध्य जल के प्रवेश को निवारित करे और वह अधिभोगियों को जल के बाहर निकालने में प्रभावशाली रूप से सहायता दे ;
- (ङ) बचाव तरापा में उच्च दृश्यमान वर्ण की समुत्पन्न व्यवस्थाओं से युक्त एक डकन लगा होगा जो, जल से बचाने के लिए अधिभोगियों के संरक्षण में समर्थ हो, बाह्य बचाव तरापा किसी प्रकार से भी तैर रहा हो ;
- (च) बचाव तरापा का उपस्कर इस प्रकार नौभरित किया जाएगा कि बचाव तरापा सरलता से प्राप्त हो जाये वह किसी प्रकार से भी तैर रहा हो ;
- (छ) (1) माछी पोतों में बहन किए जा रहे किसी बचाव तरापा और उपस्कर का कुल भार 180 कि.ग्रा. से अधिक नहीं होगा ;
- (2) स्वीरा पोतों में बहन किए जा रहे बचाव तरापा यदि वे पोत की दोनों ओर भवतिरित किए जा सकते हैं या यदि पोत की किसी ओर से उन्हें यंत्र से जल में भवतिरित करने के लिए साधनों की व्यवस्था की गई है तो वे भार में किलो-ग्राम से अधिक हो सकते हैं।
- (ज) बचाव तरापा सभी समय, किसी तरह के तैरने पर प्रभावशाली और स्थिर होगा ;
- (झ) व्यक्तियों की वह संख्या, जिसे स्थान देने के लिए बचाव तरापा ठीक समझा जाएगा—
  - (1) हवा बंद डिब्बों के या उत्प्लावक सामग्री के वन डेसीमीटर में मापे गये आयतन को 96 द्वारा विभाजन करने पर प्राप्त सबसे बड़ी संख्या ; या
  - (2) वर्ग सेंटीमीटर में मापे गए बचाव तरापा के डेक क्षेत्रफल को 3720 द्वारा विभाजन करने पर प्राप्त सबसे बड़ी पूर्ण संख्या ; इन दोनों में से जो संख्या कम होगी, उसके बराबर होगी ;
- (ञ) (1) बचाव तरापा में एक संगम कर्षक रस्सा और बाह्य के चारों ओर सुरक्षा पूर्वक झूल वाली एक रस्सा रस्सी होगी ;
- (2) बचाव तरापा के धंवर की चारों ओर एक रस्सा रस्सी लगी होगी ;
- (ट) जल में के व्यक्तियों के फलक पर चढ़ने में समर्थ बनाने के लिए बचाव तरापा के हर एक द्वार पर दस साधनों की व्यवस्था की जाएगी ;
- (ड) विद्युत बैटरी प्रकार की एक उत्प्लवन बस्ती बचाव तरापा से छोटी द्वारा संलग्न होगी ;
- (ड) बचाव तरापा में उसको सरलता से प्रयुक्त होने में समर्थ बनाने वाली व्यवस्था होगी ;
- (ड) बचाव तरापा इस प्रकार नौभरित होगा कि पोत के ध्वंस होने की वजा में स्वतंत्र तैर सके ;

(ण) किसी पोत पर जिस पर सुरक्षापूर्वक रैडियो उपस्कर की व्यवस्था की गई है बहन किए जा रहे हर एक बचाव तरापा में प्रचालन की स्थिति में ऐसे उपस्कर के एरियल को ठीक प्रकार से स्थान देने के लिए व्यवस्था की जाएगी।

#### तीसरी अनुसूची

[नियम 2 (अ) और नियम 61(2)(क) और (ख) देखिए]

#### बचाव तरापा भवतरण साधन

1. "कार्यकारी भार" की परिभाषा : इस अनुसूची में "कार्यकारी भार" पद से बचाव तरापा और इसके उपस्कर, सभी अन्य सहयुक्त गियर जिसको भवतरण की क्रिया के दौरान, भवतरण साधन द्वारा सहाय किया जाता है और व्यक्तियों प्रत्येक व्यक्ति का भार 75 कि०ग्रा० माना जाए, की अधिकतम संख्या जिसे बहन करने के लिए बचाव तरापा ठीक समझा गया है, के भार का योग अभिप्रेत है।
2. सामर्थ्य : हर बचाव तरापा, भवतरण साधन और सभी सहयुक्त गियर जिस पर, भवतरण क्रिया के दौरान कार्यकारी भार या कार्यकारी भार के कारण अधिरोपित कुल भार पड़ता है, ऐसी सामर्थ्य के होंगे कि बचाव तरापा जब व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से लदा हो तो जब पोत में 10 डिग्री गति है या किसी भी ओर 15 डिग्री झुका है, तो सुरक्षापूर्वक भवतिरित हो सके।
3. सन्निर्माण : (i) हर बचाव तरापा भवतरण साधन का प्रत्येक भाग ऐसा होगा कि जब साधन, कार्यकारी भार और मुकाव तथा गति की अनुकूल दशाओं के अधीन प्रचालित है तो वह प्रयुक्त सामग्री, सन्निर्माण की रीति और उसके कार्य की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा का पर्याप्त ध्यान रखेगा।
- (ii) धम धमिका और दराही धमिका के सिवाय के साधन के सभी भाग और इनके सहयुक्त गियर जिस पर कार्यकारी भार पड़ता है या जिस पर भवतरण की प्रक्रिया में साधन या बचाव तरापा की सुरक्षा निर्भर करती है वे तम्य धातु से सन्निर्मित किए जाएंगे और अग्रबन्धिका और दराही धमिका से भिन्न कोई भाग उसका धातु से सब तक सन्निर्मित नहीं किया जाएगा जब तक कि, केन्द्रीय सरकार इस प्रकार अनुज्ञा नहीं देती है।
4. स्थैतिक भार परीक्षण : हर बचाव तरापा भवतरण साधन, कार्यकारी भार के 2.2 गुना से अन्यून के स्थैतिक भार परीक्षण को सहन करने में समर्थ होगा।
5. प्रचालन : (क) हर बचाव तरापा भवतरण साधन इस प्रकार डिजाइन किया जाएगा कि उस पर व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर सब होने पर बचाव तरापा जल में सुरक्षापूर्वक भवतिरित हो सके।
- (ख) बचाव तरापा के भवतरण की गति, प्रतिमिनिट 18 मीटर से अन्यून और प्रतिमिनिट 38 मीटर से अधिक पर स्वतः नियंत्रित होगी और बचाव तरापा का भवतरण हर समय प्रचालक के हस्तन नियंत्रण में होगा।
- (ग) (i) भवतरण साधन का प्रचालन केवल हाथ के प्रयत्न या गुरुत्व से भिन्न साधनों के प्रयोग पर ही पूर्णतः निर्भर नहीं होगा।
- (ii) व्यवस्था ऐसी होगी कि बचाव तरापा गुरुत्व से भवतिरित हो सके।
- (घ) व्यवस्था ऐसी होगी कि जल बाह्य होने पर बचाव तरापा भवतरण साधन से स्वतः नियंत्रित हो जाएगा और बचाव तरापा के फलक पर किसी व्यक्ति द्वारा बचाव तरापा को हस्तन नियंत्रण के लिए व्यवस्था होगी।

(क) जब बचाव तरापा अवतरण साधित्र में बिच हों तो बिच नीचहूनी अनुसूची के भाग II के पैरा 10 के अनुसार सन्निमित्त किए जाएंगे।

6. अवतरण परीक्षण : जब बचाव तरापा का, उसके पूर्ण उपस्कर और व्यक्तियों की पूरी संख्या जिसे स्थान देने के लिए वह ठीक समझा गया है वन जल में नौरोहण स्थित कार्यकारी भार के 10 प्रतिशत के बराबर अवतरित भार से लवा हुआ हर एक बचाव तरापा अवतरण साधित्र सबसे बड़े बचाव तरापा का अवतरण करके परीक्षण किया जाएगा जिसके लिए वह प्राथमिक है।

7. प्रचालन परीक्षण : (i) यह सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण किया जाएगा कि अवतरण साधित्र से युक्त कोई बचाव तरापा जब केवल उसके उपस्कर से लवा हो तो जब वे मुख्य द्वारा अवतरित हो सके।

(ii) यदि एक से अधिक बचाव तरापा किसी अवतरण साधित्र से अवतरित किया जाता है तो प्रभावशाली आनुकूलिक अवतरण निर्धारित किया जाएगा।

#### बीबी अनुसूची

नियम 2(1), 43 और 46 देखिए

#### रक्षा नौकाओं के लिए साधारण अपेक्षाएं

1. हर रक्षा नौका दृढ़ किमारों से सन्निमित्त होगी।

2. (क) किसी रक्षा नौका में जिसमें दृढ़ आवरण लगा हुआ है आवरण भीतर और बाहर दोनों ओर से सरलता से खुलने में समर्थ होगा और रक्षा नौका के शीघ्र नौरोहण और अवरोहण या अवतरण और बालन में अड़चन नहीं लेगा।

(ख) ऐसे आवरण के बारे में, जहां वह लगा हो, यह माना जा सकेगा कि वह नियम 23 के उपनियम (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाओं का अनुपालन करता है।

3. तबलों से बनी हुई लकड़ी की रक्षा नौकाओं के सिवाय, हर एक रक्षा नौका में, सातवीं अनुसूची के अनुसरण में अवधारित घन धारिता के 0.64 से कम का घनत्व गुणांक होगा 10.64 से कम के घनत्व गुणांक वाली रक्षा नौकाएं अनुज्ञात की जाएंगी परन्तु यह तब जब रक्षा नौका व्यक्तियों की पूरी संख्या और साधित्र से लदी हो और जलकेप्री ऊंचाई और फ्रीबोर्ड पर्याप्त हो।

4. हर रक्षा नौका ऐसे प्रकार और अनुपात की होगी कि जब वह व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से लदी हो तब जलगामी होने में पर्याप्त स्थिरता और पर्याप्त की बीर्ड होगी।

5. हर रक्षा नौका इस प्रकार सन्निमित्त होगी कि जब वह तुल्य समुद्र में व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से भरित हो तब वह क्षमार्थक स्थिरता कामय रखने में समर्थ होगी।

6. (क) हर रक्षा नौका उस प्रयोजन के लिए, जिसके लिए वह प्राणयित है, समुचित रूप से सन्निमित्त होगी और व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से लदी होने पर जल में सुरक्षित रूप से अवतरित किए जा सकने के लिए पर्याप्त सामर्थ्य की होगी।

(ख) ऐसे सामर्थ्य की होगी कि यदि उस पर कम से कम 25 प्रतिशत अधिक भार होतो उसमें अवशिष्ट क्षमकति नहीं होगी।

7. कोई भी रक्षा नौका लंबाई में 4.9 मीटर से कम नहीं होगी सिवाय तब के जब कि इन नियमों द्वारा विकल्प के रूप में बर्ग ग नौका बहुत किए जाने के लिए अनुज्ञात है तो ऐसी रक्षा नौका की लंबाई पहली अनुसूची के पैरा 3 के अनुसार यथा अवधारित बर्ग ग नौका की लंबाई के कम नहीं होगी।

8. किसी भी रक्षा नौका का भार, जब वह व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से लदी हो 20.3 टन से अधिक नहीं होगा।

9. हर रक्षा नौका में सभी बाड़े सबसे भीर वजन की सीढ़ें यथा साम्य नीचे लगी होंगी और तलकलक लगे होंगे।

10. हर रक्षा नौका में, उसकी लंबाई के कम से कम चार प्रतिशत के बराबर भीतत झुकाव होगा और यह झुकाव आकार में लगभग पर-वलयिक होगा।

11. हर रक्षा नौका में आन्तरिक उत्प्लवन साधित्र लगा होगा जिसमें वायुबन्ध डिब्बे या उत्प्लावक सामग्री होगी जिस पर तेल या तेल उत्पादों द्वारा प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा और जिनसे नौका पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

12. हर रक्षा नौका में आन्तरिक उत्प्लवन साधित्र का कुल आयतन ऐसा होगा जो कम से कम उन आयतनों के योग के बराबर होगा जो :—

(क) रक्षा नौका और उसके उपस्कर का उस समय जब वह रक्षा नौका अलप्लावित हो और उसमें समुद्र जल प्रविष्ट हो सकता है, ऐसे प्लावित करने के लिए अपेक्षित है कि पोतमध्य पैरज का उपरी विरा जलमग्न न हो,

(ख) रक्षा नौका की घन धारिता के 10 प्रतिशत के बराबर हो।

13. उन रक्षा नौकाओं की वसा में जिसमें 100 या उससे अधिक व्यक्तियों के लिए स्थान होता है इन अनुसूची के पूर्ववर्ती पैरा 12 के खण्ड (ख) द्वारा अपेक्षित उत्प्लवन साधित्र का आयतन निम्नलिखित प्रकार से बढ़ाया जाएगा :—

(क) उन रक्षा नौकाओं में जिनमें 100 से लेकर 130 व्यक्तियों के लिए स्थान होता है उतनी मात्रा से जो 100 व्यक्तियों पर शून्य और 130 व्यक्तियों पर रक्षा नौका की घनधारिता 1.5 प्रतिशत के बीच अंतरवर्धन द्वारा निर्धारित हो।

(ख) उन रक्षा नौकाओं में जिनमें 130 से अधिक व्यक्तियों के लिए स्थान होता है, रक्षा नौका घनधारिता 1.5 प्रतिशत की बराबर मात्रा से।

#### पीसीवी अनुसूची

नियम 4(12), 5(15), 6(11), 7(15), 8(10), 10(8), 11(7), 12(8), 13(10), 16(11), 17(8), 18(6), 20(5), 21(6), 22(6), 23(5), 25(5), 26(5), 27(5), 28(5), 31(5), 32(8), 33(5), 34(5), 35(6), 36(4), 38(4), 39(4), 40(5), 41(4), और 42(8) देखिए।

#### रक्षा जाकेटों के लिए अपेक्षाएं

##### भाग 1

1. इस भाग के पैरा 7 के उपबंधों के अधीन रहते हुए किसी बयस्क व्यक्ति द्वारा प्रयोग के लिए हर रक्षा जाकेट इस प्रकार पर्याप्त उत्प्लावकता की होगी कि उसे इस भाग के पैरा 3 के खण्ड (ख) की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए समर्थ बनाए।

स्पष्टीकरण—इस भाग के प्रयोजन के लिए 30 कि०ग्रा० या उसके अधिक भार वाला हर एक व्यक्ति, बयस्क समझा जाएगा।

2. हर ऐसा रक्षा जाकेट, बीनों और 1.27 से०मी० से कम अनुपात के छत्रों से "बयस्कों के लिए", बाइनों से, और केवल एक और बनाने वाले का नाम या दृश्य पहचान चिह्न से अमिश्र रूप से चिह्नित की जाएगी।

3. हर ऐसी रक्षा जाकेट निम्नलिखित अपेक्षाओं का भी अनुपालन करेगी, अर्थात् :—

(क) वह इस प्रकार सन्निमित्त होगी कि गजत रूप से पहनने की

यथासंभव संभावना न हो और यह उल्टी भी पहनी जा सकेगी।

(ख) (i) वह किसी श्रांत या अश्वेत व्यक्ति के मुख को जल से बाहर उठाने और शरीर की खड़ी स्थिति से उसे पीछे की ओर झुके होने के साथ जल से बाहर सुरक्षापूर्वक धारण करने में समर्थ होगी;

(ii) वह, शरीर के उर्ध्वधर से उसके पीछे की ओर झुके होने के साथ शरीर को जल में किसी स्थिति से सुरक्षित तैरने की स्थिति में धुमाने में समर्थ होगी;

(iii) ऐसे रक्षा जाकेट की उत्प्लावकता जिससे पूर्ववर्ती कार्य करना अपेक्षित है भ्रमवर्ण जल में 24 घंटे के निमज्जन के पश्चात् पांच प्रतिशत से अधिक नहीं होगी;

(ग) उस पर तेल या तेल उत्पादों का प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा;

(घ) वह उच्च दृश्यमान वर्ण की होगी;

(ङ) बचाव को सुगम बनाने के लिए यह एक छल्ले या फंसे या पर्याप्त मजबूती के उसी प्रकार की युक्ति से लगी हुई होगी;

(च) वह कम उबलनशील सामग्री की बनी होगी और वह कपड़ा जिससे वह ढकी हुई है तथा उसके फीते विगलन रोधक होंगे;

(छ) वह डोरी से मजबूती से संलग्न अनुमोदित सीटी से लगी होगी;

(ज) (i) उसमें बांधने वाले फीते होंगे जो रक्षा जाकेट कवर से मजबूती से बंधे होंगे और 91 कि० ग्रा० भार उठाने में समर्थ होंगे;

(ii) फीतों की बांधने की रीति ऐसी होगी कि मासाली से समझी जाए और सरलता से कार्यान्वित की जा सके;

(iii) धातु बंध, जब प्रयुक्त हों, तो बांधने वाले फीते से अनुकूल आकार और मजबूती के होंगे और संश्लेषण प्रतिरोधी सामग्री के होंगे;

(iv) उस में, इसकी पहनने वाला बिना क्षति के और रक्षा जाकेट के उतारे बिना 6.1 मीटर की उर्ध्वधर दूरी कूद सकेगा।

4. ऐसे हर रक्षा जाकेट की उत्प्लावकता समान की गई या अन्य समान रूप में प्रभावशाली उत्प्लावन सामग्री द्वारा व्यवस्थित होगी।

5. ऐसी हर कैपांक रक्षा जाकेट, इस भाग के पैरा 1 से 4 की अपेक्षाओं का अनुपालन करने के अतिरिक्त निम्नलिखित अपेक्षाओं का भी अनुपालन करेगी, अर्थात् :--

(क) इसमें 1 कि० ग्रा० से अत्युच्च कैपांक होगा;

(ख) कैपांक अच्छी प्लवन क्वालिटी का, भली प्रकार धुना हुआ समतलता से पैक किया गया और बीज तथा अन्य बाह्य पदार्थ से मुक्त होगा;

(ग) कैपांक तेल या तेल उत्पादों के प्रभाव से इस प्रकार संरक्षित होगा कि 48 घंटे की अवधि के लिए 3 मिलीमीटर से अत्युच्च परत की गैस-तेल मिश्रण वाले विक्षेप जल में तैरने के पश्चात् रक्षा जाकेट में उत्प्लावकता की हानि प्रारंभिक उत्प्लावकता से 2 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी और इस परीक्षण के प्रयोजन के लिए रक्षा जाकेट इसकी प्रारंभिक उत्प्लावकता के घाटे के बराबर भार से भरी जाएगी।

(घ) (i) आच्छादन पूर्व आकृषित सूती सामग्री का होगा जिसका कवर की स्थिति में प्रतिमीटर भार 0.68 मीटर चौड़ाई

के लिए 170 ग्राम से अत्युच्च और अन्य चौड़ाई के लिए इसी अनुपात में होगा;

(ii) कपड़ा मांड़ी या किसी अन्य बाह्य पदार्थ की मिलावट से मुक्त होगा;

(iii) कवर की स्थिति में घागे प्रति 25 मि०मी० दोहरे घागे के 44 ताने और दोहरे घागे के 34 ताने होंगे;

(iv) मिलाई 25क के नंबर वाली बड़िया ब्लाइट मोर डोरी की क्वालिटी से अत्युच्च के लिनेन के घागे से की जाएगी।

6. ऐसी हर रक्षा जाकेट जिसमें कैपांक से भिन्न उत्प्लावन सामग्री प्रयोग की जाती है, इस भाग के पैरा 1 से 4 और पैरा 5 के खंड (घ) की अपेक्षाओं का अनुपालन करने के अतिरिक्त निम्नलिखित अपेक्षाओं का भी अनुपालन करेगी, अर्थात् :--

(क) (i) सामग्री प्रति घन मीटर 192.5 कि०ग्रा० से अधिक भार की नहीं होगी और अच्छी क्वालिटी की और साफ होगी;

(ii) यदि सामग्री टुकड़ों में है तो हर एक टुकड़े का आकार, जब तक ऐसे टुकड़े सह के रूप में नहीं हैं और अनुमोदित आसंजक के सहित बंधे हुए नहीं हैं, 164 घन सें०मी० से कम नहीं होगा;

(ख) सामग्री रासायनिक रूप से स्थिर होगी।

7. हर रक्षा जाकेट, जिसकी उत्प्लावकता स्फीति पर निर्भर करती है जो तेल पोतों से भिन्न वर्ग VI और VII के पोतों के कर्मादल के सदस्यों द्वारा प्रयोग के लिए वहन की जाती है, इस भाग के पैरा 3 की अपेक्षाओं का अनुपालन करेगी और इसके अतिरिक्त निम्नलिखित अपेक्षाओं का भी अनुपालन करेगी, अर्थात् :--

(क) निम्नलिखित में से किसी एक प्रकार के दो पृथक उत्प्लावन कक्ष होंगे--

(i) कम से कम 9 कि० ग्रा० के बराबर अत्यतिरिक्त उत्प्लावकता का एक कक्ष और कम से कम 6.8 कि०ग्रा० का एक वायु कक्ष; या

(ii) दो पृथक वायु कक्ष जिनमें से प्रत्येक कम से कम 9.4 कि० ग्रा० उत्प्लावकता का होगा;

(ख) उसके दोनों और, 25 मि०मी० से अत्युच्च आकार के अक्षरों से "केवल कर्मादल" शब्दों से और एक और केवल छोटे अक्षरों में बनाने वाले का नाम या अन्य पहचान चिह्न से अमिट रूप से चिह्नित की जाएगी;

(ग) यह यंत्र द्वारा और मंजू दोनों से स्फीत होने में समर्थ होगी।

## भाग II

1. किसी बालक द्वारा प्रयोग के लिए हर रक्षा जाकेट में इस प्रकार पर्याप्त उत्प्लावकता की व्यवस्था की जाएगी कि उसे भाग I के पैरा 3 के खंड (ख) की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए समर्थ बनाए।

स्पष्टीकरण :--इस भाग के प्रयोजन के लिए 30 किलोग्राम से कम भार वाला हर व्यक्ति बालक समझा जाएगा।

2. हर ऐसी रक्षा जाकेट दोनों और 12.7 मि०मी० से अत्युच्च आकार के अक्षरों में "बालक के लिए" शब्दों से और एक केवल बनाने वाले का नाम या अन्य पहचान चिह्न से अमिट रूप से चिह्नित की जाएगी।

3. हर ऐसी रक्षा जाकेट भाग I के पैरा 3 और 4 की अपेक्षाओं का अनुपालन करेगी।

4. हर ऐसी कैपांक रक्षा आकेट में 425 ग्राम से कम्यून कैपांक होगा और इस भाग के पैरा 1 से 3 की अपेक्षाओं का अनुपालन करने के अतिरिक्त भाग I के पैरा 5 के खंड (ख), (ग) और (घ) की अपेक्षाओं का अनुपालन करेगी।

5. हर ऐसी रक्षा आकेट जिसमें कैपांक से बिन्न उत्पन्न सामग्री प्रयोग की गई है, इस भाग के पैरा 1 से 3 की अपेक्षाओं का अनुपालन करने के अतिरिक्त भाग I के पैरा 5 के खंड (घ) और पैरा 6 के उप-पैरा (क) और (ख) का अनुपालन करेगी।

#### छठी अनुसूची

नियम 5 (2), (3) और (8) (ग) और (घ), 7(2), (3) और (8), 8(2) और (3), 9(2) और (3), 10(2) और (3) और 69(2) देखिए यहाँ II, IV, V और VI के पोलों में व्यवस्था किए जाने वाले डेविटों के सेटों की न्यूनतम संख्या और रक्षा नौकाओं की न्यूनतम घन धारिता को दर्शाने वाली सारणी

पोत की रजिस्ट्रीकृत लंबाई	डेविट सेटों की न्यूनतम सं०			रक्षा नौकाओं की न्यूनतम धारिता घन मीटरों में
	क	ख	ग	
मीटर	सं०	सं०	घन मीटर	
37 मीटर तक	2	2	11	
37 मीटर और उससे अधिक किन्तु 43 मीटर से कम	2	2	18	
43 मीटर और उससे अधिक किन्तु 49 मीटर से कम	2	2	26	
49 " 53 "	3	3	33	
53 " 58 "	3	3	38	
58 " 63 "	4	4	44	
63 " 67 "	4	4	50	
67 " 70 "	5	4	52	
70 " 75 "	5	4	61	
75 " 78 "	6	5	68	
78 " 82 "	6	5	78	
82 " 87 "	7	5	85	
87 " 91 "	7	5	94	
91 " 96 "	8	6	102	
96 " 101 "	8	6	110	
101 " 107 "	9	6	122	
107 " 113 "	9	7	135	
113 " 119 "	10	7	146	
119 " 125 "	10	7	157	
125 " 133 "	12	7	171	
133 " 140 "	12	9	185	
140 " 149 "	14	10	202	
149 " 159 "	14	10	221	
159 " 169 "	16	12	238	
169 " 177 "	16	12	"	
177 " 187 "	18	13	"	
187 " 196 "	18	13	"	
196 " 205 "	20	14	"	
205 " 214 "	20	14	"	
214 " 223 "	22	15	"	
223 " 232 "	22	15	"	
232 " 241 "	24	17	"	
241 " 251 "	24	17	"	
251 " 261 "	26	18	"	
261 " 273 "	26	18	"	
271 " 283 "	28	19	"	
283 " 293 "	28	19	"	
293 " 304 "	30	20	"	
304 " 346 "	30	20	"	

## सातवीं अनुसूची

[नियम 44(1) और 45 देखिए]

## रक्षा नौकाओं की धनधारिता गणना

1. इस अनुसूची के पैरा 4 के उपबंधों के अधीन रहते हुए इन नियमों के प्रयोजनार्थ रक्षा नौका की धनधारिता धन मीटरों में मापी जाएगी और निम्नलिखित सूत्र के अनुसार निर्धारित की जाएगी।

(क) धनधारिता-एल०/12 (4ए+2बी+4सी), जहाँ एल० नाव के अगले सिरे के शीर्ष पर खोल के भीतर से नौका के पिछले भाग के खंभे के शीर्ष पर तत्संबंधी बिन्दु तक मीटरों में रक्षा नौका की लंबाई दर्शाता है, पिछले भाग में बर्गीकार खंभे वाली रक्षा नौका की दशा में लंबाई जिड़की के शीर्ष के भीतर तक मापी जाएगी।

ए० बी० सी० क्रमशः अनुप्रस्थ काटों के उन क्षेत्रों को दर्शाता है जो आगे से अनुप्रस्थ लंबाई, पीतमध्य और पीछे से अनुप्रस्थ लंबाई पर हैं, जो एल० को चार बराबर भागों में विभक्त करने पर प्राप्त तीन स्थानों के बराबर होती है (रक्षा नौका के सिरे के तरफ लंबाई क्षेत्र लगभग समाने जाएंगे)।

(ख) ए० बी० सी० क्षेत्र, तीन अनुप्रस्थ काटों में से प्रत्येक को निम्नलिखित सूत्र के धातुकर्मिक प्रयोग द्वारा वर्ग मीटरों में दिया जाएगा, क्षेत्र =  $\frac{1}{12} (ए + 4 बी + 2 सी + 4 डी + ई)$ , 12

जहाँ ए० बी० क्षेत्र में कोल से पेरज की सतह तक, या उसके पश्चात् कुछ दशाओं में, यथा धनधारिता उससे नीचे की सतह तक मीटरों में मापी गई गहराई सूचित करता है; और ए, बी, सी, डी, ई खोल के भीतर गहराई के ऊपरी और निचले बिन्दुओं पर और एक को चार बराबर भागों में विभक्त करने पर प्राप्त तीन बिन्दुओं पर मीटरों में मापी गई रक्षा नौका की क्षैतिज चौड़ाई सूचित करते हैं (सोमान्त बिन्दुओं पर ए और ई चौड़ाई है और बी ए० सी ए० के मध्य बिन्दु पर है)।

(ग) पिछले भाग में बर्गीकार खंभे वाली रक्षा नौका की क्षमता पिछले भाग में नौकवार खंभे वाली रक्षा नौका की तरह संगणित की जाएगी।

2. यदि रक्षा नौका के दोनों छोरों से लंबाई के अनुप्रस्थ पर स्थित दो बिन्दुओं पर मापी हुई पेरज का झुकाव, नौका की लंबाई के एक प्रतिशत से अधिक हो जाता है, तो ए या सी अनुप्रस्थ काट क्षेत्र की संगणना में प्रयुक्त गहराई वह समझी जाएगी जो पीत मध्य गहराई में रक्षा नौका की लंबाई के 1 प्रतिशत को जोड़ कर आए।

3. यदि पीत मध्य रक्षा नौका की गहराई, चौड़ाई के पैतासीस प्रतिशत से बड़ जाती है तो पीत मध्य अनुप्रस्थ काट बी के क्षेत्र की संगणना में प्रयुक्त गहराई, चौड़ाई के पैतासीस प्रतिशत के बराबर समझी जाएगी, और ए और सी काटों की अनुप्रस्थ लंबाई के क्षेत्रों की संगणना में प्रयुक्त गहराई, रक्षा नौका की लंबाई के एक प्रतिशत के बराबर इस अंतिम धंक को बढ़ाने से प्राप्त की जाती है।

परन्तु किसी भी दशा में संगणना में प्रयुक्त गहराई, इन बिन्दुओं पर वास्तविक गहराई से अधिक नहीं होगी।

4. जब तक रक्षा नौका का स्वामी, यथार्थ माप द्वारा धन क्षमता के धनधारिता किए जाने की अपेक्षा नहीं करता है, यदि इस सब से इस अनुसूची के पैरा 1 में उपर्युक्त सूत्र द्वारा प्राप्त क्षमता से अधिक क्षमता प्राप्त नहीं होती है तो लकड़ी के लकड़ों के सम्मिलित रक्षा नौका की धन क्षमता गुणित लंबाई चौड़ाई और गहराई 0.8 द्वारा गुणा करके के प्राप्त की हुई वाली जा सकेगी लंबाई चौड़ाई और गहराई निम्नलिखित रीति से मापी जाएगी:

(क) लंबाई नाव के अगले सिरे के शीर्ष स्थित लकड़ों के बाहर काटाव से नौका के पिछले भाग के खंभे पर तत्संबंधी बिन्दु तक या पिछले भाग में बर्गीकार खंभे वाली रक्षा नौका की दशा में जिड़की के शीर्ष के पीछे की ओर तक,

(ख) चौड़ाई लकड़ों के बाहर उस बिन्दु से जहाँ रक्षा नौका की चौड़ाई सबसे अधिक है,

(ग) गहराई पीत मध्य लकड़ों के भीतर कोल से पेरज के शीर्ष की सतह तक किन्तु धन क्षमता की संगणना में प्रयुक्त गहराई किसी भी दशा में चौड़ाई के पैतासीस प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकेगी।

5. मोटर रक्षा नौका या अन्य नौकन गियर से युक्त रक्षा नौका की धन क्षमता मोटर और उसके उपसाधनों या अन्य नौकन गियर के गियर बाक्स और किसी उपस्कर द्वारा जिसकी रक्षा नौका में नियम 56 के अनुपालन में व्यवस्था हो सकेगी बिरे हुए आयाम के बराबर आयाम की कुल क्षमता से कटौती करने पर प्राप्त होगी।

## आठवीं अनुसूची

[नियम 45(क) देखिए]

## मोटर रक्षा नौका की क्षमता

1. इंजन ठंडे मौसम से सरलता से सटाई होने और तापक्रम की पराकाष्ठा की दशाओं में विश्वसनीय रूप से चलने योग्य होगा।

2. (क) कम से कम 10 डिग्री नल्लि की दशाओं में इंजन समुचित रूप से प्रचालित होगा।

(ख) जहाँ चक्रण जल पम्प लगे हैं वहाँ से स्वतः लेनदेन वाले होंगे।

3. (क) इंजन और उसके उप साधन जिनमें ईंधन टंकी पाईप और फिटिंग सम्मिलित हैं, समुद्र में प्रतिकूल मौसम के दौरान संभव उत्पन्न हो सकने वाली दशाओं में विश्वसनीय प्रचालन को सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त रूप से संरक्षित होंगे।

(ख) इसके प्रतिरिक्त, इंजन खोल अग्निरोधी होगा और बायु शीतल डोजल इंजनों की दशा में इस प्रकार डिजाइन किया गया होगा कि शीतल बायु का प्रवाह निबंधित न होगे।

4. सभी रक्षा नौकाओं में तेल के फैलने को रोकने के लिए साबनों की व्यवस्था होगी। लकड़ी की रक्षा नौका में इंजन के नीचे एक धातु ट्रे लगी हुई होगी।

5. (क) ईंधन टंकी यथेष्ट रूप से सम्मिलित, उपयुक्त स्थिति में मजबूती से लगी हुई होगी, उसके नीचे एक धातु ट्रे होगी तथा उपयुक्त धरण, वाष्प निकास और विमोचन व्यवस्थाओं से युक्त होगी।

(ख) टंकी या उसके संयोजनों के किसी भी भाग या ईंधन पाईप या फिटिंग के किसी भी भाग का कसान सोलर से नहीं होगा और हवा से बनी टंकियाँ समुद्र जल से संक्षारण के विरुद्ध धातु फुहारण या समस्त साधनों द्वारा बाहर से संरक्षित होंगी।

(ग) टंकी और उसके संयोजन कम से कम 4.5 मीटर की ऊँचाई के समान जल दाब को सहन करने योग्य होंगे।

(घ) पाइप के प्रत्येक सिरे पर एक काकें लगा होगा।

6. इंजन और ईंधन टंकी की जगह बसतापूर्वक संभावित होगी।

7. रक्षा नौका में व्यक्तियों की क्षति से संरक्षित करने के लिए जहाँ आवश्यक हो वहाँ सैफिटी और अन्य गतिमान भागों की बाध जगाई जाएगी।

## नौवीं अनुसूची

(नियम 48 देखिए)

## यंत्र चालित रक्षा नौकाओं की नवीनीकरण

1. नौदन गियर इस प्रकार व्यवस्थित होगा कि वह कार्य के लिए शीघ्रता से और आसानी से तैयार किया जा सके और रक्षा नौका में व्यक्तियों के शीघ्रनौरोहण में बाधा नहीं डाले।
2. यदि नौदन गियर हस्तचालित है तो वह उसके प्रयोग में अप्रशिक्षित व्यक्तियों द्वारा प्रचलित होने योग्य होगा और रक्षा नौका के प्रचलित होने पर प्रचलित किए जाने योग्य होगा।
3. नौद गियर को, विभिन्न कद के व्यक्तियों द्वारा चलाने योग्य होने के लिए समायोजन प्रेषित नहीं होगा और वह, भागतः या पूर्णतः नवी हुई रक्षा नौका के नौदन में प्रभावी होगा।
4. (क) नौद गियर यथेष्ट रूप से सन्निहित होगा और रक्षा नौका में दक्षतापूर्वक लगा होगा।  
(ख) यह सुनिश्चित करने के लिए कि चालकों के हाथ शीत की पराफाष्ठा की वशा में संरक्षित है, किसी भी प्रचालन हेतुल की धातु वाला भाग लकड़ी से भिन्न सामग्री द्वारा उपयुक्त रूप से आच्छादित होगा।
5. नौदन गियर इतनी पर्याप्त शक्ति का होगा कि जब रक्षा नौका इन नियमों द्वारा अपेक्षित अपने उपस्कर और व्यक्तियों को उस पूरी संख्या के बराबर, जिसे वह वहन करने के योग्य है, वितरित भार से लदी हो, जब वह भारत जल में 400 मीटर दूरी तक रक्षा नौका को आगे की दिशा में 3.5 समुद्री मील की गति से नौवित हो सके।
6. नौदन गियर रक्षा नौका को आगे या पीछे नौवित करने में समर्थ होगा और उसमें एक ऐसी युक्ति लगी होगी जिसके द्वारा किसी भी समय जब नौदन गियर प्रचालित हो तो मायिक रक्षा नौका को पीछे या आगे कर सके।

## दसवीं अनुसूची

(नियम 49 देखिए)

## उत्प्लवन साधन के लिए अपेक्षाएं

1. (i) उत्प्लवन साधन ऐसे सन्निर्माण का होगा कि पोट पर मौसम में खुले रहने पर और जल में रहने पर उनका आकार और विशेषताएं बनी रहें ;  
(ii) वह इस प्रकार सन्निहित होगा कि प्रयोग के पहले समायोजन की अपेक्षा न हो।
2. उत्प्लवन साधन उस पोट-परीक्षण को सहन करने में समर्थ होगा जिसकी ऊंचाई उस बैंक की ऊंचाई के समतुल्य होगी जिस पर वह पोट की निर्धारण जल रेखा के ऊपर नौवित है, किन्तु किसी भी वशा में निम्न-लिखित से कम नहीं होगी ;  
बर्ग I और बर्ग III के पोटों में वहन किया जा रहा साधन 18 मी० बर्ग IV के पोटों में वहन किया जा रहा साधन 6 मी०।
3. (i) उत्प्लवन साधन किसी भी तरफ से तैरने पर प्रभावशाली और स्थिर होगा ;  
(ii) वह, साधन के ऊपरी जल के किसी भाग को दुबाए बिना किसी किनारे से प्रति मीटर दूरी पर 23 किलोग्राम (कम से कम 291 किलोग्राम होगा) पकड़ रस्सियों से घसबण जल में लटकाने हुए लोहे भार संभालने में समर्थ होगा।

4. (i) हवा बन्ध बिन्दु या समतुल्य उत्प्लवकता, साधन के किनारों के यथासंभव निकट रखी होगी और ऐसी उत्प्लवकता स्वीति निर्धार नहीं होगी ;

(ii) उत्प्लवक सामग्री पर तेल या तेल उत्पादों का प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा और न ही वह उत्प्लवन साधन पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगी।

5. (1) (i) साधन के चारों ओर पकड़ रस्सियां इस रीति से लगी होंगी कि व्यक्तियों की संख्या के, जिसे सहारा देने के लिए साधन ठीक है, बराबर फंदों की संख्या की व्यवस्था हो जाए ;

(ii) प्रत्येक फंदे में एक कार्क या हल्की लकड़ी का तिरौचा होगा और भीग जाने पर फंदे की गहराई 15 सेंटीमीटर से अन्यून और 20 सेंटीमीटर से अधिक होगी।

(2) (i) समग्र गहराई में 30 सेंटीमीटर से अधिक के साधन पकड़ रस्सियों की दो कतारें लगी होंगी जिसमें एक के संलग्न होने का स्थान, हवा बन्ध बिन्दु के शीर्ष के थोड़ा नीचे और दूसरे का हवा बन्ध बिन्दु के तेल के थोड़ा ऊपर और हवा बन्ध बिन्दु के किनारों के यथा साध्यनिकट होगा।

(ii) समग्र गहराई में 30 सेंटीमीटर या उससे कम के साधन पकड़ रस्सियों की एक कतार गहराई के मध्य की रस्सी से संलग्न हो सकेगी।

(3) (i) पकड़ रस्सियां, परिधि में 5 सेंटीमीटर से कम रस्से की नहीं होंगी ;

(ii) वे डाले के छिद्रों में से निकाल कर और चलन को निवारित करने के लिए गुपी होने पर साधन से संलग्न हो सकेंगी, या ती वे पिटावा लोहे या इस्पात जकड़नों के द्वारा साधन से संलग्न हो सकेंगे ;

(iii) जो भी रीति अपनाई गई हो, संयोजन पकड़ रस्सियों द्वारा साधन को उठाने के लिए पर्याप्त मजबूत होगा।

6. उत्प्लवन साधन कर्षक रस्से से लगा होगा।

7. (i) उत्प्लवन साधन जब तक उसका हाथ से उठाए बिना प्रचलन होने में समर्थ बनाने के लिए उपयुक्त साधनों की व्यवस्था नहीं की जाती है, भार में 181 किलोग्राम से अधिक नहीं होगा ;

(ii) यदि साधन का भार 136 कि० ग्रा० से अधिक है तो इस प्रयोजन के लिए उपयुक्त हेतुल या डण्डी लगाई जाएगी।

8. बर्ग I के पोटों में वहन किया जा रहा उत्प्लवन साधन चौड़ाई में 108 सेंटीमीटर से कम नहीं होगा।

## ग्यारहवीं अनुसूची

(नियम 51 देखिए)

## रक्षा बोटों के लिए अपेक्षाएं

1. हर रक्षा बोट समतल और निरापेक्ष रूप से प्लग किए हुए कार्य या समान रूप से वक्र किसी उत्प्लवक समी से सन्निहित होगा, जिस तर तेल या तेल उत्पादों का प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा और उससे लटकते हुए 14.5 कि० ग्रा० लोहे सहित कम से कम 24 घंटे तक घसबण जल में तैरने में समर्थ होगा।

2. प्लास्टिक या अन्य साधिलष्ट यौगिक से बना हुआ हर एक रक्षा बोट, समुद्री जल या तेल उत्पादों के सम्पर्क में या तापक्रम के परिवर्तन में या खुली समुद्र यात्राओं में होने वाले जलवायु संबंधी परिवर्तनों में अपने उत्प्लवन गुणधर्म और स्थायित्व को बनाने में समर्थ होगा।

3. रक्षा बोटों में नष्ट, कार्क, शीशिंग, बानेदार कार्क या किसी अन्य डीकी बानेदार सामग्री नहीं बरी जाएगी और इसकी उत्प्लवकता उन्नायु कड़ों के ऊपर निर्भर नहीं होगी जिन्हें स्वीत किए जाने की आवश्यकता होती है।

4. (i) रक्षा बोया का भीतरी व्यास 45 सें० मीटर और बाहरी व्यास 76 सें० मीटर होगा ;

(ii) काट का दीर्घ कक्ष दण्ड 15 सें० मीटर होगा ;

(iii) काट का लघुकक्ष दण्ड 10 सें० मीटर होगा ।

5. हर रक्षा बोया, उच्च दृश्यमान वर्ण का होगा ।

6. (i) हर रक्षा बोया, उस पीत के जिसमें वह बहुत किया जाना है नाम और रजिस्ट्री पता से स्पष्ट प्रक्षरों में चिह्नित किया जाएगा ।

(ii) कार्ब से मिश्र सामग्री से सज्जित रक्षा बोया, उस उत्पाद के लिए विनिर्दिष्ट के व्यापार नाम से स्थायी रूप से चिह्नित किया जाएगा ।

7. हर रक्षा बोये में पकड़ रस्सियां लगी होंगी जो अच्छी क्वालिटी के न बुनने योग्य रस्से की होंगी और बार समदूरस्थ स्थानों पर अच्छी तरह बन्नी होंगी जिनसे चार रस्से के फंसे बन जाएं और प्रत्येक फंदा 70 सें० सी० से कम न हो ।

8. नव निर्मित होने पर रक्षा बाये का भार 6.1 कि० ग्रा० से अधिक नहीं होगा ।

#### बारहवीं अनुसूची

(निधम 53 देखिए)

रस्ती प्रक्षेपण साधनों के लिए अपेक्षाएं

1. हर रस्ती प्रक्षेपण साधन में 4 जॉकेट और 4 रस्ती होंगी प्रत्येक रस्ती परिधि में 12.7 मिलीमीटर और यथाचित लंबाई की होगी जिनका, भजन बिन्दु 114 कि० ग्रा० से अन्यतः हो ।

2. हर रस्ती प्रक्षेपण साधन ऐसी रीति से रस्ती प्रक्षेपित करने में समर्थ होगा, कि फायर करने की दिशा, की प्रत्येक और रस्ती का, पार्श्विक मोड़ राकेट की उड़ान के दस प्रतिशत से अधिक न हो ।

3. रस्सियां और राकेट उनके प्रज्वलित करने के साधनों सहित जल-रोधी डिब्बे में रखे जाएंगे ।

4. लंबाई में 44 मीटर या उससे अधिक के पीतों में बहुत किया जा रहा हर रस्ती प्रक्षेपण साधन परिधि में 12.7 मिलीमीटर की रस्ती को शांत मौसम में 230 मीटर की न्यूनतम दूरी तक प्रक्षेपित करने में समर्थ होगा ।

5. लंबाई में 44 मीटर या उससे अधिक के पीतों में बहुत किया जा रहा हर रस्ती प्रक्षेपण साधन, परिधि में 12.7 मिलीमीटर की रस्ती को शांत मौसम में 123 मीटर की न्यूनतम दूरी तक प्रक्षेपित करने में समर्थ होगा ।

6. (i) राकेटों के सभी संघटक, संरचनाएं और अवयव और उनको प्रज्वलित करने के साधन ऐसे स्वरूप और ऐसी क्वालिटी के होंगे कि कम से कम दो वर्ष की अवधि तक अच्छी भीतत सफाईकरण वशाओं के प्रसीत उनकी उपयोगिता बनाए रखने में उन्हें समर्थ बनाएं

(2) जिस तारीख को राकेट भरा जाता है वह राकेट और उसके बाह्य पर प्रमित रूप से स्टांपित की जाएगी और पैक करने की तारीख कारतुल बाह्य पर इसी प्रकार स्टांपित की जाएगी ।

#### तेरहवीं अनुसूची

[निधम 54(1), (का), (ब), (ड), (ण), (त) और (प) और 58 (1) (स), (ड) और (ड) देखिए]

रक्षा नौकाओं, नौकाओं और बनाव तरावों के लिए उपस्कर के विनिर्देश

#### भाग - I

रक्षा नौकाओं के लिए कम्पास

1. (i) हर कम्पास द्रव प्रकार का होगा ।

(ii) प्रयुक्त द्रव, औद्योगिक मैथिलित स्पिरिट और जल का मिश्रण होगा, जिसका विशिष्ट गुरुत्व 15.5 सें० पर 0.93 होगा । वह — 23.5° सेंटीग्रेड से +49° सेंटीग्रेड के माप पर प्रभावशाली रूप से कार्य करेगा ।

2. (i) चुंबक का पर्याप्त - वैशिक बन होगा ।

(ii) लगभग 15.5° सें० तापमान पर 40° के विक्षेप के पश्चात् 18 से 22 सेकेंड तक की अवधि, इस अपेक्षा का अनुपालन करने वाली समझी जाएगी । इस पैरा के प्रयोजनों के लिए "अवधि" वह समय है जो 40° के विक्षेप के पश्चात् कार्य के पूर्ण बीतने में, उसकी विश्राम स्थिति से हो कर एक पैंग और उस दिशा में जितने वह भूतः बिभ्रित हुआ था, वापस लौट कर अपने पैंग को पूरा करने में, लगता है ।

3. -23° सेंटीग्रेड से +49° सेंटीग्रेड के रेंज में कार्ड प्रणाली 4 और 10 ग्राम के बीच भार सहित, कम्पास द्रव में तैरता होने पर धुरे पर स्थिर रहेगा ।

4. (i) कार्ड, व्यास में 10 सेंटीमीटर से कम नहीं होगा और कम्पास कटोरी से उसकी दूरी कम से कम 7 मिलीमीटर होगी ।

(ii) यह कार्ड बिन्दुओं पर चिह्नित की जाएगी और आठ मुख्य बिन्दु स्पष्ट रूप से चिह्नित किए जाएंगे । कार्ड प्रदीप्त होगा या प्रदीप्त के यथोचित साधन उसमें लगे होंगे ।

5. कार्ड का केन्द्र नीलम या समान रूप से यथोचित कठोर सामग्री का होगा ।

6. कार्ड का धुरा हरीडियम या समान रूप से यथोचित कठोर सामग्री का होगा ।

7. द्रव के प्रसार और संकुचन के लिए की गई व्यवस्थाएं ऐसी होंगी कि कम्पास को, सीक किए बिना, बुलबुले बने बिना या अन्य खोबों के बिना, —23.5° सेंटीग्रेड से +49° सेंटीग्रेड के ताप रेंज को सहन कर सके ।

8. (i) कम्पास कटोरी उन जिम्बनों में पर्याप्त रूप से तौनी हुई होगी और समुचित रूप से रखी होगी जो पीत के आगे पीछे और जोड़ाई की ओर कार्य कर सकेंगी ।

(ii) जिम्बल लगाना उसी क्षैतिज स्थान में होगा जिनमें कार्ड के जलम्बल का बिन्दु है और बाहरी जिम्बल पिने भागे रखी होगी ।

(iii) कटोरी, जिनैकन, या अनुप्रयोग सामग्री के ब्रक में रखी होगी और लबर लाइन या बिन्दु प्रदीप्त होगा या प्रदीप्त के यथोचित साधन उसमें लगे होंगे ।

(iv) जब कम्पास कटोरी 10 डिग्री नत हो तो कार्ड प्रणाली मुक्त रहेगी ।

9. (i) कार्ड के केन्द्र से लबर लाइन या बिन्दु की दशा उसी उर्ध्वर स्थान में रहेगी जिसमें बाहरी जिम्बल अक्ष या अन्य भागे पीछे दस्त रेखा है ।

(ii) कार्ड, धुरा, वैशिक और अन्य तत्सम लुटियां और लबर के बिन्दु के वृत्तिपूर्ण स्थित होने का संकलित प्रभाव ऐसा होगा कि पृथ्वी के अवि-क्षय क्षेत्र में लबर बिन्दु के सामने कार्ड पर पड़ी गई दिशा में, बाहरी जिम्बल अक्षकी चुंबकीय दिशा या भागे पीछे दस्त-रेखा से पश्चात् वर्तों की किसी दिशा के लिए 3 डिग्री से अधिक अन्तर होगा ।

10. (i) कम्पास के सन्निर्माण में प्रयुक्त धातु की न्यूनतम मोटाई निम्नलिखित होगी :—

कम्पास कटोरी — 21 एस० डब्ल्यू० जी०

कम्पास बक्स (जिनैकल) — 24 एस० डब्ल्यू० जी०

पीप — 24 एस० डब्ल्यू० जी०

(ii) (क) कम्पास कटोरी जिम्बल पिनों को लेने के लिए दश रूप से मजबूत की जाएगी।

(ख) बिनाकल आधार रिंग में स्प्रिंग या स्पून किया जाएगा और भारों तयक सॉल्वर किया जाएगा।

(iii) (क) जिम्बल रिंग, जहाजी पीतल की या अन्य 16 मि० मि० × 3.1 मि० मी० वृद्ध प्रचुंबकीय धातु का होगा।

(ख) जिम्बल पिनें, जहाजी पीतल की या अन्य कठोर प्रचुंबकीय सामग्री की होंगी और 6.2 मि० मी० व्यास की होंगी; वे और बिपरीत दिशा में वे लगी हों, दोनों ही पूर्ण रूप से बिकनी होंगी।

11. कम्पास कटोरी के अन्दर के बिन्दु से स्फोटन का कोई चिन्ह दृश्य नहीं होगा।

12. सामग्री और कारीगरी अप्रामाण्य प्रच्छी होगी और कम्पास ऐसा होगा जो समुद्र में जाने की दशाओं के अधीन कार्यरत रहेगा।

(13) कम्पास कटोरी पर बनाने वाले का नाम या अन्य पहचान चिन्ह उत्कीर्ण या स्टाम्पित होगा।

### भाग-III

बर्ग ग नौकाओं से बिलख रक्षा नौकाओं और नौकाओं के किरमिच लंगर।

1. हर किरमिच लंगर निम्नलिखित अवस्थाओं का अनुपालन करेगा :

(क) वह नंबर 1 सर्वोत्तम सन कैनवस या अन्य यथोचित सामग्री से बना होगा ;

(ख) कैनवस भाग मजबूती से मिला हुआ और जोड़ों पर 44 मि० मी० की फल रस्सी से बंधा होगा ; तब रस्से लंगर की साँक के रूप में बनाए जाएंगे और थिबल, संयोजन विरों में होनी से बांधे जाएंगे और रस्से पारलल फंसे में रोक रस्सी के लिए लगाव बनाने के लिए विस्तारित होंगे और होनी से बांधे जाएंगे ;

(ग) एक तीन पान, थिबल को लेने के लिए यथोचित आकार की एक शैकल द्वारा किरमिच लंगर से संलग्न होगा ;

(घ) तीसपान की लंबाई, रक्षा नौका या नौका की लंबाई के तीन गुनी होगी ;

(ङ) तीसपान से दो फीट्स लंबी एक रोक रस्सी की व्यवस्था की जाएगी।

2 (i) एक वृत्ताकार किरमिच लंगर, मुंह पर जस्तेदार लोहे के एक हुक सहित लगा होगा।

(2) किसी अन्य प्रकार का किरमिच लंगर, मुंह के आधार पर जस्तेदार प्रसारक साधन से लगा हुआ और ऊपरी किनारे पर एक शीश प्रसारक साधन से लगा होगा।

3. किरमिच लंगरों का आकार निम्नलिखित होगा—

(क) 9 मीटर से अधिक लंबी

रक्षा नौकाओं के लिए

अवतारक बंध होने वाले

किरमिच लंगर

मुंह 76 सें० मी०,

ऊपरी किनारा 68 सें० मी०,

निचला किनारा 69 सें० मी०

प्रत्येक ओर।

मुंह का क्षेत्रफल 50 वर्ग डेसी

मीटर।

कैनवस घेने की लंबाई 1.37 मीटर

तीसपान परिधि में 76 मि० मी०

रोक रस्सी परिधि में 51 मि० मी०

(ख) उन रक्षा नौकाओं के लिए जिनकी लंबाई 9 मीटर से अधिक नहीं है।

7 मीटर लंबी किन्तु 9 मीटर से अधिक लंबी नहीं।

वृत्ताकार किरमिच लंगर मुंह व्यास 68 सें० मी० अवतारक बंध होने वाले

किरमिच लंगर मुंह 61 सें० मी० प्रत्येक ओर

किरमिच कैनवस की लंबाई 1.2 मीटर

लंबाई

तीसपान परिधि में 76 मि० मी०

रोक रस्सी परिधि में 51 मि० मी०

(ग) रक्षा नौकाएं जो 6.7 मीटर से अधिक लंबी नहीं हैं और अन्य नौकाओं के लिए (बर्ग ग नौकाओं से भिन्न)

वृत्ताकार किरमिच लंगर प्रत्येक ओर मुंह 61 सें० मी० व्यास अवतारक बंध होने वाले

किरमिच लंगर मुंह 55 सें० मी० प्रत्येक ओर

कैनवस घेने की लंबाई 1 मीटर

तीसपान परिधि में 64 मि० मी०

रोक रस्सी परिधि में 38 मि० मी०

### भाग-III

रक्षा नौकाओं और बचाव तरापों के लिए छतरी संकट राकेट संकेत।

1. (i) हर एक छतरी संकट राकेट संकेत में एक चमकीला लाल तारक होगा जो एक राकेट द्वारा अपेक्षित ऊंचाई तक प्रक्षेपित किया जाता है और जो गिरने समय जलता है, इसके गिरने की दर एक छोटी छतरी द्वारा नियंत्रित होने पर 4.5 मी० प्रति सेंकेंड प्रीयत दर तक होनी है।

(ii) उसमें प्रज्वलन के स्वतः पूर्ण साधन लगे होंगे, जो हम प्रकार डिजाइन किए गए होंगे कि बाहरी सहायता के बिना हस्त धारित स्थिति से प्रचलित हो सके और अधिमोहनों को विर्या हानि के बिना राकेट को रक्षा नौका, नौका या बचाव तरापे से छोड़ने में समर्थ बनाए।

2. (i) जब राकेट लगभग उर्ध्वगिर फायर किया जाता है तो तारक और छतरी, कम से कम 183 मीटर की ऊंचाई पर प्रक्षेपण के शीर्ष पर या उससे पहले उद्घोषित होंगे।

(ii) राकेट समजल से 45 डिग्री के कोण पर फायर किए जाने पर भी कार्य करने में समर्थ होगा।

3. (i) तारक, कम से कम 30 सेंकेंड के लिए कम से कम 15000 कैंडल शक्ति की दीप्ति में जलेगा।

(ii) यह, समुद्र सतह से कम से कम 45 मीटर ऊंचाई पर जल जाएगा।

4. (i) छतरी ऐसे आकार की होगी या बनें हुए तारक के गिरने की दर का अपेक्षित नियंत्रण कर सके।

(ii) यह तारक से, सम्य अग्नि सड़ कबल द्वारा संलग्न होगा।

5. राकेट जलपट्ट होगा और एक मिटर तल जल निम्न रहने के पश्चात् संतोषजनक रूप से कार्य करने में समर्थ होगा।

6. सभी संयुक्त, संरचना और प्रयत्न ऐसे स्वतंत्र और बहाल्वि के होंगे जो कम से कम दो वर्ष की अवधि तक अच्छी औरत संभारकण दशाओं के अधीन हल का उपयोग बनाए रखने में समर्थ बनाएं।

9. प्रयोग के लिए स्पष्ट और संक्षिप्त निर्देश अंग्रेजी और हिन्दी भाषा में राकेट पर अमिट रूप से भक्षित किए जायेंगे।

7. प्रयोग के लिए स्पष्ट और संक्षिप्त निदेश अंग्रेजी और हिन्दी भाषा में संकेत पर अमिट रूप से मद्रित किए जाएंगे।

6. प्रयोग के लिए, गण्ड और संक्षिप्त विशेष प्रश्नों की ग्रीक हिन्दी भाषा में संकेत पर अमिट रूप से सक्षिप्त किए जाएंगे ।

(ख) यह ऐसे कमरे में पैक किया जाएगा जिसमें यथासंभव बायु मंजुरीय तभी निषाक्त हो गई है।

- (ग) जहाँ आधान धातु का बना हुआ है, वहाँ यह अच्छा फलईदार और लैकर किया हुआ होगा और टक्कन में हैडल लगा होगा।
- (घ) अर्न्तवस्तुओं की मदवार सूची आधान के बाहर दी जाएगी।

## भाग VII

## रक्षा लेब(ओं) के लिए हस्तलिखित पम्प

हर एक रक्षा नौका हस्त-आलित पम्प निम्नलिखित अपक्षाओं का अनुपालन करेगा :

1. जब 1.2 मीटर की ऊँचाई से नृपण पर प्रति मिनट अधिक से अधिक 60 डबल स्ट्रोक पर प्रचालित हो तो धारिता निम्नलिखित से कम नहीं होगी :

(क) 7.8 मीटर या उससे अधिक लम्बी रक्षा नौकाओं में 32 लिटर प्रति मिनट, या

(ख) 7.3 मीटर से कम लंबी रक्षा नौकाओं में 23 लिटर प्रति मिनट।

2. अपनी प्रसामान्य शुष्क स्थिति में (आन्तरिक शीम या अन्य गहायता को अपवर्जित करके) पम्प जब कम से कम 1-2 मीटर की ऊँचाई से नृपण पर प्रचालित हो तो सरलता से अपक्रमणीय होगा।

3. पंप के सभी भाग समुद्र जल में संक्षारक प्रभाव से न प्रभावित होने वाली सामग्री के होंगे।

4. पम्प का अर्न्तभाग जिसमें वाल्व भी सम्मिलित है, आधान सफाई के लिए सरलता से पहुँच योग्य होगा और पहुँच के लिए टक्कन, स्पेयर या अन्य विशेष औजार के प्रयोग के बिना आधानी से हटाए जा सकेंगे।

5. पम्प शाखाएँ कम से कम 32 मि०मी० आन्तरिक परिधि में रबर होज संबंधनों के साथ प्रयोग के लिए यथोचित होंगी। प्रचालन हैडल का धातु भाग यह निश्चित करने के लिए कि जब पम्प अत्यधिक वेडक में प्रयुक्त किया जाए तो आलक के हाथ संरक्षित रहें, यथोचित रूप से लकड़ी से बिल्ल सामग्री से उच्छादित होगा। स्पिडिंग रजैड, स्प्रिड भारित सील इस प्रकार का होगा।

## भाग VIII

1. इस भाग के पैरा 2 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, बचाव तरापे में व्यवस्थित हर एक प्राथमिक उपचार उपकरण बस्म में निम्न-लिखित होंगे।

- | वस्तु  | मात्रा |
|--|--------|
| (क) मानक ड्रेसिंग 14 नंबर की मध्यम बोपीसी 15 सें० मी० × 10 सें० मी०  | 4      |
| (ख) मानक ड्रेसिंग 15 नंबर की बड़ी बोपीसी 20 सें० मी० × 15 सें० मी०   |        |
| (ग) कम से कम 95 सें० मी० चौड़ी, 1.25 मीटर आध्वार की त्रिकोण, निदर्श चिह्न सहित पट्टियाँ  | 4      |
| (घ) विवृत संग्रहित पट्टियाँ बोपीसी 8 सें० मी० × 3.5 मी०  | 10     |
| (ङ) जल या धातु की ऐन्टिसेप्टिक बीम, मेट्रिमाइड बोपीसी 05 प्रतिशत इथेनॉल-इथेनॉल 50 ग्राम की ट्यूब   | 2      |
| (च) मोरबा रहित और जंग रोधी इस्पात की 10 सें० मी० की कैची जिसकी 1 धार तेज, 1 धार बंद हो।  |        |
| (छ) स्कूटीपी वाले धातु पीप में प्रयोग के लिए निदेशों सहित छह मारफीन एम्पूलसिरोज जिनमें या तो मारफीन नृपण जो 1 घन सें० मी० 1/4 ग्राम निजेल मारफीन के समतुल्य हो या 1 घन सें० मी० 1/2 ग्राम पैपावरैटम बोपीसी का विलयन हो | 1 पीपा |

(ज) निनेन या जलमह कागज पर मुद्रित अंग्रेजी और हिन्दी भाषा में अनुदेश।

2.21.3 मीटर से कम लम्बाई के वर्ग 8 के पोतों में हर एक रक्षा तरापे में व्यवस्थित प्राथमिक उपचार उपकरण बस्म की अर्न्तवस्तुएं, इस भाग के पैरा 1 के खंड (क) में, जिसमें ये खण्ड भी सम्मिलित हैं, विनिर्दिष्ट मात्राओं की आधी तथा उक्त पैरा के खंड (च) और (ज) में विनिर्दिष्ट मदों सहित होंगी।

3. प्राथमिक उपचार उपकरण बस्म एक आधान में पैक किया जाएगा जो टिकाऊ आदनामद और प्रभावशाली रूप से मुद्राबंद किया जाएगा। अर्न्तवस्तुओं की मदवार सूची आधान के बाहर दी जाएगी।

## बौद्धिक अर्न्तसूची

[नियम 60 (9) देखिए]

डेविट और रक्षा नौका अवतरण गियर

## भाग 1

## साधारण

"कार्यकारी भार" की परिभाषा इस अनुसूची में "कार्यकारी भार" पद से निम्नलिखित अश्वित है —

(क) उन डेविटों के संबंध में जिनकी भाग 2 के पैरा 1 का खंड (क) लागू होता है, रक्षा नौका, उसके पूरे उपस्कर, दराबी और रस्से और व्यक्तियों की, प्रत्येक व्यक्ति का भार 75 कि० ग्रा० माना जाएगा, अधिकतम संख्या, जिसे वहन करने के लिए रक्षा नौका ठीक समझी गई है, भार का योग।

(ख) उन डेविटों और अवतरण के अन्य साधनों के संबंध में जिनकी भाग 2 के पैरा 1 का खंड (ख) या (ग) लागू होता है रक्षा नौका, वर्ग ग नौका, या अन्य नौका, उसके पूरे उपस्कर, दराबी रस्से और दो व्यक्तियों से मिलकर बने प्रत्येक व्यक्ति का भार 75 कि० ग्रा० माना जाएगा अवतरण कर्मियों के भार का योग।

(ग) विषों के संबंध में अवतरण करने उल्लिखित करने या भरित करने के दौरान बॉल पीपे पर रस्से या रस्से से लगाया गया अधिकतम कर्षण जो किसी भी दशा में डेविट या डेविटों पर कार्यकारी भार को अवतरण करने वाले टेकन के वेग अनुपात द्वारा विभाजित करके निकाला जाए, उससे कम नहीं होगा।

## भाग 2

## सन्निर्माण

1. सामर्थ्य: (क) रक्षा नौका में लगा हुआ हर एक डेविट जो उसके व्यक्तियों की पूर्ण सहायता से लड़े होने पर चल में रखे जाने के लिए नियम 60 के उप-नियम (1) द्वारा अपने बिच, रस्से दराबी और अन्य सभी गहायता अवतरण गियर सहित ऐसी सामर्थ्य के होंगे कि उनके पूरे उपस्कर और उन से कम दो व्यक्तियों के अवतरण कर्मियों सहित रक्षा नौका अवतरित हो नगे और जलपोत में 10 डिग्री की गति है और किसी और 15 डिग्री झुका हुआ है तब व्यक्तियों की पूर्ण संख्या सहित नौकागृह स्थिति से गुंथापूर्वक जन में अवतरित हो सके।

(ख) हर यंत्र नियमित एकल-पुत्र डेविट अपने बिच, रस्से दराबी और अन्य सभी गहायता अवतरण गियर सहित ऐसी सामर्थ्य के होंगे और प्रचालन गियर ऐसी शक्ति का होंगा कि रक्षा नौका पूर्ण रूप से उल्टकर और दो सदस्यों के अवतरण कर्मियों सहित जन से बाहर निकाली जा सके और पाप के 25 डिग्री झुके होने में जन में गुरुत्वाकर्षक अवतरित हो सके।

(ग) उन डेविट से बिना त्रिकोणी सामर्थ्य उस पैरा के खंड (क) और (ख) में विनिर्दिष्ट है डेविटों का हर एक सेट, डेविट या अवतरण

के अन्य साधन जिससे कोई रक्षा नौका, वर्ग 'ग' नौका या अन्य नौका संलग्न है अपने बिच, रस्से, दराबी और अन्य सहयुक्त अवतरण गियर सहित ऐसी सामर्थ्य का होगा कि उसके पूर्ण उपस्कर और दो सवयों के अवतरण कर्मीवल सहित रक्षा नौका, वर्ग 'ग' नौका या अन्य नौका, जब पोत में 10 डिग्री की गति है और किसी और 15 डिग्री झुका हुआ है, जल से बाहर निकाली जा सके और जल में सुरक्षापूर्वक अवतरित हो सके।

(घ) डेविटों का हर एक सेट डेविट या अवतरण के अन्य साधन जिससे रक्षा नौका, वर्ग 'ग' नौका या अन्य नौका संलग्न है, अपने बिच और सभी सहयुक्त उत्तोलन गियर सहित ऐसे सामर्थ्य के होंगे कि नौका अपने पूरे उपस्कर और कम से कम दो व्यक्तियों के होने पर सुरक्षापूर्वक उत्तोलित हो सके और नौगरित हो सके और इसके अतिरिक्त आपात रक्षा नौका की दशा में अपने पूरे उपस्कर और 1016 कि० ग्रा० के वितरित भार से लदे होने पर प्रति मिनट कम से कम 18 मीटर की गति से वह सुरक्षापूर्वक जल में आरौहण एक पर उत्तोलित हो सके।

2-गुणत्व डेविट.—(1) सभी गुणत्व डेविट इस प्रकार डिजाईन किए जाएंगे कि जलयान के सीधे खदे होने पर और उसके सीधे किसी और 25 डिग्री तक या उसकी सम्मिलित करने हुए झुके होने पर पोत के भीतर से उसके बाहर स्थिति तक सम्पूर्ण डेविट की पूरी चाल के दौरान अवतरण की घनात्मक स्थिति हो।

(2) उन गुणत्व प्रकार के डेविटों जो रोलरो पर भुजा रोहण से बने हैं और जो आमत पटरी पर लगे हैं और चलते हैं, की दशा में पटरी जलयान के सीधे सखरी होने पर अनिज से कम से कम 30 डिग्री के कोण पर आनत होगी।

3. लफिंग डेविट सभी लफिंग डेविटों के प्रचालन गियर यह सुनिश्चित करने के लिए, पर्याप्त शक्ति के होंगे कि पूर्ण रूप से उपस्करित और अवतरण कर्मीवल सहित किन्तु जो अन्य व्यक्तियों से लदे नहीं है रक्षा नौकाएं, वर्ग 'ग' नौकाएं या अन्य नौकाएं कम से कम 15 डिग्री के झुकाव के विरुद्ध निकाली जा सकें।

4. यन्त्र नियंत्रित एकल भुज डेविट.— किसी यन्त्र नियंत्रित एकल भुज डेविट का कार्यकारी भार 1524 किलोग्राम से अधिक नहीं होगा।

5. प्रतिबल.—(क) यन्त्र नियंत्रित एकलभुज डेविटों में भिन्न डेविटों की दशा में अधिकतम भार और गति तथा झुकाव की दशाओं के अधीन प्रचालित होने पर डेविट भुजाओं पर परिकल्पित प्रतिबल प्रयुक्त सामग्री की क्वालिटी सन्निर्माण की रीति और भार की वास्तविक प्रकृति जिसके अधीन डेविट हैं, की दृष्टि में रखने हुए पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करेगा।

(ख) यंत्र नियंत्रित एकल भुज डेविटों की दशा में अधिकतम भार और अनुकूल झुकाव की दशाओं में प्रचालित होने पर डेविट पर परिकल्पित प्रतिबल प्रयुक्त सामग्री की क्वालिटी, सन्निर्माण की रीति और भार की वास्तविक प्रकृति जिसके अधीन डेविट हैं, को दृष्टि में रखने हुए पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करेगा।

6. स्थैतिक भार परीक्षण प्रत्येक डेविट अपनी भुजा सहित सीमा से पूर्ण रूप से बाहर होने पर भुजा के द्वारा संभावे गए कार्यकारी भार के इस भाग से कम से कम 2-1/2 गुना के स्थैतिक भार परीक्षण को सहने में समर्थ होगा।

7. डेविट शीर्ष पर संयोजन.—डेविट के शीर्ष पर संयोजन जिससे दराबिया लटकी हुई हैं, संयोजनों पर अधिकतम भार के कम से कम 2-1/2 गुने के प्रमाण भार परीक्षण का सहने में समर्थ होगा।

8. दराबिया (क) (1) रक्षा नौकाओं, वर्ग 'ग' नौकाओं या अन्य नौकाओं के उत्तोलन और अवतरण के प्रचालन में प्रयुक्त सभी दराबिया ऐसे डिजाईन की होगी कि पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करें।

(2) निचली दराबिया जब लगी हों तो डगमगाने के बानी नहीं होंगी और आपात रक्षा नौकाओं की दशा में एकल होने से रस्सों के निवारित करने के लिए व्यवस्था की जाएगी।

(3) दराबी का आकार रस्से के समानुपातक होगा।

(ख) (1) धातु दराबी अधिकतम भार के कम 2-1/2 गुने के जिसे यह सेवा में बहन करने के लिए आणयित है, प्रमाण भार परीक्षण को सहने में समर्थ होगी।

(2) धातु दराबी चक्रिका और दराबी गहने के बीच जिसमें तार रस्सा प्रयुक्त किया जाता है, दूरी यथासंगत न्यूनतम रखी जाएगी, जो किसी दराबी या अवचक्रिका के रिस के ऊपर चढ़ने से रस्सी को निवारित करेगी।

(3) दराबियों के, उनकी चक्रिका में भिन्न संघटक भाग बन्द सामग्री के होंगे।

(ग) लकड़ी की दराबी, दराबी पर भार के कम से कम 2-1/2 गुना के प्रमाण भार को सहने में समर्थ होगी। गहनों के बीच चौड़ाई जब तथा कार्डेज परिधि में 4-6 से० मी० हो तब उसके व्यास में 12-7 मि० मी० अधिक होगी और रस्सी के उनसे छोटे होने पर उनकी परिधि अनुपात में कम होगी।

9. तार रस्से :—(क) रक्षा नौकाओं, वर्ग 'ग' नौकाओं या अन्य नौकाओं को अवतरण करने के लिए प्रयुक्त प्रत्येक तार रस्से का तनन भार अवतरण करने, उत्तोलन करने या नौधरण के समय रस्से पर अधिकतम भार छः गुने से कम नहीं होगा।

(ख) तार रस्से बिच के पीपे से मजबूती से संलग्न होंगे और तारों के सिरे संयोजन और अन्य भाग जिससे रक्षा नौका, वर्ग 'ग' नौका या अन्य नौका लटकाई जाती है, वे संयोजनों और अन्य भागों पर भार के कम से कम 2-1/2 गुना प्रमाण भार को सहने में समर्थ होंगे।

(ग) जहां तार रस्सी जोड़ या पट्टी से फजबूत किए गए अक्षिपट्ट प्रयोग किए जाते हैं, वे सेवा में उन पर रखे भार के कम से कम 2-1/2 गुने के प्रमाण भार को सहने करने में तब तक समर्थ होंगे जब तक कि तार के प्रत्येक प्रकार के नमूने जिस पर वे प्रयुक्त किए गए हैं जब वे तष्ट करने के लिए परीक्षित किए जाएं सुरक्षा का कम से कम 5 गुणन-खण्ड दर्शाते नहीं करते।

10. बिच (क) (1) यंत्र नियंत्रित एकलभुज डेविटों से बिच डेविटों की दशा में बिच पीपों की दोनों रस्सों को पृथक रखने के लिए और उन्हे तत्काल दूर से रस्सों को ढीला करने में समर्थ बनाने के लिए व्यवस्था की जाएगी।

(2) तार रस्से की लपेटन ऐसी होगी कि वे पीपों पर समरूप से लपेटे जाएं और भ्रम दराबी की, खांचेदार पीपों के लिए अधिक से अधिक पाँच डिग्री और बिना खांचेदार पीपों के लिए तीन डिग्री अग्रता कोण बनाने के लिए, व्यवस्था की जाएगी।

(3) यंत्र नियंत्रित एकल भुज डेविटों की दशा में तार रस्से की लपेटन ऐसी होगी कि रस्सी पीपे पर समरूप से लपेटी जाए।

(ख) (1) बिच ब्रेक दृढ़ सन्निर्माण का होगा और अवतरण करने की संक्रिया में पूर्ण नियंत्रण और गति को सीमित करेगा;

(2) हाथ ब्रेक की इस प्रकार व्यवस्था की जाएगी कि सामान्यतः यह "जारी" स्थिति में हो और जब नियंत्रक हेंडस प्रचालित नहीं हो रहा हो तो "जारी" स्थिति को लीट आए।

(3) ब्रेक लीवर पर भार, बिना अतिरिक्त दाब के प्रभावशाली रूप से ब्रेक को खालू करने के लिए पर्याप्त होगा;

(4) यह सुनिश्चित करने के लिए कि रक्षा नौका, वर्ग 'ग' नौका या अन्य नौका, सुरक्षा के अनुरूप अवतरण करने की दर को बिना बढ़ाए,

शीघ्रता से अवतरण की जाती है, तो ब्रेक गियर में अवतरण की गति की स्वतः नियंत्रित करने के लिए साधन सम्मिलित होंगे।

(5) इस प्रयोजन के लिए स्थापित ब्रेक इस प्रकार सेट की जाएगी कि रक्षा नौका को अवतरण करने की गति 18 मीटर और 36 मीटर प्रति मिनट के बीच हो;

(6) रक्षा नौका जिनकी की हाथ ब्रेक यंत्र रचना में रेवेल गियर लगे होंगे।

(7) जहाँ साध्य हो ब्रेक साधन इस प्रकार स्थित होगा कि बिजु को प्रभावित करने वाले व्यक्ति को, जल में अवतरण करने की सम्पूर्ण प्रक्रिया के दौरान रक्षा नौका वर्ग 'ग' नौका या अन्य नौका का सम्प्रक्षेपण करने में समर्थ बनाए परन्तु यह तब जब कि आपात रक्षा नौकाओं की सेवा में उसे बिजु किसी भी दशा में इस प्रकार रखे हुए होंगे।

(ग) प्रत्येक बिजु भाग 1 की गव (ग) में यथा परिभाषित कार्यकारी भार के 1.5 गुना परीक्षण भार का अवतरण करने और धारण करने में समर्थ होगा।

(घ) बिजु इस प्रकार सम्मिलित होंगे कि जब रक्षा नौका, वर्ग 'ग' नौका या अन्य नौका का अवतरण हो रहा हो या उसे शक्ति से उत्सोषित किया जा रहा हो तो बिजु के भागों के गतिमान हिस्से द्वारा फ्रैक हैबल या हैबल बूम न जाए और रस्सों को हाथ से खोलने के लिए व्यवस्था की जाएगी।

#### 11 काइज रस्से :-

- (1) काइज रस्से सनी मनीला या किसी अन्य उपयुक्त सामग्री के होंगे और टिकाऊ, न गूँटने वाले, दृढ़ रखे हुए और मचकदार होंगे।
- (2) वे किसी भी दशा में रस्से के नियत व्यास से 1 से० मी० बड़े छिद्र से, मुक्त रूप से गुजरने योग्य होंगे।
- (3) रक्षा नौका, वर्ग 'ग' नौका या अन्य नौका के अवतरण के लिए प्रयुक्त प्रत्येक रस्से का भजन भार अवतरण करने या उत्सोषित करने समय रस्से पर अधिकतम भार के 6 गुने से कम नहीं होगा;
- (4) रक्षा नौका रस्से के लिए, परिधि में 6.3 से० मी० से कम का रस्सा प्रयुक्त नहीं होगा। मनीला नीला रस्से के लिए लपेटन रीलें या परम बक्से की व्यवस्था की जाएगी।

#### 12. रक्षा स्तम्भ-

- (1) उन सभी दशाओं में जहाँ काइज रस्से प्रयुक्त किए जाते हैं, किसी रक्षा नौका वर्ग, 'ग' नौका या अन्य नौका के अवतरण के लिए यथोचित रक्षा स्तम्भों या समान रूप से अन्य प्रभावशाली साधनों की व्यवस्था की जाएगी।
- (2) ऐसे रक्षा स्तम्भ या अन्य साधन ऐसे स्थित होंगे जो यह सुनिश्चित करें कि उनसे सेवा की जा रही रक्षा नौका, वर्ग 'ग' नौका या अन्य नौका सुरक्षा पूर्वक अवतरण हो सके, और रस्सी मार्ग-दर्शक या अन्य शक्ति इस प्रकार लगी होगी कि जो यह सुनिश्चित करें कि वह, बाहर निकालने या झूलने की प्रक्रिया के दौरान उत्पातित नहीं होंगी।

(भाग 3)

#### बोर्ड पर प्रतिष्ठापन के पश्चात् परीक्षण

1. साधारण :- यह सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण किया जाएगा कि डेविटों से संलग्न सभी रक्षा नौकाएं, वर्ग 'ग' नौकाएं या अन्य नौकाएं अपेक्षित उपस्कर से लदी होने पर नौरोहण स्थिति से सुरक्षापूर्वक और

सुरक्षामापूर्वक पुनः नौचरित की जा सकें। और इस प्रकार लदी होने पर रक्षा नौका वर्ग 'ग' नौका या नौका, जब अधिसूक्त हो तो बिजु रस्से, दराबी और अन्य सहयुक्त गियर के धर्पण प्रतिलोभ के विशिष्ट जल में गुरुत्व द्वारा अवतरित हो सके।

2 अवतरण परीक्षण --(क) डेविटों का प्रत्येक जाड़ा जिनकी भाग 2 के पैरा (1) का खण्ड (क) लागू होता है और कोई सहयुक्त रक्षा नौका, बिजु और उनके ब्रेक निम्नलिखित परीक्षण सहने में समर्थ होंगे :-

(क) डेविटों के प्रत्येक सेट में रक्षा नौका, इन नियमों द्वारा अपेक्षित उपस्कर से और व्यक्तियों की पूरी संख्या जिससे स्थान देने के लिए यह ठीक समझी गई है तथा 10 प्रतिशत कार्यकारी भार के बराबर वितरित भार से लदी, नौरोहण ब्रेक से जल में अवतरित की जाएगी, खुले मौसम में रखे गए बिजु ब्रेक गीली ब्रेक तल सहित पूर्ववर्ती परीक्षण सहने करने में समर्थ होंगे।

(ख) उन डेविटों की दशा में जिनकी भाग 2 के पैरा (1) का खण्ड (ख) या (ग) लागू होता है, रक्षा नौका, वर्ग 'ग' नौका या अन्य नौका, इन नियमों द्वारा अपेक्षित उपस्कर और दो व्यक्तियों के अवतरण कर्षादल के भार घन कार्यकारी भार के 10 प्रतिशत के बराबर वितरित भार सहित जल में अवतरित की जाएगी।

(ग) खण्ड (क) और (ख) के अधीन अपेक्षित परीक्षा के प्रयोजन के लिए एक व्यक्ति का भार 75 कि० ग्रा० माना जाएगा।

3. आपात रक्षा नौकाओं के लिए उत्पादन परीक्षण :- आपात रक्षा नौकाएं जिनकी पुनः प्राप्ति के लिए बिजुओं द्वारा सेवा किया जाता इन नियमों द्वारा अपेक्षित है, इस भाग के पैरा 2 द्वारा अपेक्षित परीक्षाओं के अतिरिक्त जल के नौरोहण ब्रेक तक, अधिकतम उत्पादन गति से, इन नियमों द्वारा अपेक्षित उपस्कर और 1016 कि० ग्रा० के वितरित भार घन कुल इस प्रतिशत उत्पादन भार, जिसमें दराबी और रस्से भी सम्मिलित हैं, आपात रक्षा नौका के उत्पादन द्वारा परीक्षित की जाएगी।

#### पछहवीं अनुसूची

[नियम 60 (16)] (ग) देखिए]

#### रक्षा नौका को खोलने वाले गियर

1. रक्षा नौका को खोलने वाले गियर की इस प्रकार व्यवस्था की जाएगी कि रक्षा नौका के दोनों सिंगों की एक साथ निर्मुक्ति सुनिश्चित हो जाए।

2. निर्मुक्ति करने वाले साधन पीछे रखे जाएंगे।

3. गियर इस प्रकार का होगा जो रक्षा नौका की जब वह जल बाहित हो, निर्मुक्ति करेगा।

4. गियर इस प्रकार का होगा जो, यदि झूखला या रस्सों पर नौकर्यण तनाव हो तो निर्मुक्ति करे।

5. हुक, ऐसे यथोचित प्रकार के होंगे कि हाथ से तुरन्त खोले जा सकें।

6. हुक के दराबी की भ्रमी, छल्ला या झूखला से लगा स्थान उस स्थान से नीचे नहीं होगा जहाँ साधारण स्थायी हुक लगे हो।

7. गियर और निर्मुक्ति करने के लिए यंत्र इस प्रकार सम्मिलित और व्यवस्थित होंगे जो बिना किसी सुरक्षा पिन के रक्षा नौका की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

8. (क) (1) निर्मुक्ति करने के लिए साधन, कर्षण या रस्सी छोड़ना या लीवर का प्रयोग करना होगा। यदि निर्मुक्ति रस्सी के कर्षण द्वारा की जाती है तो रस्सी समुचित रूप से आधान में रखी जाएगी, और

(2) जब कभी, गियर की सुरक्षा के लिए या दक्षतापूर्ण कार्य के लिए या क्षति से व्यक्तिगतों के संरक्षण के लिए आवश्यक हो तो टुकों के बीच और अन्य संयोजन भी आधान में रखे जाएंगे।

(ख) रस्सी मार्गदर्शकों की, रस्सियों का कट जाना या जाम होना विचारित करने के लिए समुचित रूप से व्यवस्था की जाएगी और रक्षा नौका के स्थायी भागों से मजबूती से संलग्न होंगे। जहाँ दक्षता के लिए आवश्यक है वहाँ रस्सियों में जंजीर लगी होगी।

9. गियर के ऐसे भाग, जिनके जंग या संक्षरण या अन्यथा जकड़ जाने की संभावना है, असंक्षारणीय धातु के बने होंगे।

10. रक्षा नौका का भार उठाने वाले गियर का कोई भी भाग ढलवा धातु से नहीं बनाया जाएगा।

11. लकड़ी के छोटे टुकड़े और सभी भाग रक्षा नौका का भार सम्हालने हैं, उनका बटक भाग और अनुपात, सर्वाधिक भार से लंबी हुई रक्षा नौका के, जिसमें गियर का लगा होना आशियत है, भार के कम से कम 2-1/2 गुना भार के अनुपात में भजन सामर्थ्य की व्यवस्था करने के लिए डिजाइन किए जाएंगे।

### सोलहवीं अनुसूची

#### [नियम 68 (1) देखिए]

1. हर पोल का छतरी संकेत संकेत एक चमकीली लाल तारक से बना होगा जो राकेट द्वारा अपेक्षित ऊंचाई से प्रक्षिप्त किया जाएगा और जो गिरने समय जले। उसके गिरने की दर प्रति सैकंड 4.5 मीटर की औसत दर तक छतरी द्वारा नियंत्रित होगी।

2. (1) जब राकेट लगभग उध्विधरत : फायर किया जाता है तो तारक और छतरी, 229 मीटर की न्यूनतम ऊंचाई पर प्रक्षेपण के शीर्ष पर या सामने उल्लिखित होगी।

(2) इसके अनिवार्य राकेट क्षितिज से 45 डिग्री के कोण पर फायर किए जाने पर कार्य करने में समर्थ होगा।

3. (1) तारक कम से कम 40 सैकंड के लिए कम से कम 30,000 केण्डल शक्ति की वोल्ट से जलेगा।

(2) वह समुद्र सतह से कम से कम 46 मीटर की ऊंचाई पर जल जाएगा।

4. (1) छतरी ऐसे आकार की होगी कि जलते हुए तारक के गिरने की दर के अपेक्षित नियंत्रण की व्यवस्था करे।

(2) यह सम्यग् अग्निसह कबज द्वारा तारक से संलग्न होगी।

5. (1) राकेट किसी भी यथोचित रीति से प्रज्वलित हो सकेगा।

(2) यदि सेफ्टी फ्यूज द्वारा बाह्य प्रज्वलन किया गया हो तो सेफ्टी फ्यूज का बाहरी निरा दिशालाई संरचना से अस्तर लगे हुए फरसल धातु से ढका हुआ होगा और एक पृथक् स्टार्डकर प्रत्येक राकेट से यथोचित रूप से संलग्न होगा।

6. दिशालाई संरचना, स्टार्डकर संरचना, फरसल और राकेट की समस्त बाह्य सतह जलसह होगी।

7. राकेट एक मिनट तक जल निम्न रहने के पश्चात् और झिलाने से, लगे हुए जल के हटाने के पश्चात् समुचित रूप से कार्य करने में समर्थ होगा।

8. सभी संघटक, संरचनाएं और अवयव ऐसे स्वरूप और ऐसी क्वालिटी के होंगे जो राकेट को कम से कम दो वर्ष की अवधि तक प्रचंडी औसत भंडारण दशाओं के अधीन उसका उपयोग बनाए रखने में समर्थ बनाएं।

9. (1) राकेट ऐसे आधान में पैक किया जाएगा जो टिकाऊ, आद्रतासह और प्रभावशाली रूप से मुद्राबद्ध होगा।

(2) यदि धातु का बना हो तो अग्रत अच्छा कलाईदार और लेकर किया हुआ या संरक्षण से अन्यथा पर्याप्त रूप से संरक्षित होगा।

10. वह तारीख जिसको राकेट भरा जाता है राकेट और आधान पर अमिट रूप से स्टाम्पिन की जाएगी।

11. प्रयोग के लिए स्पष्ट और संक्षिप्त निर्देश अंग्रेजी और हिन्दी भाषा में राकेट पर अमिट रूप से मुद्रित किए जाएंगे।

[फा० सं० एम डब्ल्यू/5-एम एन आर (11) /78-एम० ए०]

अनुराग भटनागर, अवर सचिव

### MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Shipping Wing)

New Delhi, the 15th June, 1982

**G.S.R. 608.**—The following draft of certain rules which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clauses (a), (b), (c), (d), (e), (f), (g), (h), (i), (j) and (n) of sub-section (2) of Section 288, read with clause (k) of sub-section (2) of Section 435 and Section 457 of the said Act, and in supersession of the Indian Merchant Shipping (Life Saving Appliances) Rules, 1956 is hereby published as required by sub-section (1) of Section 288 for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of period of forty five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette;

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of period so specified will be considered by the Central Government.

### DRAFT RULES

1. Short title, commencement and application.—(1) These rules may be called the Merchant Shipping (Life Saving Appliances) Rules, 1982.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

(3) They shall apply to—

(a) All sea going Indian ships and all sea-going Indian Sailing Vessels including fishing vessels and fishing boats fitted with mechanical means of propulsion; and

(b) All sea-going ships and sea-going sailing vessels including fishing vessels and fishing boats other than those under Indian flag while they are at any port or place in India or within the territorial waters of India :

Provided that these rules shall not apply to any ship or sailing vessels including a fishing vessel or a fishing boat by reason of its being at a port or place in India or within the territorial waters of India, it would not have been at any such port or place but for the stress of weather or any other circumstances that neither the master, tinal skipper nor the owner, for the charterer, if any, of the ship, sailing vessel, fishing vessel or fishing boat could have prevented or forestalled.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires—

(a) "Act" means the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958);

(b) "Approved" means approved by the Central Government;

(c) "Buoyant apparatus" means floatation equipment other than a lifebuoy or a life-jacket designed to support a specified number of persons who are in the water and such construction that it retains its shape and properties;

<p>(d) "Certificated Lifeboatman" means any member of the crew who holds a certificate of efficiency issued under the Merchant Shipping (Life Boatman's Qualifications and Certificates) Rules, 1963;</p> <p>(e) "Class 'C' boat" means a boat which complies with the provisions of the First Schedule;</p> <p>(f) "fair weather season" means—</p> <p>(i) in the Arabian Sea, the season from the 1st September to the 31st May; and</p> <p>(ii) in the Bay of Bengal, the season from the 1st December to the 30th April;</p> <p>(g) "foul weather season" means—</p> <p>(i) in the Arabian Sea, the season from the 1st June to the 31st August; and</p> <p>(ii) in the Bay of Bengal, the season from the 1st May to the 30th November;</p> <p>(h) "Inflatable liferaft" means a liferaft complying with the requirements of Part I of the Second Schedule;</p> <p>(i) "International voyage" has the same meaning assigned to it in the Act;</p> <p>(j) "Launching appliance" means an appliance complying with the requirements of the Third Schedule;</p> <p>(k) "Length" in relation to a registered ship means registered length and in relation to an unregistered ship means the length from the fore part of the stern to the aft side of the head of the stern post, or if no stern post is fitted to take the rudder, to the foreside of the rudder stock at the point where the rudder stock passes out of the hull;</p> <p>(l) "Lifeboat" means a boat complying with the requirements of the Fourth Schedule;</p> <p>(m) "Liferaft" means a liferaft complying with the requirements of the Second Schedule;</p> <p>(n) "Technically propelled lifeboat" means lifeboat complying with the provisions of rule 46;</p> <p>(o) "motor lifeboat" means lifeboat complying with the requirements of rule 45;</p> <p>(p) "person" in relation to these rules means any person above the age of one year and includes ship's crew and officers;</p> <p>(q) "rigid liferaft" means a liferaft complying with the requirements of Part II of the Second Schedule;</p> <p>(r) "Schedule" means a Schedule to these rules;</p> <p>(s) "short international voyage" means an international voyage in the course of which a ship is not at any time more than 200 nautical miles away from a port or place where the passengers and crew could be placed in safety and which does exceed 600 nautical miles in length between last port of call in a country where the voyage being and the final port of destination.</p>	<p>Class V —Special Trade Passenger ships (other than ships of Classes VI &amp; VII) engaged on voyages other than international voyages.</p> <p>Class VI —Special Trade Passenger ships engaged on voyages on the coasting trade of India during the course of which they do not go more than 20 miles from the nearest land;</p> <p>Provided that such ships shall not cease to be ships of Class VI merely by reason of the fact that they cross during their voyage the Gulf of Kutch, Cambay or Mannar.</p> <p>Class VII —Special Trade Passenger ships engaged on voyages in fair season between ports in India during the course of which they do not go more than 5 miles from the nearest land.</p> <p>B—Ships other than Passenger Ships</p> <p>Class VIII —Cargo ships engaged on international voyages.</p> <p>Class IX —Cargo ships (other than ships of Class X) engaged on voyages which are not international.</p> <p>Class X —Cargo ships engaged on the coasting trade of India (other than ships of Class IX) during the course of which they do not go more than 20 miles from the nearest land;</p> <p>Provided that such ships shall not cease to be ships of Class X merely by reason of the fact that they cross during their voyage the Gulf of Kutch, Cambay or Mannar.</p> <p>Class XI —Cargo ships engaged on voyages during the fair weather season between ports in India during the course of which they do not go more than 5 Nautical miles from the nearest land.</p> <p>Class XII —Lugs tenders, launches lighters, dredgers, barges and hoppers which go to sea.</p> <p>Class XIII —Fishing vessels other than those of Class XIV.</p> <p>Class XIV —Sailing vessels including sailing fishing boats.</p> <p>Class XV —Pleasure Yachts.</p>
--	---

3. Classification of ships.—For the purposes of these rules, ships shall be arranged in the following classes, namely:—

A—Passenger Ships

Class I	—Passenger ships engaged on international voyages other than ships of Class III.
Class II	—Passenger ships engaged on short international voyages other than ships of Class IV.
Class III	—Special Trade Passenger Ships engaged on international voyages.
Class IV	—Special Trade Passenger ships engaged on short international voyages

4. Ships of Class I.—(1) This rule shall apply to ships of Class I.

(2) Every ship of class I shall carry—

- On each side of the ship, such number of life-boats as would be of sufficient aggregate capacity to accommodate one half the total number of persons the ship is certified to carry; or
- lifeboats and lifecrafts in such number as would be sufficient to provide together aggregate capacity to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry;

Provided further that in the case of a ship the keel of shall never be less than necessary to accommodate 37-1/2 per cent of the total number of persons the ship is certified to carry :

Provided further that in the case of a ship the keel of which was laid before the 26th day of May, 1965, the provisions of this clause shall apply only if the number of persons the ship is certified to carry is not increased for the reason that the life-rafts available on board are adequate for such increased number.

(3) (a) On every ship, two of the lifeboats required under sub-rule (2) shall be kept ready, one on each side of the ship, for immediate use in an emergency while the ship is at sea.

(b) None of the two lifeboats referred to in clause (a) shall be of more than 8.5 metres in length but they may be motor lifeboats or lifeboats and, may be counted for the purpose of compliance with sub-rule (4).

(c) Notwithstanding the provisions of sub-rule (13) of rule 60 skates or other suitable appliances are not required to be fitted to these lifeboats.

(4) Every ship shall carry on each side of the ship at least one motor lifeboat:

Provided that a ship which is certified to carry not more than 30 persons shall be required to carry only one such motor lifeboat.

(5)(a) In every ship which is certified to carry 1500 persons or more, each of the motor lifeboats carried in compliance with sub-rule (4) shall be provided with the equipment specified in sub-rule (1) of rule 56.

(b) In every ship which is certified to carry more than 199 but less than 1500 persons, at least one of the motor lifeboats carried in compliance with sub-rule (4) shall be provided with the equipment specified in sub-rule (1) of rule 56.

(c) Every motor lifeboat carried in compliance with this rule shall be provided with a search light referred to in sub-rule (2) of rule 56.

(6) Every ship which does not carry on each side of the ship a motor lifeboat as required under clause (a) of sub-rule (5) shall also carry a portable radio equipment which shall comply with the provisions of rule 65.

(7) Every Lifeboat carried in compliance with this rule shall not be less than 7.3 metres in length.

(8) In every ship, each lifeboat shall be attached to a separate set of davits which shall be of the gravity type except that the davits of luffing type may be fitted for operating lifeboats weighing not more than 2300 kgs. in their turning out condition.

(9) (a) The liferafts carried in compliance with clause (b) of sub-rule (2) shall be served by launching appliances.

(b) On each side of the ship, there shall at least be one such appliances and the difference between the number of appliances fitted on each side shall never exceed one.

(10) Every ship shall carry liferafts which may not be served by launching appliances, of sufficient capacity to accommodate 25 per cent of the total number of persons the ship is certified to carry together with the buoyant apparatus for 3 per cent of that number:

Provided that—

(a) If liferafts are also carried in compliance with clause (b) of sub-rule (2), all liferafts carried by the ship shall be of a type capable of being launched by the Launching appliance fitted on the ship in compliance with sub-rule (9); and

(b) a ship which has a factor of sub-division of 0.33 or less may carry in lieu only buoyant apparatus for 25 per cent of the total number of persons it is certified to carry.

(11) (a) Every ship shall carry a minimum number of lifebuoy in accordance with the following Table:—

TABLE

Length of the ship in metres	Minimum number of lifebuoys required to be fitted
Less than 61 metres	8
61 metres and over but less than 122 metres.	12
122 metres and over but less than 183 metres.	18
183 metres and over but less than 244 metres.	24
244 metres and over.	30

(b) At least one half of the total number of lifebuoys so carried, subject to a minimum of 6, shall be provided with efficient self-igniting lights.

(c) At least two of the lifebuoys provided with self-igniting lights shall also be provided with an efficient self-activating smoke signal of a highly visible colour lasting for not less than 15 minutes and lifebuoys so provided with smoke signals shall be capable of quick release from the navigating bridge.

(d) At least one lifebuoy on each side of the ship shall be provided with a buoyant life line of at least 27.5 metres in length.

(12) (a) Every ship shall carry—

(i) a life jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board or, as the case may be, for the number of persons it is certified to carry, whichever is more; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for at least ten per cent of the total number of persons the ship is certified to carry;

(b) Every ship, in addition to life-jacket carried in compliance with clause (a), shall also carry life-jackets complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for at least five per cent of the number of persons it is certified to carry and such life-jackets, shall be stowed on deck at a suitable place which shall be conspicuously marked.

(13) Every ship shall carry an approved line throwing appliance.

(5) Ships of Class II.—(1) This rule shall apply to ship of class II.

(2)(a) Every ship shall be fitted, in accordance with its length, with the minimum number of sets of davits specified in column A of the Table set out in the Sixth Schedule; and

(b) Where the Central Government is so satisfied, it shall permit a smaller number of sets of davits to be provided on a ship, so however, that the number of sets of davits shall never be less than the minimum specified in column B of the Sixth Schedule:

Provided that no ship shall be required to be fitted with a number of sets of davits which is greater than the number of lifeboats required to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry.

(3) A lifeboat shall be attached to every such set of davits and the lifeboats so attached shall, subject to the provisions of sub-rule (8), together provide at least the capacity specified in column C of the Table set out in the Sixth Schedule, or the capacity required to accommodate the total number of persons, which it is certified to carry, if the latter be less.

(4) (a) On every ship, two of the lifeboats required under sub-rule (3) shall be kept ready, one on each side of the ship, for immediate use in an emergency while the ship is at sea.

(b) None of the two lifeboats referred to in clause (a) shall be more than 8.5 metres in length but they may be motor lifeboats or lifeboats and may be counted for the purpose of compliance with sub-rule (5).

(c) Notwithstanding the provisions of sub-rule (13) of rule 60, skates or other suitable appliances shall not be required to be fitted to these lifeboats.

(5) Every ship shall carry on each side of the ship at least one motor lifeboat :

Provided that ship which is certified to carry not more than 30 persons shall be required to carry only one such motor lifeboat.

(6) Subject to the provisions of sub-rules (7) and (8), when the lifeboats carried in compliance with sub-rule (3) do not accommodate the total number of persons the ship is certified to carry, additional sets of davits with a lifeboat attached to each, shall be fitted to make up the deficiency in such accommodation.

(7) If in the opinion of the Central Government the volume of the traffic so requires, it may permit any ship, which is sub-divided in accordance with the provisions of rules made under section 284 of the Act, to carry persons in excess of the lifeboat capacity provided on that ship in compliance with sub-rule (3) :

Provided that-

(a) When such ship is permitted by the Central Government to proceed to sea from a port or place in India on an international voyage exceeding 600 miles but not exceeding 1200 miles from the last port or place of call in India to the port or place of final destination outside India, it shall carry lifeboats attached to davits affording accommodation for at least seventy-five per cent of the persons on board;

(b) in all cases the number of liferafts to be carried shall be such as to ensure that total number of lifeboats together with liferafts shall be sufficient to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry or is permitted to carry; and

(c) if in any such ship a two-compartment standard of sub-division is not achieved throughout, it shall carry liferafts of sufficient aggregate capacity to accommodate ten per cent of the persons which it is certified to carry or is permitted to carry, such liferafts being in addition to those required to be provided in compliance with clause (b) of this proviso or with clause (b) of the proviso to sub-rule (8), as the case may be, and with sub-rule 12.

(8) Where it is shown to the satisfaction of the Central Government that it is impracticable in any ship engaged on a short international voyage to stow satisfactorily the lifeboats required to be carried in pursuance of sub-rule (7) without reducing the number of lifeboats, the Central Government may permit the number of sets of davits required to be fitted under sub-rule (2) and also the number of lifeboats required to be attached to davits under sub-rule (3) to be reduced.

Provided that-

(a) in the case of a ship exceeding 58.5 metres in length the number of lifeboats to be carried shall never be less than four, two of which shall be on each side of the ship and in the case of ship of less than 58.5 metres in length the number of lifeboats to be carried shall never be less than two, one of which shall be carried on each side of the ship;

(b) in all cases the number of lifeboats and liferafts shall always be sufficient to accommodate the total number of persons the ship is certified or permitted to carry; and

(c) in the case of a ship in which the aggregate capacity of the lifeboats carried on board is less than the capacity specified in column C of the Table set out in the Sixth Schedule additional liferafts of the type capable of being launched by the appliances referred to in sub-rule (2) of rule 61 shall be provided; and

(d) the number of liferafts so provided shall be such as to ensure that the total capacity of liferafts is at least equal to the number obtained by dividing by 10 the difference between the aggregate cubic capacity of the lifeboats and the cubic capacity specified in column C of the Sixth Schedule, subject to the condition that—

(i) such additional liferafts shall be sufficient for accommodating at least 40 persons;

(ii) at least one launching appliance is provided on each side of the ship; and

(iii) the difference between the number of launching appliances fitted on each side of the ship does not exceed one.

(9) In every ship the lifeboats carried in compliance with this rule shall not be of less than 7.3 metres in length.

(10) In every ship the davits required to be carried in compliance with this rule shall be of the gravity type except that luffing type davits may be fitted for operating lifeboats weighing not more than 2300 Kgms. in their turning out condition.

(11) Every ship which does not carry on each side of the ship a motor lifeboat provided with equipment specified in sub-rule (1) of rule 56, shall also carry a portable radio equipment which shall comply with the provisions of rule 65 :

Provided that if in the case of any ship the Central Government is satisfied that the duration of a voyage is such as to render the carriage of a portable radio requirement unnecessary, it may permit the requirement of this rule to be dispensed with.

(12) Every ship shall in addition to any liferafts carried in pursuance of sub-rule (7) and (8), carry additional liferafts sufficient to accommodate ten per cent of the total number of persons for whom lifeboat accommodation is provided in the ship.

(13) Every ship shall carry buoyant apparatus sufficient to support five per cent of the total number of person the ship is certified to carry.

(14)(a) Every ship shall carry at least the number of lifebuoys determined in accordance with the following Table :-

TABLE

Length of the ship in metres	Minimum number of lifebuoys required to be carried
Less than 61 metres	8
61 metres and over but less than 122 metres	12
122 metres and over but less than 183 metres	18
183 metres and over but less than 244 metres	24
244 metres and over	30

(b) At least one-half the total number of lifebuoys so carried subject to a minimum of six, shall be provided with efficient self-igniting lights.

(c) At least two of the lifebuoys provided with self-igniting lights shall also be provided with an efficient self-activating smoke signal of highly visible colour lasting for not less than 15 minutes and lifebuoys so provided with smoke signals shall be capable of quickrelease from the navigating bridge.

(d) At least one lifebuoy on each side of the ship shall be provided with buoyant life line of at least 27.5 metres in length.

(15)(a) Every ship shall carry—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board or, as the case may be, for the number of persons it is certified to carry, whichever is more; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for at least ten per cent of the total number of persons the ship is certified to carry;

(b) Every ship, in addition to life-jackets carried in compliance with clause (a), shall also carry life-jackets complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for at least five per cent of the number of persons the ship is certified to carry and such life-jackets shall be stowed on deck at a suitable place which shall be conspicuously marked.

(16) Every ship carry an approved line throwing appliance.

6. Ships of Class III.—(1) This rule shall apply to ships of Class III.

(2) Every ship of Class III shall carry—

(a) on each side of the ship, such number of lifeboats as would be of sufficient aggregate capacity to accommodate one-half of the total number of persons the ship is certified to carry; or

(b) lifeboats and liferafts in such number as would be sufficient to provide together aggregate capacity to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry :

Provided that lifeboats carried on each side of the ship shall never be less than necessary to accommodate 35 per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(3)(a) On every ship, two of the lifeboats required under sub-rule (2) of this rule shall be kept ready, one on each side of the ship, for immediate use in an emergency while the ship is at sea.

(b) None of the lifeboats referred to in clause (a) shall be more than 8.5 metres in length but they may be motor lifeboats or lifeboats and may be counted for the purpose of compliance with sub-rule (4).

(c) Notwithstanding the provisions of sub-rule (13) of rule 60, skates or other suitable appliances are not required to be fitted to these lifeboats.

(4) Every ship shall carry on each side of the ship at least one motor lifeboat :

Provided that a ship which is certified to carry not more than 30 persons shall be required to carry only one such motor lifeboat.

(5)(a) In every ship which is certified to carry 1500 persons or more each of the motor lifeboats carried in compliance with sub-rule (4) shall be provided with the equipment specified in sub-rule (1) of rule 56.

(b) In every ship which is certified to carry more than 199 but less than 1500 persons, at least one of the motor lifeboats carried in compliance with sub-rule (4) shall be provided with the equipment specified in sub-rule (1) of rule 56.

(c) Every motor lifeboat on board a ship, the keel of which was laid on or after the 26th day of May, 1965 carried in compliance with this rule may be provided with a search light referred to in sub-rule (2) of rule 56.

(6) Every ship which does not carry on each side of the ship a motor lifeboat as required under clause (a) of sub-rule (5) shall also carry a portable radio equipment which shall comply with the provisions of rule 65.

(7) Every lifeboat carried in compliance with this rule shall not be less than 7.3 metres in length.

(8) In every ship, each lifeboat shall be attached to a separate set of davits which shall be of gravity type except that the davits of luffing type may be fitted for operating lifeboats or boats, as the case may be, weighing not more than 2300 Kgs, in their turning out condition.

(9) Every ship shall carry liferafts and buoyant apparatus of sufficient capacity to accommodate twenty-five per cent of the total number of persons the ship is certified to carry :

Provided that the number of liferafts as carried on board any ship under this rule shall be sufficient to accommodate at least ten per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(10)(a) Every ship shall carry a minimum number of life buoys in accordance with the following table :

TABLE

Length of the ship in metres	Minimum number of lifebuoys required to be carried
Less than 61 metres	8
61 metres and over but less than 122 metres	12
122 metres and over but less than 183 metres	18
183 metres and over but less than 244 metres	24
244 metres and over	30

(b) At least one-half of the total number of lifebuoys so carried, subject to minimum of six, shall be provided with efficient self-igniting lights.

(c) At least two of the lifebuoys provided with self-igniting lights shall also be provided with an efficient self activating smoke signal capable of producing smoke of a highly visible colour lasting for less than 15 minutes and lifebuoys so provided with smoke signals shall be capable of quick release from the navigating bridge.

(d) At least lifebuoy on each side of the ship shall be provided with a buoyant life line of at least 27.5 metres in length.

(11) (a) Every ship shall carry—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board or, as the case may be, for the number of persons it is certified to carry, whichever is more; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for at least ten per cent of the number of persons the ship is certified to carry.

(b) Every ship, in addition to life-jackets carried in compliance with clause (a), shall also carry life-jackets complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for at least 5 per cent of the number of persons it is certified to carry and such life-jackets shall be stowed on deck at a suitable place which shall be conspicuously marked.

(12) Every ship shall carry an approved line throwing appliance.

7. Ships of class IV.—(1) This rule shall apply to ships of Class IV.

(2)(a) Every ship shall be fitted, in accordance with its length, with the minimum number of sets of davits specified in column A of the Table set out in the Sixth Schedule.

(b) Where the Central Government is so satisfied, it shall permit a smaller number of sets of davits to be provided on a ship so however that the number of sets of davits shall never be less than the minimum specified in column B of the Sixth Schedule :

Provided that no ship will be required to be fitted with a number of sets of davits which is greater than the number of lifeboats required to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry.

(3) A lifeboat shall be attached to each set of davits, and the lifeboats so attached shall together provide at least the capacity specified in column C of the Table set out in the Sixth Schedule, or the capacity required to accommodate the total number of persons which the ship is certified to carry, if the latter be less.

(4) (a) On every ship, two of the lifeboats required under sub-rule (3), shall be kept ready, one of each side of the ship, for immediate use in an emergency, while the ships is at sea.

(b) None of the two lifeboats referred to in clause (a) shall be more than 8.5 meters in length but they may be motor lifeboats or lifeboats and may be counted for the purpose of compliance with rule (5).

(c) Notwithstanding the provisions of sub-rule (13) of rule 60, skates or suitable appliances shall not be required to be fitted to these lifeboats or boats.

(5) Every ship shall carry at least one motor lifeboat.

(6) Where the lifeboats, carried in compliance with sub-rule (3) do not accommodate the total number of persons on board, liferafts suitably placed shall be provided so that the accommodation provided on lifeboats and liferafts sufficient for all persons on board.

(7) Notwithstanding anything contained in sub-rule (6) no ship of Class IV shall persons on board in excess of lifeboat capacity unless it is so permitted by the Central Government for the reasons of volume of traffic containing at the relevant time.

(8) Where under the provisions of sub-rule (7) a ship is permitted to carry persons on board in excess of lifeboat capacity and the Central Government is satisfied that it is impracticable in that ship to stow the lifeboats required to be carried in accordance with sub-rule (6) without reducing the number of lifeboats, it may permit a reduction in the number of lifeboats to be carried by such ship :

Provided that—

(i) that number of lifeboats shall, in the case of a ship of 58 metres in length or over, never be less than four, two of which shall be carried on each side of the ship, and in the case of a ship of less than 58 meters in length, the number of lifeboats so carried shall never be less than two, one of which shall be carried on each side of the ship;

(ii) the number of lifeboats and liferafts shall always be sufficient to accommodate the total number of persons on board; and

(iii) where lifeboats provided do not give capacity required by column C of the Table set out in the Sixth Schedule, the liferafts provided for making good the deficiency shall, as far as practicable, be capable of being launched from devices referred to in rule 61.

(9) If in the opinion of the Central Government the volume of the traffic so requires, it may permit any ship to proceed to sea from a port or place in India on in an international voyage exceeding 600 miles but not exceeding 1200 miles from the last port or place of call in India to the port or place of final destination outside India :

Provided that—

(i) the ship carries lifeboats attached to davits according to accommodation for at least 70 percent of persons on board; and

(ii) the number of lifeboats and liferafts carried on board are sufficient to accommodate the total number of persons the ship is certified or permitted to carry.

(10) In every ship, lifeboats carried in compliance with this rule shall not be less than 7.3 meters in length.

(11) In every ship the davits required to be carried in compliance with this rule shall be of the gravity type except

that luffing type davits may be fitted for operating lifeboats or boats weighing not more than 2300 Kgms. in their turning out condition.

(12) Every motor lifeboat carried in pursuance of sub-rule (5), shall carry a portable radio equipment which shall comply with the provisions of rule 65 :

Provided that if in the case of any ship or class of ships the Central Government is satisfied that the duration of voyage is such as to render the carriage of a portable radio equipment unnecessary it may permit the requirement of his sub-rule to be dispensed with.

(13) Every ship shall carry, in addition to the lifeboats and liferafts carried under sub-rule (6) or, as the case may be sub-rule (9) liferafts and buoyant apparatus sufficient to accommodate ten per cent of the total number of persons the ship is certified to carry :

Provided that the number of liferafts carried on board any ship under this sub-rule shall never be less than required to accommodate at least five per cent of the number of persons the ship is certified to carry.

(14) (a) Every ship shall carry at least the number of lifebuoys in accordance with the following Table :—

TABLE	
Length of ship in metres	Minimum number of lifebuoys required to be carried
Less than 61 metres	8
61 metres and over but less than 122 metres	12
122 metres and over but less than 183 metres	18
183 metres and over but less than 244 metres	24
244 metres and over	30

(b) At least one-half the number of life-buoys so carried subject to a minimum of six, shall be provided with efficient self-igniting lights.

(c) At least two of the lifebuoys provided with self-igniting lights shall also be provided with an efficient self-activating smoke signal capable of producing smoke of a highly visible colour for not less than 15 minutes and lifebuoys so provided with smoke signal shall be capable of quick release from the navigating bridge.

(d) At least one lifebuoy on each side of the ship shall be provided with a buoyant life line of at least 27.5 meters in length.

(15) (a) Every ship shall carry—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board or, as the case may be, for the number of persons it is certified to carry, whichever is more; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for at least ten per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(b) Every ship in addition to life-jackets carried in compliance with clause (a), shall also carry life-jackets complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for at least five per cent of the number of persons the ship is certified to carry and such life-jackets shall be showed in deck at a suitable place which shall be conspicuously marked.

(16) Every ship shall carry an approved line throwing appliance.

8. Ships of Class V.—(1) This rule shall apply to ships of Class V.

(2) (a) Every ship shall be fitted in accordance with its length with the minimum number of sets of davits specified in column A of the Table set out in the Sixth Schedule.

(b) Where the Central Government is so satisfied it shall permit a smaller number of sets of davits to be provided on a ship so however that the number of sets of davits shall never be less than the minimum number specified in column B of the Sixth Schedule :

Provided that no ship shall be required to be fitted with the number of sets of davits which is greater than the number of lifeboats required to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry.

(3) A lifeboat shall be attached to each set of such davits and the lifeboats so attached shall together provide at least the capacity specified in column C of the Table set out in the Sixth Schedule, or the capacity required to accommodate the total number of persons which the ship is certified to carry, if the latter be less.

(4) Every ship shall carry at least one motor lifeboat.

(5) Such additional lifeboats and liferafts or buoyant apparatus shall be carried as shall be sufficient together with the lifeboats carried in pursuance of sub-rule (3), for the total number of persons the ship is certified to carry :

Provided that lifeboats shall be carried to accommodate not less than twenty-five per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(6) The lifeboats carried in compliance with this rule where reasonable and practicable shall not be less than 7.3 metres in length.

(7) Davits required to be fitted in compliance with this rule, shall be of the gravity type except that luffing type davits may be fitted for operating lifeboats or boats weighing not more than 2300 Kgms. in their turning out condition.

(8) Every motor lifeboat carried in pursuance of sub-rule (4) shall carry a portable radio equipment which shall comply with the provisions of rule 65.

(9) (a) Every ship carry at least the number of lifebuoys in accordance with the following Table :—

• TABLE

Length of the ship in metres	Minimum number of lifebuoys required to be carried
Less than 61 metres	8
61 metres and over but less than 122 metres	12
122 metres and over but less than 183 metres	18
183 metres and over but less than 244 metres	24
244 metres and over	30

(b) At least half the number of lifebuoys so carried subject to a minimum of six, shall be provided with efficient self-igniting lights.

(c) At least one lifebuoys on each side of the ship shall be provided with a buoyant lifeline of at least 27.5 meters in length.

(10) (a) Every ship shall carry—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board or, as the case may be, for the number of persons it is certified to carry, whichever is more; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for at least ten per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(b) Every ship, in addition to life-jackets carried in compliance with clause (a), shall also carry life-jacket complying

with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for at least five percent of the number of persons the ship is certified to carry and such life-jackets shall be stowed on deck at a suitable place which shall be conspicuously marked.

(11) Every ship shall carry an approval line throwing appliance.

9. Ships of Class VI.—(1) This rule applies to ships of Class VI.

(2) (a) Every ship shall be fitted, in accordance with its length, with the minimum number of sets of davits specified in Column A of the Table set out in the Sixth Schedule.

(b) Where the Central Government is so satisfied, it shall permit a smaller number of sets of davits to be provided on a ship, so however that the number of sets of davits shall never be less than the minimum number specified in Column B of the Table set out in the Sixth Schedule :

Provided that no ship will be required to be fitted with a number of sets of davits which is greater than the number of lifeboats required to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry.

(3) A lifeboat shall be attached to each set of davits, and the lifeboats so attached shall together provide at least the capacity specified in Column C of the Table set out in the Sixth Schedule, or the capacity required to accommodate the total number of persons which the ship is certified to carry if the latter be less.

(4) Every ship shall carry at least one motor lifeboat.

(5) In every ship, lifeboats carried in compliance with this rule shall not be less than 7.3 metres in length.

(6) Where the lifeboats carried in compliance with sub-rule (3) do not accommodate the total number of persons on board, additional lifeboats liferafts or buoyant apparatus shall be carried so that accommodation provided on lifeboats liferafts and buoyant apparatus so carried is sufficient for all persons on board :

Provided that accommodation provided in lifeboats shall in no case be less than twenty-five percent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(7) Every motor lifeboat carried in pursuance of sub-rule (4) shall carry a portable radio equipment which shall comply with the provisions of rule 65 :

Provided that if in the case of any ship the Central Government is satisfied that the duration of the voyage is such as to render the carriage of a portable radio equipment unnecessary, it may permit the requirement of the sub-rule to be dispensed with.

(8) In every ship, the davits required to be carried in compliance with this rule shall be of gravity type except that luffing type davits may be fitted for operating lifeboats weighing not more than 2300 kilograms in their turning out condition.

(9) (a) Every ship shall carry at least the number of lifebuoys in accordance with the following Table :

TABLE

Length of the ship in metres	Minimum number of lifebuoy required to be carried
Less than 61 metres	8
61 metres over but less than 122 metres	12
122 metres and over but less than 183 metres	18
183 metres and over but less than 244 metres	24
244 metres and over	39

(b) At least one-half the number of lifebuoys so carried, subject to a minimum of six, shall be provided with efficient self igniting lights.

(10) Every ship shall carry—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board, or, as the case may be, for the number of persons it is certified to carry, whichever is more and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for at least ten per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(11) Every ship shall carry an approved line throwing appliance.

10. Ships of Class VII.—(1) This rule applies to ships of Class VII.

(2) (a) Every ship shall be fitted, in accordance with its length with the minimum number of sets of davits specified in Column A of the Table set out in the Sixth Schedule.

(b) Where the Central Government is so satisfied, it shall permit a smaller number of sets of davits to be provided on a ship, so however that the number of sets of davits shall never be less than the minimum number specified in Column B of the Table set out in the Sixth Schedule.

Provided that no ship will be required to be fitted with a number of sets of davits which is greater than the number of lifeboats required to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry.

(3) A lifeboat shall be attached to each set of davits and the lifeboats so attached shall together provide at least the capacity specified in Column C of the Table set out in the Sixth Schedule, or the capacity required to accommodate the total number of persons which the ship is certified to carry, if the latter be less.

(4) Where the lifeboats carried in compliance with sub-rule (3) do not accommodate the total number of persons on board, additional liferafts or buoyant apparatus shall be carried so that accommodation provided on lifebuoys, liferafts and buoyant apparatus so carried is sufficient for all persons the ship is certified to carry.

(5) In every ship, lifeboats carried in compliance with this rule shall, where reasonable and practicable be not less than 6 metres in length.

(6) In every ship the davits required to be carried in compliance with this rule shall be of the gravity type except that luffing type davits may be fitted for operating lifeboats weighing not more than 2300 kilograms in their turning out condition.

(7) (a) Every ship shall carry at least 8 lifebuoys.

(b) At least one-half the number of lifebuoys so carried shall be provided with efficient self-igniting lights.

(8) Every ship shall carry—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board, or, as the case may be, for the number of persons it is certified to carry whichever is more; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for at least ten per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(9) Every ship shall carry an approved line throwing appliance.

11. Ships of Class VIII (less than 500 tons gross).—(1) This rule applies to ships of Class VIII being ships of less than 500 tons gross.

(2) Every such ship shall carry—

(a) on each side one or more lifeboat attached to davits of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board; or

(b) a lifeboat or Class C boat attached to davits capable of being launched from one side of the ship and at least two liferafts, of sufficient aggregate capacity to accommodate twice the number of persons on board.

(3) In every such ship each lifeboat or Class C boat shall be attached to a separate set of davits which shall be of the gravity type or of the luffing type.

(4) Every such ship shall carry at least four lifebuoys one-half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.

(5) Every such ship shall be provided with a portable radio equipment complying with the requirements of rule 65 :

Provided that the Central Government may, if it is satisfied that the duration of voyage is such as to render carriage of portable radio equipment unreasonable or unnecessary, exempt any ship from the requirement of this sub-rule.

(6) Every such ship shall be provided with an approved line throwing appliance.

(7) Every such ship shall carry—

(i) a life jacket complying with the requirement of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

12. Ships of Class VIII (500 tons gross or over but less than 1600 tons gross other than tankers).—(1) This rule applies to ships of Class VIII being ships of 500 tons gross or over but less than 1600 tons gross other than tankers.

(2) Every such ship shall carry—

(a) (i) on each side one or more lifeboats attached to davits of sufficient aggregate capacity to accommodate all person on board; or

(ii) a motor propelled Class C boat attached to davits or provided with launching device and arrangement for recovering the boat; and on each side liferafts of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board; and

(b) liferafts of sufficient aggregate capacity to accommodate at least half the total number of persons on board.

Provided that in the case of any ship engaged on voyages between near neighbouring countries the Central Government may, if it is satisfied that the conditions of voyage are such as to render carriage of liferafts unreasonable or necessary, exempt such ship from complying with the requirement of this clause.

(3) Where the distance from the embarkation deck to water is more than 4.5 meters in any ship, the liferafts carried by such ship in accordance with clause (a) (ii) of sub-rule (2) shall be capable of being launched by launching device and there shall be provided at least one launching device on each side of the ship.

(4) In every ship each lifeboat or class C boat shall be attached to a separate set of davits which shall be of the gravity type except that davits of luffing type may be fitted for operating lifeboats, or, as the case may be, boats weighing not more than 2300 kilograms in their turning out condition.

(5) Every such ship shall carry at least eight lifebuoys one-half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.

(6) Every such ship shall be provided with a portable radio equipment complying with the requirements of rule 65 :

Provided that the Central Government may if it is satisfied that the duration of the voyage is such as to render carriage of portable radio equipment unreasonable or unnecessary, exempt any ship from the requirements of this sub-rule.

(7) Every such ship shall be provided with an approved line throwing appliance.

## (8) Every such ship shall carry—

- (i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and
- (ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

13. Ships of Class VIII (1600 tons gross or over other than tankers)—(1) This rule applies to ships of Class VIII being ships of 1600 tons gross or over, other than tankers.

(2) Every such ship shall carry on each side thereof one or more lifeboats of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board.

(3) In every such ship, the lifeboats carried in pursuance of sub-rule (2) shall not be less than 7.3 metres in length.

(4) In every such ship, one of the lifeboats carried in pursuance of sub-rule (2) shall be a motor lifeboat.

(5) In every ship, each lifeboat carried in pursuance of sub-rule (2) shall be attached to a separate set of davits which shall be of the gravity type except that luffing type davits may be fitted for operating lifeboats weighing not more than 2300 kilograms in their turning out condition.

(6)(a) Every such ship carry liferafts of sufficient aggregate capacity to accommodate at least half the total number of persons on board.

(b) In ships of 150 metres or over in length, with no midships super-structure there shall be carried one liferafts in addition to those carried in pursuance of the provision of clause (a), which shall be capable of accommodating at least six persons. Such liferaft shall be stowed as far forward as is reasonable and practicable.

(7) Every such ship shall carry at least 8 lifebuoys, one half of which shall be provided with self-igniting lights.

(8) Every such ship shall be provided with an approved line throwing appliance.

(9) Every such ship shall carry a portable radio equipment complying with the requirements of rule 65.

## (10) (a) Every such ship shall carry—

- (i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and
- (ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

14. Ships of class VIII (Tankers of 500 tons gross or over but less than 3000 tons gross.—(1) This rule applies to ships of Class VIII being tankers of 500 tons gross or over but less than 1600 tons.

(2) The provisions of rule 12 shall apply to tankers of 500 tons gross or over in the like manner as they apply to ships of Class VIII, being ships other than tankers, of 500 tons gross or over but less than 600 tons gross.

15. Ship of class VIII (tankers of 1600 tons gross or over but less than 3000 tons gross.—(1) This rule applies to ships of Class VIII being tankers of 1600 tons gross or over but less than 3000 tons gross.

(2) The provisions of rule 13 shall apply to tankers of 1600 tons gross or over but less than 3000 tons gross in the like manner as they apply to Class VIII ships being ships other than tankers of 1600 tons gross or more except that two of the lifeboats provided in pursuance of sub-rule (2) of rule 13 shall be motor life boats which shall be carried out one on each side of the tanker.

16. Ships of Class VIII (Tankers of 3000 tons gross or over.—(1) This rule applies to ships of Class VIII being tons gross or over but less than 3000 tons gross in the like manner as they apply to Class VIII ships being ships other than tankers of 1600 tons gross or more except that two of tankers of 3000 tons gross or over.

(2) Every such tanker shall carry on each side thereof atleast two lifeboats of sufficient aggregate capacity to accommodate the total number of persons on board.

(3) In every such tanker two of the lifeboats provided in pursuance of sub-rule (2) shall be carried aft and the remaining two amidships except that in tankers which have no amidships superstructure all lifeboats shall be carried aft :

Provided that in the case of any tanker without any amidships superstructure the Central Government may, if it is satisfied that it is impracticable to carry four lifeboats aft, permit carriage aft of only two lifeboats, one on each side, subject to the following conditions, namely :—

- (i) no lifeboat carried in pursuance of this provision shall exceed 8.5 meters in length;
- (ii) each lifeboat shall be stowed as far forward as practicable and atleast so far forward that the after end of the lifeboat is forward of the propellers by not less than one and a half times the length of the lifeboat;
- (iii) each lifeboat shall be stowed as near the sea level as is safe and practicable;
- (iv) liferafts of sufficient aggregate capacity to accommodate at least one-half the number of persons on board are carried in addition to those carried under sub-rule (7).

(4) Save as otherwise provided in proviso to sub-rule (3) every lifeboat carried on board any such tanker in pursuance of sub-rule (2) shall be of not less than 7.3 metres in length.

(5) Every lifeboat carried on board any such tanker in pursuance of sub-rule (2) shall be attached to a separate set of davits of the gravity type.

(6) Two of the lifeboats carried on board any such tanker in pursuance of sub-rule (2) shall be motor lifeboats which shall be carried one on each side of the tanker.

(7) (a) Every such tanker shall carry liferafts of sufficient aggregate capacity to accommodate atleast one-half the total number of persons on board.

(b) In tankers of 150 metres or over in length with no amidships super-structure, there shall be carried one liferaft in addition to those carried in pursuance of the provision of clause (a), which shall be capable of accommodating atleast six persons. Such liferaft shall be stowed as far forward as is reasonable and practicable.

(8) Every such tanker shall carry atleast eight lifebuoys one-half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.

(9) Every such tanker shall be provided with a portable radio equipment complying with the requirements of rule 65.

(10) Every such tanker shall be provided with an approved line throwing appliance.

## (11) Every such tanker shall carry—

- (i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and
- (ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

17. Ships of Class IX.—(1) This rule applies to ships of Class IX being ships of less than 500 tons gross.

## (2) Every such ship shall carry—

- (i) one or more lifeboats attached to davits of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board; or
- (ii) a motor propelled class C boat attached to davits or provided with launching device and arrangement for recovering the boat.

(3) (a) Every such ship shall carry liferafts of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board. In addition, it shall carry liferafts sufficient to accommodate half the persons on board :

Provided that in the case of any ship engaged on voyages between near neighbouring countries, the Central Government may, if it is satisfied that conditions of the voyage are

such as to render carriage of additional liferafts unreasonable or unnecessary, except such ship from carrying additional liferafts under this sub-rule.

(b) The liferafts carried in pursuance of clause (a) shall be so stowed that they can be readily transferred to water from either side of the ship.

(4) Every such ship shall carry at least four lifebuoys, one-half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.

(5) Every such ship shall carry an approved line throwing appliance.

(6) Every such ship shall carry—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

18. Ships of Class IX (500 tons gross or over but less than 1600 tons gross).—This applies to ships of Class IX, being ships of 500 tons gross or over but less than 1600 tons gross.

(2) Every such ship shall carry—

(a) (i) on each side one or more lifeboats attached to davits of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board; or

(ii) a motor propelled Class C boat attached to davits or provided with launching device and arrangement for recovering the boat; and on each side liferafts of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board; or

(b) liferafts of sufficient aggregate capacity to accommodate at least half the total number of persons on board;

Provided that in the case of any ship engaged on voyages between near neighbouring countries the Central Government may, if it is satisfied that the conditions of voyage are such as to render carriage of liferafts unreasonable or unnecessary, exempt such ship from complying with the requirement of this clause.

(3) Every such ship shall carry 3 lifebuoys, one-half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.

(4) Every such ship shall carry a portable radio equipment complying with the requirement of rule 65:

Provided that the Central Government may, if it is satisfied that the duration of the voyage is such as to render the carriage or portable radio equipment unreasonable or unnecessary, exempt any ship from the requirement of this sub-rule.

(5) Every such ship shall be provided with an approved line throwing appliance.

(6) Every such ship shall carry—

(i) a life-jacket complying with requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and

(ii) a life-jacket complying with the requirement of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

(19) Ships of Class IX (1600 tons gross or over).—(1) This rule applies to ships of Class IX, being ships of 1600 tons gross or over.

(2) The provisions of rule 13 shall apply to ships of Class IX of 1600 tons and over in the like manner as they apply to ships of Class VIII of 1600 tons and over.

20. Ships of Class X.—(1) This rule applies to ship of Class X, being ships less than 25 metres in length.

(2) Every such ship shall carry—

(a) a Class C boat of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board; or

(b) liferafts of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board; or

(c) buoyant apparatus to support all persons on board,

(3) Every Class C boat, liferafts or buoyant apparatus carried in pursuance of sub-rule (2) shall be so stowed that it can be readily transferred to the water from either side of the ship.

(4) Every such ship shall carry at least two lifebuoys one of which shall be provided with self-igniting lights.

(5) Every such ship shall carry—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

21. Ships of Class X (ships of 25 metres in length or more but less than 35 metres in length).—(1) This rule applies to ships of Class X being ships of 25 metres in length or more but less than 35 metres in length.

(2) Every such ship shall carry a Class C boat so stowed that it can be readily transferred to the water from either side of the ship.

(3) Every such ship shall carry liferafts or buoyant apparatus or a combination of both of sufficient aggregate capacity to accommodate of, as case may be, to support all persons on board.

(4) Liferafts and buoyant apparatus carried in pursuance of sub-rule (3) shall be so stowed that they can be readily transferred to the water from either side of the ship.

(5) Every such ship shall carry at least four lifebuoys, one-half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.

(6) Every such ship shall carry—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

22. Ships of Class X (Ships of 35 metres or more but less than 45 metres in length).—(1) This rule applies to ships of Class X being ships of the 35 metres or more but less than 45 metres in length.

(2) Every such ship shall carry one or more Class C boats attached to davits of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board.

(3) Every such ship shall carry liferafts or buoyant apparatus of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board.

(4) Class C boats, liferafts and buoyant apparatus carried in pursuance of sub-rules (2) and (3) shall be so stowed that they can be readily transferred to the water from either side of the ship.

(5) Every such ship shall carry at least four lifebuoys, one-half of which shall be fitted with efficient self-igniting lights.

(6) Every such ship shall carry—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

(7) Every such ship shall be provided with an approved line throwing appliance.

23. Ships of Class X (Ships of 45 metres or over but less than 1600 tons gross).—(1) This rule applies to ships of Class X, being ships of 45 metres or over in length but less than 1600 tons gross.

(2) Every such ship shall carry—

(a) one or more lifeboats of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board and liferafts of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board; or

- (b) a Class C boat attached to davits and atleast two liferafts, the boat and liferafts together of sufficient aggregate capacity to accommodate twice the number of persons on board.
- (3) Life rafts carried in pursuance of sub-rule (2) shall be so stowed that they can be readily transferred to the water from either side of the ship.
- (4) Every such ship shall carry atleast four lifebuoys, one-half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.
- (5) Every ship shall carry—
- a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and
  - a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.
- (6) Every such ship shall be provided with an approved line throwing appliance.
24. Ships of Class X (Ships of 1600 tons or over).—(1) This rule applies to ship of Class X, being ships of 1600 tons gross or over.
- (2) The provisions of rule 18 shall apply to ships of Class X of 1600 tons gross or over in the like manner as they apply to ships of Class IX being ships of 500 tons gross or over but less than the 1600 tons gross.
25. Ships of Class XI.—(1) This rule applies to ships of Class XI being ships of less than 25 metres in length.
- (2) Every such ship shall carry—
- class C boat; or
  - liferafts; or buoyant apparatus of sufficient aggregate capacity to accommodate or, as the case may be, support all persons on board.
- (3) Class C boat liferafts or buoyant apparatus carried in pursuance of sub-rule (2) shall be so stowed that they can be transferred to the water from either side of the ship.
- (4) Every such ship shall carry atleast two life-bouys one half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.
- (5) Every such ship shall carry—
- a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and
  - a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.
26. Ships of Class XI (ships of 25 metres or more but less than 35 metres).—(1) This rule applies to ships of Class XI, being ships of 25 metres or more but less than 35 metres in length.
- (2) Every such ship shall carry—
- a Class C boat; and
  - liferafts or buoyant apparatus of sufficient aggregate capacity to accommodate or, as the case may be, to support, all persons on board.
- (3) Class C boat liferafts and buoyant apparatus carried in pursuance of sub-rule (2) shall be stowed that they can be readily transferred to the water from either side of the ship.
- (4) Every such ship shall carry atleast four lifebuoys, one-half of which shall be provided with efficient self-igniting light.
- (5) Every such ship shall carry—
- a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and
  - a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

27. Ships of Class XI (ships of 35 metres or more but less than 45 metres).—(1) This rule applies to ships of Class XI, being ships of 35 metres or more but less than 45 metres in length.

(2) Every such ship shall carry—

- one or more Class C boats, attached to davits of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board; and
- liferafts or buoyant apparatus of sufficient aggregate capacity to accommodate or, as the case may be, support all persons on board.

(3) Class C boats, liferafts and buoyant apparatus carried in pursuance of sub-rule (2) shall be so stowed that they may be readily transferred to the water from either side of the ship.

(4) Every such ship shall carry atleast 4 lifebuoys, one-half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.

(5) Every such ship shall carry—

- a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and
- a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

28. Ships of Class XI (ships of 45 metres or more but less than 1600 tons gross).—(1) This rule applies to ships of Class XI, being ships of 45 metres in length or over but less than 1600 tons gross.

(2) Every such ship shall carry—

- one or more class C boats attached to davits of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board; and
- liferafts of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board.

(3) Class C boats and liferafts carried in pursuance of sub-rule (2) shall be so stowed that they may be readily transferred to the water from either side of the ship.

(4) Every such ship shall carry atleast 4 lifebuoys one half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.

(5) Every such ship shall carry—

- a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and
- a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

29. Ships of Class XI (ships of 1600 tons gross or more).—(1) This rule applies to ships of Class XI, being ships of 1600 tons gross or over.

(2) The provisions of rule 18 shall apply to ships of Class XI of 1600 tons gross or over in the like manner as they apply to ships of Class IX of 500 tons gross or over but less than 1600 tons gross.

30. Ships of Class XII.—(1) This rule applies to ships of Class XII which are engaged on coastal voyages.

(2) The provisions of rules 20 to 24, inclusive, apply to ships of Class XII engaged on coastal voyages in the like manner as they apply to ships of Class X.

31. Ships of Class XII (ships of less than 500 tons gross).—(1) This rule applies to ships of Class XII being ships of less than 500 tons gross which go short distance to sea.

(2) Every ship shall carry a Class C boat or one or more liferafts or buoyant apparatus of sufficient aggregate capacity to accommodate, or as the case may be, support all persons on board.

(3) Liferafts and buoyant apparatus carried in pursuance of sub-rule (2) shall be so stowed that they can be readily transferred to the water from either side of the ship.

(4) Every such ship shall carry atleast 4 lifebuoys one-half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.

(5) Every such ship shall carry—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

32. Ships of Class XII (ships of 500 tons gross and above).—(1) This rule applies to ships of Class XII of 500 tons gross and above which go short distances to sea.

(2) Every such ship shall carry a lifeboat or a Class C boat which can be readily lowered into the water from either side of the ship.

(3) Every such ship shall carry liferafts or buoyant apparatus of sufficient aggregate capacity to accommodate or, as the case may be, support all persons on board.

(4) Liferafts and buoyant apparatus carried in pursuance of sub-rule (3) shall be so stowed that they can be transferred to the water from either side of the ship.

(5) Every such ship shall carry atleast 4 lifebuoys one-half of which shall be fitted with efficient self-igniting lights.

(6) Every such ship shall carry—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

33. Ships of Class XIII.—(1) This rule applies to ships of class XIII being ships of less than 25 metres in length.

(2) Every such ship shall carry—

(i) a Class C boat; or

(ii) liferafts; or

(iii) buoyant apparatus

of sufficient aggregate capacity to accommodate or, as the case may be, support persons on board;

Provided that the Central Government may, if satisfied that the length, type or size of the ship is such as to render compliance with the provisions of this sub-rule impracticable, permit any other type of life saving appliance, in such quantity as it may specify to be substituted for those prescribed in this sub-rule.

(3) The Class C boat, liferafts or buoyant apparatus carried in pursuance of sub-rule (2) shall be so stowed that they can be readily transferred to the water from either side of the ship.

(4) Every such ship shall carry atleast two lifebuoys one of which shall be provided with an efficient self-igniting lights.

(5) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

34. Ships of Class XIII (ships of 25 metres or over but less than 35 metres).—(1) This rule applies to ships of Class XIII, being ships of 25 metres or over but less than 35 metres in length.

(2) Every such ship shall carry—

(i) a Class C boat; or

(ii) liferafts; or

(iii) buoyant apparatus.

of sufficient aggregate capacity to accommodate, or as the case may be, support all persons on board.

(3) The Class C boat, liferafts and buoyant apparatus carried in pursuance of sub-rule (2) shall be so stowed that they

364 GI/82—14

can be readily transferred to the water from either side of the ship.

(4) Every such ship shall carry at least four lifebuoys, one-half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.

(5) Every such ship shall carry—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

35. Ships of class XIII (ships of 35 metres or over but less than 45 metres).—(1) This rule applies to ships of Class XIII, being ships of 35 metres or over but less than 45 metres in length.

(2) Every such ship shall carry a lifeboat attached to davits or Class C boat of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board.

(3) Every such ship shall carry liferafts or buoyant apparatus of sufficient aggregate capacity to accommodate or, as the case may be, support all persons on board.

(4) The life boat, Class C boat, liferafts and buoyant apparatus carried in pursuance of sub-rules (2) and (3) shall be so stowed that they can be readily transferred to the water from either side of the ship.

(5) Every such ship shall carry atleast 4 lifebuoys one-half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.

(6) Every such ship shall carry—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

36. Ships of Class XIII (ships of 45 metres or over but less than 75 metres).—(1) This rule applies to ships of Class XIII, being ship of 45 metres or over but less than 75 metres in length.

(2) Every such ship shall carry—

(i) one or more lifeboats attached to davits on each side of the ship of sufficient aggregate capacity to accommodate one-half the total number of persons on board; and

(ii) two liferafts of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board.

(3) Every such ship shall carry atleast 4 lifebuoys one-half of which shall be provided with self-igniting lights.

(4) Every such ship shall carry—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

(5) Every such ship shall be provided with an approved line throwing appliance.

(6) Every such ship shall be provided with a portable radio equipment complying with the requirements of rule 65.

(37) Ships of Class XIII (Ships of 75 metres or over).—(1) This rule applies to ships of Class XIII, being ships of 75 metres or over in length.

(2) The provisions of rule 36 shall apply to ships of Class XIII of 75 metres or over in length in the like manner as they apply to ships of Class XIII of 45 metres or over but less than 75 metres in length, except that one of the lifeboats carried on board any ship of 75 metres or over in length shall be a motor lifeboat.

38. Ships of Class XIV.—(1) This rule applies to ships of Class XIV, being ships of less than 25 metres in length.

(2) Every such ship shall carry a boat or liferafts or buoyant apparatus which singly or collectively provide sufficient aggregate capacity to accommodate, or as the case may be, support all persons on board.

(3) Every such ship shall carry at least two lifebuoys one of which shall be provided with an efficient self-igniting light.

(4) Every such ship shall carry—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

39. Ships of Class XIV (ships of 25 metres or more but less than 45 metres).—(1) This rule applies to ships of Class XIV, being ships of 25 metres or more but less than 45 metres in length.

(2) Every such ship shall carry a boat or liferafts or buoyant apparatus which singly or collectively provide sufficient aggregate capacity to accommodate, or, as the case may be, support all persons on board.

(3) Every such ship shall carry at least 4 lifebuoys one-half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.

(4) Every such ship shall carry—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

40. Ships of Class XIV (ships of 45 metres or more).—(1) This rule applies to ships of Class XIV, being ships of 45 metres or more in length.

(2) Every such ship shall carry one or more Class C boats of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board.

(3) Class C boats carried in pursuance of sub-rule (2) shall be so stowed that they can be readily lowered into the water.

(4) Every such ship shall carry at least 4 lifebuoys one-half of which shall be provided with efficient self-igniting lights.

(5) Every such ship shall carry—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

41. Ships of Class VX.—(1) This rule applies to ships of Class XV being ships of less than 25 metres in length.

(2) Every such ship shall carry liferafts or buoyant apparatus of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board.

(3) Every such ship shall carry at least two lifebuoys which shall be provided with an efficient self-igniting light.

(4) Every such ship shall carry—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for every person on board; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

42. Ships of Class XV (ships of 25 metres or over).—(1) This rule applies to ships of Class XV, being ships of 25 metres or over in length.

(2) Every such ship shall carry one or more Class C boats of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board.

(3) Every such shall carry liferafts or buoyant apparatus of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board.

(4) The Class C boats liferafts or buoyant apparatus carried in pursuance of sub-rules (2) and (3) shall be so stowed

that they can readily be launched or lowered into the water from either side of the ship.

(5) Every ship shall carry at least four lifebuoys one-half of which shall be provided with efficient-igniting lights.

(6) Every such ship shall carry—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Fifth Schedule for all persons on board; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Fifth Schedule for every child on board.

43. General requirements for lifeboats.—All lifeboats carried on board ships in pursuance of these rules shall comply with the requirements specified in the Fourth Schedule.

44. Carrying capacity of lifeboats.—(1)(a) Subject to the provisions of sub-rules (2), (3), (4) and (5), the number of persons a lifeboat shall be deemed fit to accommodate shall be equal to the greatest whole number obtained by the formula

$$\frac{V}{X}$$

where "V" is the cubic capacity of the lifeboat in cubic metres determined in accordance with the provisions of the Seventh Schedule and V is the volume in cubic metres for each person which shall be 0.283 for a lifeboat 7.3 metres in length or over and 0.396 in the case of lifeboats of 4.9 metres in length.

(b) For intermediate length of lifeboats, the value of X shall be determined by interpolation.

(2) The number of persons which a lifeboat is deemed fit to accommodate shall not exceed the number of adult persons wearing life-jackets for which there is proper seating accommodation arranged in such a way that the persons when seated do not interfere in any way with the use of cars or operation of other propulsion equipment.

(3) No lifeboat shall be deemed fit to accommodate more than 150 persons.

(4) No lifeboat other than a motor lifeboat shall be deemed fit to accommodate more than 100 persons.

(5) No lifeboat other than a motor lifeboat or a mechanically propelled lifeboat shall be deemed fit to accommodate more than 60 persons.

45. Motor Lifeboats.—Every motor lifeboat in addition to complying with the requirements of the Seventh Schedule, shall comply with the following requirements, namely:—

(a) it shall be fitted with a compression ignition engine and such engine and its accessories shall comply with the requirements of the Eighth Schedule and shall be so maintained as to be ready for use at all times;

(b) it shall be provided with sufficient fuel for 24 hours continuous operation at the speed specified in clause (d) or clause (e).

(c) it shall be capable of going astern;

(d) if it is a lifeboat provided in accordance with sub-rule (4) of rule 4, sub-rule (5) of rule 5, sub-rule (4) of rule 6, sub-rule 4 of rule 13 when extended to tankers by virtue of the provision of sub-rule (2) of rule 15 or sub-rule (6) of rule 16 it shall be capable of going ahead in smooth water when loaded with its full complement of persons and equipment at a speed of 6 knots, per hour;

(e) if it is a motor lifeboat provided in accordance with any other rule excepting rules referred to in clause (d), it shall be capable of going ahead in smooth water with its full complement of persons and equipment at a speed of 4 knots.

46. Mechanically propelled lifeboats.—Mechanically propelled lifeboats, in addition to complying with the requirements of the Fourth Schedule, shall be fitted with machinery which shall comply with the requirements of the Ninth Schedule.

47. Class C boats.—Class C boat shall comply with the requirements of the First Schedule.

48. Liferrafts.—(1) Liferrafts shall comply with the requirements of either Part I or Part II of the Second Schedule.

(2) Liferrafts complying with the requirements of Part I of the Second Schedule shall be surveyed at a servicing station approved by the Central Government at intervals of not more than 12 months:

Provided that if the Central Government is satisfied that it is impracticable to survey such liferaft at an interval of 12 months it may permit that interval to be extended by not more than 3 months.

49. Buoyant apparatus.—(1) Buoyant apparatus shall comply with the requirements of the Tenth Schedule.

(2) The number of persons which a buoyant apparatus shall be deemed fit to support shall be equal to—

(a) the greatest whole number obtained by dividing by 14.5 the number of kgs. of iron which the apparatus is capable of supporting from its grab lines in fresh water; or

(b) the greatest whole number obtained by dividing its perimeter in centimetres by 30.5;

which is less.

50. Marking of lifeboats, class C boats, liferafts and buoyant apparatus.—(1) (a) The dimension of a lifeboat or a Class C boat and the number of persons which it is deemed fit to accommodate shall be clearly marked on it in permanent characters.

(b) the name and port of registry of the ship to which the lifeboat or the class C boat belong shall be painted on each side of the bow of each such lifeboat or Class C boat.

(2) (a) The number of persons which a liferaft complying with the requirements of Part I of the Second Schedule is deemed fit to accommodate shall be clearly marked in permanent character on the liferaft and on the valise or other container in which the liferafts is contained when not in use.

(b) Every such liferaft shall also bear a serial number and the manufacture's name and the year of manufacture.

(3) Every liferaft which complies with the requirements of Part II of the Second Schedule shall be marked with the name and port of registry of the ship in which it is carried and with the number of persons it is fit to accommodate.

(4) The number of persons a buoyant apparatus is fit to support shall be clearly marked on it in permanent character.

51. Lifebuoys.—Lifebuoys shall comply with the requirements of the Eleventh Schedule.

52. Lifebuoys light, smoke signals and lines.—(1) Lifebuoys carried in accordance with these rules shall have attached to them self-igniting lights on the scales specified in sub-rule (22) of rule 4, sub-rule (14) of rule 5, sub-rule (10) of rule 6, sub-rule (14) of rule 7, sub-rule (9) of rule 8, sub-rule (9) of rule 9, sub-rule (7) of rule 10, sub-rule (4) of rule 11, sub-rule (5) of rule 12, sub-rule (7) of rule 13, sub-rule (8) of rule 16, sub-rule (4) of rule 17, sub-rule (3) of rule 18, sub-rule (4) of rule 20, sub-rule (5) of rule 21, sub-rule (5) of rule 22, sub-rule (4) of rule 23, sub-rule (4) of rule 25, sub-rule (4) of rule 26, sub-rule (4) of rule 27, sub-rule (4) of rule 28, sub-rule (4) of rule 31, sub-rule (5) of rule 32, sub-rule (4) of rule 33, sub-rule (4) of rule 34, sub-rule (5) of rule 35, sub-rule (4) of rule 36, sub-rule (3) of rule 38, sub-rule (3) of rule 39, sub-rule (4) of rule 40 and sub-rule (5) of rule 42.

(2)(a) The self-igniting lights shall be capable of remaining in water without getting extinguished.

(b) They shall be capable of burning for not less than 45 minutes and shall have a luminosity of not less than 2 candellas in all directions of the upper hemisphere.

(3) The self-igniting lights attached to lifebuoys carried in tankers shall be of an electric battery type.

(4) (a) In every ship not being a ship of class X to XV less than 25 metres in length one lifebuoy on each side of the ship shall have attached to it a buoyant line of at least 27.5 metres in length.

(b) In every ship of Class X to XV of less than 25 metres in length one lifebuoy on each side of the ship shall have attached to it a buoyant line of at least 18 metres in length.

(c) The lifebuoys having lines attached to them in compliance with this sub-rule shall not have self-igniting lights attached to them.

(5) In every ship, other than a ship of Class X, XI, XII, XIII, XIV or XV, not less than two of the lifeboats provided with self-igniting lights in accordance with the provisions of sub-rule (1) shall be provided with a self-activating smoke signal capable of producing smoke of a highly visible colour for at least 15 minutes.

(6) (a) The lifebuoys provided with self-igniting lights and self-activating smoke signals in accordance with these rules shall be carried on each side of navigating bridge if any, and so fitted as to be capable of quick release.

(b) Each of the lifebuoys referred to in clause (a) and any other lifeboats in position where the release of self-igniting light depends upon the weight of such lifebuoy shall weigh not less than 4.3 kgs.

53. Line throwing appliances.—Every line throwing appliance shall comply with the requirements of the Twelfth Schedule.

54. Equipment for lifeboats and Class C boats.—(1) Subject to the provisions of sub-rules (2), (3) and (4), the equipment of every lifeboat shall be as follows:

(a) a signal banked complement of buoyant oars, two spare buoyant oars, and a buoyant steering oar; one set and a holt of crutches attached to the lifeboat by lanyard or chain and a boathook;

(b) Two plugs for each plug hole (except where proper automatic valves are fitted) attached to the lifeboat by lanyards or chains; a bailer and two buckets;

(c) a rudder attached to the lifeboat and a tiller;

(d) a life line bracketed round the outside of the lifeboat; means to enable persons to cling to the lifeboat if upturned in the form of bilge keels or keel rails, together with grab lines secured from gunwale under the keel;

(e) a locker, conspicuously marked as such, suitable for the stowage of small items of equipment;

(f) two hatchets, one at each end of the lifeboat;

(g) a lamp with oil sufficient for 12 hours;

(h) a watertight box containing two boxes of matches not readily extinguished by wind;

(i) a mast or masts with galvanized wire stays together with orange coloured sails which shall be marked for identification purposes with the first and last letter of the name of the ship to which the lifeboat belongs;

(j) a compass in binnacle complying with the requirements of Part I of the Thirteenth Schedule;

(k) a Sea anchor complying with the requirements of Part II of the Thirteenth Schedule;

(l) two painters of sufficient length and size. One shall be secured to the forward end of the lifeboat with strop and toggle so that it can be released and the other shall be firmly secured to the stem of the lifeboat and be ready for use;

- (m) a vessel containing 4.5 litres of vegetable, fish or animal oil. A means shall be provided enabling easy distribution of oil on water and it shall be so arranged that it can be attached to the sea anchor;
- (n) for parachute distress rocket signals complying with the requirements of Part III of the Thirteenth Schedule; and six hand-held distress flare signals complying with the provision of Part IV of the Thirteenth Schedule;
- (o) two buoyant smoke signals complying with the requirements of Part V of the Thirteenth Schedule;
- (p) a first aid outfit complying with the requirements of Part VI of the Thirteenth Schedule;
- (q) a waterproof electric torch suitable for morse signalling together with one spare set of batteries and one spare bulb in a water proof container;
- (r) a day light signalling mirror;
- (s) a jack knife fitted with a tin-opener to be kept attached to the lifeboat with the lanyard;
- (t) two light buoyant heaving lines;
- (u) a manual pump complying with the requirements of Part VIII of the Thirteenth Schedule;
- (v) a whistle;
- (w) a fishing line and six hooks;
- (x) a cover of a highly visible colour capable of protecting the occupants against injury by exposure;
- (y) a copy of Rescue Signal Table as required under regulation 16 of Part V of the Safety Convention;
- (z) means to enable persons in the water to climb into the lifeboat.

(2) (a) No motor lifeboat or mechanically propelled lifeboat shall be required to carry a mast or sails, nor more than half the complement of oars.

(b) Every such lifeboat shall carry two boat books.

(3) (a) Every motor lifeboat shall carry at least two portable fire extinguishers capable of discharging foam or other substance suitable for extinguishing oil fires, a receptacle containing a sufficient quantity of sand and a scoop for distributing the sand.

(b) such portable fire extinguishers shall be of a type complying with the requirements of the Merchant Shipping (Fire Appliances) Rules, 1969 except that the capacity of each extinguisher shall not be required to exceed 4.5 litres of fluid or its equivalent.

(4) Ships of Classes VI, X, XIII and XIV need not carry the equipments specified in clauses (i), (r) and (w) of sub-rule (1).

(5) Ships of classes VII, XI and XII need not carry the equipments specified in clauses (i), (j), (n), (o), (v), (x), and (y) of sub-rule (1).

(6) Every class C boat carried in pursuance of these rules, or a lifeboat in lieu of which carriage of a Class C boat is permitted, shall be equipped as follows:—

- (a) a signal complement of buoyant oars and one spare buoyant oar provided that there shall never be less than three oars; one set of crutches attached to the boat by lanyard or chain and a boathook;
- (b) two plugs for each plughole (except where proper automatic valves are fitted) attached to the boat by lanyard or chain; a bailer and a bucket;
- (c) a rudder attached to the boat and a tiller;
- (d) a life line bucketed round the outside of the boat;
- (e) a locker, conspicuously marked as such suitable for the stowage of small items of equipment;

(f) a painter of sufficient length and size secured to the forward end of the boat with strap and toggle so that it can be released;

(g) means to enable persons to cling to the boat if upturned in the form of bilge keels or keel rails;

(h) a waterproof electric torch suitable for morse signalling together with one spare set of batteries and one spare bulb in a waterproof container; and

(i) two light buoyant heaving lines.

55. Rations for lifeboats.—(1) Every lifeboat shall be provided with at least the rations specified in the following scale for each person it is deemed fit to accommodate:

- (a) 450 grams of biscuits;
- (b) 450 grams of barley sugar; and
- (c) 450 grams of sweetened condensed milk of first quality.

Provided that this rule shall not apply to any lifeboat carried in ships of Classes VI, VII, X, XI, XII, XIII, XIV and XV which do not proceed outside Home-Trade Limits.

(2) All the foodstuffs specified in sub-rule (1) shall be packed in suitable water tight containers and labelled to indicate the contents.

(3) (a) Every lifeboat carried in ships of classes I to VIII (both inclusive) shall be provided with at least 2 litres of fresh water for each of the number of persons it is deemed fit to accommodate or at least two litres of fresh water for each such person together with a desalting apparatus capable of providing at least one litre of drinking water for each such person and in either case the total quantity of water shall be increased as far as practicable.

(b) Every Class C boat carried in ships of classes referred to in clause (a) shall be provided with adequate quantity of water.

(4) The water shall be kept in the lifeboat in suitable containers and every container shall be provided with at least one dipper which shall be attached to such containers by a lanyard, and three rust proof drinking vessels graduated in 25, 50 and 100 milli litres.

Provided that a container of not more than two litres capacity shall not be required to be provided with a dipper.

(5) The water in containers referred to in sub-rule (4) shall be frequently changed so as to ensure that it always clean and fit for drinking.

56. Special equipment for certain motor lifeboats.—(1) In every ship of classes I and III, the motor lifeboats which are carried in compliance with clause (a) of sub-rule (5) of rule 4 and clause (a) of sub-rule (5) of rule 6 shall be provided with the following equipment, namely:—

(a) a radio equipment which shall comply with the Geneva Radio Regulations, Geneva, 1959 and in addition, the following provisions shall apply thereto, namely:—

(i) it shall be installed in a cabin large enough to accommodate both the apparatus and the person using it;

(ii) the arrangement shall be such that the efficient operation of the transmitter and receiver shall not be impaired through interference from the engine of the motor lifeboat whether a battery is on charge or not; and

(iii) the radio battery shall not be used to supply power to any engine starting motor or ignition system.

(b) a dynamo fitted to the engine of the motor lifeboat and capable of recharging all batteries in the lifeboat.

(2) (a) A search light carried in pursuance of these rules shall include a lamp of at least 80 watts, an efficient reflector and a source of power which will give effective illumination of a light coloured object having width of about 18 metres at a distance of 183 metres for a total period of six hours.

(b) The search light shall be capable of working for at least 3 hours continuously.

57. Security of equipment rations in lifeboats and Class C boats.—(1) (a) All items of equipment provided in a lifeboat, class C boat or other boat, with the exception of a boat hook which shall be kept free for fending off purposes, shall be suitably secured within the lifeboat or boat.

(b) Any lashing shall be carried out in such a manner as to ensure the security of the equipment and so as not to interfere with the lifting hooks, if fitted, or to prevent ready embarkation.

(c) All items of such equipment shall be as small and as light in weight as possible and shall be packed in suitable and compact form.

(2) All the rations provided in a lifeboat shall be stowed in water-tight tanks which shall be firmly secured to the lifeboat.

(3) The tanks for the food and water rations shall be conspicuously marked 'food' or 'water' whichever is appropriate.

58. Equipment and rations for liferafts.—(1) Subject to the provisions of sub-rule (2) and (3), the equipment and rations provided in every liferaft shall be as follows:—

- (a) one buoyant rescue quoit attached to at least 31 metres of buoyant line;
- (b) (i) for liferafts which are fit for accommodating not more than 12 persons—one safety knife and one bailer;
- (ii) for liferafts which are fit for accommodating 13 persons or more—two safety knives and two bailers.
- (c) two sponges;
- (d) two sea anchors, one permanently attached to the liferaft and one spare with line;
- (e) two paddles;
- (f) one repair outfit capable of repairing punctures in buoyancy compartments unless the liferaft complies with the requirements of Part II of the Second Schedule;
- (g) one topping up pump or bellows unless the liferaft complies with the requirements of Part II of the Second Schedule;
- (h) three safety tin openers;
- (i) a first aid outfit complying with the requirements of Part VIII of the Thirteenth Schedule;
- (j) one rust proof drinking vessel graduated in 25, 50 and 100 milli litres;
- (k) one waterproof electric torch suitable for more signalling together with one spare set of batteries and one spare bulb in a water proof container;
- (l) one day-light signalling mirror and one signalling whistle;
- (m) two parachute distress rocket signals complying with the requirements of Part III of Thirteenth Schedule;
- (n) six hand held distress flare signals complying with the requirements of Part IV of the Thirteenth Schedule;
- (o) one fishing line and six hooks;
- (p) 340 grams of suitable non-thirst provoking food providing at least 2200 calories per 450 grams weight and 170 grams of barley sugar or other equally suitable sweets for each person the liferaft is deemed fit to accommodate;
- (q) watertight receptacles containing one and a half litres of fresh water for each person the liferaft is deemed fit to accommodate, of which 1/2 litre per

person may be replaced by a suitable de-salting apparatus capable of producing an equal amount of fresh water;

- (r) six anti-sea-sickness tablets for each person which the liferaft is deemed fit to accommodate;
- (s) instructions printed in the English and Hindi languages on how to survive in the liferaft;
- (t) one copy of Rescue Signal Table as required under Regulation 16 of Part V of the safety convention.

(2) In ships of Classes II and IV.—(i) One or more liferafts, not being less than one-sixth of the total number of liferafts carried in any such ship, may be provided with the equipment specified in clauses (a) to (g) (both inclusive), (k), (s) and (t) of sub-rule (1) and with one-half of the equipment specified in clauses (m) and (n) of that sub-rule.

(ii) Liferafts other than those equipped in accordance with clause (i), shall be provided with equipment specified in clauses (a) to (g) (both inclusive) and (s) and (t) of sub-rule (1).

(3) In ships of classes V, VI, VII, X, XII, XIII, XIV and XV liferafts shall be provided with the equipment specified in clauses (a), (b), (c), (e), (f) (g), (i), (m), (n), (o), (q), (r), (s) and (t) of sub-rule (1) of this rule together with sea-anchor which shall be permanently attached to the liferaft.

59. General provisions relating to the stowage and handling of life-saving appliances.—(1) The arrangements for each lifeboat Class C boat or other boat, liferaft, and article of buoyant apparatus shall be such that it will not interfere with the operation of other life saving appliances or impede in any way their prompt handling or the marshalling of persons at the launching station or their embarkation.

(2) Lifeboats, class C boats or other boats, liferafts and buoyant apparatus shall be so stowed that they can all be launched safely in the shortest possible time and the overall launching period shall not exceed 30 minutes in the case of ships of classes I, II, III, IV and VIII which carry liferafts under launching appliances.

60. Stowage and handling of lifeboats, class C boats and other boats.—(1) Subject to the provisions of sub-rules (2), (3) and (4), every lifeboat attached to a set of davits, other than a lifeboat which is carried as an alternative to a class C boat or other boat, shall be so arranged that even under unfavourable conditions of trim and upto 15 degrees of list either way it can be put into the water when loaded with its full complement of persons and equipment required by these rules, except that in ships of under 45.7 meters in length of class VII such lifeboats may be so arranged that in the aforesaid conditions they can be put into water when loaded with their required equipment and a launching crew of at least two persons.

(2) Any lifeboat which is carried as an alternative to a Class C boat or other boat and any Class C boat or other boat which is attached to a davit or of a set of davits other than a mechanically controlled single arm davit shall be so arranged that when loaded with its equipment required by these rules and a launching crew of two persons, it can be put into the water on either side of the ship when the ship is upright or from the side of the list when the ship is listed to 15 degrees towards that side.

(3) Every lifeboat, class C boat or other boat attached to a mechanically controlled single arm davit shall be so arranged that when loaded with its equipment required by these rules and a launching crew of two persons it can be put into the water on one side of the ship when the ship is upright or is listed upto 15 degrees towards that side, except that in the case of fishing vessels which carry lifeboats, class C boats or other boats in accordance with these rules the lifeboat shall be so arranged that when loaded with its required equipment and a launching crew of two persons it can be put into water from either side of the ship, or if the ship has a list from the side to which the ship is listed.

(4) Every lifeboat or class C boat, carried in compliance with clause (b) of sub-rule (2) of rule 11, clause (b) of sub-rule (2) of rule 23 and clause (1) of sub-rule (2) of rule 36, if not attached to a davit or a set of davits, shall be attached to a device which shall be provided primarily for the purpose of

launching the boat and which shall be capable of putting the boat into the water from one side of the ship when it is loaded with its equipment required by these rules and a launching crew of two persons; and when the ship is upright or listed upto 15 degrees such device shall be capable of putting the lifeboat or class C boat into the water from the side of the ship towards which it is listed.

(5) Not more than one lifeboat, class C boat or other boat shall be attached to any set of davits, davit or other means of launching.

(6) Lifeboats may only be stowed on more than one deck provided that proper measures are taken to prevent lifeboats on a lower deck being fouled by those stowed on a deck above.

(7) (i) Lifeboats shall not be placed in the bow of the ship. (ii) Lifeboats shall be positioned as close to the accommodation and service spaces as is possible. (iii) Lifeboats shall be situated in such a position as to ensure safe launching, in particular, having regard to the clearance from the pronoller and the steep over-hanging portions of the hull with the object of ensuring, as far as practicable, that they can be launched down the straight side of the ship.

(8) Davits shall be suitably placed in the ships.

(9) Davits, winches, falls, blocks and other launching gear provided in accordance with these rules shall comply with the requirements of the Fourteenth Schedule.

(10) (a) All lifeboats, class C boats or other boats attached to davits shall be served by wire rope falls and winches into the following cases :—

(i) when they are attached to gravity davits; or

(ii) when they are attached to mechanically controlled single arm davits; or

(iii) when they are fitted to any ship of classes I, II, III, IV, V, VIII, IX and ships of class XIII of 45 meters or more in length; or

(iv) when the weight of the attached lifeboat, class C boat or other boat in the lowering condition exceeds 2300 kilograms :

Provided that the Central Government may permit other types of falls to be fitted with or without winches in cases of lifeboats other than emergency lifeboats where it is satisfied that such falls are adequate.

(b) In every ship in which lifeboats, class C boats or other boats are served by wire rope falls, winches shall be provided for handling such falls.

(c) Emergency lifeboats carried in compliance with sub-rule (3) of rule 4, sub-rule (4) of rule 5, and sub-rule (4) of rule 6 shall be served by winches which are capable of recovering them at a speed of not less than 18 metres per minute when the lifeboats is loaded with its equipment required by these rules and a distributed load equal to 1016 Kgs.

(11) Efficient hand gear shall be provided for the recovery of all lifeboats, class C boats or other boats which are served by winches.

(12) Where davits are recovered by action of the falls by powers, safety devices shall fitted which will automatically cut-off the power when the davits are at least 10 centimetres away from the steps to ensure that the wire rope falls or davits are not over-stressed.

(13) Unless expressly provided otherwise in these rules, to facilitate the launching of lifeboats against a list of 15 degrees skates or other suitable means shall be provided for any lifeboat stowed under davits which are of such strength that the lifeboat can be lowered with its full complement of persons and its equipment required by these rules.

(14) Means shall be provided for bringing the lifeboats, which are required to be capable of being lowered in the full loaded condition against the ship's side for holding them there for the safe embarkation of persons.

(15) (a) In any ship other than ship in which the lifeboat, class C boat or other boat is attached to a mechanically controlled single arm davit, the davit shall be fitted with a wire rope span so positioned that when the boat is in the lowering position, the span is as near as practicable over the centre line of the boat.

(b) Such a wire rope span shall be fitted with at least two life lines which shall be long enough to reach the water with the ship at its highest seagoing draught and listed to 15 degree either way.

(16) (a) Lifeboats, class C boats and other boats attached to davits shall have the falls ready for service and such falls shall be at least long enough to reach the water with the ship at its highest seagoing draught and listed to 15 degree either way.

(b) Means shall be provided for detaching the lifeboats, class C boats or the other boats from the falls.

(c) Lower fall blocks shall be fitted with a suitable ring or a long link for attaching to the sling books, unless disengaging gear complying with the requirements of the Fifteenth Schedule is fitted.

(d) The points of attachment of the lifeboats, class C boats and other boats to the falls shall be at such height above the gunwale as to ensure stability when lowering the lifeboats, class C boats or other boats.

(17) (a) Every emergency lifeboat carried in compliance with sub-rule (3) of rule 4, sub-rule (4) of rule 5, sub-rule (3) of rule 6, and sub-rule (4) of rule 7 shall be provided with means for facilitating the attachment of the lower fall blocks to the lifting arrangements of the boat when the boat is recovered from the sea adverse whether conditions.

(b) For this purpose a pendant of adequate strength and suitable length shall be provided for each davit, and one end of the pendant shall be attached to the lower fall block and other end to the lifting arrangement on the boat.

(c) In addition, means shall also be provided for hanging off the boat after hoisting to enable the lower fall block to be attached directly to the lifting hook.

(18) In any ship, when a lifeboat is attached to any set of davits, davit or other means of launching not of sufficient strength for safe lowering of the boat into the water when loaded with its full complement of persons and equipment required by these rules under conditions of trim or of list specified in these rules for the class of such ship, or when any class C boat or other boat is attached to any set of davits or davit or other means of launching which are not of sufficient strength for safe lowering of such class C boat or other boat when loaded with its full complement of persons and equipment required by these rules, each such set of davits, davit or other means of launching shall be conspicuously marked with a red band 15.25 centimetres wide painted on a white background.

61. Stowage and handling of liferafts, buoyant apparatus and lifebuoys. (i), liferafts and buoyant apparatus shall be so stowed that they can be put into water safely even under unfavourable conditions of trim and upto 15 degrees of list either way.

(2) (a) In every ship of classes I and II which carries liferafts in accordance with clause (b) of sub-rule (2) of rule 4, or item (c) of proviso to sub-rule (8) of rule 5, launching appliances complying with the requirements of the Third Schedule shall be provided for such liferafts.

(b) In every ship of class III which carries liferafts in accordance with clause (b) of sub-rule (2) of rule 6, there shall be provided launching appliances complying with the requirements of the Third Schedule, in such number as the Central Government may consider sufficient, which shall, as far as practicable, be distributed equally on each side of the ship :

Provided that there shall never be less than one such appliance on each side of the ship.

(c) Every liferaft launching appliance shall be so arranged that even under unfavourable conditions of trim and of list upto 15 degree either way, each liferaft which is designed for use with such an appliance can be launched when loaded with its full complement of persons and equipment.

(d) Liferrafts for which launching appliances are provided and such launching appliances, shall not be placed in the bows of the ship and shall be so placed as to ensure safe launching having particular regard to clearance from the propeller and steeply over-hanging portions of the hull aft, and to ensure, so far as is practicable that they can be launched down the straight side of the ship.

(e) Means shall be provided for bringing liferafts for which launching appliances are provided against the ships side and for holding them therefore the safe embarkation of persons.

(3) Lifebuoys shall be so stowed as to be readily accessible to all persons on board and in such a way that they can be rapidly cast loose.

(4) Life-jackets shall be so stowed as to be readily accessible to all persons on board and their position shall be clearly and permanently indicated.

62. Embarkation into lifeboats, class C boats, other boats and liferafts.—(1) Arrangements shall be made to ensure that it is possible to effect embarkation into the lifeboats, class C boats, other boats and liferafts rapidly and in good order.

(2) In every ship arrangements shall be made for warning the passengers and crew when the ship is about to be abandoned.

(3) (a) (i) In ships of classes VIII, IX and X when the length of the ship exceeds 45 metres, one ladder shall be carried at each set of lifeboat davits where the davits are capable of lowering the lifeboat when loaded with its full complement of persons and equipment required by these rules.

(ii) Such provision shall also be made in ships of classes I, II and VI except that in such ships the Central Government may permit such ladders to be replaced by suitable mechanical devices provided that there shall not be less than one ladder on each side of every such ship.

(b) In ship of classes, VIII, IX, X, XI, XIII and XIV which carry a class C boat or a lifeboat which is not capable of being lowered into the water when loaded with its full complement of persons and its equipment required by these rules suitable means shall be provided for embarking persons into the boat.

(c) In ships of classes I to X and ship of classes XI to XIV of 500 tons gross or over, sufficient ladders shall be provided to facilitate embarkation into the liferafts when water borne except that in such ships the Central Government may permit replacement of some or all such ladders by suitable mechanical devices.

(d) The ladders provided in compliance with the provisions of this sub-rule shall be of sufficient length to reach the waterline with the ship at its lightest draught and listed to 15 degrees either way.

(4) Every ship be provided with means situated outside the engine room where by any discharge of water into the lifeboats or into liferafts at fixed launching positions including those under launching appliances can be prevented.

63. Manning of lifeboats and liferafts.—(1) In ships of classes I, II, III, IV and V a deck officer or a certificated lifeboatman shall be placed in charge of each lifeboat and a second-in-command shall also be nominated. The person in charge shall have a list of the lifeboats crew and shall see that the persons placed under his orders are acquainted with their several duties.

(2) In ship of classes, I and III a person trained in the handling and operation of liferafts shall be assigned to each liferaft.

(3) (a) In ships of class II carrying liferafts served by launching appliances, two persons trained in the handling and operation of liferafts shall be assigned to each launching appliance.

(b) In ships of classes III, IV and V carrying liferafts not served by launching appliances which are stowed

in groups at fixed launching position, a person trained in the handling and operation of liferafts, shall be assigned to each such position.

(4) In ships of classes I, II, III, IV and V a person capable of working the radio equipment and search light equipment shall be assigned to each lifeboat carrying such equipment.

(5) In every ship in which motor lifeboats are carried a person capable of working the motor shall be assigned to each motor lifeboat.

64. Certificated lifeboatman.—(1) The crew of every ship of classes I, II, III, IV and V shall include for each lifeboat carried in compliance with these rules, a number of certificated lifeboatmen not less than that specified in the following Table.

TABLE

Prescribed complement of a lifeboat	Minimum number of certificated lifeboatman required.
Less than 41 persons	2
41 persons and more but than less 62	3
62 persons and more but less than 86 persons	4
86 persons and more	5

(2) In this rule, "prescribed complement" means the number of persons which the lifeboat is deemed fit to accommodate under these rules.

65. Portable radio equipment.—(1) The portable radio equipment required to be carried in compliance with sub-rule (11) of rule 5, sub-rule (6) of rule 6, sub-rule (12) of rule 7, and sub-rule (8) of rule 8 and sub-rule (7) of rule 9, sub-rule (5) of rule 11, sub-rule (6) of rule 12, sub-rule (9) of rule 13, sub-rule (9) of rule 16 and sub-rule (4) of rule 18 shall comply with such of the requirements of the Geneva Radio Regulations Geneva 1959 as apply thereto and shall be kept in a suitable place ready to be moved into a lifeboat or a liferafts in case of emergency.

(2) In ships where the disposition of superstructures or deck houses is such as to involve substantial fore and aft separation of the main transmitter and lifeboats such equipment shall be kept in the vicinity of these lifeboats or liferafts which are farthest away from the main transmitter.

66. Electrically operated signals.—Every ship of classes I, II, III, IV and V shall be provided throughout the ship with electrically operated signals controlled from the bridge for summoning passengers to muster stations.

67. Electric lighting.—(1) (a) In every ship of classes I, II, III, IV, V and VI an electric lighting system shall be provided throughout the ship and in particular upon the decks from which lifeboats and liferafts are embarked.

(b) Provision shall also be made in every such ship for the electric lighting of the launching gear and of the lifeboat and of liferaft launching appliances, where provided and the liferafts which they served during the preparation for and process of launching and also for illuminating the water into which the lifeboats and liferafts served by launching is completed, and for lighting the stowage position of liferafts for which launching appliances are not provided.

(c) The lighting shall be operated from the ship's main generating plant and shall be so arranged that power may be supplied from the emergency source of power required to be provided for on such ships under the rules made under section 184 of the Act relating to the construction of passenger ships.

(2) In every ship of Classes I, II, III, IV, V and VI, there shall be provided from every main compartment occupied by passengers of crew shall be continuously lighted by an emergency electric lamp, operated from the ship's main generating plant and shall be so arranged that power may be supplied from the emergency source of power required to be provided for on such ship under the rules made under section 284 of the Act relating to the construction of passenger ships.

(3)(a) In every ship of classes VII to X of 500 tons gross or over provision shall be made for the electric lighting of the launching gear and of the lifeboats and of the liferafts which they serve, during the preparation for the process of launching and also for lighting the water into which the lifeboats and the liferafts served by launching appliance are launched until the process of launching is completed, and for the lighting of the stowage position of liferafts for which launching appliances are not provided.

(b) In every ship of classes VIII to X of 1600 tons gross or over, provision shall be made for the electric lighting of the alleyways, stairways and exits so as to ensure that access of all persons on board to the launching stations and stowage positions of lifeboats and liferafts is not impeded.

(c) The lighting required under clauses (a) and (b) shall be operated from the ship's main electric generating plant and, in addition, shall be capable of being operated—

(i) in every such ship of 5000 tons gross or over, from an emergency source of electric power provided for such lighting in such ships or under sub-rule (1) of rule 7 of the Merchant Shipping (Cargo Ship Construction and Survey) Rules, 1974, in the case of ships to which those rules apply;

(ii) in every ship of over 1600 tons gross but under 5000 tons gross, from an emergency source of electric power provided for such lighting in such ships or under sub-rule (1) of rule 8 of the Merchant Shipping (Cargo Ship Construction and Survey) Rules, 1974, in the case of ships to which those rules apply.

(d) In every ship of 500 tons gross or over but of under 1600 tons gross, the lighting required under clause (a) of this sub-rule shall be operated from the ship's main electric generating plant and, in addition, shall be capable of being operated from an emergency source of electric power provided for such lighting in such ships or under sub-rule (1) of rule 9 of Merchant Shipping (Cargo Ship Construction and Survey) Rules, 1974, in the case of ships to which those rules apply, or if the Central Government so permits from the reserve source or electrical energy provided for on such ships under the Geneva Radio Regulations, Geneva, 1959, subject to the condition that lighting circuits can be readily disconnected and the said reserve source is capable of supplying the additional load or loads without falling below the capacity required under those rules.

(4) In every ship of classes VIII, IX and X to which sub-rule (3) does not apply, means shall be provided for the electric lighting of the launching gear and lifeboats or boats during the preparation for and the process of launching and also for the lighting of the stowage position of the liferafts.

68. Ships distress signals.—(1) Every ship except ships of classes X to XV which are less than 24 metres in length shall carry not less than twelve parachute distress rocket signals complying with the requirements of the Sixteenth Schedule.

(2) Ships of classes X to XV other than ships above 24 metres in length shall carry not less than six red star distress signals which shall comply with sub-rule (3).

(3) Any red star signal required under this rule shall be capable of emitting two or more red stars either together or separately at or to a height or not less than 45.7 metres and each of these stars shall burn with a minimum luminosity of 500 candle power for not less than 5 seconds.

(4) All pyrotechnic distress signals shall be packed in a watertight container and shall be clearly and indelibly labelled to indicate their purpose.

69. Equivalents and exemptions.—(1) Where these rules require that a particular fitting, material, appliance or apparatus, or type thereof, shall be fitted or carried in a ship, or that any particular provisions shall be made, the Central Government may permit and other fitting, material, appliance or apparatus or type thereof to be fitted or carried or any other provision to be made in a ship, if it is satisfied by trial thereof that such other fitting, material, appliance or apparatus, or type thereof or provision is at least as effective as that required by these rules.

(2) If it appears to the Central Government on the application of the owner of any ship, that it is not practicable or reasonable to fit in that ship the number of sets of davits required by these rules, the Central Government

may permit one or more sets of davits to be dispensed with in that ship, subject to such conditions, if any, as it may think fit to impose:

Provided that in the case of ships of classes II and IV the number of sets of davits fitted shall, subject to the provisions of sub-rules (2) and (8) of rule 5 and sub-rules (2) and (1f) of rule 7, in no case be less than the minimum number determined by column B of the Table set out in the Sixth Schedule.

(3) If a ship of class I or Class III is permitted to carry between specified ports or places abroad a number of passengers in addition to the number allowed when the ship proceeded to sea from a port or place in India, the Central Government may, subject to such conditions as it may think fit to impose, permit as regards the part of the voyage between such specified ports or places, and modifications of the provisions of sub-rules (2) and (10) of rule 4 and sub-rules (2) and (9) of rule 6 as may be specified by it:

Provided that where such modifications are permitted the total number of lifeboats together with such liferafts are carried shall be always sufficient for the total number of persons which the ship is certified to carry and, in addition on liferafts shall be carried sufficiently to support ten per cent of that number of persons.

(4) The Central Government may exempt any ship not normally engaged on intercontinental voyages but which, in exceptional circumstances, is required to undertake a single international voyage, from any of the requirements of these rules:

Provided that no such exemption shall be granted unless such a ship complies with the safety requirements, which in the opinion of the Central Government are adequate for the voyage which is to be undertaken by the ship.

(5) If it is impracticable or unreasonable for a ship to carry a lifeboat or boat of the minimum length prescribed under these rules, the Central Government may permit a smaller lifeboats or boat to be carried in that ship.

(6) The Central Government may either absolutely or subject to such conditions as it may think fit, exempt any ship the keel of which was laid prior to 26th day of May, 1965, from the applications of any requirements of these rules if it is satisfied that the compliance with the requirement is either impracticable or unreasonable in the case of such ship.

## THE FIRST SCHEDULE

[See rules 2(c) and 47]

### Class C Boats

1. Every Class C boat shall be an open boat constructed with rigid sides.

2. A Class 'C' boat shall be of such form and proportions that it shall have ample stability in a seaway and sufficient freeboard when loaded with the greatest number of persons for whom seating is provided and with its full equipment.

3. The length of Class 'C' boat shall be at least—

(a) 4.3 metres for a ship whose length is 12 metres or more but less than 24 metres;

(b) 4.9 metres for a ship whose length is 24 metres or more but less than 35 metres;

(c) 5.2 metres for a ship whose length is 35 metres or more but less than 44 metres; and

(d) 5.5 metres for a ship whose length is 44 metres or more.

4. All thwart and side seats in Class 'C' boat shall be fitted as low in the boat as practicable and bottom boards shall be fitted.

5. A Class 'C' boat shall be square-sterned and shall have a mean sheer at least equal to five per cent of its length.

6. A Class 'C' boat shall be fitted with internal buoyancy appliances which shall be so placed as to secure stability

when the boat is fully laden under adverse weather conditions.

7. The internal buoyancy appliances a Class 'C' boat shall consist either of air cases constructed of copper or muntz metal of not less than 1675 grams to the superficial metre, or of other equally suitable material.

8. The total volume of the internal buoyancy appliances in a wooden Class 'C' boat shall be at least equal to seven and one-half per cent of the cubic capacity of the boat which shall be determined in accordance with paragraph 4 of the Seventh Schedule.

9. The buoyancy of a Class C boat which is made of any material other than wood shall be not less than that required for a wooden class C boat of the same cubic capacity and the volume of the internal buoyancy appliances shall be increased accordingly.

10. The minimum number of persons for whom seating shall be provided a class C boat shall be equal to the greatest number obtained by multiplying by 2.65 the cubic capacity of the boat in cubic metres.

## THE SECOND SCHEDULE

[See rules 2(h), (m) and (q), 48, 50(2) and (3), 50(i), (f) & (g)]

### REQUIREMENT FOR LIFERAFTS

#### PART I

#### INFLATABLE LIFERAFTS

1. Subject to the provision of paragraph 2 of this Part every inflatable liferafts shall comply with the following requirements :—

- a) the liferaft shall be so constructed that when fully inflated and floating with the cover uppermost, it shall be stable in a seaway ;
- (b) the liferaft shall be so constructed that if it is dropped into the water from a height of 18 metres neither the liferaft nor its equipment will be damaged ; If, the liferaft is to be stowed on a ship at a height, above the water, of more than 18 metres, it shall be of a type which has been satisfactorily drop tested from a height atleast equal to the height at which it is stowed.
- (c) (i) the construction of the liferaft shall include a cover of a highly visible colour which shall be set in place when the liferaft is inflated ;  
(ii) this cover shall be capable of protecting the occupants against injury from explosive and means shall be provided for collecting rain ;  
(iii) the top of the cover shall be fitted with a lamp which derives its luminosity from a sea-activated cell and a similar lamp shall also be fitted inside the liferaft ;
- (d) (i) the liferaft shall be fitted with a painter and shall have a lifeline bracketed round the outside ;  
(ii) a lifeline shall also be fitted round the inside of the liferaft ;
- (e) the liferaft shall be capable of being readily righted by one person if it inflates in an inverted position ;
- (f) the liferaft shall be fitted at each opening with efficient means to enable persons in the water to climb on board ;
- (g) (i) the liferaft shall be contained in a valise or other container so constructed as to be capable of withstanding hard wear under conditions encountered at sea ;  
(ii) the liferaft in its valise or other container shall be inherently buoyant ;
- (h) the buoyancy of the liferaft shall be so arranged as to ensure by a division into an even number of separate compartments, half of which shall be capable of supporting out of the water the number of persons which the liferaft is fit to accommodate or by some other equally efficient means, that

there is a reasonable margin of buoyancy if the raft is damaged or partially fails to inflate ;

- (i) the total weight of liferaft, its valise or other contained and its equipment shall not exceed 180 kgs.
  - (i) the number of persons which a liferaft shall be deemed fit to accommodate shall be equal to—  
(i) the greatest whole number obtained by dividing by 96 the volume, measured in cubic decimetres of the main buoyancy tubes (which for this purpose shall include neither the arches nor the thwarts if fitted) when inflated ; or  
(ii) the greatest whole number obtained by dividing by 3720 the arches, measured in square centimetres of the floor (which for this purpose may include the thwart or thwarts if fitted, whichever number shall be the less ;
  - (k) the floor of the liferaft shall be waterproof and shall be capable of being sufficiently insulated against cold either—  
(i) by means of one or more compartments which the occupants can inflate if they so desire, or which inflate automatically and can be deflated and re-inflated by the occupants ; or  
(ii) by other equally efficient means not dependent on inflation ;
  - (l) (i) the liferaft shall be inflated by a gas which is not injurious to the occupants and the inflation shall take place automatically either on the pulling of a line or by some other equally simple and efficient method ;  
(ii) means shall be provided whereby a topping-up pump or bellows may be used to maintain pressure ;
  - (m) the liferaft shall be of suitable material and construction, and shall be so constructed as to be capable of withstanding exposure for 30 days afloat in all sea conditions ;
  - (n) every liferaft which is designed for use with a launching appliance shall be properly constructed for the purpose for which it is intended and shall be of sufficient strength to permit it to be safely lowered into the water when loaded with its full complement of persons and equipment ;
  - (o) the liferaft shall have a carrying capacity calculated in accordance with sub-paragraph (j) of this paragraph of not less than six persons or more than twenty-five persons ;
  - (p) the liferaft shall be capable of operating throughout a temperature range of 66° to minus 30°C ;
  - (q) the liferaft shall be fitted with arrangements enabling it be readily towed.
  - (r) every liferaft carried on a ship which is provided with portable radio equipment shall be provided with arrangement for accommodating properly in the operating position the aerial of such equipment.
  - (s) (i) The liferaft shall be so stowed as to be readily available in case of emergency. It shall be stowed in such a manner as to permit it to float free from its stowage, inflate and brakefree from the ship in the event of sinking.  
(ii) If used, lashings shall be fitted with an approved automatic release system of a hydrostatic or equivalent nature.  
(iii) The liferaft required by clause (b) of sub-rule (6) of rule 13 of clause (b) of sub-rule (7) of rule 16 may be securely fastened.
2. In ships of Classes IV and V and in ships of Class VIII of under 500 tons gross or under 21 metres in length, the requirements of sub-paragraphs (b), (c), (k) (o), (p) and (q) of paragraph of this part may be modified as follows :—
- (a) the height of 18 metres referred to in the said sub-paragraph (b) may be the height equivalent to what the deck on which the liferaft is stowed

above the ship's light water liferaft but in no case less than 6 metres;

- (b) means for collecting rain referred to in the said sub-paragraph (c) shall not be required to be provided;
- (c) the method for insulating the floor of the liferaft against cold as referred to in the said sub-paragraph (k) shall not be required to be complied with;
- (d) the minimum carrying capacity of liferaft required by the said sub-paragraph (o) as six persons may be four persons, provided that liferafts which are deemed fit to accommodate less than six persons shall only be carried on such ships on which the total number of person on board is less than six;
- (e) the temperature of minus 30°C referred to in the said sub-paragraph (p) may be minus 18°C;
- (f) the arrangements for towing referred to in said sub-paragraph (q) shall not be required to be provided.

## PART II

### RIGID LIFERAFTS

Every rigid liferaft shall comply with the following requirements :—

- (a) the liferaft shall be so constructed that if it is dropped into the water from its stowed position neither the liferaft nor its equipment will be damaged;
- (b) any liferaft which is designed for use with a launching appliance shall be properly constructed for the purpose for which it is intended and shall be of sufficient strength to permit it to be safely lowered into the water when loaded with its full complement of persons and equipment;
- (c) the liferaft shall be so constructed that its air cases or buoyant material are placed as near as possible to its sides;
- (d) (i) The deck area of the liferaft shall be situated within that Part of the liferaft which affords protection to its occupants;
- (ii) the nature of the deck shall be such as to prevent so far as practicable the ingress of water and it shall effectively support the occupants out of the water;
- (e) the liferaft shall be fitted with a cover of equivalent arrangements of a highly visible colour, which shall be capable of protecting the occupants against injury whichever way up the liferaft is floating;
- (f) the equipment of the liferaft shall be so stowed as to be readily available whichever way up the liferaft is floating;
- (g) (i) the total weight of any liferaft and its equipment carried in passenger ships shall not exceed 180 kgms.
- (ii) liferafts carried in cargo ships may exceed 180 kgms. in weight if they are capable of being launched from both side of the ship or if means are provided for putting them into the water mechanically on either side of the ship;
- (h) the liferaft shall, at all times, be effective and stable when floating either way up;
  - (i) the number of persons which the liferaft shall be deemed fit to accommodate shall be equal to—
  - (i) the greatest whole number obtained by dividing by 96 the volume measured in cubic decimetres of the air cases or of buoyant material; or
  - (ii) the greatest whole number obtained by dividing by 3720 the deck area of the liferaft measured in square centimetres;

whichever number shall be the less.

- (j) (i) the liferaft shall have a painter attached and a lifeline securely becketed round the outside;
- (ii) a lifeline shall also be fitted round the inside of the liferaft;
- (k) the liferaft shall be fitted at each opening with efficient means to enable persons in the water to climb on board;
- (l) a buoyant light of the electric battery type shall be attached to the liferaft by a lanyard;
- (m) the liferaft shall be fitted with arrangements enabling it to be readily towed;
- (n) liferaft shall be so stowed as to float free in the event of the ship sinking;
- (o) every liferaft carried on a ship which is provided with portable radio equipment shall be provided with arrangement for accommodating properly in the operating position the aerial of such equipment.

## THE THIRD SCHEDULE

[See rules 2(j) and 61(2)(a) and (b)]

### LIFERAFT LAUNCHING APPLIANCES

1. Definition of "Working Load".—In this schedule the expression "Working Load" means the sum of the weight of the liferaft and its equipment, all other associated gear that is supported by the launching appliances during the launching operation and the maximum number of persons which the liferaft is deemed fit to carry, the weight of each person being taken to be 75 kgms.

2. Strength.—Every liferaft launching appliance and all associated gear which during the launching operation is subjected to the working load or total load imposed due to the working load shall be of such strength that the liferaft when loaded with its full complement of persons and equipment can be safely lowered when the ship has a trim of up to 10 degree and is listed up to 15 degrees either way.

3. Construction.—(i) Each part of every liferaft launching appliance shall be such that the appliance is operating under the working load and unfavourable conditions of list and trim it shall have an adequate factor of safety having regard to the material used, the method of construction and the nature of its duty.

(ii) Except for load sheaves and block sheaves all parts of the appliance and its associated gear which are subjected to the working load or on which the safety of the appliance or the liferaft while in the process of launching depends shall be constructed of ductile material and no part other than lead sheaves and block sheaves shall be constructed of cast metal unless the Central Government so permits.

4. Static Load Test.—Every liferaft launching appliance shall be capable of withstanding a static load test of not less than 2.2 times the working load.

### 5. Operation.—

- (a) Every liferaft launching appliance shall be so designed that the liferaft when loaded with its full complement of persons and equipment can be safely lowered into the water.
- (b) The speed of lowering of the liferaft shall be automatically controlled at not less than 18 metres per minute nor more than 36 metres per minute and the descent of the liferaft shall be at all times under the manual control of the operator.
- (c) (i) Operation of the launching appliance shall not be solely dependent on the use or means other than manual effort or gravity.
- (ii) The arrangements shall be such that the liferaft can be lowered by gravity.
- (d) Arrangements shall be such that on becoming water-borne the liferaft shall be automatically released from the launching appliance, and there shall be provisions for the manual release of the liferaft by a person on board the liferaft.

- (c) When liferaft launching appliances incorporate winches, the winches shall be constructed in accordance with paragraph 10 of part II of the Fourteenth Schedule.

6. Powering Test.—Every liferaft launching appliance shall be tested by lowering the largest liferaft it is intended to serve when loaded with its full equipment and a distributed weight equal to the full number of persons which it is deemed fit to accommodate plus ten per cent of the working load from the embarkation position into the water.

7. Operational Tests.—(i) Tests shall be made to ensure that any liferaft served by any launching appliance when loaded only with its full equipment can be lowered by gravity into the water.

(ii) If more than one liferaft is serviced by any launching appliance effective successive launching shall be demonstrated.

#### THE FOURTH SCHEDULE

[See rules 2(1), 43 and 46]

##### GENERAL REQUIREMENTS FOR LIFEBOATS

1. Every lifeboat shall be constructed with rigid sides.
2. (a) In any lifeboat fitted with a rigid shelter, the shelter shall be capable of being readily opened from both inside and outside and shall not impede rapid embarkation and disembarkation or the launching and handling of the lifeboat.
2. (b) Such a shelter where fitted may be accepted as complying with the requirements of clause (a) of sub-rule (1) of rule 54.
3. Every lifeboat, except wooden lifeboats made of planks; shall have a block coefficient of the cubic capacity as determined in accordance with the Seventh Schedule of not less than 0.64. Lifeboats having a block coefficient of less than 0.64 will be permitted provided the metacentric weight and the freeboard when the lifeboat is loaded with full complement of persons and equipment is adequate.
4. Every lifeboat shall be of such form and proportions that it shall have ample stability in a seaway, and sufficient freeboard when loaded with its full complement of persons and equipment.
5. Every lifeboat shall be so constructed that it shall be capable of maintaining positive stability when open to the sea and loaded with its full complement of persons and equipment.
6. (a) Every lifeboat shall be properly constructed for the purpose for which it is intended and shall be of sufficient strength to permit its being safely lowered into the water when loaded with its full complement of persons and equipment.
- (b) It shall be of such strength that it will not suffer residual deflation if subjected to an overload of at least 25 per cent.
7. No lifeboat shall be less than 4.9 metres in length except that where these rules permit a lifeboat to be carried as an alternative to a Class C boat, the length of such lifeboat shall not be less than that of the Class C boat as determined in accordance with paragraph 3 or the First Schedule.
8. No lifeboat when laden with its full complement of persons and equipment shall weigh more than 20.3 tonnes.
9. In every lifeboat all thwart and side seats shall be fitted as low in the lifeboat as practicable and bottom boards shall be fitted.
10. Every lifeboat shall have a mean sheer at least equal to four per cent of its length and the sheer shall be approximately parabolic in form.
11. Every lifeboat shall be fitted with internal buoyancy appliances which shall consist either of air cases or buoyant material which shall not be adversely affected by oil or oil products and which shall not adversely affect the boat.

12. In every lifeboat the total volume of the internal buoyancy appliances shall be such that it will be at least equal to the sum of the volumes of :—

- (a) that required to float the lifeboat and its full equipments when the lifeboat is flooded and open to sea so that the top of the gunwale amidship is not submerged;
- (b) that equal to ten per cent of the cubic capacity of the lifeboat.

13. In the case of lifeboat which accommodate 100 or more persons the volume of the buoyancy appliances required by clause (b) of the preceding paragraph 12 of the Schedule shall be increased as follows :—

- (a) in lifeboats which accommodate from 100 to 130 persons by an amount determined by interpolating between nil at 100 persons and 1.3 per cent of the cubic capacity of the lifeboat at 130 persons;
- (b) in lifeboats which accommodate over 130 persons by an amount equal to 1.5 per cent of the cubic capacity of the lifeboat.

#### THE FIFTH SCHEDULE

(see rules 4(k), 5(15), 6(11), 7(15), 8(10), 10(8), 11(7), 12(8), 13(10), 16(11), 17(6), 18(6), 20(5), 22(6), 23(5), 25(5), 26(5), 27(5), 28(5), 31(5), 32(5), 33(5), 34(5), 35(6), 36(4), 38(4), 39(4), 40(5), 41(4) and 42(6))

##### Requirement of Life Jacket

###### PART I

1. Subject to the provisions of paragraph 7 of this part, every life-jacket for use by an adult person shall provide adequate buoyancy so as enable it to satisfy the requirements of clause (b) of paragraph 3 of this part.

Explanation :—For the purpose of this part, every person weighing 30 Kilograms or more shall be deemed to be an adult person.

2. Every life-jacket shall be marked indelibly on both sides in letters not less than 1.27 centimetres in size with the words 'For Adults' and on one side only with the maker's name or other identification mark.

3. Every such life-jacket shall also comply with the following requirements namely :—

- (a) it shall be so constructed as to eliminate as far as possible all risk of its being on incorrectly and it shall be capable of being worn inside out;
- (b) (i) It shall be capable of lifting the face of an exhausted or unconscious person out of the water and holding it safely above the water with the body inclined backwards from its vertical position;
- (ii) it shall be capable of turning the body in the water from any position to a safe floating position with the body inclined backwards from its vertical;
- (iii) the buoyancy of the life-jackets required to provide the foregoing performance shall not be reduced by more than five per cent after 24 hours submersion in fresh water;
- (c) it shall not be adversely affected by oil or oil products;
- (d) it shall be of a highly visible colour;
- (e) it shall be fitted with ring or loop or similar device of adequate strength to facilitate rescue;
- (f) it shall be made of materials of low flammability and the fabric with which it is covered and its tapes shall be rotproof;
- (g) it shall be fitted with an approved whistle firmly attached by a lanyard.
- (h) (i) it shall have fastening tapes securely attached to the life-jacket cover and capable of taking a load of 91 k. gms.

(ii) the method of fastening the tapes shall be such as to be easily understood and capable of being easily carried out;

(iii) metal fastening when used shall be of a size and strength consistent with the fastening tapes and of corrosion resistant materials;

(iv) it shall allow the wearer to pump a vertical distance of 6.1 metres into the water without injury and without dislodgement of the life-jacket.

4. The buoyancy of ever life-jacket shall be provided by kapok or other equally effective buoyant material.

5. Every such Kapok life-jacket shall in addition to complying with the requirements of paragraph 1 to 4 of this part comply with the following requirements namely :—

- (a) it shall contain not less than 1 k.gm. of Kapok;
- (b) the kapok shall be of good floatation quality, well teased, evenly packed and free from seeds and other foreign matter;
- (c) The kapok shall be protected from the effects of oil or oil products so that the loss of buoyancy in the life-jacket after floating in disturbed water containing a layer of not less than 3 millimetres in depth of a mixture of gas oil for a period of 48 hours, shall not exceed 2 per cent of the initial buoyancy and for the purpose of this test the life-jacket shall be loaded with weights equal to half its initial buoyancy;
- (d) (i) the covering shall be of pre-shrunk cotton material, the weight of which in loom-state per metre shall be not less than 170 gms. for a width of 0.68 metre and in proportion for other width.  
(ii) the fabric shall be free from admixture of sizing or other foreign matter;  
(iii) the threads per 25 m.m. in loomstate shall be warp 44 two-fold threads and waft 34 two-fold threads;  
(iv) the sewing shall be carried out with linen thread of not less quality than No. 25a fine cord whitemore cord.

(6) Every such life-jacket using a buoyant material other than kapok shall in addition to complying with the requirements of paragraphs 1 to 4 and clause (d) of paragraph 5 of this part comply with the following requirements :—

- (a) (i) the materials shall not weigh more than 192.5 K.gms. per cubic metre and shall be of good quality and clean;  
(ii) if the materials is in pieces, the size of each piece shall be not less than 164 cubic centimetres unless such pieces are in layer from and are fastened together with an approved adhesive;
- (b) the material shall be chemically stable.

7. Every life-jacket the buoyancy of which depends on inflation which may be carried for use by members of the crews of ships, other than tankers, of Classes VI and VII, shall comply with the requirements of paragraph (3) of this part and in addition shall comply with the following requirements namely :—

- (a) it shall have two separate buoyancy compartments in either of the following forms—  
(i) one compartment of inherent buoyancy equal to at least 9 K.gms. and one air compartment of at least 6.8 K.gms., or  
(ii) two separate air compartments each of at least 9.4 K.gms. buoyancy;
- (b) it shall be marked indelibly on both sides in letters not less than 25 m.m. in size with the words "CREW ONLY" and on one side only with the maker's name or other identification mark in smaller letters;

(c) it shall be capable of being inflated both mechanically and by mouth.

## PART II

1. Every life-jacket for use by a child shall provide adequate buoyancy so as to enable it to satisfy the requirements of clause (b) of paragraph 3 of Part I.

Explanation :—For the purpose of this Part, every person weighing less than 30 Kilograms shall be deemed to be a child.

2. Every such life-jacket shall be marked indelibly on both sides in letters not less than 12.7 mm in size with the words "FOUR CHILD" and on one side only with the maker's name or other identification mark.

3. Every such life-jacket shall comply with the requirements of paragraphs 3 and 4 of Part I.

4. Every such kapok life-jacket shall contain not less than 425 gms. kapok and shall in addition to complying with the requirements of paragraphs 1 to 3 of this Part comply with the requirements of clause (b), (c) and (d) of paragraph 5 of Part I.

5. Every such life-jacket using a buoyant material other than kapok shall in addition to complying with the requirements of paragraphs 1 to 3 of this Part comply with clause (d) of paragraph (5) and sub-paragraphs (a) and (b) of paragraph 6 of Part I.

## THE SIXTH SCHEDULE

[See rules 5(2), (3) and (8) (c) and (d), 7(2) 3 and (8), 8(2) and (3), 9(2), and 10(2) and (3) 69(2)]

Table showing the minimum number of sets of davits and minimum cubic capacity of lifeboat to be provided in ships of classes II, IV, V and VI.

Registered length	Minimum number of sets of davits	Smaller number of sets of davits authorised exceptionally	Minimum capacity of life boats in cubic metres
A	B	C	
Metres	Nos.	Nos.	Cubic metres
upto 37 metres	2	2	11
37 metres and over but less than 43 m.	2	2	18
43 „ 49 Metres	2	2	26
49 „ 53 „	3	3	33
53 „ 58 „	3	3	38
58 „ 63 „	4	4	44
63 „ 67 „	4	4	50
67 „ 70 „	5	4	52
70 „ 75 „	5	4	61
75 „ 78 „	6	5	68
78 „ 82 „	6	5	76
82 „ 87 „	7	5	85
87 „ 91 „	7	5	94
91 „ 96 „	8	6	102
96 „ 101 „	8	6	110
101 „ 107 „	9	6	122
107 „ 113 „	9	7	135
113 „ 119 „	10	7	146
119 „ 125 „	10	7	157
125 „ 133 „	12	7	171

A	B	C
135 metres and over but less than 140 metres	12	9
140 " 149 "	14	10
149 " 159 "	14	10
159 " 169 "	16	10
169 " 177 "	16	12
177 " 187 "	18	13
187 " 196 "	18	13
196 " 205 "	20	14
205 " 214 "	20	14
214 " 223 "	22	15
223 " 232 "	22	15
232 " 241 "	24	17
241 " 251 "	24	17
251 " 261 "	26	18
261 " 271 "	26	18
271 " 283 "	28	19
283 " 293 "	28	19
293 " 304 "	30	20
304 " 345 "	30	20

### THE SEVENTH SCHEDULE

[See rules 44(1) and (45)]

#### CALCULATION OF CUBIC CAPACITY OF LIFEBOATS

1. Subject to the provisions of paragraph 4 of this Schedule the cubic capacity of lifeboat for the purpose of these rules shall be measured in cubic metres and shall be determined by Stirling's (Simson) Rules, which may be considered as given by the following formula :—

(a) Cubic capacity =  $\frac{L}{12} (4A + 2B + 4C)$ , where L denotes the length of the lifeboat in metres from the inside of the shell at the top of the stem to the corresponding point at the top of the stern post ; in the case of a lifeboat with a square stern the length is measured to the inside of the top of the transom ;

A.B.C., denote respectively the areas of the cross-section at the quarter length forward, amidships and the quarter length aft which correspond to the three points obtained by dividing L into four equal parts (the areas corresponding to the two ends of the lifeboat shall be considered negligible).

(b) The areas A.B.C., shall be deemed to be given in square metres by the successive application of the following formula to each of the three cross sections :—

Area =  $\frac{h}{12} (a + 4b + 2c + 4d + e)$ , where h denotes the depth measured in metres inside the shell from the keel to the level of the gunwale, or, in certain cases, to a lower level as determined hereafter ; and a.b.c.d.e. denote the horizontal breadths of the lifeboat measured in metres inside the shell at the upper and lower points of the depth and at the three points obtained by dividing into four equal parts (a and e being the breadths at the extreme points, and c at the middle point of h).

(c) The capacity of square-sterned lifeboat shall be calculated as if the lifeboat had a pointed stern.

2. If the sheer of the gunwale, measured at the two points situated at the quarter of the length of the lifeboat from the ends, exceeds one per cent of the length of the lifeboat, the depth employed in calculating the area of the cross-section A or C shall be deemed to be depth amidships plus 1 per cent of the length of the lifeboat.

3. If the depth of the lifeboat amidships exceeds forty-five per cent of the breadth, depth employed in calculating the area of the amidship cross-section B shall be deemed to be equal to forty-five per cent of the breadth, and the depth employed in calculating the areas of the quarter length section A

and C is obtained by increasing this last figure by an amount equal to one per cent of the length of the lifeboat :

Provided that in no case shall the depths employed in the calculation exceed the actual depths at these points.

4. Unless the owner of the lifeboat requires the cubic capacity to be determined by exact measurement, the cubic capacity of a lifeboat constructed of wooden planks may be assumed to be the product of the length, the breadth and the depth multiplied by 0.6 if this formula does not give a greater capacity than that obtained by the formula set out in paragraph (1) of this Schedule. The dimensions shall be measured in the following manner :—

(a) Length—From the intersection of the outside of the planking with the top of the stem to the corresponding point at the sternpost, or in the case of square-sterned lifeboat, to the after side of the top of the transom ;

(b) Breadth—From the outside of the planking at the point where the point where the breadth of the lifeboat is greatest.

(c) Depth—Amidship inside the planking from the keel to the level of the top of the gunwale but the depth used in calculating the cubic capacity may not in any case exceed forty-five per cent of the breadth.

5. The cubic capacity of a motor lifeboat or a lifeboat fitted with other propelling gear shall be obtained from the gross capacity by deducting a volume equal to that occupied by the motor and its accessories or the gear box of the other propelling gear, and any equipment with which the lifeboat may be provided in compliance with rule 56.

### THE EIGHTH SCHEDULE

[see rule 45(a)]

#### MACHINERY OF MOTOR LIFEBOATS

1. The engine shall be capable of being readily started in cold weather and of running reliably under conditions of extremes of temperature.

2. (a) The engine shall operate properly under conditions of atleast 10 degrees trim.

(b) Circulating water pumps where fitted shall be self-priming.

3. (a) The engine and its accessories, including the fuel tank, pipes and fittings, shall be adequately protected to ensure reliable operation under conditions likely to arise at sea during adverse weather.

(b) The engine casing shall additionally be fire-resisting and in the case of air-cooled diesel engines shall be so designed that the supply of cooling air is not restricted.

4. Means shall be provided in all lifeboats to prevent the spread of oil. In a wooden lifeboat a metal tray shall be fitted under the engine.

5. (a) The fuel shall be substantially constructed, securely fixed in position with a metal tray underneath and fitted with suitable filling, vapour venting and relief arrangements.

(b) No part of the tank or its connections or any part of the fuel piping or fittings shall depend on soft solder for tightness, and tanks, made of steel shall be protected externally against corrosion by sea water by metal spraying or similar means.

(c) The tank and its connections shall be capable of withstanding hydraulic pressure corresponding to a head at least 4.5 metres.

(d) A cock shall be fitted at each end of the pipe.

6. The engine and fuel tank spaces shall be efficiently ventilated.

7. The shafting and other moving parts shall be fenced where necessary to protect the persons in the lifeboat from injury.

## THE NINTH SCHEDULE

(See rule 16)

## MACHINERY OF MECHANICALLY PROPELLED LIFEBOATS

1. The propelling gear shall be so arranged that it can be rapidly and easily made ready for service and will not interfere with the rapid embarkation of persons into the lifeboat.

2. If the propelling gear is manually operated it shall be capable of being operated by persons untrained in its use and shall be capable of being operated when the lifeboats is flooded.

3. The propelling gear shall not require adjustment to enable it to be worked by persons of different stature and it shall be effective in propelling the life boat partially fully loaded.

(4) (a) The propelling gear shall be substantially constructed and fitted to the lifeboat in an efficient manner.

(4) (a) The propelling gear shall be substantially constructed and sheathed by material other than wood to ensure that the hands of the operators are protected in conditions of extreme cold.

5. The propelling gear shall be of sufficient power to enable the lifeboat when loaded with its equipment required by these rules and a distributed weight equal to the full number of persons which it is fit to carry, to be propelled at a speed ahead of at least 3.5 knots in smooth water over a distance of 400 metres.

6. The propelling gear shall be capable of propelling the lifeboat ahead or astern and a device shall be fitted by means of which the helmsman can cause the lifeboat to a stern or ahead any time when the propelling gear is in operation.

## THE TENTH SCHEDULE

(See rule 49)

## REQUIREMENTS FOR BUOYANT APPARATUS

1. (i) Buoyant apparatus shall be of such construction that it retains its shape and properties when exposed to the weather on board ship and when in the water :

(ii) it shall be constructed so as not to require adjustment prior to use.

2. Buoyant apparatus shall be capable of withstanding a drop test, the height of which shall be equivalent to that of the deck on which it is stowed above the ship's light water line, but in no case less than the following :—

Apparatus carried in ships of Class I and Class III. . 10 metres.  
Apparatus carried in ships of Class IV. . 6 metres.

3. (i) Buoyant apparatus shall be effective and stable when floating either way up;

(ii) it shall be capable of supporting a weight of iron suspended in fresh water from grab lines, 23 Kms. per meter of length along any edge (subject to a minimum of 29 Kgms) without immersing any part of the upper surface of the apparatus.

4.(i) The aircases or equivalent buoyancy shall be placed as near as possible to the sides of the apparatus, and such buoyancy shall be dependent upon inflation ;

(ii) Buoyant material shall not be adversely affected by oil or oil products nor shall it adversely affect the buoyant apparatus.

5. (1)(i) Grab lines shall be fitted all round the apparatus in such a manner as to provide a number of equal loops corresponding to the number of persons which the apparatus is fit to support.

(ii) Each loop shall have cork or light wood float and the depth of the loop when wet shall not be less than 15 centimetres and not more than 20 centimetres.

(2) (i) On apparatus exceeding 30 centimetres in overall depth two rows of grab lines shall be fitted, one having its points of attachment a little below the top of the air cases and the other a little above the bottom of the air cases and as close to the sides of the air cases as is practicable;

(ii) On apparatus of 30 centimetres or less in overall depth one row of grab may be attached along the line of the middle of the depth.

3.(i) The grab lines shall be of rope of not less than 5 centimetres in circumference;

(ii) They may be attached to the apparatus by being passed through holes in the framing and being inter-laced to prevent movement, or they may be attached to the apparatus by means of wrought iron or steel fastenings.

(iii) Whichever method is adopted the attachment shall be strong enough to permit the apparatus being lifted by the grab lines.

6. Buoyant apparatus shall be fitted with a painter.

7. (i) Buoyant apparatus shall not exceed 181 Kgms in weight unless suitable means are provided to enable it to be launched lifting by hands;

(ii) If the weight of the apparatus exceeds 136 kgms. suitable handless or rungs shall be fitted for this purpose.

8. Buoyant apparatus carried in ships of Class I shall not be less than 106 centimetres in breadth.

## THE ELEVENTH SCHEDULE

(See rule 51)

## REQUIREMENTS FOR LIFEBOUYS

1. Every lifebuoy shall be constructed of cork, evenly formed and securely plugged, or of other equally efficient buoyant material which shall not be adversely affected by oil or oil products and shall be capable of floatation in fresh water for at least 24 hours with 14.5 K.gms of iron suspended from it.

2. Every lifebuoy made of plastic or other synthetic compounds shall be capable of retaining its buoyant properties and durability in contact with sea water or oil products or under variation of temperature or climatic changes prevailing in open sea voyages.

3. A lifebuoy, shall not be filled with rushes, cork, shavings, granulated cork or any other loose granulated material and its buoyancy shall not be end upon air compartments which require to be inflated.

(i) The inside diameter of a lifebuoy shall be 45 centimetres and the outside diameter 76 centimetres;

the major axis of the section shall be 15 centimetres.

(iii) the minor axis of the section shall be 10 centimetres.

5. Every lifebuoy shall be of a highly visible colour.

6. (i) Every lifebuoy shall be marked in block letters with the name and the port of registry of the ship in which it is carried;

(ii) lifebuoys constructed of materials other than cork shall be permanently marked with the manufacturer's trade name for that product.

7. Every lifebuoy shall be fitted with grab lines which shall be of good quality unsinkable line and well secured at four equidistant points, providing four loops of lines each not less than 10 centimetres.

8. The weight of a lifebuoy shall not exceed 6.1 K.gms when newly constructed.

## THE TWELFTH SCHEDULE

(See rule 53)

## REQUIREMENTS FOR LINE THROWING APPLIANCES

Every line-throwing appliance shall include 4 rockets and 4 lines, each line being 12.7 millimetres in circumference and of prescribed length, and having a breaking strain of not less than 114 K.gms.

2. Every line-throwing appliance shall be capable of throwing the line in such a manner that the lateral deflection of the line on either side of the direction of firing does not exceed ten per cent of the length of flight of the rocket.

3. The lines and the rockets, with the means of igniting them, shall be kept in a watertight case.

4. Every line-throwing appliance carried in ships of 44 metres in length shall be capable of throwing a line 12.7 millimetres in circumference a minimum distance of 230 metres in calm weather.

5. Every line-throwing appliance carried in ships of less than 44 metres in length, shall be capable of throwing a line 12.7 millimetres in circumference a minimum distance of 123 metres in calm weather.

6. (i) All components, composition and ingredients of the rockets and the means of igniting them shall be of such a character and of such quality as to enable them to maintain their service ability under good average storage conditions for a period of at least two years.

(ii) The date on which the rocket is filled shall be stamped indelibly on the rocket and its container and the date of packing shall be similarly equipped on the cartridge containers.

### THE THIRTEENTH SCHEDULE

[See rules 54(1) (j), (k), (n), (o), (p) and (u) and 58(1)(i), (m) and (n)]

#### SPECIFICATIONS OF EQUIPMENT FOR LIFEBOATS BOATS AND LIFERAFTS

##### PART I

##### COMPASSES FOR LIFEBOATS

1. (i) Every compass shall be of the liquid type.

(ii) The liquid used shall be a mixture of industrial methylated spirit and water, specific gravity 0.93 at 15.5° C. It shall function sufficiently over a temperature range of—23.5° C to +49° C.

2. (i) The magnet shall have ample directive force.

(ii) A Period of 18 to 22 seconds after a deflection of 40 degrees at a temperature of about 15.5° C shall be deemed to comply with this requirement. For the purposes of this paragraph a 'period' is the time taken by a complete oscillation of the card after a deflection of 40 degrees, a swing past the position of rest and back again to the completion of its swing on the side to which it was originally deflected.

3. Over a range of —23° C to +49° C the card system when immersed in the compass liquid shall rest on the pivot with a weight between 4 and 10 grammes.

4. (i) The card shall be not less than 10 centimetres in diameter and shall have a clearance from the bowl of at least 7 millimetres.

(ii) It shall be marked to half points, the eight principal points being distinctively marked. The card shall be luminised or fitted with a suitable means of illumination.

5. The centre of the card shall be of sapphire or equally suitable hard material.

6. The pivot of the card shall be of iridium or equally suitable hard material.

7. The arrangements made to allow for the expansion and contraction of the liquid shall enable the compass to withstand a temperature range of—23.5° C to +49° C without leakage, formation of bubbles or other defects.

(i) The bowl shall be adequately weighted and properly poised in the gimbals which shall give a fore and aft and thwartship action.

(ii) The gimbaling shall be in the same horizontal place as the point of suspension of the card and the outer gimbal pins shall be placed for and aft.

(iii) The bowl shall be placed in a binnacle or box of non-magnetic material and the lubber line or point shall be luminised or fitted with suitable means of illumination.

(iv) The card system shall remain free when the bowl is tilted by 10 Degrees.

9. (i) The direction of the lubber line or point from the centre of the card shall lie in the same vertical place as the outer gimbal axis or other fore and aft datum line.

(ii) The cumulative effect of card, pivot directional and other similar errors, and of inaccurate positioning of the lubber's point, shall be such that in the undisturbed earth's field the direction as read on the card against the lubber's point shall not differ by more than 3 degrees from the magnetic direction of the outer gimbal axis or other fore and aft datum line for any direction of the latter.

10. (i) The minimum thickness of the metal used in the construction of the compass shall be as follows :—

Compass-bowl	—21 S.W.G.
Binnacle	—24 S.W.G.
	—24 S.W.G.

(ii) (a) The compass bowl shall be efficiently stiffened to take gimbal pins.

(b) The binnacle shall be swaged or spun into the base ring and soldered all round.

(iii) (a) The gimbal ring shall be of naval brass or other rigid non-magnetic metal 16 m.m. by 3.1 m.m.

(b) Gimbal pins shall be of naval brass or other hard non-magnetic material of 6.2 m.m. diameter, both they and the bearings in which they are engaged shall be perfectly smooth.

11. The point inside the bowl shall show no sign of blistering.

12. The materials and workmanship shall be good throughout and the compass shall be such as will remain efficient under sea-going conditions.

13. The bowl of the compass shall be engraved or stamped with the maker's name or other identification mark.

##### PART II

Sea Anchor for Lifeboats and Boats other than Class C Boats

1. Every sea anchor shall comply with the following requirements :—

(a) It shall be constructed of No. 1 best flax canvas, or other suitable material ;

(b) The canvas part shall be strongly sewn together and be roped at the seams with 44 m.m. bolt rope; the ropes then being formed into a bridle with a thimble seized in the connecting end, and the ropes extended and seized into a parcelled loop to form the attachment for the tripping line ;

(c) A hawser shall be attached to the sea anchor by means of a shackle of suitable size to take the thimble ;

(d) The length of the hawser shall be three times the length of the lifeboat or boat ;

(e) A tripping line two fathoms longer than the hawser shall be provided.

2. (i) A circular sea anchor shall be fitted at the mouth with a galvanised iron hoop.

(ii) Any other type of sea anchor shall be fitted with galvanised iron spreaders across the mouth and with an ash spreader at the upper edge.

3. The size of such anchors shall be as follows :—

(a) For lifeboats over 9 metres in length

Non-circular folding sea anchors—Mouth 76 cms.  
Upper edge 68 cms  
lower edge 68 cms.  
each side.  
Area of mouth 50 square decimetres.

Length of canvas bag—1.37 metres.  
Hawser—76 m.m. in circumference.  
Tripping line—51 m.m. in circumference.

- (b) For lifeboats not over 9 metres in length—7 metres in length but not over 9 metres in length.  
Circular sea anchors—Mouth 68 cms. diameter.  
Non-circular folding sea anchors—Mouth 61 cms. each side.  
Length of canvas bag—1.2 metres.  
Hawser—76 m.m. in circumference.  
Tripping line—51 m.m. in circumference.

- (c) For lifeboats not over 6.7 metres in length and other boats (other than Class C boats)—  
Circular sea anchors—Mouth 61 cms. diameter.  
Non-circular folding sea anchors—Mouth 55 cms. each side.  
Length of canvas bag—1 metre.  
Hawser—64 m.m. in circumference.  
Tripping line—38 m.m. in circumference.

### PART III

#### PARACHUTE DISTRESS ROCKET SIGNALS FOR LIFE-BOATS AND LIFERAFTS

(i) Every parachute distress rocket signal shall consist of a single bright red star which is projected to the required height by means of rocket, and which burns while falling, its rate of fall being controlled by means of a small parachute to an average rate of 4.5 metres per second.

(ii) It shall be fitted with a self-contained means of ignition, so designed as to operate from the hand-held position without external aid, and as to enable the rocket to be discharged from a life-boat, boat or life-raft without harm to the occupants.

2. (i) When the rocket is fired approximately vertically, the star and parachute shall be ejected at or before the top of the trajectory, at a minimum height of 183 metres.

(ii) The rocket shall also be capable of functioning when fired at an angle of 45 degrees to the horizontal.

3. (i) The star shall burn with a minimum luminosity of 15,000 candle power for not less than 30 seconds.

(ii) It shall burn out at a height of not less than 46 metres from the sea level.

4. (i) The parachute shall be of such a size as to provide the required control of the rate of fall of the burning star.

(ii) It shall be attached to the star by means of flexible fire-proof harness.

5. The rocket shall be waterproof and capable of satisfactory functioning after immersion in water for one minute.

6. All components, compositions and ingredients shall be of such a character and of such a quality as to enable the rocket to maintain its serviceability under good average storage conditions for a period of at least two years.

7. (i) The rocket shall be packed in a container which shall be effectively sealed.

(ii) If made of metal, the container shall be well tinned and lacquered or otherwise adequately protected against corrosion.

8. The date on which the rocket is filled shall be stamped indelibly on the rocket, and on the container.

9. Clear and concise directions for use in the English and Hindi languages shall be printed indelibly on the rocket.

### PART IV

#### HAND HELD DISTRESS FLARE SIGNALS FOR LIFE-BOATS AND LIFERAFTS

1. Every hand-held distress flare signal shall be fitted with a self-contained means of ignition so designed as to operate from a hand-held position without external aid and as to enable the flare to be displayed from a lifeboat, boat or life-raft without harm to the occupants.

2. Where the flare is carried in a life-raft it shall be so constructed that when the flare is fired, no burning compo-

sition will fall from the flare which might cause damage to the liferaft.

3. The flare shall be capable of emitting a red light of minimum luminosity of 15,000 candle power for not less than 35 seconds.

4. The flare shall be water-proofed and capable of satisfactory functioning after immersion in water for one minute.

5. All components, composition and ingredients shall be of such a character and of such a quality as to burn evenly and as to enable the flare to maintain its serviceability under good average storage conditions for a period of at least two years.

6. The flare shall be stamped indelibly with the date on which it is filled.

7. Clear and concise directions for use in the English and Hindi languages shall be printed indelibly on the flare.

### PART V

#### BUOYANT SMOKE SIGNALS FOR LIFEBOATS

1. Every buoyant smoke signal shall be fitted with self-contained means of ignition.

2. The signals shall be capable, while floating on the water, of emitting of dense volume of orange-coloured smoke for a period of not less than two minutes and not more than four minutes.

3. The signal shall be waterproofed and capable of satisfactory functioning after immersion in water for one minute.

4. All components, composition and ingredients shall be of such a character and of such a quality as to burn evenly and as to enable the signal to maintain its serviceability under good average storage conditions for a period of at least two years.

5. The signal shall be stamped indelibly with the date on which it is filled.

6. Clear and concise directions for use in the English and Hindi languages shall be printed indelibly on the signal.

### PART VI

#### FIRST AID OUTFITS FOR LIFEBOATS

1. The contents of every first aid outfit provided in a lifeboat shall include the following:—

Article	Quantity
(a) Collapse Revivers (6 capsules of Fragrant Ammonia)	1 Tin
(b) Compound Code—in Tablets (Tab. Code in Co.)	25 Tablets
(c) Six Morphine Ampoule Syringes containing a solution of either morphine salt equivalent to Anhydrous Morphine 1/4 gr. in 1 c.c. or Papaveretum B.P.C. 1/2 gr. in 1 c.c. in screw capped metal drum with directions for use.	1 Drum
(d) Standard Dressings No. 14 medium B.P.C. 15 cms x 10 cms	2
(e) Standard Dressings No. 15 large B.P.C. 20 cms x 16 cms	2
(f) Elastic Adhesive Dressings 5 cms x 8 cms Packets of three.	2 packets
(g) Bandages Triangular illustrated, not less than 95 cms wide 1.52 metro base	5
(h) Gauze, white absorbent, compressed, 85 cms x 2.25 metres	3
(i) Roller Bandages, compressed 5.6 cms x 3.5 metres	4

- (j) Bandage, unbleached Calico 15 cms 1  
5.5 metres
- (k) Cotton wool compressed 125 grams packet 1 packet
- (l) Safety pins, brass plated 5 cms. 6
- (m) Soft paraffin 30 grams tube 1
- (n) Scissors, 10 cms, 1 sharp, 1 blunt point of 1  
rustless and stainless steel
- (o) Energy tablets (10 mg. amphetamine Sul- 60 Tablets  
phate)
- (p) Silica Gel 1 Capsule
- (q) Instructions in the English and Hindi  
languages printed on linen or waterproof  
paper.

The first aid outfit shall be packed in a container which shall comply with the following requirements:—

- (a) It shall be durable, damp-proof, and effectively sealed. It shall also be sealed with a device to indicate that the contents are intact.
- (b) It shall be packed in a room from which atmospheric moisture has been removed as far as possible.
- (c) Whether the container is made of metal, it shall be well tinned and lacquered, and a handle shall be fitted to the lid.
- (d) An itemized list of contents shall be given on the outside of the container.

#### PART VII

##### MANUAL PUMPS FOR LIFEBOATS

Every lifeboat manual pump shall comply with the following requirements:—

The capacity when operated at not more than 60 double strokes per minute at 1.2 metres suction head, shall be not less than

- (a) 32 litres per minute in lifeboats of 7.3 metres in length or over; or
- (b) 23 litres per minute in lifeboats of less than 7.3 metres in length.

2. In its normal dry state (excluding internal grease or other assistance) the pump shall be readily self-priming when operated at a suction head of not less than 1.2 metres.

3. All parts of the pump shall be of material unaffected by the corrosive effects of sea water.

4. The interior of the pump, including valves, shall be readily accessible for emergency cleaning, and the cover for access shall be capable of being easily removed without the use of a spanner or other special tool.

5. The pump branches shall be suitable for use with rubber hose connections of at least 32 mm bore. The metal part of the operating handle shall be suitably sheathed by material other than wood to ensure that the hands of the operator are protected when the pump is used in extreme cold. One spindle gland shall be of the spring loaded seal ring type.

#### PART VIII

1. Subject to the provisions of paragraph (2) of this part the contents of every first aid outfit provided in a lifeboat shall include the following:—

Article	Quantity
1	2
(a) Standard dressing No. 14 Medium B.P.C. 15 cms x 10 cms	4
(b) Standard dressings No. 15 large BPC 20 cms x 15 cms	4

1	2
(c) Bandages, Triangular, illustrated, not less than 25 cms side, 1.25 metres base	4
(d) Open Wove Bandages, B.P.C. 8 cms x 3.5 metres	10
(e) Antiseptic Burn or Wound Cream, Certificate B.P.C. 0.5% w/w 50 gm. tube	2
(f) Scissors 10 cms, 1 sharp, 1 blunt point, of rustless and stainless steel	1
(g) Six morphine Ampoule Syringe containing a solution of either morphine salt equivalent to Anhydrous Morphine 1/4 gr. in 1 c.c. or Papaveretum B.P.C. 1/2 gr. in 1 c.c. in screw capped metal drum with directions for use	1 drum
(h) Instructions in the English and Hindi languages printed on linen or waterproof paper.	

2. In ships of class VIII of less than 21.3 metres in length the contents of the first aid outfit provided in every lifeboat shall be one-half of the quantities specified in clauses (a) to (e) inclusive of paragraph 1 of this part together with the items specified in clauses (f) and (h) of the said paragraph.

3. The first aid outfit shall be packed in a container which shall be durable damp-proof and effectively sealed. An itemized list of contents shall be given on the outside of the container.

#### THE FOURTEENTH SCHEDULE

[see rule 60(60(9))]

##### DAVITS AND LIFEBOATS LAUNCHING GEAR

#### PART I

##### GENERAL

Definition of "Working Load"—In this Schedule the expression "Working Load" means:—

- (a) in relation to davits to which clause (a) of paragraph 1 of Part II applies, the sum of the weight of the lifeboat, its full equipment, the blocks and falls, and the maximum number of persons which the lifeboat is deemed to carry, the weight of each person being taken to be 75 K. gms.
- (b) in relation to davits and other means of launching to which clause (b) or (c) of paragraph 1 of Part II applies, the sum of the weight of the lifeboat, class C boat or other boat, its full equipment, the blocks and falls, and a launching crew consisting of two persons, the weight of each person being taken to be 75 K. gms.
- (c) in relation to winches the maximum pull exerted by the fall of falls at the winch drum during lowering, hoisting or stowing which in any case is to be taken as not less than the working load on the davit or davits divided by the velocity of the lowering tackle.

#### PART II

##### CONSTRUCTION

1. Strength.—(a) Every davit serving a lifeboat which is required by sub-rule (1) of rule 60 to be put into the water when loaded with its full complement of persons shall, together with its winch, falls, blocks and all other associated lowering gear be of such strength that the lifeboat with its full equipment and manned by a launching crew of not less than two persons can be turned out and then safely lowered into the water from the embarkation position with its full complement of persons, when the ship has a trim of up to 10 degrees and is listed up to 15 degrees either way.

(b) Every mechanically controlled single-arm davit shall together with winch falls, blocks and all other associated lowering gear be of such strength and the operating gear shall be of such power that the lifeboat when fully equipped and manned with a launching crew of two members can be turned out and then safely lowered into the water with the ship listed to 25 degrees.

(c) Every set of davits, or other means of launching to which a lifeboat, class C boat or other boat is attached other than a davit the strength of which is specified in clause (a) or (b) of this paragraph, shall together with its winch, falls, blocks and other associated lowering gear be of such strength that the lifeboat, Class C boat or other boat with its full equipment and manned by a launching crew of two members, can be turned out and then safely lowered into the water when the ship has trim of 10 degrees and is listed up to 15 degrees either way.

(d) Every set of davits, davit or other means of launching to which lifeboat class C boat or other boat is attached, other than a davit the strength of associated hoisting gear shall be of such strength that the boat can be safely hoisted and stowed when loaded with its full equipment and at least two persons, and in addition in the case of an emergency lifeboat that it can be safely hoisted from the water to the embarkation deck at a speed of not less than 18 metres per minute when loaded with its full equipment and a distributed load of 1016 Kgms.

2. Gravity davits.—(i) All gravity davits shall be so designed that there is a positive turning out moment during the whole of the davit travel from the inboard to the outboard position when the vessel is upright and also when the vessel is listed at any angle upto and including 25 degrees either way from upright.

(ii) In the case of gravity type davits comprising arms mounted, on rolls which engage with and travel down fixed inclined trackways, the trackways shall be inclined at an angle of not less than 30 degrees to the horizontal when the vessel is upright.

Luffing davits.—The operating gear of all luffing type davits shall be of sufficient power to ensure that the lifeboats, class C boats or other boats fully equipped and manned with the launching crew, but not added with the persons, can be turned out against a list of at least 15 degrees.

4. Mechanically controlled single arm davits.—The working load of any mechanically controlled single arm davit shall not exceed 1524 Kgms.

Stresses.—(a) In case of davits other than mechanically controlled single arms davits the designed stress on the davits arms, when operating under maximum load and conditions of firm and of list, shall afford an adequate factor of safety having regard to the equality of the material used, the method of construction and the nature of the load to which the davits are subjected.

(b) In the case of mechanically controlled single arm davits the designed stress, on the davit when operating under maximum load and conditions of favourable list shall afford an adequate factor of safety having regard to the quality of the material used, the method of construction, and the live nature of the load to which the davit is subjected.

6. Static load test.—Each davit with its arm at full outreach shall be capable of withstanding a static load test of not less than 2.2 times that part of the working load supported by the arm.

7. Attachments at the davit head.—The attachments at the davit head from which the blocks are suspended shall be capable of withstanding a proof load test of not less than 2½ times the maximum load on the attachments.

8. Blocks.—(a) (i) All blocks used in the operation of hoisting and lowering of lifeboats, class C boats or other boats shall be of a design that affords an adequate factor of safety.

(ii) Lower blocks, when fitted, shall be non-toppling and in the case of emergency lifeboat provision shall be made to prevent the falls from cabling.

(iii) The size of blocks shall be commensurate with the size of the falls.

(b) (i) A metal block shall be capable of withstanding a proof load test of not less than 2½ times the maximum load it is intended to carry in service.

(ii) The clearance between the sheaves and the block checks of metal blocks in which wire rope is used shall be kept to a practical minimum that will prevent the rope from overriding the rim of the sheave or any block or lead sheave.

(iii) Component parts of blocks other than their sheaves shall be of ductile material.

(c) a wood block shall be capable of withstanding a proof load of not less than 2½ times the load on the block. The width between the checks shall be 12.7 mm, greater than the diameter of new cordage ropes when these ropes are 9.6 cms. in circumferences, and less in proportion to the circumference of the ropes when they are smaller.

Wire ropes.—(a) The breaking tensile load of each wire rope used for lowering lifeboats, class C boats or other boats shall be not less than six times, the maximum load on the wire rope when lowering, hoisting or stowing;

(b) Wire ropes shall be securely attached to the drum of the winch, and the end attachments of the wires and other parts from which the lifeboat, class C boat or other boat is to be suspended shall be capable of withstanding a proof load of not less than 2½ times the load on such attachments and other parts; and

(c) Where wire rope splices or ferrule-secured eye terminals are used they shall be capable of withstanding a proof test of not less than 2½ times the load imposed on them in service unless, samples representing each side of wire on which they are used, show a factor of safety of at least 5 when tested to destruction.

Winches.—(a) (i) In the case of davits other than mechanically controlled single-arm davits, winch drums shall be arranged to keep the two falls separate and to enable them to pay out at the same rate;

(ii) The leads of the wire-ropes shall be such that they will wind evenly on the drums and lead blocks shall be arranged to give fleet angle or angle of lead of not more than five degrees for grooved drums and three degrees for ungrooved drums; and

(iii) In the case of mechanically controlled single-arm davits, the lead of the wire rope fall shall be such that the fall winds evenly on the drum.

(b) (i) Winch brakes shall be of robust construction and afford complete control and limitation of speed in the operation of lowering;

(ii) The hand brake shall be arranged that it is normally in the "ON" position and returns to the "ON" position when the control handle is not being operated;

(iii) The weight in the brake level shall be sufficient to operate the brake effectively without additional pressure;

(iv) The brake gear shall include means for automatically controlling the speed of lowering to ensure that the lifeboat, Class C boat or other boat is lowered expeditiously without exceeding a rate of lowering consistent with safety;

- (v) For this purpose, the automatic brake shall be set to give a speed of lowering of the lifeboat of between 18 and 36 metres per minute;
  - (vi) Rather gear shall be incorporated in the hand brake mechanism of lifeboat winches; and
  - (vii) Where practicable the brake gear shall be so situated as to enable the man operating the winch to have the lifeboat, class C boat or other boat under observation during the whole process of its being launched into the water, provided that winches serving emergency lifeboats shall in any case be so placed.
- (c) Each winch shall be capable of lowering and holding a test load of 1.5 times the working load as defined in item (c) of Part I; and

(d) Winches shall be so constructed that the crank handle or handles are not rotated by moving parts of the winch when the lifeboat, Class C boat or other boat is being lowered or when it is being hoisted by power and provision shall be made to allow the falls to be manually unwound.

11. Cordage rope falls.—(i) Cordage rope falls shall be of manilla or some other suitable material and shall be durable, uninkable, firm laid and pliable;

(ii) The rope shall be able to pass freely under any conditions through a hole 1 cm. larger than the nominal diameter of the rope;

(iii) The breaking load of each rope used for lowering lifeboat, Class C boats or other boats shall be not less than 6 times the maximum load on the rope when lowering or hoisting; and

(iv) Rope of less than 6.3 cms. in circumference shall not be used for lifeboat falls. Winding reels or flanging boxes for the manilla rope falls shall be provided.

12. Bollards.—(i) Suitable bollards or other equally effective appliances for lowering any lifeboat, Class C boat or other boat shall be provided in all cases where cordage rope falls are used.

(ii) Such bollards or other appliances shall be sited so as to ensure that the lifeboat, Class C boat or other boat served by them can be safely lowered, and fairleads or lead sheaves shall be fitted so as to ensure that it shall not be lifted during the process of turning out or swinging out.

### PART III

#### TESTS AFTER INSTALLATION ON BOARD

1. General.—Tests shall be made to ensure that all lifeboats, Class C boats or other boats attached to davits can be restowed from the embarkation position safely and with facility when loaded with the required equipment and that when so loaded the lifeboat, Class C boat or other boat can when released be lowered by gravity into the water against the frictional resistance of the winch, falls, blocks and other associated gear.

2. Lowering tests.—(a) Each pair of davits to which clause (a) of paragraph (1) of Part II applies and any associated lifeboat winches and their brakes shall be capable of withstanding the following test:—

The lifeboat at each set of davits shall be lowered from the embarkation deck into the water loaded with the equipment required by these rules and a distributed weight equal to the full number of persons which it is deemed fit to accommodate plus 10 percent of the working load, winch brakes exposed to the weather shall be capable of withstanding the foregoing test with braking surface wetted.

(b) In the case of davits to which clause (b) or (c) of paragraph (1) of Part II applies, the lifeboat, Class C boat or other boat shall be lowered into the water with the equipment required by these rules and a distributed weight equal to the weight

of a launching crew of two persons plus 10 per cent of the working load; and

(c) For the purpose of the tests required under clause (a) and (b) the weight of a person shall be taken to be 75 kgms.

3. Hoisting tests for emergency lifeboat.—Emergency lifeboats which are required by these rules to be served by winches for recovery shall in addition to the tests required by paragraph 2 of this Part be tested by hoisting the emergency lifeboat with the equipment required by these rules and a distributed load of 1016 Kgms. plus ten per cent of the total holding load, including blocks and falls, from the water to the embarkation deck, at the maximum hoisting speed.

### THE FIFTEENTH SCHEDULE

[See rule 60(16)(c)]

#### LIFEBOAT DISENGAGING GEARS

1. Lifeboat disengaging gears shall be so arranged as to ensure simultaneous release of both ends of the lifeboat.

2. The means of effecting release shall be placed aft.

3. The gear shall be of type which will permit the release of the lifeboat only when it is waterborne.

4. The gear shall be of a type which will permit release should there be a towing strain on the link or falls.

5. The hooks shall be suitable for instant unhooking by hand.

6. The point of attachment of the hook to the eye, ring or link of the block shall not be lower than when ordinary fixed hooks are fitted.

7. The gear and mechanism for effecting release shall be so constructed and arranged as to ensure the safety of the lifeboat independently of any safety pins.

8. (a) (i) The means for effecting release shall be by hauling on or letting go a line or by using a lever. If release is effected by a pull upon a line shall be properly cased in; and

(ii) Roads or other connections between chooks shall also be cased in whenever this is necessary for the safety or the efficient action of the gear or for the protection of persons from injury.

(b) The fairleads shall be properly arranged to prevent the lines from jamming or nipping, and shall be strongly attached to permanent parts of the lifeboat. The lines shall be fitted with chains where necessary for efficiency.

Such parts of the gear as would otherwise be likely to be set fast by rust or corrosion shall be made of non-corrodible metal.

No parts of the gear taking the weight the lifeboat shall be made of cast metal.

The scantlings and proportions of all parts which support the weight of the lifeboat shall be designed to provide breaking strength proportionate to a load of at least 2-1/2 times the weight of the heaviest loaded lifeboat in which the gear is intended to be fitted.

### THE SIXTEENTH SCHEDULE

[See rule 68(ii)]

#### SHIPS PARACHUTE DISTRESS ROCKET SIGNALS

1. Every ship's parachute distress rocket signal shall consist of a single bright red star which is projected to the required height by means of a rocket, and which burns while falling, its rate of fall being controlled by means of a parachute to an average rate of 4.5 metres per second.

2. (i) When the rocket is fixed approximately vertically, the star and parachute shall be ejected at or before the top of the trajectory at a minimum height of 229 metres.

(ii) The rocket shall in addition be capable of functioning when fired at an angle of 45 degrees to the horizontal.

3. (i) The star shall burn with a minimum luminosity of 30,000 candle power for not less than 40 seconds.

(ii) It shall burn out at a height of not less than 46 meters from the sea level.

4. (i) The parachute shall be of such size as to provide the required control of the rate of fall of the burning star.

(ii) It shall be attached to the star by means of a flexible fireproof harness.

5. (i) The rocket may be ignited by any suitable method.

(ii) If external ignition by means of a safety fuse is employed, the outer end of the safety fuse shall be covered with a metal ferrule primed with match composition and a separate striker shall be suitably attached to each rocket.

6. The match composition, the striker composition, the ferrule, and the whole of the external surface of the rocket shall be water-proofed.

7. The rocket shall be capable of functioning properly after immersion in water for one minute and removal of the adhering water by shaking.

8. All components, compositions and ingredients shall be of such a character and of such a quality as to enable the rocket to maintain its serviceability under good average storage conditions for a period of at least two years.

9. (i) The rocket shall be packed in a container which shall be durable, damp-proof and effectively sealed;

(ii) If made of metal the container shall be well tinned or lacquered, or otherwise adequately protected against corrosion.

10. The date on which the rocket is filled shall be stamped indelibly on the rocket and on the container.

10. Clear and concise directions for use in the English and Hindi languages shall be printed indelibly on the rocket.

[F. No SW/5-MSR(II)/78-MA]  
ANURAG BHATNAGAR, Under Secy.